

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

OK  
29/7/85

सं० 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 11, 1985 ( वैशाख 21, 1907 )  
No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 11, 1985 (VAISAKHA 21, 1907)

इस भाग में सिंगल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

#### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च, 1985

सं० ए० 32018/4/83-प्रशा० II:—इस कार्यालय की समसंध्यक अधिसूचना दिनांक 6-3-85 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एन० द्वारा निम्नलिखित स्थायी प्रोग्राम सहायक सहकन्सोल ऑपरेटरों को 1-4-85 से 30-9-85 तक छः महीने की अग्रतर अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रोग्रामर, के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

1. श्री डी० आर० आनन्द
2. श्री वी० के० बोहरा
3. श्रीमती रीता तुलसे

प्रोग्रामर के पद पर ये नियुक्तियां पूर्णतः तदर्थ आधार पर हैं और इससे उच्च उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति का अथवा वारंटता का कोई हक नहीं मिलेगा।

दिनांक 21 मार्च, 1985

सं० ए० 19014/5/84-प्रशा० I:—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा के अधिकारी, श्री जी० के० सिन्हा को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 1-3-1985 (पूर्वाह्न)

—5661/85

(16069)

से आगामी आदेशों तक उप सचिव के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 मार्च 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा० III:—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/85-प्रशा० III दिनांक 14-2-85 का आंशिक संशोधन में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के रूप में नियुक्त सर्वश्री एस० डी० मल और मनजीत कुमार की तदर्थ नियुक्ति की अवधि उनके नाम के सामने नचे निदिष्ट तिथि से अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो के अनुसार होगी।

क्र० सं०	नाम	तदर्थ नियुक्ति की अवधि
1.	श्री एस० डी० मल	11-2-85 से 4-4-85 तक
2.	श्री मनजीत कुमार	18-2-85 से 4-4-85 तक

2. राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० सं० से० के नियमित सहायक श्री वी० डी० शर्मा को सं० लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 1-3-85 से 31-3-85 तक, अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 मार्च, 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा० III :—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग के निम्नलिखित नियमित सहायक को सं० लो० से आ० के कार्यालय में प्रत्येक के नाम के सामने निर्दिष्ट तिथि से अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्र सं०	नाम	अवधि
सर्वश्री		
1. एस० एल० कुमार		1-4-85 से 29-7-85 तक
2. फिलिप जान्		1-4-85 से 29-7-85 तक
3. ए० एस० जाट		1-4-85 से 29-7-85 तक
4. सी० एल० भट्ट		1-4-85 से 30-8-85 तक
4. भगीरथ कुमार		1-4-85 से 29-7-85 तक
6. के० एल० सूद		1-4-85 से 30-6-85 तक
7. एस० डी० मल		5-5-85 से 30-6-85 तक
8. मनजीत कुमार		5-4-85 से 30-6-85 तक
9. अमृत लाल		15-4-85 से 30-6-85 तक
10. सी० एन० जसरा		15-4-85 से 31-5-85 तक
11. श्रीमती मोली तिवारी		1-4-85 से 15-5-85 तक
12. एच० सी० शर्मा		5-4-85 से 19-5-85 तक
13. तारा सिंह (अ० जा०)		1-4-85 से 15-5-85 तक
15. एस० पी० एस० सागर (अ० जा०)		15-4-85 से 15-5-85 तक

दिनांक 1 अप्रैल, 1985

सं० ए० 38014/10/84-प्रशा० III:—कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० सं० से० के स्थाई सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री बी० डी० शर्मा को 31 मार्च, 1985 के अपराल्ल से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक 6 अप्रैल, 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा०-III:—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27 मार्च, 1985 के आंशिक संशोधन में उक्त अधिसूचना की क्रम संख्या 12 पर दर्शायी गई अनुभाग अधिकारी के पद पर श्री एच० सी० शर्मा को तदर्थ नियुक्ति की अवधि 6-4-1985 से 20-5-1985 तक की अवधि के लिय अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, होगी।

दिनांक 8 अप्रैल, 1985

सं० ए० 12034/2/83-प्रशा० (I) में—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा निम्नलिखित स्थायी अनुसंधान सहायकों (भाषा) को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 9-11-1984 से आगामी आदेशों तक रु० 700-40-900-

द०रो०-40-1100-50-1300(ग्रुप 'क' राजपत्रित) के वेतन-मान में प्रारम्भिक गठन के उन्नत पदों पर अनुसंधान अधिकारी (पसु) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं

1. कु० के० बन्धोपाध्याय
2. श्री एम० एल० बरादपांडे (इस समय 31-7-1984 (अप०) में के साहित्य अकादमी में विदेश सेवा पर
3. श्री बुद्धदेव घोष
4. श्री एस० बी० कोड्ड
5. श्री अरविन्द नाथ शर्मा
6. श्रीमती जी० मन्जीत सिंह

एम० पी० जैन

अवर सचिव (प्र०)

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० वि० के अ० ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1985

सं० 3/21/85-प्रशासन-5—राष्ट्रपति ने मद्रास राज्य के अधिकारी, श्री बी० नन्दा कुमार को दिनांक 25 मार्च, 1985 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, प्रतिनियुक्ति पर, वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त किया है।

श्री बी० नन्दा कुमार को कोचीन शाखा में तैनात किया जाता है :

दिनांक 20 अप्रैल, 1985

सं० 3/16/85-प्रशासन-5—राष्ट्रपति ने श्री जे० के० दत्त, भा० पु० सेवा (पश्चिम बंगाल : 1971) को दिनांक 15 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में, प्रतिनियुक्ति के आधार पर, पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

राम स्वरूप नागपाल

प्रशासनिक अधिकारी (स्थापना)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 अप्रैल 1985

सं० 13/6/81-प्रशा०-1—महानिदेशक पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो श्री एन० पी० गुप्ता, उप-पुलिस अधीक्षक को पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो में 4-7-1979 से उप-पुलिस अधीक्षक के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

जी० मजुमदार

संयुक्त सहायक निदेशक



महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 17 अप्रैल, 1985

सं० ओ० पी० 1971/84-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर टी० के० राय को 25 मार्च 1985 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं० ओ० दो 1761/82-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) पुरामा प्रधान को 14 मार्च 1985 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 19 अप्रैल 1985

सं० ओ० बी० 1784/82-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर भवानी प्रसाद हजारीका को 2 मार्च 1985 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 20 अप्रैल 1985

सं० ओ० बी० 1707/81-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री राजेन्द्र सिंह, पुलिस उप-अधिक्षक, सिगनल वाहिनी के० रि० पु० बल को स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त होने की मंजूरी के० रि० पु० बल के रूल 43(डी) के अन्तर्गत दिनांक 15-4-1985 (पूर्वाह्न) से देते हैं।

अशोक राज महीपति  
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 16 अप्रैल 1985

सं० ई-32015/3/21-84-कार्मिक-1—राष्ट्रपति, श्री सी० डी० कुकरेती को 1 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्न से 27-8-85

तक या इस अवधि में नियमित नियुक्ति किये जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ आधार पर और अस्थायी रूप से के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल० हरिया का कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 अप्रैल 1985

सं० ई-28017/10/84-कार्मिक—अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त के फलस्वरूप, श्री एस० के० चक्रवर्ती ने 31 जनवरी, 1985 के अपराह्न से प्रशिक्षण रिजर्व, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (पूर्वी क्षेत्र), कलकत्ता में सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं० ई-32015/3/20/84-कार्मिक-1—राष्ट्रपति, श्री एस० के० अरोड़ा को दिनांक 28 मार्च, 1985 के अपराह्न से ग्रुप कमांडेंट, के० ओ० सु० व०, मद्रास, के रूप में पूर्णतया तदर्थ और अस्थायी आधार पर और 27-8-85 तक की अवधि के लिए या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियों किए जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्ति करते हैं।

एस० भानुवराम  
महानिदेशक/के० ओ० सु० व०

श्रम एवं पुर्नवास मंत्रालय

श्रम विभाग

शिमला, दिनांक 3 मार्च 1985

संख्या 23/3/85-सी पी आई—मार्च, 1985 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) फरवरी, 1985 के स्तर 585 से एक अंक बढ़ कर 586 (पांच सौ छयासी) रहा। मार्च, 1985, माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्धित किए जाने पर 712 (सात सौ बारह) आता है।

अ. कृ. मल्होत्रा

उप निदेशक

भारत सरकार/श्रम मंत्रालय

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-2, दिनांक 17 अप्रैल 1985

सं० वा० ले० प० 1/408-84—अपर उप नियंत्रक-महालेखा परीक्षक (वाणिज्यिक) निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) की पदोन्नति करते हैं तथा स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में नियुक्त करते हैं और आगे आदेश दिये जाते

तक कालम 4 में प्रत्येक नाम के सामने उल्लिखित कार्यालय में कालम 5 में उल्लिखित तारीखों में उसी रूप में तैनात करते हैं :—

क्र०सं० सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) का नाम	कार्यालय जहाँ पदोन्नत से पहले कार्यरत थे	कार्यालय जहाँ पदोन्नत के बाद लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनात किये गये	लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की तारीख
1	2	3	4
सर्वश्री			5
1. बी०एन० दवे	महालेखाकार (लेखा परीक्षा) गुजरात	सदस्य लेखा-परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक (वा०) ले० प०, बम्बई	5-10-1984
2. के०एन० सदानन्दन II	महालेखाकार-11, तमिलनाडु, मद्रास	महालेखाकार (लेखा परीक्षा) कर्नाटक	9-8-1984
3. आर०एस० वर्मा	महालेखाकार (लेखा परीक्षा) राजस्थान	निदेशक लेखा-परीक्षा वैज्ञानिक एवं वाणिज्यिक विभाग, बम्बई	13-8-1984
4. यू० आर० पटोलिया	—वही—	महालेखाकार (लेखा परीक्षा) जम्मू एवं कश्मीर, श्री नगर	18-8-1984
5. के० बी० राव	भारत हैवी इलेक्ट्रीकल्स, हैदराबाद में प्रतिनिधित्व पर	महालेखाकार (लेखा परीक्षा)	10-8-1984
6. एम० एल० बी० श्रीवास्तव	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, देहरादून	महालेखाकार (लेखा परीक्षा) 1, पटना, बिहार	17-8-1984
7. टी० विजयकृष्णन	सदस्य लेखा परीक्षा पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा (पी० एंड ओ०) मद्रास	महालेखाकार-(लेखा परीक्षा) उड़ीसा	21-8-1984
8. एच०एन० सरकार	महालेखाकार (लेखा परीक्षा) उड़ीसा भुवनेश्वर	महालेखाकार (लेखा परीक्षा) असम	12-11-1984
9. राम बलीप्रसाद	महालेखाकार (लेखा परीक्षा) 11, उत्तर-प्रदेश, लखनऊ	सदस्य लेखा-परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, रांची	18-8-1984
10. परमानन्द	—वही—	—वही—	18-8-1984
11. ए० एस० शास्त्री	भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली	महालेखाकार (लेखा परीक्षा) असम	21-8-1984
12. गुरुदेव सिंह	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, नई दिल्ली	महालेखाकार (लेखा परीक्षा) हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़	18-8-1984 (पूर्वाह्न)
13. एम०एल० बरेजा	निदेशक लेखापरीक्षा वैज्ञानिक एवं वाणिज्यिक विभाग, बम्बई	महालेखाकार (लेखा परीक्षा) गुजरात, अहमदाबाद	3-12-1984

1	2	3	4	5
14. एन० चक्रवर्ती		महालेखाकार (लेखा-परीक्षा (कर्नाटक, बंगलौर)	सदस्य लेखा परीक्षा-बोर्ड एंव पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा, हैदराबाद	20-8-1984

के० पी० लक्ष्मण राव  
सहायक नियन्त्रक मालखा परीक्षक

कार्यालय : निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1985

सं० प्रशा० का० आ० सं० 83--निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी श्री आर० सी० जुन को 840-1200 रु० के समयमान में दिनांक 1-10-1984 से स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

ह/- अपठनीय  
उप निदेशक

महालेखाकार का कार्यालय, आन्ध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 20 अप्रैल 1985

सं० प्रशा० 1/8-132/84-85/13--श्री ए० रामस्वामी लेखापरीक्षा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय (लेखा-परीक्षा) आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद से दिनांक 31-3-1985 अपराह्न से निवृत्त हुए हैं।

न० रामस्वामी  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार  
(प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम,  
मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 17 अप्रैल 1985

सं० प्रशा० 11/समूह-1/पदोन्नति/ले० प० अ०/19/29--महालेखाकार (ले० प०) प्रथम म० प्र० ने निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 840-40-1000-रु० अ०-40-1200 में उनके नाम के आगे दर्शाए दिनांक से कार्यभार ग्रहण करने की दिनांक से आगामी आदेश तब पदोन्नति किया गया है --

क्र० सं०	नाम	स्थायी क्रमांक	कार्यग्रहण करने का दिनांक	आवंटन
1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
1.	डॉ० एस० जय-मोला	01/336	27-3-85 पूर्वाह्न	म० ले० (ले० प०) द्वितीय म० प्र० ग्वालियर

1	2	3	4	5
2.	वी० व्ही० अय्यर	01/330	27-3-85 अपराह्न	म० ले० (ले० प०) द्वितीय म० प्र० ग्वालियर
3.	आर० एस० वर्मा	01/309	1-4-85 पूर्वाह्न	"

प्राधिकार महालेखाकार (ले० प०) प्रथम के आदेश दिनांक 27-3-1985।

ह/- अपठनीय  
उप महालेखाकार  
प्रशासन

महालेखाकार (लेखा तथा अधिकार) का कार्यालय उड़ीसा  
भुवनेश्वर, दिनांक 17 अप्रैल, 1985

सं० ई० ओ० 6--महालेखाकार (लेखा एवं अधिकारी) उड़ीसा द्वारा श्री आर० रामा राव अनुभागाधिकारी को स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर वेतनमान 840-40-1000-रु० र०-1200 पर दिनांक 9-4-1985 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त प्रदान कर दी है यह नियुक्ति भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग (प्रशासनिक) पदाधिकारी, लेखाधिकारी और लेखा परीक्षा अधिकारी) भर्ती नियमावली 1964 के अन्तर्गत की गई है। यह पदोन्नति तदर्थ आधार पर इस शर्त पर की गई है कि उससे वरिष्ठ अधिकारियों के विचाराधीन दावों के मामलों में निष्पक्ष रूप में उच्च/उच्चतम न्यायालय का निर्णय अंतिम होगा।

के० एम० मेनन  
वरिष्ठ उप महालेखाकार  
प्रशासन

महालेखाकार का कार्यालय उत्तर प्रदेश

इलाहाबाद, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

सं० प्रशा० /ए० सी०/(ले० प०) 1/13-7/95--श्री काली प्रसाद, स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी, कार्यालय, महालेखाकार (प्रथम, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद से निवृत्ति की आयु प्राप्त कर 31 मार्च, 1985 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सं० प्रशा०/ए० सी० (ले० प०) 1/13-7/95--निम्न लिखित कार्यावाह लेखा परीक्षा अधिकारियों को उनके नाम के आगे

उल्लिखित तिथियों से स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप से नियुक्त किया है —

क्र० सं०	नाम	स्थायी नियुक्ति की तिथि
सर्वश्री		
1.	त्रिलोकी नाथ तिवारी	1-8-1984
2.	एस० के० मोईना	1-8-1984
3.	रमेश चन्द्र आनन्द	1-10-1984
4.	राम धनी सिंह	1-10-1984
5.	प्रकाश बहादुर	1-11-1984
6.	पी० जी० सिन्हा	1-2-1985
7.	ए० सी० सिन्हा	1-2-1985
8.	केशरी नारायण वर्मा	1-4-1985

राजीव शर्मा  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार  
प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार ((II) पश्चिम बंगाल  
स्थानीय लेखापरीक्षा विभाग  
आदेश

कलकत्ता-700001, दिनांक 4 दिसम्बर 1984

सं० एल० ए०/प्रशा०/946/पुनर्गठन/325—कार्यालय महालेखाकार—द्वितीय, पश्चिम बंगाल में स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्गों के पुनर्गठन तथा एफ० आर० 31(1) के नीचे के 'अगला निचला नियम' के अनुसार प्रोन्नति प्रदान करने के पूर्व शर्तें पूर्ण करने के फलस्वरूप महालेखाकार महोदय ने श्री शेखर गुप्ता, उक्त कार्यालय के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न रूप से उनके मूल कार्यालय में, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-880-६० को०-40-1040 पर दिनांक 28-5-1984 के पूर्वाह्न से या उसके बाद के किसी दिनांक जिससे उनके कनिष्ठ श्री शिव प्रसाद प्रमानिक अनुभाग अधिकारी, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के हैसियत से वास्तव में कार्यभार ग्रहण किया/करते हैं, प्रोफार्मा प्रोन्नति प्रदान करने की कृपा की है।

प्रारम्भिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्नति के समय की शर्तें यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

सं० एल० ए०/प्रशा०/946/पुनर्गठन/325—कार्यालय महालेखाकार—द्वितीय, पश्चिम बंगाल में स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्गों के पुनर्गठन तथा एफ० आर० 31(1) के नीचे के 'अगला निचला नियम' के अनुसार प्रोन्नति प्रदान करने के पूर्व शर्तें पूर्ण करने के फलस्वरूप, महालेखाकार महोदय ने श्री अनिलचन्द्र घोष, उक्त कार्यालय के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न रूप से उनके मूल कार्यालय में, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-880-६० रो०-40-1040 पर दिनांक

29-5-1984 के पूर्वाह्न से या उसके बाद के किसी दिनांक जिससे उनके ठीक कनिष्ठ बामुदेव बसु अनुभाग अधिकारी सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के हैसियत से वास्तव में कार्यभार ग्रहण किया/करने हैं, प्रोफार्मा प्रोन्नति प्रदान करने की कृपा की है।

प्रारम्भिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्नति के समय की शर्तें यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

सं० एल० ए०/प्रशा०/946/पुनर्गठन/325—कार्यालय महालेखाकार द्वितीय, पश्चिम बंगाल में स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्गों के पुनर्गठन तथा एफ० आर० 31(1) के नीचे के 'अगला निचला नियम' के अनुसार प्रोन्नति प्रदान करने के पूर्व शर्तें पूर्ण करने के फलस्वरूप, महालेखाकार महोदय ने विभूती भूपन दास, उक्त कार्यालय के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न रूप से उनके मूल कार्यालय में, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-880-६० रो०-40-1040 पर दिनांक 29-5-1984 के पूर्वाह्न से या उसके बाद के किसी दिनांक जिससे उनके ठीक कनिष्ठ श्री गोपाल चन्द्र ठाली अनुभाग अधिकारी, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के हैसियत से वास्तव में कार्यभार ग्रहण किया/करते हैं, प्रोफार्मा प्रोन्नति प्रदान करने की कृपा की है।

प्रारम्भिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्नति के समय की शर्तें यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगे।

सं० एल० ए०/प्रशा०/946/पुनर्गठन/325—कार्यालय महालेखाकार-द्वितीय, पश्चिम बंगाल में स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्गों के पुनर्गठन तथा एफ० आर० 31(1) के नीचे के 'अगला निचला नियम' के अनुसार प्रोन्नति प्रदान करने के पूर्व शर्तें पूर्ण करने के फलस्वरूप, महालेखाकार महोदय ने श्री भास्कर नन्द बोस, उक्त कार्यालय के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न रूप से उनके मूल कार्यालय में, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-880-६० रो०-40-1040 पर दिनांक 29-5-1984 के पूर्वाह्न से या उसके बाद के किसी दिनांक जिससे उनके कनिष्ठ श्री बिरेंद्र नाथ बटव्याल अनुभाग अधिकारी, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के हैसियत से वास्तव में कार्यभार ग्रहण किया/करते हैं, प्रोफार्मा प्रोन्नति प्रदान करने की कृपा की है।

प्रारम्भिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्नति के समय की शर्तें यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगी।

सं० एल० ए०/प्रशा०/496/पुनर्गठन/325—कार्यालय महालेखाकार-द्वितीय, पश्चिम बंगाल में स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्गों के पुनर्गठन तथा एफ० आर० 31(1) के नीचे के 'अगला निचला नियम' के अनुसार प्रोन्नति प्रदान करने के पूर्व शर्तें पूर्ण करने के फलस्वरूप, महालेखाकार महोदय ने श्री प्रवीर कुमार राय, उक्त कार्यालय के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न रूप से उनके मूल कार्यालय में, सहायक

परीक्षा अधिकारी के पद पर वेतन 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 पर दिनांक 29-5-1984 के पूर्वार्द्ध से या उसके बाद के किसी दिन जिससे उनके ठीक कनिष्ठ श्री बारीद बटरण मुखर्जी अनुभाग अधिकारी, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के हैसियत से वास्तव में कार्यभार ग्रहण किया/करते हैं, प्रोफार्मा प्रोन्नति प्रदान करने की कृपा की है।

प्रारम्भिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्नति के समय की शर्तें यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगी।

सं० एल० ए०/प्रशा०/946/पुनर्गठन/325—कार्यालय महालेखाकार-द्वितीय, पश्चिम बंगाल में स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्गों के पुनर्गठन तथा एफ० आर० 31(1) के नीचे के 'अगला निचला नियम' के अनुसार प्रोन्नति प्रदान करने के पूर्व पूर्ण करने के फलस्वरूप, महालेखाकार महोदय ने श्री अभय शंकर भर, उक्त कार्यालय के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न रूप से उनके मूल कार्यालय में, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 पर दिनांक 29-5-1984 के पूर्वार्द्ध से या उसके बाद के किसी दिनांक जिससे उनके ठीक कनिष्ठ श्री मुद्राशु रक्षित अनुभाग अधिकारी सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के हैसियत से वास्तव में कार्यभार ग्रहण किया/करते हैं, प्रोफार्मा प्रोन्नति प्रदान करने की कृपा की है।

प्रारम्भिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्नति के समय की शर्तें यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगी।

सं० एल० ए०/प्रशा०/946/पुनर्गठन/325—कार्यालय महालेखाकार-द्वितीय, पश्चिम बंगाल में स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्गों के पुनर्गठन तथा एफ० आर० 31(1) के नीचे के 'अगला निचला नियम' के अनुसार प्रोन्नति प्रदान करने के पूर्व पूर्ण करने के फलस्वरूप, महालेखाकार महोदय ने श्री तुषार कान्ति सरकार, उक्त कार्यालय के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न रूप से उनके मूल कार्यालय में, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 पर दिनांक 29-5-1984 के पूर्वार्द्ध से या उसके बाद के किसी दिनांक जिससे उनके ठीक कनिष्ठ श्री अरूण कुमार सेनगुप्ता अनुभाग अधिकारी, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के हैसियत से वास्तव में कार्यालय ग्रहण किया/करते हैं, प्रोफार्मा प्रोन्नति प्रदान करने की कृपा की है।

प्रारम्भिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्नति के समय की शर्तें यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगी।

दिनांक 20 मार्च, 1985

सं० एल० ए०/प्रशा०/पुनर्गठन/946/459—जैसा कि श्री किशलय कान्ति विशाल अनुभाग अधिकारी जो कि इस समय जिला बोर्ड मूशिंगबाद जिला स्कूल बोर्ड में विदेश

सेवा पर नियुक्त है, जिसे 2-9-83 को समाप्त होने वाले टर्म के समाप्ति पर उधारदाता प्राधिकारी के अनुमोदन के बिना अभी तक उधारदाता प्राधिकारी के द्वारा मुक्त नहीं किया गया और कार्यालय महालेखाकार-द्वितीय पश्चिम बंगाल के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के वर्गों के पुनर्गठन के फलस्वरूप तथा एफ० आर० 31(1) के नीचे के 'अगला निचला नियम' के अनुसार प्रोन्नति प्रदान करने के पूर्व शर्तें पूर्ण करने के कारण महालेखाकार-द्वितीय पश्चिम बंगाल ने श्री किशलय कान्ति विश्वास, उक्त कार्यालय के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के अनुभाग अधिकारी को स्थानापन्न रूप से उनके मूल कार्यालय में सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 दिनांक 30-7-1984 के पूर्वार्द्ध से या उसके बाद के किसी दिनांक जिससे उनके ठीक कनिष्ठ श्री पंकज सरकार अनुभाग अधिकारी, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के हैसियत से कार्यभार ग्रहण किया/करते हैं, प्रोफार्मा प्रोन्नति प्रदान करने की कृपा की है।

प्रारम्भिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती प्रोन्नति के समय की यथोचित परिवर्तन से साथ लागू रहेंगी।

सं० एल० ए०/प्रशा०/पुनर्गठन/946/459—जैसा कि श्री विष्णुपट्ट भट्टाचार्य, अनुभाग अधिकारी, जोकि इस समय जिला स्कूल, बोर्ड, पुरलिया, जिसका तालुक बोर्ड, में विदेश सेवा पर नियुक्त है, जिसे 31-3-83 को समाप्त होने वाले टर्म के समाप्ति पर उधारदाता प्राधिकारी के अनुमोदन के बिना अभी तक उधारकर्ता प्राधिकारी के द्वारा, मुक्त नहीं किया गया और कार्यालय महालेखाकार, द्वितीय पश्चिम, बंगाल, के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के संवर्गों के पुनर्गठन, के फलस्वरूप, तथा एफ० आर०, 31 (1), के नीचे, के अगला निचला नियम के अनुसार प्रोन्नति प्रदान करने के पूर्व, शर्तें पूर्ण करने के कारण महालेखाकार द्वितीय, पश्चिम बंगाल, ने श्री विष्णुपट्ट, भट्टाचार्य, उक्त कार्यालय के स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग के अनुभाग अधिकारी, को स्थानापन्न रूप से उनके मूल, कार्यालय में, सहायक लेखा परीक्षा, अधिकारी के पद पर वेतन मान 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040, दिनांक 30-7-1984 के पूर्वार्द्ध से या उसके बाद के किसी दिनांक जिससे उनके ठीक कनिष्ठ श्री पलक राय चौधुरी, अनुभाग अधिकारी, सहायक/लेखा परीक्षा, अधिकारी के हैसियत से कार्यभार ग्रहण किया करते हैं, प्रोफार्मा, प्रोन्नति प्रदान करने की कृपा की है।

प्रारम्भिक नियुक्ति/भर्ती तथा उत्तरवर्ती, प्रोन्नति के समय की शर्तें यथोचित परिवर्तन के साथ लागू रहेंगी।

एन० जी० चक्रवर्ती  
स्थानीय लेखा परीक्षक,  
पश्चिम बंगाल

## रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 मार्च 1985

सं० प्रणा० 11/2158-85—रक्षा लेखा महानियन्त्रक, निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों (लेखा) को प्रत्येक के नाम के समक्ष, लिखी गयी तारीख से आगामी आदेश पर्यन्त स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	संगठन	तारीख
	सर्व श्रीं		
1.	एम० पी० सिंह	र० ले० नि० (पेंशन) इलाहाबाद	17-10-83
2.	मोलम इलिशा	र० ले० नि० (अफसर) पुणे	1-5-84
3.	दलोप सिंह	र० ले० नि० (अन्य, रैंक), उत्तर मेरठ	4-5-84
4.	मी० एल० जायमवाल	र० ले० नि०, पटना	1-5-84
5.	राजेन्द्रप्रसाध	र० ले० नि०, पटना	29-10-84
6.	राम वृक्ष पाण्डेय	र० ले० नि० (सी० एस० डी०), बम्बई	1-5-84
7.	एस० सी० मित्तल	र० ले० नि०, दक्षिणी कमान, पुणे	1-5-84
8.	एस० पी० श्रीवास्तव	र० ले० नि०, (पेंशन), इलाहाबाद	1-5-84
9.	वी० रामू	र० ले० नि० (अफसर), पुणे	2-5-84
10.	राम पति सिंह	र० ले० नि०, पटना	1-5-84
11.	आर० एन० अवस्थी	र० ले० नि० (अन्य रैंक), मध्य, नागपुर	1-5-84
12.	श्रीमती एम० एन० बढकर	ले० नि० (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-5-84
13.	सी० भिन्दु माधवन	र० ले० नि० (वायुसेना), देहरादून	1-5-84
14.	टी० पी० पदमनाभन कोवेव	र० ले० नि०, (अफसर), पुणे	1-5-84
15.	डो० एन० मल्होत्रा	र० ले० नि०, (मध्य कमान), मेरठ	2-2-84
16.	आर० बेंकटरामन	र० ले० नि०, नई दिल्ली	30-1-84
17.	ए० एस० आर० के० बी० प्रसाद	ले० नि० (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	10-5-84
18.	आर० ए० पाण्डेय	ले० नि० (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	28-6-84
19.	जी० के० अग्रवाल	ले० नि० (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	28-6-84
20.	मी० आर० रामनृजम	र० ले० नि० (मुख्यालय), नई दिल्ली	20-6-84
21.	के० के० झा	र० ले० नि०, पटना	13-7-84
22.	जम्मू नाथ शुक्ला	र० ले० नि० (पेंशन) (संवितरण), नई दिल्ली	29-6-84
23.	डी० वी० कृष्णा राव	र० ले० नि० (अन्य रैंक), मध्य नागपुर	26-6-84
24.	कृष्ण अवतार	र० ले० नि० (मध्य कमान), मेरठ	9-7-84
25.	ए० एस० बेंकटरामन	र० ले० नि० (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास	19-6-84
26.	कैलाश चन्द्रशर्मा	र० ले० नि० (पेंशन संवितरण), नई दिल्ली	26-6-84
27.	डी० सीता० रमैयाह	र० ले० नि०, गौहाटी	30-7-84
28.	एम० के० सक्सेना	र० ले० नि० (अन्य रैंक), मध्य नागपुर	3-8-84
29.	आर० लक्ष्मी नारायणन	र० ले० नि० (दक्षिणी कमान), पुणे	29-10-84
30.	के० ए० देशपाण्डेय	र० ले० नि० (अन्य रैंक), मध्य, नागपुर	27-6-84
31.	रामेश्वर सिंह	र० ले० नि० (पेंशन संवितरण), नई दिल्ली	30-6-84
32.	के० आर० तिवारी	र० ले० नि० (मध्य कमान), मेरठ	30-7-84
33.	रमेश चन्द्रमिश्र	र० ले० नि० (दक्षिणी कमान), पुणे	19-7-84
34.	टी० एल० अण्णा राव	र० ले० नि०, गौहाटी	15-10-84
35.	के० एल० शर्मा	र० ले० नि०, (उत्तरी कमान), जम्मू	5-9-84
36.	वी० रंगनाथन	र० ले० नि० (अन्य रैंक), मध्य, नागपुर	26-9-84
37.	के० एस० श्रीनिवास कुरूप	ले० नि० (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	25-9-84
38.	एन० के० बालामुन्दरम, अय्यर	र० ले० नि० (अफसर), पुणे	1-9-84
39.	दीना नाथ	ले० नि० (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	26-9-84

क्रम सं०	नाम	संगठन	तारीख
	सर्वश्री		
40.	वी० नरसिम्हन	र० ले० नि. (अफसर), पुणे	12-9-84
41.	एन० के० श्रोवर	र० ले० नि० (प० क०), चण्डीगढ़	3-9-84
42.	बिशन लाल देशावर	र० के० नि० (मुख्यालय), नई दिल्ली	1-9-84
43.	चन्द्रदत्त कौशिक	र० ले० नि० (अन्य रैंक), उत्तर मेरठ	4-9-84
44.	के० जी० रस्तोगी	र० ले० महा० नि०, नई दिल्ली	18-9-84
45.	के० पी० सिंह	ले० नि० (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	29-10-84
46.	आर० रामस्वामी	ले० नि० (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	1-10-84
47.	एस० डी० द्विवेदी	र० ले० नि० (अन्य 'रैंक'), उत्तर मेरठ	31-10-84
48.	जी० आर० झा रमन	र० ले० नि., पटना	15-10-84
49.	कृष्ण कुमार शर्मा	र० ले० नि. (अन्य रैंक), उत्तर मेरठ	29-10-84
50.	रामपाल	र० ले० नि० (उत्तरी कमान), जम्मू	29-10-84
51.	सी० तिरुपल्ली, कृष्णन	ले० नि० (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	29-10-84
52.	के० के० सचदेव	ले० नि० (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	10-8-84
53.	प्राग दत्त	र० ले० नि० (मध्य कमान), मेरठ	3-2-84
54.	हरिशंकर	र० ले० नि०, (प० क०), चण्डीगढ़	29-1-85
55.	बदलू सिंह	र० ले० नि० (पेंशन, संवितरण), नई दिल्ली	29-11-84
56.	चरन दास	र० ले० नि० (उत्तरी कमान), जम्मू	29-11-84
57.	शिव सिंह	र० ले० नि० (प० क०), चण्डीगढ़	27-11-84
58.	कृपाल सिंह	र० ले० नि०, गौहाटी	31-12-84
59.	रमेश चन्द्र शाह	र० नि०, पटना	12-1-85
60.	जी० एन० काम्बले	र० ले० नि० (अफसर), पुणे	26-12-84
61.	बी० एल० भनोत्रा	र० ले० नि० (पेंशन संवितरण), नई दिल्ली	31-12-84
62.	सुरेन्द्र प्रकाश	र० ले० नि० (अन्य रैंक), उत्तर मेरठ	31-12-84
63.	सुखराम	र० ले० नि० (वायु सेना), देहरादून	31-12-84
64.	सुशील कुमार	र० ले० नि० (प० क०), चण्डीगढ़	22-12-84
65.	राम प्रसाद	र० ले० नि० (अन्य रैंक), उत्तर मेरठ	31-12-84
66.	जे० पी० टुम्टा	र० ले० नि० (पेंशन संवितरण), नई दिल्ली	28-12-84
67.	बी० एस० सुराडे	र० ले० नि० (वायु सेना), देहरादून	31-12-84
68.	बी० डी० सागर	र० ले० नि० (उत्तरी कमान), जम्मू	29-10-84
69.	पी० सी० मण्डल	र० ले० नि., पटना	30-10-84
70.	श्रीमप्रकाश	र० ले० नि०, (अफसर), पुणे	31-10-84
71.	वी० टी० ठाकुर	र० ले० नि०, (दक्षिणी कमान), पुणे	10-10-84
72.	किशन चन्द	र० ले० नि० (अफसर), पुणे	29-10-84
73.	जीत राम	र० ले० नि०, (अन्य रैंक), उत्तर मेरठ	29-10-84
74.	लोभी लाल	र० ले० नि० (मध्य कमान), मेरठ	11-12-84
75.	प्रेम सिंह	र० ले० नि०, (प० कमान), चण्डीगढ़	30-11-84
76.	डी० पी० सिंह	र० ले० नि० (मुख्यालय), नई दिल्ली	31-12-84
77.	एच० बी० चिनचखाडे	र० ले० नि० (अफसर), पुणे	26-11-84
78.	ए० पनैयादियन	ले० नि० (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	29-11-84
79.	जगवा सिंह	र० ले० नि० (पेंशन संवितरण), नई दिल्ली	29-11-84
80.	सी० एल० कुरील	सू० नि० (फैक्ट्रीज), कलकत्ता	26-11-84

## शुक्ति-पत्र

इस विभाग की अधिसूचना सं० प्रशा०/11/2158-83, दिनांक 7-12-83 जो अस्थायी अनुभाग अधिकारियों ले० (के स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारियों की नियुक्ति के सम्बन्ध में है, में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है।

क्रम सं० 143 के समक्ष

2-12-82 के स्थान पर 21-12-82 पढ़ें।

ए० के० घोष

रक्षा लेखा अपर महानियन्त्रक, (प्रशासन)

## रक्षा मंत्रालय

दिनांक 17 अप्रैल 1985

डी० जी० श्री० एफ० मुख्यालय मिबिल सेवा

आयुध निर्माण बोर्ड

कलकत्ता-700001, दिनांक 1 अप्रैल 1985

सं० 4/85/एई-1 (एन० जी०)—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री कृष्ण नारायण मुखर्जी, स्थानापन्न निजी सचिव (मौलिक एवं स्थायी आशुलिपिक-सी) दिनांक 31-3-1985 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एस० दास गुप्ता

निदेशक/प्रशासन,

कृते, महा निदेशक, आर्मेन्स फैक्टरियां

सं० 6/1486/84-प्रशासन (राज०)/1965—अतः इस कार्यालय में श्री यू० आर० जोशी, नियन्त्रक, आयात-निर्यात सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर लेने पर, 31 मार्च 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं० 6/1025/74-प्रशासन (राज०)/1956—इस कार्यालय के श्री आर० पी० ठाकुर, नियन्त्रक, आयात तथा निर्यात सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 31 मार्च, 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 28 अप्रैल 1985

## वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1985

आयात तथा व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 1/16/83-प्रशासन (राज०)/2008—राष्ट्रपति, श्रीमती, पी० स्वामीनाथन, (केन्द्रीय सचिवालय सेवा चयन ग्रेड क्रम सं०, 1983) को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में 21 फरवरी, 1985 से और 3 माह की अवधि, के लिए तदर्थ आधार पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड में तथा संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के रूप में, स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

प्रकाश चन्द जैन,

मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल, 1985

सं० 6/1393/82-प्रशासन (राज०)/1946— इस कार्यालय में श्री एस० एन० अग्रवाल, नियन्त्रक, आयात-निर्यात, सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर लेने पर 31-3-1985 को अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 1/2/84-प्रशासन (राज०)/190—राष्ट्रपति, श्री पी० वेंकटेशन, केन्द्रीय, सचिवालय सेवा (ग्रेड-1 चयन सूची, 1983-सं० 139), को मुख्य नियन्त्रक, आयात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 1-11-84 से 30-11-84 तक एक और माह की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर और 1 दिसम्बर, 1984 (पूर्वाह्न), से अगले आदेश होने तक, उा मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री वेंकटेशन, की अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर उप-मुख्य नियन्त्रक आयात-निर्यात के रूप में उपर्युक्त, नियुक्ति दिल्ली उच्च न्यायालय में, 1980 की नागरिक समादेश, याचिका सं० 511 श्री थामस मधू, और अन्य दो बनाम भारत संघ और 1985 की नागरिक समावेश याचिका सं० 2555/83-श्री एम० एल० मथानी, और अन्य बनाम भारत संघ, सहित, इससे सम्बन्धित, मामलों, पर दिल्ली उच्च न्यायालय में विचाराधीन, समादेश, याचिकाओं के निर्णय पर आधारित शर्त के अधीन की गई है।

एम० पी० आईसक

उप-मुख्य नियन्त्रक आयात निर्यात  
कृते मुख्य नियन्त्रक, आयात निर्यात



## पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक

सं० ए-31013/5/78 ए-6—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, के निरीक्षण स्कंध के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" धातु शाखा के ग्रेड III के स्थायी पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं	नाम	इस समय किस पद पर कार्य कर रहे हैं	इस समय किस पद पर स्थायी हैं	स्थायी होने की तारीख	टिप्पणी
1.	सर्व श्री आर० एम० साहा	उप निदेशक निरीक्षण (धातु)	सहायक निदेशक निरी० (धातु)	29-10-75	पूर्ति विभाग के दिनांक 22-4-70 के पत्र सं० 42/19/69 के द्वारा स्वीकृत पदों पर।
2.	बी० दास गुप्ता	उप निदेशक निरी० (धातु) प्रति नियुक्ति पर	—वही—	2-3-79	—वही—
3.	एन० पी० परने	उप निदेशक निरी० (धातु)	—वही—	4-7-79	—वही—
4.	डिपान कर कीर्ति	—वही—	—वही—	16-11-79	श्री के० एम० तनेजा के उप निदे० निरी० (धातु) के पद पर स्थायी हो जाने पर।
5.	बी० सुधीर	—वही—	—वही—	31-1-80	श्री एस० बी० गुप्ता के उप निदे० निरी० (धातु) के पद पर स्थाई हो जाने पर।
6.	ए० के० भजूमवार	—वही—	—वही—	16-5-80	श्री एस० के० घोष के उप निदे० निरी० (धातु) के पद पर स्थाई हो जाने पर।
7.	एस० के० गांगुली	—वही—	—वही—	—वही—	श्री जे० पी० गुप्ता के उप निदे० निरी० (धातु) के पद पर स्थायी हो जाने पर।
8.	डी० के० गुप्ता	सहायक निदेशक निरी० (धातु)	—वही—	—वही—	श्री आर० एम० रुडर के सेवा निवृत्त हो जाने पर
9.	पी० के० शान	—वही—	—वही—	—वही—	श्री आर० आर० एस० दुबे के सेवा निवृत्त हो जाने पर।

सोहन लाल कपूर  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-110001, दिनांक 12 अप्रैल 1985

सं० ए-6/247/(92)/58/IV—सेवा निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई

दिल्ली के मुख्यालय में स्थाई निरीक्षण निदेशक, और स्थापित उप महा निदेशक (निरीक्षण) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-I) श्री सी० आर० सरकार 31 मार्च, 1985 के अपराल्ल से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 17 अप्रैल 1985

सं. ए/17011/74-74/प्र -6--राष्ट्रपति, निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) भारतीय निरीक्षण सेवा का ग्रेड-III (ग्रुप "ए") (वस्त्र) श्री ए० के सहगल को 15 फरवरी 1985 के पूर्वार्द्ध से अगला आदेश जारी किसे जाने तक 1100 (छठा वर्ष अथवा कम)-50-1600 रुपये के वेतनमान में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से उप निदेशक निरीक्षण (वस्त्र) भारतीय निरीक्षण सेवा का ग्रेड-II ग्रुप "ए" (वस्त्र शाखा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के सहगल ने निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा 15 फरवरी 1985 के पूर्वार्द्ध से, उत्तरी निरीक्षण मण्डल नई दिल्ली के अधीन उप निदेशक निरीक्षण (वस्त्र) लुधियाना के कार्यालय में उप-निदेशक निरीक्षण (वस्त्र), के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं. ए-17011/157/79-प्र-6--राष्ट्रपति निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" का ग्रेड-II) (वस्त्र शाखा) श्री डी० सी० दास को दिनांक 15 फरवरी 1985 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों के दिए जाने तक, 1100 (छठा वर्ष अथवा उससे कम)-50-1600 रुपये के वेतनमान में, नियमित आधार पर उप निदेशक निरीक्षण (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" का ग्रेड-II) (वस्त्र शाखा) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री डी० सी० दास ने निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 15-2-85 के पूर्वार्द्ध से निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में उप-निदेशक, निरीक्षण (वस्त्र) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं. ए-32013/16/84-ए-6--राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के सुपर टाइट स्केल के पद पर स्थाई उप महा निदेशक (निरीक्षण) श्री ए० मिश्रा को दिनांक 5 जनवरी 1985 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेशों तक 2250-125/2-2500 रु० के वेतनमान में नियमित आधार पर भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रुप "ए" के सुपर टाइट स्केल में स्थानापन्न रूप से अपर महा निदेशक (निरीक्षण) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. ए-6/247(406)--राष्ट्रपति, निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रुप "ए" का ग्रेड-III (वस्त्र शाखा) श्री बी० बी० चौधरी को दिनांक 20 फरवरी, 1985 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेशों तक 1100-(छठा वर्ष अथवा कम)-50-1600 रु० के वेतनमान में नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप से उप निदेशक (निरीक्षण (वस्त्र) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रेड "ए" का ग्रेड-II) (वस्त्र शाखा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री बी० बी० चौधरी ने निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 20 फरवरी 1985

के पूर्वार्द्ध से निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (वस्त्र) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सोहन लाल कपूर  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात, खान और बोंयला मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1985

सं. ए-19012(212)/85-स्था० ए० खंड-1--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री के० आर० नागराज, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 28 मार्च 1985 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेश तक इस विभाग में वर्ग "ख" में सहायक खनन भूविज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में पदोन्नति की गई है।

एच० आर० एस० राव  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी  
कृते महा नियन्त्रक,  
भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं. ए-19011(238)/78-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री डी० के० कुन्दु, कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी, को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 1 अप्रैल 1985 के पूर्वार्द्ध से पदोन्नति प्रदान की गई है।

दिनांक 19 अप्रैल 1985

सं. ए-19011(216)/77-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री आर० बालाजी, कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में वरिष्ठ, खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 30 मार्च 1985 (पूर्वार्द्ध) से पदोन्नति प्रदान की गई है।

दिनांक 20 अप्रैल 1985

सं. ए-19012(112)/83-स्था० ए० खंड-2--श्री एम० एम० सावंग, का दूतपत्र व्यवसाय विभाग, नागपुर विषय-विद्यालय नागपुर में व्याख्याता के पद पर चयन होने के परिणाम-स्वरूप उन्होंने भारतीय, खान ब्यूरो में प्रकाशन अधिकारी का पदभार दिनांक 12 अप्रैल 1985 के पूर्वार्द्ध से छोड़ दिया है।

पी० पी० वादी  
प्रशासन अधिकारी  
कृते महा नियन्त्रक,  
भारतीय खान ब्यूरो

(कोयला विभाग)

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1985

सं० ए०डीम० 12(4) 79-निवर्तन आयु प्राप्त होने पर  
कोयला खान कल्याण आयुक्त के सहायक सचिव श्री बी० पी०

वसन्धी, दिनांक 31-1-85 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से  
निवृत्त हो गए ।

भार० एस० शिवानी

कोयला खान कल्याण आयुक्त  
धनबाद

आकाशवाणी महा निदेशालय

(सिविल निर्माण स्कंध)

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1985

सं० ए-19012/2/85-सी० डब्ल्यू० 1—महा निदेशक, आकाशवाणी नई दिल्ली निम्नलिखित व्यक्तियों को 650-30-740-35  
810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, सामने लिखित विधियों से सहायक अभियंता (सिविल)/  
सहायक निर्माण सर्वेक्षक (सिविल) के पद पर स्थापनापन क्षमता में नियुक्त करते हैं :-

सं०	नाम पदनाम	नियुक्ति का स्थान	जिस तिथि से नियुक्त किया गया
सर्वश्री			
1.	जगदीश भगत ए० सं० डब्ल्यू० (सि०)	मुख्यालय/पटना	23-3-84 (पूर्वति)
2.	पूज्या राम पाटिल ए० ई० (सि०)	मुख्यालय/नागपुर	26-3-84 (पूर्वति)
3.	अजय तिवारी ए० एस डब्ल्यू० (सि०)	मुख्यालय	9-8-84 (पूर्वति)
4.	हेमन्त कुमार पदमाकर ए० एम० डब्ल्यू० (सि०)	—वही—	17-8-84 (पूर्वति)
5.	अशोक बी० नाइक ए० ई० (सि०)	हैदराबाद	9-11-84 (पूर्वति)
6.	राम कुमार सिंह ए० ई० (सि०)	पटना	16-11-84 (पूर्वति)
7.	ओमप्रकाश ए० ई० (सि०)	वाराणसी	31-12-84 (पूर्वति)
8.	ए० के० मुखोपाध्याय ए० ई० (सि०)	शिलांग	4-1-85 (अपराह्न)
9.	राम मोहन गर्ग ए० एस डब्ल्यू० (सि०)	मुख्यालय	15-3-85 (अपराह्न)
10.	एम० पी० एस० मविए एस० डब्ल्यू० (सि०)	मुख्यालय	9-4-85 (पूर्वति)
11.	इन्द्र मोदी ए० ई० (सि०)	लखनऊ	8-4-85 (पूर्वति)

2. उपरोक्त व्यक्तियों की नियुक्ति उन्हें पहले से ही जारी नियुक्ति पत्र में निहित शर्तों द्वारा नियंत्रित होगी

एस० के० मोहिश्वा  
मुख्य इंजीनियर (सिविल), काश्मीर निदेशक  
कृते महा निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं० 3/1/82-एस-II—महा निदेशक आकाशवाणी, श्री  
बी० आर० नाग, हिन्दी अधिकारी, आकाशवाणी, नई दिल्ली  
की 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-  
द० री०-40-1200 रुपये के वेतन में प्रति नियुक्ति अवधि को  
30-3-1985 से और एक वर्ष के लिये या उनके स्थान पर  
उपायुक्त उम्मीदार के नामित होने तक उनमें से जो भी पहले हो  
तक बढाते हैं ।

मोहन फ्रांसिस  
प्रशासन उप निदेशक  
कृते महा निदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

पत्र प्रभाग

बम्बई-400026 दिनांक 17 अप्रैल 1985

सं० ए-12021/6/84-आर० सी०—संघ लोक सेवा आयोग  
की संस्कृति पर सक्षम प्राधिकारी ने श्री ए० उदय शंकर को,  
1-4-1985 के पूर्वति से लेकर अगला आदेश मिलने तक,  
रुपये 840-40-1000-द० अ-40-1200 के वेतनमान में  
रुपये 840 प्रतिमाह के वेतन पर फिल्म प्रभाग त्रिदेन्द्रम में  
समाचार चित्र अधिकारी नियुक्त किया है ।

एन० एन० शर्मा  
प्रशासनिक अधिकारी  
कृते प्रशासन निदेशक

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 18 अप्रैल 1985

सं० ए० 19027/1/83-प्र०-III--दिनांक 24-1-1984 की मम संख्यक अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए सांख्यिकीय अधिकारी के पद पर श्री बी० एस० मौल की तदर्थ नियुक्ति, को 1-1-84 से 8-2-84 तक बढ़ाया गया है। उनका 8-2-84 (अपराह्न) से वरिष्ठ, सांख्यिकीय, सहायक के पद पर प्रत्यावर्तन हो गया है।

2. श्री मौल को 10-2-84 से 30-6-84 तक पूर्णतया तदर्थ आधार पर सांख्यिकीय, अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है और उन्हें 30-6-84 (अपराह्न) से वरिष्ठ सांख्यिकीय सहायक के पद पर प्रत्यावर्तित किया गया है।

अतुल सिन्हा,  
कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 6 अप्रैल 1985

सं० डी० पी० एस०/41/13/85-प्रशा०-962--परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार, निदेशालय के निदेशक, ने भंडारी एवं स्थानापन्न मुख्य भंडारी, श्री रमन चन्ध शर्मा को इसी निदेशालय में, दिनांक 15-1-85 (पूर्वाह्न) से 4-3-85 (अपराह्न) तक 650-30-700-35-810-द० री०-35-8-8040-1000-द० री०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति, सहायक भंडार, अधिकारी श्री के० पी० सिंह के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है।

सं० डी० पी० एस०/41/13/85-प्रशा०/968-- परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय, के निदेशक ने स्थायी भंडारी श्री मोहन लाल लोढ़ा, को इसी निदेशालय में दिनांक 28-1-85 (पूर्वाह्न) से 27-2-85 (अपराह्न) तक 650-30-700-35-810-द० री०-35-8-80-40-1000-द० री०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति, सहायक भंडार अधिकारी श्री बी० एन० दावलाणी के स्थान पर की गई है जिन्हें भंडार अधिकारी (तदर्थ) के पद पर पदोन्नत किया है।

पी० गोपालन  
प्रशासन अधिकारी

न्युक्लिअर विद्युत बोर्ड

बम्बई-5, दिनांक 10 अप्रैल 1985

सं० एन० पी० बी०/4(904)/82-प्रशासन-3714--इस बोर्ड में अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता, ग्रेड एस० बी० के पद पर नियुक्त श्री के० के० चतुर्वेदी, ने अपना त्यागपत्र स्वीकार कर लिये जाने पर अपने पद का भार 14 मार्च, 1985 (अपराह्न) को छोड़ दिया।

एन० रामास्वामी  
विशेष कार्य अधिकारी (प्रशासन)

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500 016, दिनांक 19 अप्रैल 1985

सं० प० ख० प्र०-8(1)/81-मर्ती--निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद् द्वारा, परमाणु खनिज प्रभाग के सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री एम० एस० विभवनाथन, को उसी प्रभाग में श्री एस० के० सराफ, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 15 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्न से लेकर, 29 मई, 1985 के अपराह्न तक बिल्कुल अस्थायी रूप से सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० पदमनाभन,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

इन्सैट-1, प्रधान नियन्त्रण सुविधा

हसन-573201, दिनांक 1 अप्रैल 1985

मं० जी० एन०-020--परियोजना निदेशक, इन्सैट-1, अंतरिक्ष खण्ड परियोजना, अंतरिक्ष विभाग, श्री के० राघवन को वैज्ञानिक/इंजीनियर, एस० बी० के पद पर इन्सैट-1, प्रधान नियन्त्रण सुविधा, हसन में अप्रैल 1, 1985 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

वी० पी० डी० नम्बियार  
प्रशासन अधिकारी-II  
कृते परियोजना निदेशक

महानिदेशक नागर विमानन वा कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1985

मं० ए-32013/12/84-ई-1--राष्ट्रपति ने श्री वी० एन० नागपाल, उप निदेशक विमान क्षेत्र, को दिनांक 6-2-1985 (अपराह्न) से 5-8-1985 (अपराह्न) तक छः मास की अवधि के लिए छयवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, निदेशक विमानक्षेत्र, के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 8 अप्रैल 1985

सं० ए-32013/13/82-ई-1—इस कार्यालय की दिनांक 29-8-85 की अधिसूचना, सं० ए-32013/13/82 के क्रम में राष्ट्रपति, ने श्री एम० सिन्हा की विमानक्षेत्र निदेशक के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति, की अवधि, दिनांक 14-2-85 के बाद से छः मास की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक इतने से जो भी पहले हो, बढ़ाने की अनुमति दी है।

सं० ए-32013/5/84-ई-1—इस कार्यालय की दिनांक 15-11-85 की अधिसूचना सं० ए-32013/5/84-ई-1 के क्रम में राष्ट्रपति, ने श्री वी० के० बालरा, की सं० 1800-100-2000 के वेतनमान में विशेष कार्य अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति 15-1-85 के बाद छः मास के लिए जारी रखने की अनुमति दी है।

क्रम सं०	नाम	पद	स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तारीख
1.	श्री एन० एन पाल	महायक संचार अधिकारी	वै० से० स्टे०, कलकत्ता	28-2-85 (अपराह्न)
2.	श्री के० एम० एन० अय्यर	सहायक संचार अधिकारी	वै० से० स्टे०, बम्बई	28-2-85 (अपराह्न)

दिनांक 16 अप्रैल 1985

सं० ए-19011/112/80-ई-1—नागर विमानन विभाग के श्री हरबंस सिंह, निदेशक, उपस्कर, के० सं० से० (पेंशन), नियमावली, 1972 के नियम 48-ए, के अन्तर्गत दिनांक 1 अप्रैल, 1985 अपराह्न से सरकारी सेवा से स्वच्छिन्न रूप से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

वी० जयचन्द्रन  
सहायक निदेशक प्रशासन

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय,

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 15 अप्रैल 1985

सं० ई(1) 00849—मौसम विज्ञान के महानिदेशक, खेद सहित श्री पी० एम० पकीरमोहम्मद, भारतीय मौसम विज्ञान सेवा समूह "क" के एक अधिकारी की दिनांक 5 मार्च, 1985 को हुई, आकस्मिक मृत्यु, की अधिसूचना जारी करते हैं। वह निदेशक के पद पर मौसम विज्ञान के उप महा निदेशक, (उपकरण), का कार्यालय में नियुक्त थे।

के० मुखर्जी  
मौसम विज्ञानी (स्थापना)  
क्षेत्रीय मौसम विज्ञान के महा निदेशक

दिनांक 9 अप्रैल, 1985

सं० ए-32013/13/83-ई-1—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के अनुसंधान और विकास निदेशालय के श्री एन० एस० चेलप्पा वरिष्ठ, तकनीकी सहायक (टेस्टिंग) को दिनांक 24-11-84 से और अगले आदेश आने तक रुपये [700-1300 के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 10 अप्रैल 1985

सं० ए-38013/1/85-ई० सी०—नागर विमानन विभाग में वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित, अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लने पर प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से सेवा निवृत्त हो जाने पर अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है :—

नौवहन परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 038, दिनांक 17 अप्रैल 1985

सं० 11 टी०आर० (5) /83—राष्ट्रपति, मरीन इंजीनियरी, प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता के इंजीनियर अधिकारी श्री एस० के० दलपति का त्यागपत्र 1-9-1984 (पूर्वाह्न) से स्वीकृत करते हैं।

अमिताभ चन्द्र  
नौवहन उप महा निदेशक

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और जम्मू और काश्मीर  
एक्स सर्विसमेन, ट्रान्सपोर्ट यूनियन लिमिटेड के

विषय में

श्रीनगर, दिनांक 22 जनवरी 1985

सं० पी० सी०/375/152—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जम्मू व काश्मीर एक्स सर्विसमेन ट्रान्सपोर्ट, यूनियन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार

से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एस० के० सक्सेना,  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
जम्मू व काश्मीर  
श्री नगर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बल्लू विलास, सर्विस  
प्राइवेट लिमिटेड, के विषय में  
मद्रास, दिनांक 4 अप्रैल 1985

सं० 3850/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा, यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बल्लू विलास सर्विस प्राइवेट, लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पाण्डियन, चिट फण्डम  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में  
मद्रास, दिनांक 4 अप्रैल, 1985

सं० 5698/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा, यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पाण्डियन चिट फण्डम, प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काटा दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अडियार डेरी प्राइवेट  
लिमिटेड के विषय में  
मद्रास, दिनांक 4 अप्रैल 1985

सं० 5854/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा, यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अडियार डेरी, प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राज्यम पिकचर्ज,  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में  
मद्रास, दिनांक 6 अप्रैल 1985

सं० 3515/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा, यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राज्यम, पिकचर्ज, प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल

कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रुकमणी टाकिस  
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में  
मद्रास, दिनांक 6 अप्रैल 1985

सं० 4259/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा, यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रुकमणी टाकिस, प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

(ह०) अपठनीय  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार  
तमिलनाडू

कम्पनी अधिनियम, 1956, दक्षिण भारत मानीयूर  
इंडस्ट्रोज प्राइवेट लिमिटेड, के विषय में  
हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1985

सं० 880/टी०ए०-II/ 560—कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा, यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दक्षिण भारत, मानीयूर इंडस्ट्रोज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956, सुफाला फाइनेन्स, एंड  
चिट फण्ड ट्रेडिंग कंपनी, प्राइवेट लिमिटेड के  
विषय में

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1985

सं० 1293/टी०ए०-III/560—कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा, यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सुफाला फाइनेन्स, एण्ड चिट फण्ड, ट्रेडिंग कंपनी, प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मृण्माला तुलसीराम,  
चिट फण्ड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1985

सं० 1642/टी०ए०-III/560—कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा, यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर

श्रीम कृष्णा तुलसी राम चिट फंड, कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956, विजय मार्केटिंग एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1985

सं० 2026/टी०ए०-एच/560—कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद द्वारा, यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर विजय मार्केटिंग एंटरप्राइजेज, प्राइवेट लिमिटेड, का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1966, उस सुरेश चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1985

सं० 2107/टी०ए०-III/560—कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद द्वारा, यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर सुरेश चिट फंडस, प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो उक्त रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

बि० एस० राजू  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद।

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय,

पोंडिचेरी, दिनांक 16 अप्रैल, 1985

सं० 128/सेशन 560/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद द्वारा, यह सूचना दी जाती है कि एस० ए० बी० पटेल, प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बी० कोटेश्वर राव  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
पोंडिचेरी

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 15 अप्रैल, 1985

सं० एफ-48/ए०डी०/ए०टी०/1984—श्री आर० दक्षिण-मूर्ति, सहायक अधीक्षक, आयकर अपीलीय, अधिकरण मद्रास न्यायपीठ, मद्रास को तदर्थ आधार पर केवल अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण बंगलूर न्यायपीठ, बंगलूर में दिनांक 1 अप्रैल, 1985 से 25 मई, 1985 तक की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है।

उपयुक्त, नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और श्री आर० दक्षिणमूर्ति, को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई वादा नहीं प्रदान करेगी और उसके द्वारा, तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं, न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जावेंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में, प्रोन्नत किए जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

टी० डी० सुरला,  
अध्यक्ष

प्रकृष भाई.टी.एन.एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 27 मार्च 1985

जी० आई० आर० संख्या एन-93/एक्यू०—मत: मुझे,  
ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

जो जिसकी सं० मकान मय भूमि है तथा जो मोहल्ला  
सूफी टोला, बरेली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके समयमान प्रतिफल से ऐसे समयमान प्रतिफल का पन्ना  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के  
हायित्व में कमी करने या उसके अर्थ में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री मो० नसीर  
2. श्री फरीक अब्बल  
3. श्री अदीब अहमद।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री निहालउद्दीन  
2. सैयद मरसूद हुसैन

(अन्तरिती)

- (3) विक्रेता  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थ के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्थ के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्त-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

मकान मय भूमि पैमाईसी 960 वर्ग-गज स्थित मोहल्ला  
सूफी टोला, बरेली (जिसका फर्मा 37-जी संख्या 6688 में  
वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बरेली  
के कार्यालय में अगस्त, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख : 27-3-1985

मोहर :



प्रकाशक: टी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निवेश सं० जी०आई०आर० सं० आर-244/एक्यू०—

प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या बिल्डिंग है तथा जो अशरफ टोला, जिला  
हरदोई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हरदोई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि एताद्वयक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय का वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सहोदरा देवी उर्फ  
सुभद्रा देवी

(अन्तरक)

(2) 1. श्री रघुवीर सिंह चौहान

2. श्रीमती पुष्पा देवी चौहान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

बनसूची

बिल्डिंग पैमाईसी 3650 वर्ग-फीट स्थित अशरफ टोला  
जिला हरदोई (जैसा फार्म 37-जी संख्या 3000 में वर्णित  
है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हरदोई  
कार्यालय में, अगस्त 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

तारीख : 27-3-1985

मोहर :

प्रकरण नम्बर डी.एन.एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 12 मई 1985

निदेश सं० राज०/सहा०भा०घर्जन/2564—प्रतः मुझे,  
मोहन सिंह

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 11 है तथा जो सागानेर में  
स्थित है, (और इससे उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सागानेर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक 9 अगस्त, 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे  
अद्यतन प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरिती) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे कम में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नन्द किशोर पुल  
श्री पन्नालाल दरोगा निवासी  
ग्राम कलवाडा तहसील सागानेर  
जिला जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स आर०पी० फार्मस,  
प्राइवेट लिमिटेड, द्वारा  
श्री राम प्रकाश धानन्ध,  
कस्तूरबा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृत्ति  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के पार  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 11, स्थित ग्राम कलवाडा तहसील  
सागानेर जिला जयपुर जो उपपंजियक, सागानेर द्वारा क्रम  
संख्या 560 दिनांक 9-8-84 पर पंजियक विक्रय पत्र में  
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)  
घर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-4-1985  
मोहन

प्रत्यक्ष कार्य.टी.एच.एच.-----

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० राज०/सहा०भा०अर्जुन/2565—अतः मुझे,  
मोहन सिंह

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सांगानेर में स्थित  
है, (और इससे उपाययुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सांगानेर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
4 अगस्त, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरवाला  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है। मैं मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिद्धि में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाव की वास्तव, उक्त  
अधिपति के अधीन कट जाने के अन्तरक के  
कारण से कमी करने या उक्त अन्तरण के अधिपति  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को जिन्हें भारतीय भाषक अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-  
तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया गया बाविए था, जिसे ने अधिपति  
के लिए,

(1) श्री नन्द किशोर पुत्र  
श्री पन्ना लाल दरोण ग्राम  
कलवाड़ा,  
तहसील सांगानेर,  
जिला जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री आर०पी० फार्मस,  
प्राईवट लिमिटेड जिरिए  
श्री राम प्रकाश आनन्द,  
कस्तूरबा गांधी मार्ग,  
मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी बाव :—

(क) इस सूचना के संचयन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में किया  
गया है।

कलवाड़ी

अतः न० 11 की कृषि भूमि स्थित ग्राम कलवाड़ा  
तहसील सांगानेर जिला जयपुर जो उप पंजियक, सांगानेर  
द्वारा कम संख्या 553 दिनांक 4 अगस्त, 1984 पर पंजियक  
विषय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् R—

तारीख : 12-4-1985

मोहन :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्राप्त्य सारक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० राज०/सहा०आ० अर्जन/2569--अतः मुझे  
मोहन सिंह

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी स० बिनाणी भवन है तथा जो बीकानेर में  
स्थित है, (और इसे उपाबद्ध भूतलसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्री की प्राधिकारी से आयोक्त बीकानेर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 8 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के जिन तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
निम्नलिखित रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अंतरण को कभी करने या उनमें कचने को लक्ष्य  
को किन्हीं और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आम्सता  
को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, किन्हीं से  
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के धर्मात्तः—

(1) मेनर्स बिनानी कामशियल कम्पनी,  
प्रा०लि० जसुतर गेट के अन्दर,  
बीकानेर।

(अन्तरक)

(2) श्री मेनर्स बिनानी धर्मात्त ट्रस्ट,  
बिनानी निवास,  
जसुतर गेट के अन्दर,  
बीकानेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव  
लिखित में किए जा सकते हैं।

लक्ष्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिनाणी भवन, जसुतर गेट के अन्दर, बीकानेर का  
भाग जो उप पत्रिका, बीकानेर द्वारा क्रम संख्या 1199  
दिनांक 8-8-84 पर पत्रिका विक्रय पत्र में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-4-1985

मोहर ३

प्रत्येक भाग टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब  
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मार्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० रा०/महा०प्रा० मार्जन/2568--प्रतः मुझे,  
मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयगत करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो बीकानेर में स्थित है, (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-हस्तान्तरणारी के कार्यालय बीकानेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9 अगस्त, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अध्यावर्तित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया रक्षक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरक है हुए किसी भाग की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व से कभी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भूय या किसी वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपिकों में सूचना के लिए,

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स बिनानी कामशियल कम्पनी,  
प्राइवेट लिमिटेड,  
जसूर गेट के अन्धर,  
बीकानेर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बिनानी धर्मार्थ ट्रस्ट,  
बिनानी निवास,  
जसूर गेट के अन्धर,  
बीकानेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाद ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति स्थित जसूर गेट के अन्धर, बीकानेर का भाग जो उप पंजियर, बीकानेर द्वारा क्रम संख्या 1205 दिनांक 9-8-84 पर पंजियर विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मार्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

इसमें, बाबू. टी. ए. ए. -----

बाबकट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2567--अतः मुझे,  
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० सम्पत्ति है तथा जो बीकानेर में स्थित  
है, (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बीकानेर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अन्तर्गत, तारीख 8 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने  
कम का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाधा तथा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में  
कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था डिपॉजिट में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्बाद 4--

(1) मैसर्स बिनाद्री कामशियल कम्पनी,  
प्राइवेट लिमिटेड,  
जसुसर गेट के अन्दर,  
बीकानेर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बिनाद्री धर्मा धे ट्रस्ट,  
बिनाद्री निवा,  
इनवाइड जसुसर गेट,  
बीकानेर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
अवबधाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित जसुसर गेट, बीकानेर (जो उप  
पत्रिका, बीकानेर द्वारा कम सख्या 1198 दिनांक 8-8-84  
पर पत्रिका विक्रय पत्र से और विस्तृत रूप से विवरणित  
है।

मोहन सिंह  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-4-1985

मोहर ७

रूप भाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० राज०/सहा०आ०अर्जन/2570—प्रतः मुझे,  
मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी-60 है तथा जो जयपुर में  
स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 9 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वस्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

456 GI/85

1 श्री नारायणदास भाटिया पुत्र श्री  
टोपन दास जी भाटिया निवासी  
प्लॉट नं० 6,  
सेठी कालोनी,  
जयपुर।

(अन्तरक)

2 श्री मोम प्रकाश विजय पुत्र  
श्री नाथूलाल जी विजय निवासी  
222 जनता कालोनी,  
जयपुर नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृढ़बद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिष्ठाकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-60 साकेत कालोनी, आदर्श नगर, जयपुर  
जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1948 दिनांक  
9-8-84 पर पंजीयक विवरण पत्र में और विस्तृत रूप से  
विवरणीत है।

मोहन सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० रा०/सहा०आ०भर्जन/2563—अतः मुझे

मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 35 है तथा जो सांगानेर (जयपुर) में स्थित है, (और इससे उत्पादक अनुभूजी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सांगानेर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को लब्ध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक की बाबिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाता चाहिए या क्रियान्वे में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगदीश नारायण पुत्र  
श्री मोहन लाल निवासी  
ग्राम कलवाड़ा  
तहसील सांगानेर,  
जिला जयपुर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स आर० पी० भानन्द, फार्मस  
प्राइवेट लिमिटेड द्वारा  
श्री राम प्रकाश भानन्द निवासी  
कस्तूरबा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 35 स्थित ग्राम कलवाड़ा तहसील सांगानेर जिला जयपुर जो उप पंजियक, सांगानेर द्वारा क्रम संख्या 552 दिनांक 4-8-84 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-4-1985

मोहर



प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जुन/2566—प्रतः मुझे,  
मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सांगानेर में स्थित  
है, (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय सांगानेर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
9 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध को बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य जास्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ  
प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को अधिसूचित करता हूँ—

(1) श्री जगदीश नारायण पुत्र  
श्री मोहन लाल निवासी  
ग्राम कलवाडा,  
तहसील सांगानेर,  
जिला जयपुर।

(प्रन्तरक)

(2) मैसर्स भार०पी० प्रानन्द फार्मेस,  
प्राइवेट लिमिटेड द्वारा  
श्री राम प्रकाश प्रानन्द,  
कस्तूरबा गांधी मार्ग,  
नई दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और श्रवों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 35 स्थित ग्राम कलवाडा तहसील  
सांगानेर जिला जयपुर जो उप पंजीयक, सांगानेर द्वारा  
क्रम संख्या 559 दिनांक 9-8-84 पर पंजीकृत विक्रय  
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).  
अर्जुन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-4-1985

मोहन

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० खप्पा/5/84-85—प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 3 कनाल 6 मरला है तथा जो  
खप्पा, जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपानद्ध  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, खप्पा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के  
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री सुनील कुमार पुन  
श्री मोहन लाल निवासी  
मकान नं० 104,  
वाडें नं० 12,  
खप्पा।

अन्तरक

2 मैसर्स कैपिटल स्टील एण्ड  
अलाईड इंडस्ट्रीज मलरे कोटला रोड,  
खप्पा,  
जिला लुधियाना।

अन्तरिती

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

जमीन 3 कनाल 6 मरला जो कि खप्पा जिला लुधियाना  
में स्थित है। अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, खप्पा के विलेख संख्या नं० 845 माह अगस्त  
1984 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, लुधियाना

तारीख : 8-4-1985

माहूर :

प्रकाश बाई, टी. एन. एस. ----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 (ग) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० लुधियाना/196/84-85—अत मुझे, जोगिन्द्र  
सिंह

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फील्ड रिकॉर्डिंग नं० बी-XXIII -6662/2  
है तथा जो टैक्सटाईल कालोनी, लुधियाना में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की यावत्, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को अर्जुन भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ—

(1) मैसर्स प्रकाश इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन,  
लुधियाना द्वारा  
श्री सुरेन्द्र मोहन भारद्वाज पुत्र  
श्री गुरप्रकाश भारद्वाज निवासी  
के 3/4,  
टैक्सटाईल कालोनी,  
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स फकीर चन्द राधे सिन्हा,  
आर्क-39,  
फेज-1,  
ग्रोको बिहार,  
नई देहली।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फील्ड रिकॉर्डिंग नं० बी- XXIII -6662/2, टैक्सटाईल  
कालोनी, लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या नं० 4799 माह  
अगस्त, 1984 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

तारीख 9-4-1985  
मोहर

**सकल नार्. टी. एम. एल.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० डेराबस्ती/6/84-85--प्रत मुझे, जोगिन्द्र  
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 6 बीघा है तथा जो गांव मधोपुर  
तहसील डेराबस्ती में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, डेराबस्ती में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आग की भावना, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरपाल सिंह बराड़ पुत्र  
श्री करतार सिंह बराड़ निवासी  
320,  
श्रीन लेनक रुदन नं० 4 द्वारा  
श्री मोहन लाल बिन्दस,  
निवासी डेराबस्ती।

(प्रन्तरक)

(2) मैसर्स बाबा रंगी राम,  
प्राइवेट लिमिटेड,  
27,  
सेक्टर 5,  
कडोगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

**अनुसूची**

जमीन 6 बीघा जो कि गांव माधोपुर तहसील  
डेरा बस्ती में स्थित है। (अर्थात् वह जयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी डेराबस्ती के विलेज संख्या नं० 671 माह  
अगस्त, 1984 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, लुधियाना

तारीख 8-4-1985  
मोहर .

प्रकृ. भाई. टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कुदियाना

कुदियाना, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निदेश सं० डेरा बस्ती/7/84-85—अतः मुझ जोगिन्द्र  
सिंह।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी रु. 3 जमीन 3 बिघा 18 बिस्वा है तथा जो  
गांव माधोपुर तहसील डेराबस्ती में स्थित है (और इससे  
उपायद्वारा क्रुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्ती, में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के प्राचीन, तारीख  
अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वाणिज्य में जारी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहए था, छिपाने में  
सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरपाल सिंह बराह पुत्र  
श्री करतार सिंह बराह निवासी  
320,  
श्रीन लेनख लंदन नं० 4 आरा  
जी०पी०ए०,  
श्री मोहन लाल बिन्दल निवासी,  
डेरा बस्ती।

(अन्तरक)

(2) सैसर्ज बाबा रंगी राम,  
प्राइवेट लिमिटेड,  
27,  
सेक्टर 5,  
चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताभरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

श्री 3 बीघा 18 बिस्वा जो कि गांव माधोपुर तहसील  
डेराबस्ती में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी, डेराबस्ती के विशेष संख्या नं० 685 माह  
अगस्त 1984 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कुदियाना

तारीख . 8-4-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० लुधियाना/202/84-85—अतः सुझे, जोगिन्द्र  
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 190 बी है तथा जो भाई रंधीर सिंह  
नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आधुनिकीकरण, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राम लाल पुद्द  
श्री मोदी राम पुद्द  
श्री रामजीदाम निवासी 202,  
बी-4,

कच्ची गली,

लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेंद्र सिंह पुद्द  
श्री निर्मल सिंह,  
श्री निर्मल सिंह पुद्द  
श्री केहर सिंह निवासी  
892/4 गली नं० 1,  
प्रताप नगर,  
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायवाद नं० 190 बी, भाई रंधीर सिंह नगर, लुधियाना  
(अर्थात् वह जायवाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधि-  
याना के ब्लॉक संख्या नं० 4925 माह अगस्त, 1984 के  
तहत वर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 8-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निदेश सं० खप्पा/3/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 15 कनाल 8 मरले बिल्डिंग सहित  
है तथा जो खप्पा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, खप्पा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे द्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-  
रक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-  
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया  
है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य आस्थियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) सर्वश्री कृष्ण चन्दन,  
शाम लाल पुत्रान्  
श्री अमर नाथ,  
वाई न० 16,  
खप्पा द्वारा  
मै० पंजाब आयल मिलज,  
खप्पा।

(अन्तरक)

(2) मैमरज पंजाब आयल मिलज,  
प्राईवेट लिमिटेड खप्पा द्वारा,  
श्री कम्तुरी लाल, डायरेक्टर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 15 कनाल 8 मरले बिल्डिंग सहित, खप्पा।  
(अर्थात् वह जायदाद जो 15 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खप्पा  
के बिलेख संख्या न० 897 माह अगस्त, 1984 के तहत  
दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-4-1985

साक्षर :

प्रकाश बाई, टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० चण्डीगढ़/46/84-85--अन. मूझे, जोगिन्द्र  
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3021 है तथा जो सैक्टर  
213/ चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय चण्डीगढ़ से, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
जय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरक का कुछ किसी आय की यावत्, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में लगी करने या लक्ष्य अर्थ में सुविधा  
के लिए; और/ए

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था किन्तु  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती जयवन्त कौर उर्फ  
श्रीमती एच०एम० बराड़,  
मकान नं० 3021,  
सैक्टर 213,  
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री नरेन्द्र कुमार आनन्द पुत्र  
श्री लक्ष्मी धर आनन्द तथा  
2. श्रीमती आशा आनन्द पति  
श्री नरेन्द्र कुमार आनन्द।  
निवासी मकान नं० 189,  
सैक्टर 22 बी,  
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जयसूची

मकान नं० 3021, सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़ (अर्थात्  
यह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के  
विलेख संख्या नं० 423 माह अगस्त 1984 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 12-4-1985  
मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० खरड़/38/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 33 फ़ेज IV (सेक्टर-59) है तथा जो मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वेद प्रकाश गुप्ता पुत्र  
स्व० लाला मुरारी लाल निवासी,  
मकान नं० 33, फ़ेज,  
मोहाली,  
तहसील खरड़।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक कुमार सौंदी पुत्र  
श्री अमृतलाल निवासी,  
मकान नं० 1004,  
सेक्टर 35 बी,  
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 33, फ़ेज IV, मोहाली, तहसील खरड़  
(अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के विलेख संख्या नं० 2007 माह अगस्त, 1984 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 11-4-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० पटियाला/28/84-85-—अतः मुझे, जोगिन्द्र  
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4812/2, है तथा जो गुड़  
मंडी, पटियाला में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रभावनाश्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विनोद कुमार जैन पुत्र  
श्री हरी राम जैन,  
छत्ता नानू पल,  
पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री गोरा लाल पुत्र  
श्री चिरजी लाल,  
श्री किशन चन्द पुत्र  
श्री चिरजी लाल,  
श्रीमति सत्या देवी पति  
श्री गोरा लाल  
श्रीमति निर्मला देवी पति  
श्री किशन चन्द निवासी,  
छत्ता नानू मल,  
पटियाला।

(अन्तरिती)

(3) श्री रमेश कुमार पुत्र  
श्री गोरा लाल,  
दुकान नं० 4812/2,  
गुड़ मण्डी,  
पटियाला।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के शांति  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है :

अनुसूची

दुकान नं० 4812/2, गुड़ मण्डी, पटियाला। (अर्थात्  
वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री बर्ता अधिकारी, पटियाला के  
विलेख मख्या नं० 1796 माह अगस्त, 1984 के तहत  
दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 10-4-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

### प्रारम्भ सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश चण्डी०/45/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1671, का 1/2 भाग है। तथा जो सैक्टर 22-बी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुदर्शन कुमार जैन पुत्र श्री देव राज जैन निवासी मकान नं० 1671 सैक्टर 11-बी चण्डीगढ़। द्वारा जी० पे० ए० श्री नरेन्द्र कुमार जैन श्री देव राज जैन, निवासी मकान नं० 1671 सैक्टर 22, बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रिया जैन, पति श्री नरेन्द्र कुमार जैन, निवासी मकान नं० 1671, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 1671, सैक्टर 22 बी, चण्डीगढ़ का 1/2 भाग, (अर्थात् वह जायदाद, जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या, नं० 407, माह अगस्त, 1984 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लूधियाना

दिनांक 12-4-1985

मोहर

प्रमाण आर्.टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

बातल कटका.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० चण्डी०/49/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 1671 का 1/2 भाग है, तथा जो  
सेक्टर 22 बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनु-  
सूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुदर्शन कुमार जैन, पुत्र श्री देव राज जैन,  
निवासी मकान नं० 1671, सेक्टर 22 बी, चण्डीगढ़  
द्वारा जी० पी० ए०, श्री सुमती प्रकाश, जैन,  
पुत्र श्री देव राज जैन, निवासी मकान नं० 1671,  
सेक्टर, 22 बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रिया जैन, पति श्री नरेन्द्र कुमार जैन,  
निवासी मकान नं० 1671, सेक्टर 22 बी, चण्डीगढ़।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

प्रमुखी

मकान नं० 1671, सेक्टर 22 बी, चण्डीगढ़, का 1/2 भाग  
अर्थात् वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़  
के विलेख संख्या नं० 484, माह अगस्त, 1984 के तहत दर्ज  
है)।

जोगिन्द्र सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 12-4-1985  
मोहर

प्राकृत्य बाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निवेश सं पटियाला/30/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सशेष प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० शाप कम बैंक नं० 4, का 1/4 भाग है,  
तथा जो छोटी बारादरी, नजदीक मालवा सिनेमा, पटियाला में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
वास्तव में कथित करने का उद्देश्य अर्जन में सुविधा  
की निम्न; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को पिछले भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नष्ट किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
की निम्न;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कृष्णा देवी विधवा स्व० श्री कुलवन्त राय गुप्ता  
निवासी मकान नं० 1671/3, रघुमाजरा, पटियाला।
2. श्रीमती दर्शना बंसल, पति श्री दयाल प्रकाश बंसल  
(अन्तरक)
2. श्रीमती नीलम गोयल पति श्री मुशील गोयल,  
श्री मनोज कुमार गुप्ता, पुत्र श्री सूरज भान गुप्ता  
श्रीमती संगीता रानी पुत्री, श्री सूरज भान गुप्ता,  
श्री अभिमन्यु गुप्ता, पुत्र श्री विधा सागर गुप्ता,  
श्री अमरीश कुमार गुप्ता, पुत्र श्री विधा सागर गुप्ता  
कुमारी आरती पुत्र श्री महेश कुमार गुप्ता,  
श्रीमती सुनीता गुप्ता, पति श्री महेश कुमार गुप्ता,  
श्री कृष्ण मोहन गुप्ता, पुत्र श्री राम गोपाल तथा  
श्री मोहन प्रकाश पुत्र श्री राम गोपाल, श्री विधा सागर  
गुप्ता, पुत्र श्री राम गोपाल द्वारा, दिनांक-साईं  
इम्पोज़िटम, अदालत बाजार, पटियाला।

(अन्तरिती)

नई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

शाप कम बैंक नं० 4 का 1/4 भाग, छोटी बारादरी,  
नजदीक, मालवा सिनेमा, पटियाला, (अर्थात् वह जायदाद  
जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के विशलेख संख्या,  
नं० 1979, माह अगस्त, 1984 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सहम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० पटियाला/31/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप कम बैक नं० 4, का 1/4 हिस्सा है, तथा जो छोटी बारादरी, नजदीक, मालवा मिनेमा, पटियाला में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में भूमिका के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री मतीश कुमार गुप्ता, पुत्र श्री कुलवन्त राय गुप्ता, निवासी मकान नं० 1671/3, रघुमाजरा, पटियाला।  
(अन्तरक)

2 श्रीमती दर्शना बंसल, पति श्री दयाल प्रकाश बंसल, श्रीमती नीलम गोयल, पति श्री सुशील गुप्ता, श्री मनोज कुमार गुप्ता, पुत्र श्री सूरजभान गुप्ता, श्रीमती संगीता रानी पुत्री, श्री सूरजभान गुप्ता, श्री अभिमन्यू गुप्ता, पुत्र श्री विद्या सागर गुप्ता, श्री अमरीश कुमार गुप्ता, पुत्र श्री विद्या सागर गुप्ता, कुमारी आरती पुत्री श्री महेश कुमार गुप्ता, श्री सुनीता गुप्ता, पति, श्री महेश कुमार गुप्ता, श्री कृष्ण मोहन गुप्ता, पुत्र श्री राम गोपाल तथा श्री मोहन प्रकाश पुत्र श्री राम गोपाल, श्री विद्या सागर गुप्ता, पुत्र श्री राम गोपाल द्वारा, विशाल साड़ी इम्पोरियम, अद्वानत बाजार, पटियाला।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप कम बैक नं० 4 का 1/4 भाग, छोटी बारादरी, नजदीक मालवा मिनेमा, पटियाला (अर्थात् वह आयदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के विलेख संख्या नं० 1980, माह अगस्त, 1984 के तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. ए. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० पटियाला/32/84-85—अत. सुझे, जोगिन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप कम बैंक नं० 4 का 1/4 भाग है तथा जो छोटी बारादरी नजदीक माल्वा सिनेमा पटियाला में स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाधा गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

6—56GI/85

- 1 श्री मतीश कुमार पुत्र स्व० श्री कुलवन्त राय गुप्ता निवासी मकान नं० 1671/3 रघुमाजरा पटियाला। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती दर्शना बासल पालन श्री दयाल प्रकाश बासल श्रीमती नीलम गोपाल पालन श्री सुशील गोयल श्री मनोज कुमार गुप्ता पुत्र श्री सूरजभान गुप्ता श्री अभिमन्यु गुप्ता पुत्र श्री विद्या सागर गुप्ता श्रीमती सगीता रानी पुत्री श्री सूरजभान गुप्ता श्री अमरीश कुमार गुप्ता पुत्र श्री विद्या सागर गुप्ता कुमारी आरती पुत्री श्री महेश कुमार गुप्ता श्री कृष्ण मोहन गुप्ता पुत्र श्री राम गोपाल श्री मोहन प्रकाश पुत्र श्री राम गोपाल तथा श्री विद्या सागर गुप्ता पुत्र श्री राम गोपाल द्वारा विशाल साठी इम्पोरियम अदालत बाजार पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अप्रतिपक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रतिसूची

शाप कम बैंक नं० 4 का 1/4 भाग छोटी बारादरी नजदीक माल्वा सिनेमा पटियाला। (अर्थात् बड़ा जायदाद जोकि सितम्बर 1984 को तहत दर्ज है।)

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लुधियाना

दिनांक: 12-4-1985

मोहर :

प्रकृष्ट भाग. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० पटियाला/33/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप कम बैंक नं० 4 का 1/4 भाग है तथा जो  
छोटी बारादरी नजदीक मालवा सिनेमा पटियाला में स्थित है  
(और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मितम्बर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व  
में कमी करने का उद्देश्य करने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिनके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वास्तविकता का भाव प्रकट हो, विधान में स्थिति  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कृष्ण देवी पत्नी स्व० श्री कुलवन्त राय गुप्ता  
निवासी मकान नं० 1671/3 रघुमाजरा पटियाला।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती दर्शना बांसल पति श्री वयाल प्रकाश बांसल  
श्रीमती नीलम गोयल पति श्री सुशील गोयल  
श्री मनोज कुमार गुप्ता पुत्र श्री सुरजभान गुप्ता  
श्रीमती संगीता रानी पुत्री श्री सुरजभान गुप्ता  
श्री अभिमन्यु गुप्ता पुत्र श्री विद्या सागर गुप्ता  
श्री अमरीश कुमार गुप्ता पुत्र श्री विद्या सागर गुप्ता  
कुमारी आरती पुत्र श्री महेश कुमार गुप्ता  
श्रीमती सुनील गुप्ता पत्नी श्री महेश कुमार गुप्ता,  
श्री मोहन प्रकाश पुत्र श्री राम गोपाल  
श्री विद्या सागर गुप्ता, पुत्र श्री राम गोपाल द्वारा  
मै० विशाल साड़ी इम्पोरियम, अदालत बाजार,  
पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधोप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वास्तव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमोदित

शाप कम बैंक नं० 4 का 1/4 भाग छोटी बारादरी, नजदीक  
मालवा सिनेमा, पटियाला, । अर्थात्, वह जायवाद जो कि  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के विलेख संख्या नं०  
1995 माह सितम्बर, 1984 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 12-4-1985

गोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० नामा/1/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है—

और जिसकी सं० मकान (जमीन रकबा 598 वर्ग गज),  
नं० बी-II-47, है, तथा जो दुलाडी गेट नाभा में  
स्थित है (और इससे ज़ाबदख्त अनुभूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरवयाल सिंह बराड, पुत्र श्री इन्द्र सिंह बराड,  
निवासी मकान नं० 1517, सैक्टर, 34 डी,  
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री तेलूराम पुत्र श्री कपूरी मल,  
श्री लाल चन्व पुत्र श्री तेलू राम,  
श्री बिहारी लाल पुत्र श्री तेलू राम  
निवासी दुलाडी गेट, नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान जो कि दुलाडी गेट, नाभा में स्थित है। (अर्थात्  
वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के विलेख  
संख्या नं० 1110 माह अगस्त, 1984 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक 12-4-1985

माह 4

प्रकृष आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/85-86—यतः

मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 36बी है तथा जो न्यू रोड आलिपुर, कलकत्ता  
-27 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर०  
ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 17-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा को सिद्ध;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन वस्तु वास्तविकता  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
को सिद्ध;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेशचन्द्र राय

(अन्तरक)

(2) सुनिपा घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करुता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जमीन :—1 बीघा 1 कठा 40 वर्ग फुट जमीन का 2/25  
अंश ।

पता :—36बी, न्यू रोड, आलिपुर, कलकत्ता-27 दलित  
संख्या—एस० आर० ए० कलकत्ता का 1984 का आई-  
9737 ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -II

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 11-4-1985

मोहर :

सूचना आई.टी.ए.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाग  
269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निर्देश सं० टी० आर०-213/85-86/सं० 1000/आई०

ए० सी०/एक्वी आर०-आई०/कलकत्ता—यतः मुझे, एस०  
के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 26/बी है तथा जो पार्क लेन, कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उदात्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है,  
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय एस० आर० 4 कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16 के अधीन,  
दिनांक 7-8-1984

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का इसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि सहायक आयुक्त के उचित बाजार  
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का  
पट्टा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब तब तब प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
बायल्ट में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एही किसी भाग या किसी वन या अन्य जातिवा  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य-कृत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रकोपकर्म अन्तर्गती हुआ है अन्तर्गती किया  
गया या या किया गया अन्तर्गती या, जिन्हें में  
सुविधा के लिए

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत अन्तरण :-

(1) श्रीमती नसरीन उदायाहाब ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तीरा वत्त ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गती के लिए  
कार्यवाही कराई गई ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गती के अन्तर्गती के अन्तर्गती :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या अन्तर्गती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तर्गती के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकरण:- इसमें प्रस्तुत सबको और पढ़ें कर, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय के दिना  
में है ।

अनुसूची

26/डी पार्क लेन, कलकत्ता में स्थित एक तल्ला में 600  
वर्ग फिट आयत का प्लॉट नं० 3 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक  
आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 के है दफ्तर में डीड  
नं० I-9314 के अनुसार 7-8-84 तारीख में रजिस्ट्री हुआ ।

एस० के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, 54, रफीअहमद क्वार्टर रोड,

कलकत्ता—16

दिनांक : 22-4-85

आदेश

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 अगस्त 1985

निदेश सं० टी० आर०-212/85-86/सं० 1001/  
आई० ए० सी०/एक्वी० आर-आई/कलकत्ता—यत मुझे, एस०  
के० बनर्जी,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 51 है तथा जो तीमार राउडन स्ट्रीट, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्री. पूरुषोत्तम  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर०  
4 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 11-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरिक्ती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त्रा आस्तियों  
की जिनके भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषा-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सज्जि-  
या के लिए।

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों बर्तित हूँ—

(1) श्री दिलीप कुमार सेन एवं श्रीमती जयन्ती सेन  
(अन्तरक)

(2) श्री आर० ए० दीपाती तथा अन्याय ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ—

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अर्थात् या तत्सम्यन्धों व्यक्तियों पर  
सूचना का नामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती है, के अन्तर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के अन्तर उक्त आधार सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उक्त स्थावरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरीकरण :—इसमें पर्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

'आकाश दीप' 5 लीमार राउडन स्ट्रीट में अवस्थित एक  
तल्ला में प्लॉट न० 2 आयतन 2865+547 वर्ग फिट  
2.773% जमिन का हिस्सा जो सब-रजिस्ट्रार अब एन्वयुरेंस  
के दफ्तर में डीड न० I-9616 के अनुसार 11-8-84 तारीख  
में निबधित हुआ।

एस० के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता—16

दिनांक 22-4-85

मोहर :

प्रकृष आर्श.टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सञ्चालन

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निदेश सं० ए० सी० रेंज-2/कल०/1985—यतः मुझे,  
एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3बी है तथा जो केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित  
है (और इसमें उगावद्ध पन्ध्रसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्वी०  
आर०-आई, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-8-84,

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह प्रदर्शित  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
कारण से कभी करने या लगाने वाले से सम्पत्ति  
के लिए कर/रा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरित की जा सकती नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था दिनांक 1  
द्वारा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित:—

(1) श्रीमती चन्द्र भान्ता नायक

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गणेशी रमेश तथा श्रीमती मानिता रमेश ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के अन्तर्गत या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे ।

गणेशीकरण:—इस सूचना के अन्तर्गत आने वाले पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, उक्त सूचना के अन्तर्गत आते हैं ।

बनसूची

3बी केशाक स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित प्लॉट नं० 4  
तीसरी मंजिल में स्थित जो सक्षम प्राधिकारी, (सहायक  
आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 के दफ्तर में सिरियल  
मि० ए० 40 के अनुरार 2-8-84 तारीख में रजिस्ट्री हुआ ।

एस० के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2

54 गंगा महमद खिदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक 22-4-85

मोहर

प्रकट नाम: टी. ए. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० सी० रेंज-2--एस०/कल०/85 यतः मुझे,  
के० बनर्जी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 3 है तथा जो 3ड स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सी० ए० आई० ए०  
सी० एक्वी० आर-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-8-84,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विज्ञापन  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाष की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
स्वामित्व में कभी करने या उससे बचने में बाधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाष या किसी भू या अन्य भास्त्रियों  
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना था, छिपाने में सक्षम  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती चन्दा देवी धनधनीया  
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती मधु अग्रवाल एवं श्री अनूप कुमार अग्रवाल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कराया हुआ है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

3ड स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित 2795 वर्गफिट  
आयतन का प्लॉट नं० 6 साथ में कार पार्किंग स्पेस जो सक्षम  
प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2  
के दफ्तर में सिरियल नं० सी० ए० 40 ए के अनुसार 10-8-84  
में रजिस्ट्री हुआ है।

ए० के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2,

54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता—16

दिनांक : 22-4-85

मोहर :



प्रकृष आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3395/11—अतः मुझे, एस० के०  
बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

जिपकी सं० 62 बी है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी० ए० 1 ए० सी०,  
एक्वी० आर०—आई, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
नं०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थादू :—

(1) श्रीमती निश्चिन्ता धाई

(अन्तरक)

(2) अर्जुन चाधा (माइनर) द्वारा श्री अशोक कुमार  
चाधा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

नीलम 62बी० पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित दूसरा  
तल्ला में प्लॉट नं० 2ई एक कार पार्किंग स्पेस जो सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 के पास  
सीरियल आई सी० ए० 52 के अनुसार 28-8-84 तारीख में  
रजिस्ट्री हुआ ।

एस० के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2

54, रफीअहमद किरवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 22-4-85

मोहर



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एल० गोस्वामी

(अन्तरक)

(2) त्रिवेणी टिबुज लि०

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निवेश सं० ए० सी० रेंज-1749/अर्जेन रेंज-3/85-86—

यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 136 है तथा जो योधपुरपार्क, कलकत्ता में स्थित  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता को रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-  
8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तन पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनसूची

दो सल्ला मकान सह जमीन

क्षेत्र — 5 कठ 7 छः 2 व० फु०

पता—136 योधपुर पार्क, कलकत्ता—68 ।

रजिस्ट्री—डीड नं० । 10389 ता० 27-8-84 अनुसार

शंकर बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेन रेंज-3,

54, रफी अहमद किववई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 11-4-85

मोहर :

प्रथम भाग. बी. एम. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० सी० रेंज/1750/अर्जन रेंज-3/85-86—

यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो लाल बाजार स्ट्रीट में स्थित है] (और इसी उदाहरण अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० ए० वी० आर०-III में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मंत्र, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) टोडी टी० कम्पनी (प्रा०) लि०

(अन्तरक)

(2) मेसर्स केडीया लेक्टी० (प्रा०) लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के रजिष्ट्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय क्रम सं० 212

क्षेत्र—430 क्षेत्र व० फु०

पता—2, लाल बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता

रजिस्ट्री—37ईई फर्म अनुसार ता० 10-8-84

शंकर बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

54, रफी अहमद किराई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 11-4-85

मोहर

प्रकट नं० टी. एच. एच.-----

(1) श्री उदित कुमार राय और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजु लाय ।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० ए० सी० रेंज 1751/अर्जन रेंज-3/85-86—

यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 806 है तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-8-  
1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तित्व के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सूविधा  
के लिए बाध/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के  
लिए कार्रवाई करा जाता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यग्भी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3 क्षेत्र-1300 ल ब० फु०

पता—80 जी शरत बोस रोड, कल०

रजिस्ट्री—डीड नं० 1 9468 दिनांक 9-8-84 अनुसार

शंकर बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—3

54 रफी अहमद किदवाई रोड कलकत्ता—16

दिनांक : 11-4-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० 1752/मर्जन रेंज-3/85-86—यतः मुझे,  
शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2, है तथा जो लाल बाजार स्ट्रीट कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-8-  
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिबों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन अभिलिखित, व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स टोडी टी० कम्पनी (प्रा०) लि०

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सानराइज द्यूक्स (प्रा०) लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रतिलिखित

कार्यालय कक्ष-790 व० फुट

पता—2, लाल बाजार स्ट्रीट, कल०

रजिस्ट्री—37ईई फर्म अनुसार दिनांक 12-8-84

शंकर बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3,

54, रफी अहमद किरवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 11-4-85

मोहर 6

प्रश्न क्रमांक 81. एच. एल. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## आवृत्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निवेश सं० 1753/प्रार्जन रेंज-3/85-86—मत: मुझे,

शंकर बनर्जी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
प्रमाण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 48/35 है तथा जो पूर्ण चन्द्र मित्र लेन, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपान्वित अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
17-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायत्व  
के छद्म करने या उक्त बचने में सूचिका के लिए  
की गई।

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन वा अन्य जास्तियों  
को बिना भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाए में  
सूचिका के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमती सान्ता वसु

(अन्तरक)

(2) गोलुने को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोक्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

3 कट्टा 46 : छ: जमीन

पता —4835 पूर्णचन्द्र मित्र लेन, कलकत्ता।

रजिस्ट्री—डीड नं० 9901 तां

शंकर बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-3

54, रफी अहमद क्रिश्चई रोड, कलकत्ता—16

दिनांक : 11-4-85

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री गोपा चन्द

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण झुनझुनावाला ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कै वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 1754/अर्जन रेंज-3/85-86--अतः मसे,

शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प-64 है तथा जो ब्राइट स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित  
है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय 1 एसी एवबी० आर०-III  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 21-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रसूची

प्लॉट और उसकी छाद, गांधी रखमें के जगह

पता—पी-64, ब्राइट स्ट्रीट, कलकत्ता

रजिस्ट्री — 1 ए सी० एवबी० —आर०—III, कलकत्ता दफ्तर  
द्वारा 37ईई फॉर्म अनुसार ।

शंकर बनर्जी

सशम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

54, रफीग्रहमद किचन रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 11-4-1985

मोहूर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री गोपा चन्द

(अन्तरक)

(2) कल्पना मुनमुनवाला

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 1755/अर्जन रैंज-3/85-86—यतः मुझे,  
शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प-64 है तथा जो ब्राइट स्ट्रीट, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी०, एक्वी०  
आर०—III को रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
का 16) के अधीन, दिनांक 21-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-57GI/85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट और उसकी छान, गाड़ी रखने के जगह,

पता—पी-14 ब्राइट स्ट्रीट, कलकत्ता

रजिस्ट्री—आई० ए० सी०, एक्वी० आर०—III, दफ्तर द्वारा  
37ईई फार्म अनुसार।

शंकर बनर्जी

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रैंज-3

54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता—16

दिनांक : 11-4-85

मोहर

**हकूमत बाई.डी.एच.एच.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० 1756/अर्जन रेंज-3/85-86—यतः मुझे,  
शंकर बनर्जी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 224/224/1 है तथा जो आचार्य जगदीश चन्द्र  
बोमरोड और 68, गंग, सर्कुलर रोड, में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्वी० आर०— में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक 24-8-84,  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक त है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व से कमी करने या उसके वर्चस्व में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)

गणना करने के अंतर्गत कर देना पड़ेगा कि यह  
किया गया है कि यह या कि यह या कि यह

के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) बी० के० ठक्कर प्रापटीज (प्रा०) लि०  
(अन्तरक)
- (2) श्री सुसुरजीत कुमार जग्गी और अन्य ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 'ई' चौथा फ्लोर ।

क्षेत्र—2099 वर्ग फु०

पता—224, 224/1 आचार्य जगदीश चन्द्र बोमरोड  
और 68, बी० सी० रोड कलकत्ता ।

रजिस्ट्री —आई ए० सी०, एक्वी० आर०—III दफ्तर द्वारा  
37ईई फार्म अनुसार

शंकर बनर्जी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3  
54, रफी अहमद खिदवाई रोड, कल०-16

दिनांक : 11-4-1985  
मोहर 3



प्रकाश आर्ट. टी. एन. एच. ---

(1) बी० के० ठक्कर प्रापर्टीज (प्रा०) लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हरभीषान सिंह

(अन्तरिती)

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० ए०पी०ए० 1757/एक्वी० आर०III/85-86-

अतः, मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'आय अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को या विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 224/224/1 है तथा जो आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड और 68 बी० सी० रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय 1 एसी एक्वी० आर-III में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से पूर्व किसी व्यक्ति या पक्ष को, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के अधिवृत्त में कोई कर या इससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसा किसी व्यक्ति या किसी भू या अन्य वास्तिकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्जापत्ती द्वारा प्रयुक्त नहीं किया गया या या किया जाता था या विप्लव में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० ई/9वां फ्लोर ।

प्लॉट --2099 व० फु०

पता—224, 224/1 आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड और 68, कालीगंज सर्कुलर रोड, कल०

रजिस्ट्री—1 एसी एक्वी० आर-II दफ्तर द्वारा 37ईई फार्म अनुसार ।

शंकर बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज IV

54, रफी अहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 11-4-85

मोहर ।

प्रकृष भाई. टी. एन. एस.]

(1) सतनाम कांडर और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अरुण कुमार डीवरीवाल और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिये  
कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोच —

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए०सी०एन० 1758/अर्जन रेंज-3/85-86-अंतः,  
मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 10, है तथा जो अजन्ता अपार्टमेंट, गुरुसदय  
रोड, कल० स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है रजिस्ट्री ऑफ अधिकारी के कार्यालय 1 एसी  
एक्यू० आर-III में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक 14-8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का  
बहुप्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
नामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह से उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में कृषिभा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविकी  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कल  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में कृषिभा के  
लिए

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 'एच'/8वां फ्लोर ।

पता—अजन्ता अपार्टमेंट, 10, गुरुसदय रोड कल०

क्षेत्र—1869 वर्ग फु० और गेरेज नं० 35 और नौकर  
का घर, रजिस्ट्री 37ईई फार्म अनुसार 9 एसी एक्यू० पी-III,  
दफ्तर द्वारा

शंकर बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफीअहमद किरवई रोड, कल०-16

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ

दिनांक : 12-4-1985

मोहर

प्रकृष धार्.डी.एन.एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 1759/एक्वी० आर-III/85-86—यतः मुझे,  
शंकर बनर्जी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 135 जी है तथा जो श्यामाप्रसाद मुखर्जी रोड,  
कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए०  
सी० एक्वी० आर०-III में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-8-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भंगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सत्यनारायण नाथानी (एच० यू० एफ०) और  
अन्य ।

(अन्तरक)

(2) बिहारी इन्वेष्टमेण्ट एण्ड ट्रेडिंग क०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

विशदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक तल्ला मकान सह जमीन 5 कठ्ठा 7 छः 30 ब० फु०  
और जमीन 7 कठ्ठा: 2 छः 15 ब० फु०

रजिस्ट्री—1 ऐसी एक्वी० आर०-III वफतार द्वारा 37ईई  
फार्म अनुसार ।

शंकर बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3

54, रफी अहमद किरवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 16-4-85

मोहर

प्रूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

(1) श्री सन्तोष कुमार दास

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सन्दिप दे और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० ए० सी० रेंज- —यतः मुझे, कल०/1985

86—यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 246 है तथा जो जेशोर रोड, कलकत्ता-48  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए०  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अगस्त 8 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरात्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की कमत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उक्त अर्थ में सूचना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचना  
के लिए;

जमीन —3 कठ 8 छिटांक 13 वर्ग फुट जमीन का साथ  
या तल्ला मकान ।

पता—246, जेशोर, रोड, कलकत्ता-48, याना-लेक  
टाउन ।

दलिल संख्या —आर० ए० कलकत्ता का 1984 का आई  
937 ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II/कलकत्ता

54, रफी अहमद किववई रोड कलकत्ता-16

नोट: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनांक : 11-4-1985

मोहर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री ईशान चन्द्र घोष एवं कम्पनी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री लक्ष्मी नारायण बनर्जी और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

कलकत्ता दिनांक 16 अप्रैल 1985

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी बाधक :-

निदेश सं० ए० सी० रेंज-II/कल० 85-86-

यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एल० पी०/4/64 है तथा जो गंगारामपुर रोड, भाना महेशनल स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-8-84,

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें उक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के लिए;

जमीन-13 कठ 13 छिटों 9 वर्ग फुट जमीन का साथ मकान ।

पता-एल० पी०/4/64, गंगारामपुर रोड, मौजा रायपुर, थाना-महेशनला, जिला-24 परगना ।

दलिल संख्या-आर० ए० कलकत्ता का 1984 की आई 10016 ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II/कलकत्ता  
54, रफीअहमद कदमई रोड, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 16-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री सुरेश चन्द्र राय ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) ईन-स्टाइल अपार्टमेंट प्राइवेट लि० ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए० सी० रेंज-II/कल०/1985-86—यतः

श्री. शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 36बी है तथा जो न्यू रोड, कलकत्ता-27 में स्थित  
है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 17-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन. या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन — 1 बिघा 1 कठ 40 वर्ग फुट जमीन का 1/25  
अंश ।

पता—36 बी न्यू रोड कलकत्ता-27 आलिपुर ।

दलिल संख्या—एस० आर० ए० कलकत्ता 1984 का आई-  
9940 ।

शेख नईमुद्दीन  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता,

54, रफी अहमद किववई रोड कल०-16

दिनांक : 11-4-1985

मोहर.

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

(1) सुरेश चन्द्र राय

(अन्तरक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कामाख्या टी० कम्पनी (प्रा०) लि०।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० एसी-5/आर-II/कल०/1985-86—यस: मुझे,

शेख नईमुद्दीन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 36 बी है तथा जो न्यू रोड, आलिपुर, कलकत्ता-  
27 स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस०  
आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 17-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि-  
बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जमीन — 1 बीघा 1 कठा 40 वर्ग फुट जमीन का 1/25  
अंश।

पता :—36 बी न्यू रोड, आलिपुर, कलकत्ता-27 दलित  
संख्या—एस० आर० ए० कलकत्ता का 1984 का आई 9939

शेख नईमुद्दीन

सशम प्राधिकारी

सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

54, रफी अहमद किराई रोड, कलकत्ता—16

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-36GI/85

दिनांक : 11-4-1985

कोहर।

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

(1) श्री सुरेशचन्द्र राय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) सारथा प्लाइवुड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० ए० सी० 6/आर-II/कल०/1985-86—

यस: सुखे शोख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 36बी० है तथा जो न्यू रोड आलिपुर कलकत्ता 27 में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से अर्जित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मीन—1 बीघा 1 कठा 40 वर्ग फुट मीन का 2/25 अंश ।

पता—36 बी न्यू रोड आलिपुर कलकत्ता-27 ।

दलित सं० — एस० आर० ए०—कलकत्ता का 1984 का आई—9938 ।

शोख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

54 रफी अहमद किववई रोड कलकत्ता-16

दिनांक : 11-4-1985

माहुर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० ए० सी० रेंज, II/कल०/1985-86—यस: मुझे

शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 36बी है तथा जो न्यू रोड कलकत्ता-27 में  
स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 17-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

ततः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात:—

(1) सुरेश चन्द्र राय

(अन्तरक)

(2) दि बुक्ता कुमारस टि० कम्पनी (इण्डिया)  
लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधोपे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सम्पत्ति

जमीन : 1 बीघा 1 कठा 40 वर्ग फुट जमीन का अधिभक्त  
2/25 ग्रंथ ।

पता—36बी न्यू रोड कलकत्ता—27 ।

बलिल संख्या—एस० आर० ए० कलकत्ता का 1984 का  
आई०—9941 ।

शेख नईमुद्दीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

54 रफी अहमद किववई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 11-4-1985

मोहर :

प्रथम भाग, टी. जे. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**नामक सूचना**

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 फरवरी/11 मार्च 1985

निदेश सं० 884/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 151-152-14212, 146, 147 है, तथा जो नीचे में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-10-1984, हुबली,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिणी (अंतरिणी) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठ-कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वास्तविक में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपेक्षित में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचति :—

(1) एम० आर० मिस्त्रीकोटी  
मालदार गल्ली हुबली ।

(अन्तरक)

(2) क्वाजा मयनुद्दीन मुहम्मद गौस मनीया  
कम्पाट ओली, मालदार, हुबली

(2) मुस्तुनसाब मदारसाब गोबी,  
मस्ती पता श्रीनगर कंवर रोड हुबली ।

(अन्तरिणी)

हो वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मूल्य के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति की मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी शर्त :—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**जम्बूजी**

(वस्तावेज सं० 2269/दिनांक 24-10-1984 खुला खला प्लॉट नं० 8 और इसका क्षेत्र 4688 सक्कर यार्ड है। ये सम्पत्ति अरविंद नगर हुबली में है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज-बंगलूर

दिनांक : 6/2, 11/3/1985

कोडर 5

**प्रथम भाग** **द्वितीय खण्ड**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**राज्य सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० 885/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 491/सी है तथा जो केशवापुर हुबली में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,,  
दिनांक 28-8-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित करी गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-  
रितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) एवो किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बलासाहेब श्रीतीवासराय चौटगुपी  
बलब रोड बली

(अन्तरक)

(2) पद्मराम श्रीनिवास बलमेकर  
ककनाथ श्रीनिवास बलमेकर  
नामदेव श्रीतीवास बलमेकर  
बलब रोड, हुबली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

(दस्तावेज सं० 1746, दिनांक 28-8-1984),

पति शेतकी जमीन केशवापुर हुबली में है । इसका सर्वे नं०  
491/सी, वार्ड नं० 1 है । और क्षेत्र 6 गुंठा है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, बंगलूर

दिनांक : 12-3-1985  
मोहर

प्रकृष बाई टी. एन. एल. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 886/84-85—यतः मुझे आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 219/1 है, तथा जो बेलगांव में स्थित है (और  
इसने उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-  
8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दखनान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय  
मान प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पक्का प्रतिफल से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अनुसार के  
समिति में कमी करने या उक्त करने के अधिनियम  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बताने :-

(1) श्री विठ्ठल महादेव सराफ  
"राम निवास" खानपुर शेड टीलकवाडी,  
बेलगांव ।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वनाथ रघुनाथ देशपांडे  
मेन रोड, हलीयाल,  
जिला—कारवार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाधिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

बंगलूर

(वस्तावेज सं० 1989, दिनांक 23-8-1984)

बंगला और जगहा खानपुर शेर टीलकवाडी बेलगांव में है  
इसका नं० 123 और सी० टी० ए० नं० 219/1 ।

र० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 8-4-1985

मोहर :

प्रमुख मार्ग-डी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निदेश सं० 887/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8-202 है तथा जो गुलबर्गा में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है; रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-  
8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंचद्व  
प्रतिशत से अधिक है

और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित प्रत्येक अर्थित :—

(1) श्री शिवशरनप्पा प्रभुराव गड्डीगुड्डी  
आर/आफ शहबजार, गुलबर्गा ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वी० एम० गंगा  
किनाता मर्चेन्ट शोप सं० 8-202  
वीराना बाजार, गुलबर्गा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1357, दिनांक 17-8-84)

शोप वीराना बाजार आशीफ गंज गुलबर्गा में है। इसका  
नं० नया नं० 8-202 और इसका क्षेत्र 1940 वर्ग गज है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 8-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

निर्देश सं० नोटिस सं० 888/84-85—अतः, मुझे,

आर भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 20098/बी० 53 है, तथा जो तलेगांव,  
गोवा में स्थित है (और इस से उपाखण्ड अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के  
कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 25-8-84को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से ऐसे खयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्गीकरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
है या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री मारिया फर्नांडा मार्टीन्स ई० मोन्तेरेदटा  
निवासी तलेगांव, गोवा।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स राजलवास बुलडॉर्स अलटीमो,  
पणजी,  
गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(1)

## अनुसूची

(वस्तावेज नं० 703 दिनांक 25-8-84)  
लेंडेड सम्पत्ति का नाम "मौलीग्याम" है। यह सम्पत्ति  
तलेगांव ग्राम में है। तालूक और उप जिला गोवा है।  
इसका क्षेत्र 14430 वर्ग मीटर है।आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूरतारीख: 4-8-1985  
मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 889/84-85—यतः, मुझे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-866/ए० है, तथा जो गुलबर्गा में स्थित  
है (और इस में उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 4-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंशदान की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विहित में  
अव्यक्तिक रूप से कटित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शोषण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) यदि किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—56 GI/85

(1) श्री पद्मनाथ हरीकृष्ण केहेकर,  
आर/ओ एम०, एस० के० मिल्स रोड,  
गुलबर्गा।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मुहम्मद पुत्र मुहम्मद अब्बास अली साहेब  
2. मुहम्मद मुजाहीद सुपुत्र  
मुहम्मद अब्बास अली,  
घर नं० 1-866/ए०, एम० एस० के० मिल्स रोड  
गुलबर्गा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पत्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

धनराजी

(दस्तावेज नं० 1265 दिनांक 4-8-1984)

खुली जगह केहेकर लेम्माऊट गुलबर्गा में है।

इसका सर्वे नं० 34।

आर० भारद्वाज

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख : 8-4-1985

मोहर :

मूल्य बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

कारण व्यवहार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 890/84-85—अतः मुझे, आर०,  
भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-866/पू है, तथा जो गुलबर्गा  
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 4-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घोष से उक्त अन्तरण  
सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साहित्य में कभी कभी या उक्त वचन में सूचना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :-

(1) श्री पदमनाभ हरीकृष्णा केडेकर  
निवासी एम० एस० के० मोल्स रोड,  
गुलबर्गा।

(अन्तरक)

(2) श्री बासीम मुल्ताना बाप रफीक मनीयार।  
निवासी गुलबर्गा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर उक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
कर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1266 दिनांक 4-8-1984)

खुल्हा जगहा कडेकर लेडनोह गुलबर्गा में है। इसका  
क्षेत्र 2275.99 फीट है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 8-4-1984

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 891/84-85—अतः मुझे आर०

भारद्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4/317 है, तथा जो होमपेठ में स्थित है (और  
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
11 एच 13-8-84।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
ये कमी करने का सबसे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) श्री एस० हनुमन्त रेड्डी  
बाप एस० बुछारेड्डी,  
बाप बाई,  
डोर नं० 4/317, पावल नगर,  
होमपेठ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० आर० कुलकर्णी,  
निवासी कमलाकर तालुक होमपेठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है। /

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 765 दिनांक 13-8-1984)

बंगला और खुलहा जगहा 4 बार्ड होमपीटल बिल्डिंग में है।  
जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्ग फुट है और पलाट का क्षेत्रफल  
4902 वर्ग फुट है।

आर० भारद्वाज  
महाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 892/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 723 है, तथा जो पाले, गोवा में स्थित है (और इससे उपाब्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन (डाकुमेंट नं० 294) अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) बाबूसो भोसे गोडे,
  - (2) अन्नापूर्णा बाबूसो गोडे,
  - (3) बरकाले बीसो गोडे,
- अम्बोशीम,  
पाले, गोवा।

(अन्तरक)

- (2) मै० बान्देकर ब्रदर्स (प्रा०) लिमिटेड,  
वास्को-डी-गामा,  
गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 294 दिनांक अगस्त 1984)

जायदाद बाबा हुप्पा "जाकाल" उर्फ "जाकाल मिल्ली,  
पाले गाँव, बैकोलिम तालुका, गोवा।

(आर० भारद्वाज),

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज बंगलूर

तारीख 8-5-1985

मोहर :

प्रकाश बाई, टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 893/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 87 है, तथा जो अल्टो पिरोरिम गोवा में  
स्थित है (आर० इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन (डाकुमेंट सं० 666) 23-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित करी लगे हैं और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दबावपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा बना प्रति-  
फल निर्धारित उद्देश्य के उक्त अन्तरक अधिनियम में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से ठीक किसी भाग की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बाई/बा

- (क) ऐसी किसी भाव या किसी वन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अंतर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाया या किन्हीं अन्य कारणों से, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

अतः ज० उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेजर एस० आर० बक्षी,  
6, तिलोत्तमा,  
कोलबा, बम्बई-400005।

(अन्तरक)

- (2) वाइस हेडमिरल, सेहुनकर  
मि० 87, डिफेंस कालोनी,  
अल्टो, पिरोरिम  
वाडेरज गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 666 दिनांक 23-8-1984)

खुली जगह अल्टो पिरूर गोवा में है। इसका क्षेत्र  
625 स्क्वे० मी० है। और नं० 87 है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सह क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 9-4-1985  
मोहर :

प्रकाशित: डॉ. एन. एच. -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 894/84-85—अतः सुते,

भारत सरकार,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 197 है, तथा जो कुर्सा इल्हास, गोवा में  
स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन (डाकुमेंट नं० 602) तारीख 2-8-84।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि महापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से ऐसे व्यवहार प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण  
जिसे में वस्तुस्थिति रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
वर्षिक से कमी करने या उक्त करने में क्षति  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिसे भारतीय भावकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भावकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रत्येक अन्तरिती द्वारा प्रकाशित किया  
गया या या किया जाना चाहे या, डिपॉजिट में  
क्षति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, वर्णित है—

(1) श्री रघुनाथ विष्णु पण्डित और  
सुषमा पण्डित  
नि० मासा, पणजी गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री रामराय अर्जुन सावंत,  
नि० कुर्सा,  
इल्हास गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्ति या  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जहाँ-जहाँ-जहाँ के  
पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उक्त अन्वय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 602 दिनांक 2-8-84)\*

सम्पत्ति जो है कुर्सा एगोर और मरीना एगोर के नाम  
से जानी जाती है और जो कुर्सा इल्हास गोवा में स्थित है।

भारत सरकार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भावकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 9-4-1985  
मोहर :

प्रथम भाग. टी. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 अप्रैल 1985

नोटिस नं० 895/84-85—प्रतः मुझे, आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6540 है, तथा जो हासन, में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 (1908 का 16) के  
अधीन हासन में तारीख 18-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

प्रतः अर्जुन रेन्ज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० गंगप्पा सुपुत्र मेसूर इरप्पा,  
कम्प्यूटर  
नि० रवीन्द्र नगर हासन।

(अन्तरक)

(2) ए० वी० श्रीनिवासा सुपुत्र ए० वी० वेंकटेश्वर शेड्डी  
श्रीनिवास हाल गांधी बजार, हासन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(धस्तावेज नं० 946 ता० 18-8-1984)

खाली जगह नं० 10, एस० टी० बास स्टैंड के  
पास हासन में है। इसका क्षेत्र 830 वर्ग फुट है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 9-4-1985

मोहूर

एकत्र भाग, की. नं. 43, का. 43

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 896/84-85—अतः मुझे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्रधिकारों को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1211/745 है, तथा जो हमन में स्थित  
है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
अधीन के हमन में तारीख 16-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यक्  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके सम्यक् प्रतिफल से, ऐसे सम्यक् प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाल-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
से कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,  
बाय/बा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

तथा जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसूचि  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती अरुण पति लेट के० राजगोपालराव हासन,
- (2) श्रीमती जोती एन० रवीन्द्रनाथ, मैसूर
- (3) जयश्री बाप के राजगोपाल, हासन।

(अन्तरक)

- (2) श्री बी० एन० रमेश सुपुत्र बी० नागपा,
- बकील, हासन।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के निम्न  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाय/बा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 1014 ता० 16-8-84)

खुली जगह के० आर० पुरम हासन में है जिसका क्षेत्र  
54' X 70' है। जंगलों का क्षेत्र 800 वर्ग फुट है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 9-4-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेन्ज बंगलूर,

बंगलूर, दिनांक 9 अप्रैल 1985

नोटिस नं० 897/80-85—अतः मुझे आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1589, 2232-2236, 1991 है, तथा  
जो श्रीबल्लमगलूर में स्थित है (और इससे उपाचल अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, ता० 3-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का  
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वयण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

11—56 GI/85

- (1) सर्वतुल्लुमा अन्नार वमणन  
2. सी० मोहम्मद नजोर नौमत और  
3. मोम नूर पातीमा  
ठीकाना 15, II क्रोप अलबेट वीक्टर  
रोड, कला थिएटरम बेंगलूर।

(अन्तरक)

- (2) श्री के० एच० मंजुनाथ सेट्टी बाघ के एम० होकपा  
नायडू स्ट्रीट चीकमगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(दस्तावेज 1054 ता० 3-8-84)

शेप जगह, एम० जी० रोड चीकमगलूर में है।

इसका त्र श्रे 43' × 29'-4" है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेन्ज बंगलूर

तारीख: 9-4-1985

मोहर :

प्रथम भाग: टी. एन. एच. नं० - - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 अप्रैल 1985

नेटिम नं० 898/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6026 है, तथा जो हासन में स्थित है (और इस से उपावद्ध अणुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन ता० 29-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावत से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कैप्टन शरदा  
पत्नी श्री के० राय० भवाणी शंकर  
फील पैलेम हासन ।

(अन्तरक)

(2) प्रतीमा पत्नी एच० लक्ष्मय्या  
रत्न राजी ले० और हासन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1092 दिनांक : 29-8-84)

आई० सी० सी० रेसीई डैनसीयन बंगलो बी० एम० रोड  
हासन में है ।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेन्ज बंगलूर

तारीख : 9-4-1985

मोहर :



प्रकरण बाई, टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 अप्रैल 1985

नोटिस नं० 899/84-85—अतः मुझे आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

21/4, 20/4, 25/9, 122/7, 37, 10/2, 45/10,  
12/18, 26/3 और 49/पी० है, तथा जो उससे  
ग्राम में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन ता० 13-9-84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापेक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तित :-

(1) श्री हाजी० रा० मुहम्मद रा० इसका बाप हाजी  
रा० मुहम्मद इमाममाब के० आर० पूरम एंक्स्टेशन  
हामल ।

(अन्तरक)

(2) ए० पी० रागुवेंद्रा,  
पा० रा० डी० पुटीगौडा

(2) श्री० पी० उदय, कुमार  
अलसगडी इलटर अवती घोबली  
तालुक श्रीकमगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गलतफहमी :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पत्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

नब्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रमाण

(वस्तावेज 490 ता० 13-9-84)

काफ़ी जगहा बेटटादम्मद ग्राम और उदरे ग्राम तालुक  
मुड्डेरे में 22 कर्मा और गुंडा है ।

आर० भारद्वाज  
'समक्ष प्राधिकारी'  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 9-4-1985  
मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्री दत्तासा मंत्रासा चौधरी,  
बीचु गली, गहापुर बेलगम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

- (2) सुरेश दत्तात्रय बेरनेकर : प्लॉट नं० 164, हिंदवाडी  
बेलगम ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 अप्रैल 1985

नोटिस नं० 900/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 215 है, तथा जो बेलगम में स्थित है  
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
2-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) को  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सज्जि  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृत्ति  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 1750 सा० 2-8-84]

खुलहा जगहा, हिंदवाडी, बेलगम में है। इसका क्षेत्रफल  
5040.59 फीट है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एड. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 901/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम० वाई नं० 75 (सी०) एस० वाई नं०  
76 (डी०) एस० वाई नं० 77 है जो इडापानी गांव, कलासा  
होबली, तालुका मुडिगेरे में स्थित है (और इससे उपाध्व  
अगुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मुडिगेरे में  
ता० 8-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के  
लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री रामशा शेटी  
पुत्र कुबुपा शेटी  
हेम्माकी इडापानी गांव कलासाहोबली,  
तालुका मुडिगेरे ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एम० रफीक  
सपूत के० उमेर साहेब  
बिगहाडस किलपडी पोस्ट मुल्फी  
जिला डी० के० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिनी शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें उक्त गलती और गदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 388/ ता 8-8-1984)

फांफि जमीन जगह अफरे 18 एकड़ 30 गुंटे

एस० नं० 206 पुराना पूराना नं० 89 (बी०)

2.30 घकड़ भिगी जमीन एस० नं० 75 (सी०)

1-12 एकड़ भिगी जमीन एस० नं० 76 (डी०)

1-27 एकड़ धागयक जमीन एस० नं० 77 इडापानी गांव  
कलासाहोबली तालुका मुडिगेरे

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, अग्रवाल हाउस, 4/14 ए, आसफ  
अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/  
8-84/2457—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० ई-47, है तथा जो न्यू मुलतान नगर,  
रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्व  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अगस्त 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयभाग  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके हयभाग प्रतिफल से, ऐसे हयभाग प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमेश कुमार गम्भीर सुपुत्र श्री गरीया लाल  
गम्भीर,  
निवासी-लैटर नं० 15,  
ब्लाक नं० 20,  
वेस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री बिरू मल (कर्ता) एच० यू० एफ०  
सुपुत्र श्री मोखा राम,  
निवासी मकान नं० 3,  
सत्या निकेतन,  
मोती बाग नं० 11,  
नई दिल्ली-21, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 47, ब्लाक 'ई' (प्लॉट नं० ई-47)  
तादादी 206-2/3 वर्गगज, यानी 172.8 वर्ग मीटर (साइज  
31 फीट × 60 फीट) स्थित न्यू मुलतान नगर, रोहतक  
रोड, दिल्ली-56, खसरा नं० 4/17/2, एरिया ग्राम जवाला  
हेरी, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

मुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-4-85

मोहुर

प्ररूप आहू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रोज नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर० 2/  
8-84/2458—अत मुझे सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण अति स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी पं० 13 है तथा जो नोरथ वैंस्ट एवन्यू रोड  
पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनु-  
सूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
उपायुक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है —

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या कि ज्ञात चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती कान्ता जोशी  
निवासी 8/14 ईस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री गुलजारी लाल ओबराय  
(2) कृष्ण गोपाल  
(3) राजेश ओबराय  
(4) मुकेश ओबराय  
निवासी 30  
नोरथ वैंस्ट एवन्यू रोड  
पंजाबी बाग  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिम करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

13 नोरथ वैंस्ट एवन्यू रोड, पंजाबी बाग नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 11-4-1985

मोहर :

प्रमाण नम्बर. टी. एन. एच. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 नई अग्रवाल हाउस, 4/14-ए, आसक, अली  
रोड, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी/एक्यू०/3 /एस० आर० 2/8-84

2462—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 38 ब्लॉक ए है तथा जो  
शंकर गार्डन दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
म पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अगस्त 1984।

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
व्यंजनों को धीरे नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिना;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य भास्तिवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुबन्धार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री संजीव अनेजा,  
सुपुत्र श्री धर्मपाल अनेजा,  
निवासी 3925, गली नं० 28,  
रेगरपुरा, करोल बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम चन्द

2. बिष्णु भगवान

3. परशोतम दास

4. सत्या प्रकाश

आर० ई० 725, जनन गली, जिला करनाल (हरियाणा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् अधिनियमों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि रात में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 38, ब्लॉक ए, शंकर गार्डन, गांव पोसंगीपुर  
के क्षेत्र में दिल्ली स्टेट दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

तारीख: 12-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०

2/8-84/2463—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंडवा किला नं० 17/2 18/1 23/1, 24/1 तथा जो  
गांव पोसंगीपुर दिल्ली में स्थित है (आर. इसमें उगावद्र  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अज्ञानता के तहत होने वाले यह विप्लव  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—56 GI/85

(1) श्री तिलक राज

मुपुत्र चूनी लाल निवासी नं० जी-28/137,

राजौरी गार्डन

नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बलवन्त सिंह

निवासी नं० जे०-2/20,

राजौरी गार्डन

नई दिल्ली ;

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
गया है।

अक्षरों

किला नं० 17/2, 18/1, 23/1, 24/2 गांव पोसंगीपुर  
दिल्ली स्टेट दिल्ली।

क्षेत्र —भूमि 2 बीघा 9 विसांव

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

**रूप नाम, टी.एम.एस.**

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3 एस० आर० 2/.

७-84/2464--अत, मुझे सुनील चौड़ा,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या खसरा न० 78 है तथा जो गांव शाहवाड  
दौलतपुर दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध सूची  
में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख अगस्त 1984।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितियों के लिए ऐसे अन्तरक के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निश्चित है  
वित्तीय रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बाय, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित  
के कभी कभी या कतई कतई से सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जातिबों  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्तक 2—

(1) श्री अजय कुमार  
सुपुत्र श्री धाम वाठारी  
(2) श्री मोहित कुमार  
2, मैटथेफ रोड  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार  
सुपुत्र श्री चमन लाल एफ०-91  
कीर्ति नगर  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिमा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादकारी के  
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**सुनील चौड़ा**

खसरा न० 78 गांव शाहवाड दौलतपुर दिल्ली।

सुनील चौड़ा

तक्षम अधिकारी

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 11-4-1985

महेश्वर



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3 एस० आर० 2/

8-84/2465—अन मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या 8/4 है तथा जो राजौरी गार्डन नई  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है) परिसर/अर्जा अधिकारी के कार्यालय,  
में भारतीय नजदीकरण अधिनियम 1948 (1908 का  
16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
कारण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कुण्डल लाल  
निवासी 142,  
8 मरला  
गुडगावा हरियाणा

(अन्तरक)

(2) श्री पूरबी पाल सिंह,  
ई-36/11  
राजौरी गार्डन  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाषण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

सन्तुष्टि

1/3 अविभाजित शेयर प्रोपर्टी नं० 5/40 राजौरी  
गार्डन नई दिल्ली, 200 वर्गगज।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली 110003

तारीख: 11-4-1985

मो र ;

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2/  
8-84/2467—जन सुझे सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 91-1, ब्लाक जे-6 है तथा जो राजोरी  
गार्डन, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
इसे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राशिय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, चिन्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विनीत कुमार कालरासुपुत्र श्री इश्वर राम  
और मनजीत सिंह मुपुत्र श्री सरदुल सिंह,  
निवासी-जे०-6/91-1,  
राजोरी गार्डन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलशन कुमार बोहरा और श्री ओम प्रकाश  
बोहरा,  
सुपुत्रगण श्री देश राज,  
श्रीमती कृष्णा बोहरा पत्नी श्री देश राज,  
श्री देश राज बोहरा सुपुत्र लाला फकीर चन्द,  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 91-1 ब्लाक जे-6, राजोरी गार्डन, ग्राम  
तारपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली, तादा 160 वर्ग गज, यानी  
(149 वर्ग मीटर)

सुनील चोपड़ा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख 6-4-1985

मोहर

प्रमुख बाई ७ टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं. जार्ज ए. सी०/एन०/3/एम०-आर०-2/  
8-81/2468—त मुझे मुनीन चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1, है तथा जो तिलक नगर इन्डस्ट्रियल  
एरिया नई दिल्ली, में स्थित है (आगे इसमें उपावृद्ध अनुसूची  
से पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपावृद्ध सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरगतों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
नामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी लाभ या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या लिखावे में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम का धारा 269-घ के अन्वय  
में, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम

(1) मै० पुरणार्थ स्वामी अरोड़ा एण्ड कं०  
6-मदन स्ट्रीट,

तिलक नगर-700072

द्वारा मागीदार

श्रीमती विमला अरोड़ा,

श्री श्याम सुन्दर मोनोवा और

श्रीमती नीरा मागपाल,

(अन्तरक)

(2) मै० महान प्लान्टीय प्रा० लि०

नं० 1-इन्डस्ट्रियल एरिया तिलक नगर  
नई दिल्ली

द्वारा डाइरेक्टर श्री राज कुमार गुप्ता

(अन्तरिती)

(3) (1) मै० महान प्लान्टीय प्रा० लि०

ग्राउन्ड फ्लोर

(2) मै० गुडवीन एक्स्पॉट्स,

दूसरी मंजिल,

(3) मै० गुडवीन लेनर्स इन्डिया प्रा० लि०,

पहली मंजिल,

(वर्तमान जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करने के अन्तर्गत संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी दावे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
रहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, कबोहस्तासारी के  
बाध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल प्रोपर्टी नं० 1, तिलक नगर इन्डस्ट्रियल एरिया,  
नई दिल्ली, तादादी 1792.6 वर्ग गज।

मुनीन चोपड़ा

सहायक अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-4-1985

गोप्य

प्रत्यक्ष आर्ष.टी.एन.एत.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निदेश नं० आर्ई०ए०सी०/एव००/१६००/१६०० (2)

8-84/2469—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-156, है तथा जो ग्राम नारायणा अवाधी इन्दरपुरी, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की प्रक्रिया के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री आका पाल सिंह सुपुत्र  
श्री गुरवर्ण सिंह,  
निवासी-ए-156,  
इन्दरपुरी, नई दिल्ली,  
वर्तमान निवासी-186,  
मुख्य देव विहार,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार वर्मा सुपुत्र  
श्री मूलचन्द्र राज वर्मा, और  
श्रीमती कमला वर्मा पत्नी  
श्री कृष्ण कुमार वर्मा,  
निवासी-34-डी०डी०ए० रणजीत नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दां जहाँ जहाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लॉट नं० ए-156, तादादी 200 वर्गगज, ससरा  
नं० 610, ग्राम-नारायणा, अवाधी इन्दरपुरी, नई दिल्ली

मुनील चोपड़ा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-4-1985

सोहर :

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एच०/3/एस०आर० 3/84/  
832—प्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 6072 प्लॉट नं० 34 है तथा जो ब्लॉक नं० 2 बी वस्ती रंगर देव नगर करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है। (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारोख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दरम्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दरम्यान प्रतिफल से, ऐसे दरम्यान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सुनील कुमार सलूजा  
सुपुत्र श्री ईशर सिंह बीर,  
निवासी 1-बी,  
नेताजी सुभाष मार्ग दरियाबाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सरदार हरजिन्दर सिंह,  
सुपुत्र सरदार प्रेम सिंह,  
निवासी मकान नं० 6072,  
गली नं० 2,  
ब्लॉक नं० 2 बी,  
देव नगर, करोलबाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 6072 प्लॉट नं० 84 खसरा नं० 4168/  
99 गली नं० 2 ब्लॉक नं० 2 बी, वस्ती रंगर देव नगर  
करोल बाग, नई दिल्ली क्षेत्र 82 वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-4-1985

सोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/ए०ए०/3/8-84/833—अतः  
मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-1/59 है तथा जो मालविया नगर  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे अपावद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
आई०ए०सी० (ए०ए०) रेंज-3 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन, तारीख  
अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के०एन० वासवाही,  
बी-1/59,  
मालविया नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री करतार सिंह खुराना,  
224, एस० ए० २० एस०,  
शेख सराय,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बी० 1/59 मालविया नगर, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 15-4-1985

मोहर :

प्रकरण बाई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 अप्रैल 1985

नि. सं. आई०ए०सी०/एफ०/3/एस०आर०-3/8-84/

836--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 3300/16, है तथा जो किशन नगर हरद्वान सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा रकट नहीं किया गया और या किसी धन या वास्तव्य, या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
13—56 GI/85

(1) श्री राजा कालू राम सुपुत्र  
श्री हेत राम,  
निवासी-5261/7,  
कृष्ण नगर,  
देव नगर,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० भरत लेदर एण्ड  
शू मेटेरियल हाउस,  
5300/16,  
कृष्ण नगर,  
हरद्वान सिंह रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) मै० भारतलेदर एण्ड  
शू मेटेरियल स्टोर  
(2) श्री डी०एन० बोरा,  
(3) श्री महेन्द्र कुमार,

(वह व्यक्ति जिसके अधिकार में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियं करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति या हिस्से के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में प्रस्तुत किया गया।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मै० प्रो० स्युनिसीपल नं० 5300/16, कृष्ण नगर, हरद्वान सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली दसरा नं० 3496/336 ब्लॉक 'डी' बस्ती रेगर,

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-4-85

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-3/8-84/  
838—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-82 (केवल आउट फ्लोर) है तथा जो  
एन० डी० एस० ई०- , नई दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह निश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हासिल में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

(1) वरनवीर कौर वर्मा निवासी,  
ए-82,  
एन० डी० एस० ई०-II,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलभूषण कालड़ा,  
निवासी 8-सी०/86,  
रोहतक रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करना हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

पूरा आउट फ्लोर प्रोपर्टी नं० ए०३८२, एन०डी०सी०  
ई०-II नई दिल्ली अधिभाजित भूमि 100 वर्गगज।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-4-1985  
माहिर :



प्रकृष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 6 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/ए.क्यू०/3/एस०आर०-3/8-84/  
841/90—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-23 है तथा जो गुलमोहर पार्क, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा नवा  
प्रतिफल, निर्माता/निर्माता उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
वास्तविक रूप से कथित करने या उक्त अन्तरण से उद्दिष्टा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु या अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में उद्दिष्टा के लिए;

(1) श्री पं० राम आसरे प्रभाकर,  
निवासी—मकान नं० 3076,  
सेक्टर 46-सी,  
चंडीगढ़-160031

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द जैन,  
निवासी—4-जसवन्त पेल्लेस,  
नई दिल्ली-21

(अन्तरिती)

(3) श्री सुखबीर सिंह जैन,  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

2-1/2 मंजिली मकान प्लॉट नं० डी-23, गुलमोहर  
पार्क, नई दिल्ली-48, तादादी 200 वर्गगज (167.23 वर्ग  
मीटर)

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अध्याय 20-क—

तारीख : 6-4-1985

मोहर :

सूचना क्र. 1/85

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं. आई०ए०सी०एक्यू०/3/एस०आर०III/8/84

849—अतः मूझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पक्षस्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 3652, प्लॉट नं० 28, है तथा जो  
ब्लॉक "एल" गली नं० 14-15, रंगरपुरा, करोल बाग,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के खर्च  
में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रेम कुमार सुपुत  
स्व० चन्दन लाल,  
निवासी-3-652,  
गली नं० 14-15,  
रंगरपुरा,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा बन्ती पत्नी  
बलदेव राज रावल,  
दीपक कुमार और  
राजीन्दर रावल सुपुत्रगण  
बलदेव राज रावल,  
निवासी-एफ-170 मानसरोवर गार्डन,  
नई दिल्ली।

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्-  
स्वांश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बन्सूची

मकान नं० 3652, प्लॉट नं० 28, तादावी 50 वर्ग  
गज, खसरा नं० 1942, ब्लॉक "एल" गली नं० 14-15,  
रंगरपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली,

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 9-4-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली विनांक 9 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-3/8-84/

854—प्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करा जा कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 21/51, है तथा जो ओल्ड राजिन्दर  
नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसके बचने में सविधा के लिए,  
कोशिश

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविको  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कृष्णा चावला पत्नी  
श्री प्रेम नाथ चावला,  
निवासी—मार्फत नाथु मल एण्ड सन्स,  
बिरहान रोड,  
कानपुर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स शेखर बिल्डर्स प्रा० लि०,  
मैनेजिंग डाइरेक्टर श्री सतीश कुमार जैन सुपु त्र  
श्री एस० सी० जैन,  
4631-पहाड़ी धीरज,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति या उक्त-  
वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 21/51, तावादी 85.9 वर्ग गज, ओल्ड  
राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा  
नक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-4-1985  
मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/ए यू०/3/एस०आय०-3/8-84/  
856—अत. मुझे, सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-46 है तथा जो गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इनके उपासक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्वीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्वीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्राक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अंतरण तिथि का वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक में कमी करने या उक्त अर्थ में सूचना के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं, जिनका भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरित होता हुआ प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) नारंग पुनः जर्मी सुपुत्री  
स्व० प० जगन लाल,  
निवासी-बी-46,  
गुल मोहर पार्क,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी गीता गोंडन्दा सुपुत्री  
श्री एम० ए० गोंडन्दा,  
निवासी-एम-13,  
ग्रैंड बंगला-11  
नई दिल्ली।

(अन्तरित)

• जो यह सूचना द्वारा उक्त स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्य है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अर्थात् वास्तविक व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन का अर्थात्, जो भी अधिक बाध में सम्पन्न होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वये 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्वये में दिया गया है।

अनुसूची

प्र० प० बी-46, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली, तादादी  
499 वर्ग गज, 1

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985  
मोहर :

प्रमाण नम्बर टी.एन.एस. १००/३/८४-८४

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

### आवक सूचना

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-3/8-84/

857—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंग्या 16/29 है तथा जो ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपासक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1984

पर पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत निम्नलिखित उद्धृत से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सहायक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या प्रकटित करना आवश्यक है, लिखित में अन्तरण के लिए ;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) (1) श्री उषा राम, (2) श्री गोदु मल,  
(3) श्री ठाकुर दास, (4) श्री ध्याम दास  
(5) श्रीमती सुनील बाई (6) श्रीमती बीना देवसुन्दरी, (7) श्रीमती तुलसी राई मुरानी,  
नसी निवासी-16/29,  
ओल्ड राजिन्दर नगर,  
नई दिल्ली।  
(2) श्रीमती अनुपूर्णा रानी पत्नी  
श्री जोगिन्दर पाल,  
निवासी-47/17 ओल्ड राजिन्दर नगर,  
नई दिल्ली।

(अनारितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए आवश्यक सूचना करता हूँ।

उक्त अधिनियम के अधीन सूचना के अर्थ में कोई भी बाधक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रो० नं० 16/29, ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

मुनील चोपड़ा

सहायक प्राधिकारी

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

इसका बाई, टी. एन. एल. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-4/8-84/  
1381---अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इतने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० ए-1/12 है तथा जो कृष्ण  
नगर दिल्ली-51 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्वजान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्वय से हुई किसी जाय की वास्तु, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में बाधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा  
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुनीता देवी,  
निवासी ए-1/12,  
कृष्ण नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा वन्ती,  
मकान नं० जी-60,  
न्यू सीलमपुर,  
दिल्ली-53।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए-1/12 कृष्ण नगर दिल्ली।

सुनील चोपड़ा  
मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-4-1985

सोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, III, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-4/8-84/

1382—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए-1/12 है तथा जो वृष्ण नगर  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधिन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—56 GI/85

(1) श्रीमती सुशीला देवी,  
निवासी ए-1/12 वृष्ण नगर,  
दिल्ली-51।

(अन्तरकमे)

(2) श्रीमती पुष्पा बन्ती,  
जी-60,  
न्यू सीलम पुर,  
देहली-53।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ;

अनुसूची

प्लॉट नं० ए-1/12, वृष्ण नगर दिल्ली-51।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- नई दिल्ली,

तारीख : 15-4-1985

मोहूर :-

प्रारूप आई. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/8-84/एस०आर०-4/

1383—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हस्त-  
हस्तात् पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि आधार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० ए-1/12 है तथा जो कृष्ण  
नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
आई०ए०सी० (एक्यू०) रेंज-3 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतर्गत के  
व्ययों में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूचित अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्रीमती सुशीला देवी,  
निवासी-ए-1/12,  
कृष्ण नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम नाथ,  
निवासी मकान नं० जी/60,  
नया सीलमपुर,  
दिल्ली-53।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

सन्तुष्ट

प्लॉट नं० ए-1/12, कृष्ण नगर दिल्ली।

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3

तारीख : 15-4-1985  
मोहर



प्रकट आई. टी. एम्. एम्. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयुक्त आयकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 6 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-4/2-84/

1394--अत. मुझे, सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० जे० 2/8 है तथा जो कृष्ण नगर ग्राम  
घेन्डली शाहदरा जिले, स्थित है (और इस से  
उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22 अगस्त  
1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में  
वास्तव में कमी करने या उचित करने में सूचना  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सिद्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती जगदीश कौर पत्नी  
श्री गुरदीप सिंह,  
निवासी-जे-5/3,  
कृष्ण नगर,  
दिल्ली-51।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम चन्द बंसल सुपुत्र  
स्व० श्री किरपा राम बंसल,  
निवासी-गुप्ता टेकस-टाइल-26-15-143,  
मैन रोड,  
अपोजिट 33-गोडाउन,  
विशाखापटनम-530001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-  
बतुब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोइस्तादरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्रोपर्टी का पूर्वी भाग प्लॉट नं० जे-2/8, कृष्ण नगर,  
ग्राम घेन्डली, इलाका शाहदरा, दिल्ली-51, तादावी 101  
वर्ग वर्ग।

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 6-4-1985  
मोहर

प्रमुख अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-84/553-ए,

—अतः सूझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निर्वाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, है तथा जो 5/67, पद्म सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त, 1984।

अब पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूझे यह विस्वादा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किन्हीं जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

(1) मैसर्स पाल मोहन कंसट्रक्शन सुवोपड़ा कम्पनी,  
6/4792,  
चांदनी चौक,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमा सबरवाल,  
निवासी-टी०आई० स्टेशन रोड,  
दिल्ली कैन्ट,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं०-501, दूसरी मंजिल, पाल मोहन हाऊस,  
5/67, पद्म सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी-  
378.2 वर्ग फिट,

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985  
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एन.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एनयू०/3/37-ईई/8-84/554—

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-1 और बी-3, है तथा जो 1, कौश-  
ल्या पार्क, होज खास, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय  
भायकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) की नीचे एग्रे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उक्त बचने के सुविधा  
का लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स सूर्या इन्टरप्राइज (प्रा०) लि०,  
नं०-1,  
कौशल्या पार्क,  
होज खास,  
नई दिल्ली-4।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स गुप्ता कारपेट्स इन्टरनेशनल (प्रा०) लि०,  
ए-1/12,  
सफदरजंग इन्कलेव,  
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपे :—

(क) इस सूचना के पश्चात् में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के पश्चात् में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त कृपया जाँच पड़ो का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बेसमेन्ट नं० बी-1 और बी-3, 1, कौशल्या पार्क होज  
खास, सूर्या मेन्सन, नई दिल्ली, तादादी-1981 वर्ग फीट,

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985  
मोहर :

एकल भाई. ई. ए. ए. ए. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

### आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, अग्रवाल हाउस, 414-ए, आसक अली रोड, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं. आई. ए. सी. / ए. यू. / 3/37-ईई/28-84/555

—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 308 है तथा जो 6, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतीफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवहार प्रतीफल से, ऐसे व्यवहार प्रतीफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तक बाका नया प्रतीफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती एवं श्री जी. एन. गुप्ता और  
के. गुप्ता  
मार्फत लाला इन्दर नारायण,  
निवासी ए-16  
ग्रीन पार्क,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) डा. जे. के. और  
एस. गुप्ता,  
मार्फत श्रीमती सोमा बती  
निवासी-20/14  
शक्ति नगर  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की परिभाषा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही बर्तमान होना जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं. 308, तीसरी मजिल, 6, बीकाजी कामाकस,  
नई दिल्ली तादावी 791 वर्ग फीट,।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985  
मोहर

अध्यक्ष आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की)  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना \*

## भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, अप्रवाल हाउस, 4/14 ए  
आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-84/555-ए

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जी-10 है तथा जो 1 कौशल्या पार्क  
सूर्या मेन्सिन हौज खास, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपाधुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन अगस्त  
1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ज्ञयमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ज्ञयमान प्रतिफल से, ऐसे ज्ञयमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल निर्मासिद्धित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्दिष्ट-  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
वायिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भद-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निर्मासिद्धित व्यक्तियों, बर्णित :-

(1) मैजर्स सूर्या इन्टरप्राईजिज (प्रा०) लि०  
नं०-1

कौशल्या पार्क,  
हौज खास,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैजर्स गुप्ता कार्पेट्स इन्टरनेशनल (प्रा०) लि०,  
ए-1/12

सफदरजंग इफ्लेव,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

सन्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही जहाँ होगा जो उस अभ्यास में दिया  
गया है ।

अनुसूची

नं० जी-10, 1, कौशल्या पार्क सूर्या मेन्सन हौज  
खास, नई दिल्ली, तादावी 871.5 वर्ग फीट ।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985

मोहर :-

प्रमाण आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एचयू०/3/37-ईई/8-84/556—

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
अन्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 331 है तथा जो 9 बीकाजी  
कामा प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3,  
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन  
तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
रजिस्ट्रीकृत किया गया है अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
रिटी (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भारत  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था लिखित में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती अरुण साहनी  
(2) श्री सुरिन्द्र साहनी,  
निवासी-एम-122,  
ग्रैंडर कैलाश  
भाग 1  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री अजयपाल सिंह  
(2) श्री अजयपाल सिंह (एचयू.एफ.)  
(3) श्रीमती अमरजीत कौर  
(4) मास्टर जयधरण  
(5) कुमारी जोगन्दर कौर  
निवासी—हाऊस नं० 263  
सेक्टर 11-ए  
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं०-331 विलिडिंग नं०-9, बीकाजी कामा प्लेस,  
नई दिल्ली, ताबादी-378 वर्ग फीट।

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली

तारीख : 10-4-1985

माह 4

इकर बाई. टी. एन. एल. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-84/557—

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सहायक आयकर अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-2 और बी-4 है तथा जो 1,  
कोशल्या पार्क होज खास नई दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उतावड़ अनुसूची में और रूप से वर्णित है) अर्जन रेंज-  
3, नई दिल्ली भारतीय भायकर अधिनियम 1961 के  
अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच एक अन्तरण के लिए एक पांचवां भाग  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित से  
सांख्यिक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी बाध की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्गीकरण से कमी करने या उक्त वर्णन में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, चिन्ह भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किसी बाधा बाधिए या, धियान में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—56 GI/85

(1) मैसर्स सूर्या इन्टरप्राइजिज (प्रा०) लि०

एस-34

त्रिली नगर

नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मोड-सिलीका (प्रा०) लि०

बी-10

लॉरेंस रोड

दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन का 10%  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादो-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर  
सूचना की समाप्ति से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाइस्ताक्षरी के पास  
निहित से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी-2 और बी-4 बैसपेन्ट नं०-1, कोशल्या  
पार्क, होज खास, नई दिल्ली, सादादी-1736 वर्ग फीट।

सुनील चौपड़ा

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अग्रवाल भवन 4/14ए आसफ अली रोड

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०-3/37ईई/8-84/558—

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 512 है तथा जो 9, दीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) कादालिय, अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम की दर्यमान प्रतिफल के लिए सम्पत्ति का गढ़ है और इसके यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य इसके दर्यमान प्रतिफल में कम दर्यमान प्रतिफल का गढ़ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच अन्तरक का अन्तरक प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक लिखित के सम्पत्ति के रूप में स्थित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मं. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी०एस० दत्ता,  
निवासी-107 सहयोग,  
58, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मेजर करतार सिंह,  
श्रीमती मोहिंदर बौर,  
श्रीमती सुखदीप बौर,  
बुमारी-प्रबिन्दर बौर,  
श्री जी० एस० गिल,  
निवासी-बी-बी/3एच,  
मुनीरका,  
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ में विप कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थ में सम्पत्ति के कोड़े भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संक्षेप — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 512, पांचवी मंजिल, 9, दीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-410 वर्ग फीट,

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3 नई दिल्ली,

तारीख : 12-4-1985

मोहर :



प्रत्यक्ष आर्थी टी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एच०/3/37-ईई/8-84/559—

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि रक्षात्रय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी रकम 56/7 है तथा जो ओल्ड राजिन्दर  
नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वणिज्य है), का कार्यालय, आर/ए-सी३ अर्जन रेंज-3,  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त,  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० एम० एन० पासी,  
(सिनियर फीजिसियन),  
हिन्दू राव हॉस्पिटल,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञान चन्व बदा,  
श्री मोहन लाल बदा,  
श्री परवेश कुमार बदा सुपुत्रगण  
श्री कांशी राम बदा,  
निवासी-5873,  
बस्ती हरफूल सिंह,  
सदर थाना रोड़,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति का अन्तरण  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्निध में काटने भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 56/7, ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली,  
तादावी 88.1 वर्गज,

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-4-1985  
मोहर :

प्रारूप अधि.टी.एन.एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

अग्रवाल हाउस, 4/14-ए, आसफअली रोड,

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-84/

560—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 22 है तथा जो कमयुनटी सेंटर, यूसफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)। आई० सी० अर्जुन रेंज-3 में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन तारीख अगस्त, 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दखलान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दखलान प्रतिफल से ऐसे दखलान प्रतिफल का उन्मुख प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिगियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भनोट प्रोपर्टीज और इन्डस्ट्रीज लिमिटेड  
102-103,  
राजा हाउस 3031,  
नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० एस० खन्ना,  
बी-1/48,  
सफवरजंग ऐन्कलेव,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

20, हिस्सा, ii प्लोर केदफल 403, वर्गफुट भवन  
निर्माणाधीन प्लॉट नं० 22 कम्युनटी सेंटर यूसफ सराय,  
नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अग्रवाल भवन नजदीक ब्रोडवे होटल 4/14-ए, आसफअली रोड

अर्जुन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश नं० आई०ए०सी० ए०यू०/3/37-ईई/884/560,  
—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी०ई०-65 है तथा जो हरि नगर,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्गीकृत है) धारित आई०ए०सी० अर्जन रेंज-3  
में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यय से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कृष्ण लाल,  
सी-106,  
सैनिक सदन,  
लाजपत नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मान सिंह प्रोपराष्टर,  
मैसर्स अवनार मकैनीकल वर्कस,  
बी०ई०-65,  
हरि नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० बी०ई०-65, हरिनगर नई दिल्ली के 200  
वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली,

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

प्रारूप भाई टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रैंज-3, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1985

निदेश सं० आ.ई.ए.सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-84/560-

अतः मुझे सुनील चोपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिन्की सं० 302 है तथा जो 18, लक्ष्मी नगर, नई  
दिल्ली से स्थित है (और इससे उपायय अतुसूची में पूर्ण  
रूप में वर्णित है) आ.ई.ए.सी० अर्जुन रैंज-3 में भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन  
तारीख अगस्त 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसका दृश्यमान प्रतिफल से, एम. दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरगतियाँ) के बीच एस. अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
क्रान्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
बाह्य/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत है—

(1) अन्सल प्रोपर्टीज और  
इन्डस्ट्रीज 115,  
अन्सल भवन 16,  
के०जं० मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला अग्रवाल तथा  
श्री दीपक अग्रवाल,  
आर० 14,  
डेसू सब स्टेशन फ्लैट्स,  
टिम्बर कालोनी ब्लॉक-1,  
कीर्ति नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांचपत्र ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 302 सम्भावित टावर भवन पूरवउदय 18  
लक्ष्मी नगर डिस्ट्रिक्ट सैन्टर दिल्ली, क्षेत्र 430 वर्गफुट  
सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रैंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 12-4-1985  
मोहरः

**प्रारूप आई.टी.एच.एच. -----**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली**

**नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985**

**निदेश सं० आई०ए०सी०/एचयू०/3/37-ईई/8-84/561--**

**प्रति मुझे, सुनील चाण्डा**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 2/ए-10, है तथा जो रणजीत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपायुक्त सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख, अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिस्थितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) मैसर्स उप्पल बिल्डर्स,  
ए-6, रिंग राड,  
एन०डी०ए०ई भाग-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी शालनी,  
मार्फत श्रीमती गीता,  
सी-80,  
पंचशीत इन्डो लोव,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

**स्पष्टीकरण:--** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के अध्याय 2(1) क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं० 2, बेसमेंट, ए-10, रणजीत नगर, नई दिल्ली,  
तादादी 625 गैफीट।

सुनील चाण्डा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख ; 10-4-1985

मोहुर

प्ररूप आई. टी. एम. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-84/562----

अर्ज सुझे, सुगेन चौड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० प्लॉट नं० 1, है तथा जो ए-10, रणजीत  
नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपायुक्त अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिगरी के कार्या-  
लय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन तारीख अगस्त, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
एवं दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-  
रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-  
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारायत्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसार अंतरण किया गया है, अंतरण करने या  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० उप्पल विल्डर्स,  
ए-6,  
रिंग रोड,  
एन-डी-एस-  
भाग-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मास्टर मनिपू मार्फत  
श्रीमती बिणा,  
निनासा-सी-80,  
पंचशील इन्.जेव,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं०-1, बेसमेंट, ए-18, रणजीत नगर, नई दिल्ली,  
तादादी-625 वर्ग फीट।

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 12-4-1985  
मोहर :

प्रकट नम्बर.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० ए.ई.ए.सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-84/563--

प्रति: मूझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3/ए-10, है तथा जो रणजीत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध भू-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बराबर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—56 GI/85

- (1) मैसर्स उत्पल विन्डर्स,  
ए-6,  
रिंग रोड,  
एन० डी० एस०ई०,  
भाग-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) कुमारी पूजा  
मार्केट श्रीमती बीना,  
सी-80-पंचशील इनक्लेव,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसूची

फ्लैट नं० 3, बेससेंट, ए-10 रणजीत नगर, नई दिल्ली,  
तादादी 625 वर्गफीट।

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-84/564—

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी संख्या बी-415/3 है तथा जो भीकाजी कामा  
प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसे उपान्वद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख अगस्त,  
1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती नीलम मलिक,  
निवासी-टी-27,  
ग्रीन पार्क,  
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) मै० रैफको (एक्सपोर्ट) प्रा० लि०,  
18/9 लीकुटा नगर,  
जम्मू (जे एण्ड के)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी फ्लेट नं० बी-415, बिल्डिंग नं० 3, भीकाजी  
कामा प्लेस, नई दिल्ली, तावाबी 218 वर्गफीट।

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 12-4-1985  
मोहर :



प्रकाशक: टी. एम्. एम्.---

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-84/565—

प्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2301/25 है तथा जो सफदरजंग एन्क्लेव नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आई०ए०सी० अर्जन रेंज-3 में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अथवा प्रतिफल से, ऐसे अथवा प्रतिफल का पंख प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह से उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथाई 8—

(1) इन्द्रजीत प्रोवर,  
ए-1/25,  
सफदरजंग एन्क्लेव,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सुदेश खन्ना,  
2. श्रीमती गीता खन्ना  
3. श्रीमति रेनु खन्ना  
4. श्री विपिन कुमार,  
1678,  
कूवा दरवनी राय,  
दरिया गंज,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ए-1/25, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 11-4-1985

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/3-84/565-

ए—अतः मुझे, गुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 304 है तथा जो 5/67, पद्म सिंह रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स पाल मोहन कंसट्रक्शन कम्पनी,  
6/4792,  
चाँदनी चौक,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजु रस्तोगी,  
निवासी-61/27,  
उपलू-ई-ए,  
रामजस रोड,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितगृह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 304, दूसरी मंजिल, पाल मोहन हाऊस,  
5/67, पद्म सिंह रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली तादादी-  
487 वर्ग फीट।

गुनील चौपड़ा  
सधम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

प्रकट जाई. टी. एम. एस. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एकप०/3/37-ईई/8-84/566--

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 22 है तथा जो कम्यूनिटी सेन्टर, युसूफ  
सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उदात्त अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिए में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी नाब या किसी धन या अन्य वास्तव  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैमर्मे मनोद प्रोपर्टीज एण्ड  
इन्व्स्टीज लि०,  
102-103,  
राजा हाऊस,  
30-31,  
नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल सेठी,  
निवासी-19/35,  
पंजाबी बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां कराए हैं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भाग 15, स्पेस दूसरी मंजिल, प्लॉट नं०-22, कम्यू-  
निटी सेन्टर, युसूफ सराय, नई दिल्ली, तादासी-403 वर्ग  
फीट।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

दिल्ली दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-84, 562—

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर त्जको संख्या 22, है तथा जो कम्युनिटी सेंटर,  
युसूफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इस उपवाक्य  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3,  
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन,  
तारीख अगस्त, 1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को  
राशियत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेजर्स मनोट प्रोपर्टीज एण्ड  
इन्व्स्टीज लि०,  
102-103,  
राजा हाऊस,  
31-31,  
नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० आर० भसीन,  
निवासी-7,  
नोर्थ वेस्ट एवे यू,  
ग्रोपिजट पंजाबी बाग क्लब,  
पंजाबा बाग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भाग 15% स्पेस दूसरी मजिल, प्लॉट नं० 22, कम्यु-  
निटी सेंटर, युसूफ सराय, नई दिल्ली, तम्बादी-403 वर्ग  
फीट ।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

इस्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एसयू०/२/२७३३३३ ११-११-

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 102, है तथा जो 22, कम्यूनिटी सेंटर, युसूफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारत सरकार अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्ध है अस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स अनोट प्रोपर्टीज एण्ड इन्व्स्टीज लि०,  
102-103,  
राज हऊस,  
30-31,  
नेहरू प्लस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एन०एस० बम्बई,  
निवासी-सी-4/79/1,  
सफदरजंग डिप्लोमेन्ट एरिया,  
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लॉट नं० 102, पहली मंजिल, सूची, प्लॉट नं० 22,  
कम्यूनिटी सेंटर, युसूफ सराय, नई दिल्ली, तादासी-381  
वर्ग फिट,

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985

माहुर

**उक्त आई. टी. एच. एच. ---**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-84/569—

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000  
रु. से अधिक है

और जिनको मंडया 22, है तथा जो 22, कम्यूनिटी सेंटर,  
युसूफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय, अर्जन रेंज-3,  
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन,  
तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वर्षा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित के वास्तविक  
रूप से कीमत नहीं किया गया है F—

(क) कन्वर्शन से हुए किसी बात का बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
किए गए

(ख) इन्हीं किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को, किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से  
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, किमान में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स भनोट प्रोपर्टीज एण्ड

इन्वेंचरीज लि०,

102, 103,

राजा हाऊस,

30-31,

नेहरू प्लेस,

नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० एस० खन्ना और

श्रीमती सुशीला देवी खन्ना,

निवासी-बी-1/40,

मर्फट्रज इन्क्लेव,

नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्या शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भाग 30% स्पेस दुसरी मंजिल, प्लॉट न० 22,  
कम्यूनिटी सेंटर, युसूफ सराय, नई दिल्ली, ताबादी 606  
वर्ग फिट,

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-84-570—

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 101 है तथा जो 22, कम्यूनि-  
टिटी सेंटर, युसुफ सगाय, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), के कार्या-  
लय, अर्जन रोज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब पाका  
नया प्राप्तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) बचरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, किन्तु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था किपान में  
सुविधा के लिए,.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-56GI/85

(1) मैमर्स बनोट प्रोपर्टीज और  
इन्डस्ट्रीज लि०,  
102-103,  
राजा हंजूम,  
30-31,  
नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अमरतध एण्ड सन्स,  
जी-एफ-15/60,  
स्काईलार्क,  
नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी को  
पास लिखित में किया जा सके।

- स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रनुसूची

प्लॉट न० 101, पहली मंजिल, बी/सी, प्लॉट न० 22,  
कम्यूनिटी सेंटर, युसुफ सगाय, नई दिल्ली, सादादी-381 वर्ग  
फिट,

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

प्रथम आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आर०००००००/एक्यू०/3/37ईई/8-84/571--

अतः मुझे, मुनील चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमें उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 22, है तथा जो कम्प्यूनिटी सेन्टर, युसूफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख अगस्त, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य का कथन के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स अनोट प्रोपर्टीज और इन्डस्ट्रीज लि०,  
102-103,  
राजा हाउस,  
30-31,  
नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री रवि कृष्ण,  
निवासी-बी1/40,  
सफदरजंग इन्क्लेव,  
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग 20, दूसरी संजिल स्पेस, प्लॉट नं० 22, कम्प्यूनिटी सेन्टर, युसूफ सराय, नई दिल्ली-4, तादादी-403 वर्ग फिट,

मुनील चौधरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985.

मोहर :—



प्रकृष्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/11/37ईई/8-84/572

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी प्लॉट नं० 203 है तथा जो 3, वीशल्या पार्क होज हास, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आई०ए०सी० अर्जन रेंज-3 में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) गुर प्रसाद सिंह,  
बो-26,  
एल०आई०जी० फ्लैट्स,  
कटवारिया सराय,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) राजाश्री जाजू  
रत्नाकार लेन ओपोजिट,  
पी०डब्ल्यू०डी०,  
रेस्ट हाउस,  
सिविल लाईन्स,  
लुधियाना।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सोना अपार्टमेंट्स, प्लॉट 203, 3, वीशल्या पार्क होज हास नई दिल्ली 1168 वर्गफुट।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-4-1985

मोहर :

शरूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश नं० आई०ए०सी०/एस०/3/37-ईई/8-84/573—

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 121 है तथा जो 2, ओल्ड रोहतक रोड दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आई०ए०सी० अर्जन रेंज-3 में भारतीय प्रारण्य प्राप्ति 1961 (1961 का 43) के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा को लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कहें कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, जो, अधिनियम अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अलाईड कंसल्टेशन कम्पनी,  
जी-5/92,  
नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दु आर्ट्स,  
. 19/11,  
शक्ति नगर,  
दिल्ली-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 121 प्लॉट नं० 2 ओल्ड रोहतक रोड दिल्ली  
425 वर्गफुट।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-4-1985  
माहुर :

प्रकट नाम: डी. एच. कृष्ण—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली,

नई दिल्ली दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आर्.ए.सी.एक्यू. 3/37-ईई/8-84/574—

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या जी-96, प्रीत नगर, है तथा जो सी-  
एच-डी-एस- लि० प्रीत नगर, दिल्ली में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3/नई दिल्ली, भार-  
तीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त,  
1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कांभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्धन के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; बाट/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधाई :—

(1) श्री आर०एन० अदा,  
निवासी-13-बी,  
सागर अपार्टमेंट्स,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेन्द्र चावला,  
निवासी-3 सी/8,  
न्यू रोहनक रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

निवासीय प्लॉट नं० जी-96, प्रीत नगर, सी-एच-डी  
एस-लि० नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985

गोहर

**इस सूचना की प्रतः प्रेषित है—**

**बाजार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/ए.क्यू०/3/37-ईई/8-84/575--

अतः मझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० यू-जी-3 बी, है तथा जिनका 45, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वसूल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थाद :—

(1) श्री अंगवीर सिंह,  
निवासी-आर-211,  
ग्रेटर कैलाश,  
भाग-1,  
नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदास जगत सिंह,  
निवासी-ए-97,  
न्यू फ्रेंड्स कालोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शॉप नं० यू-जी-3 बी, अथर ग्राउंड फ्लोर, 5, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी-142 वर्ग फिट,

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-

तारीख 10-4-1985

सोहर

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं. आई.ए.सी.०/एक्यू.०/3/37-ईई/8-84/576

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 101, प्लॉट नं० 2 है तथा  
जो ओल्ड रोहतार रोड दिल्ली में स्थित है (और इसमें  
उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आई.ए.सी.०  
अर्जन रेंज-3 में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) के अधीन तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूत या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, लिखाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :—

(2) श्री अनाइड कंस्ट्रक्शन कम्पनी,  
जी-5/92,  
नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्दु आर्ट्स,  
19/11,  
शक्ति नगर,  
दिल्ली-7,

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बायन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 101 प्लॉट नं० 2 ओल्ड रोहतार रोड, दिल्ली  
425 वर्गफुट।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-4-1985  
मोहर

प्रथम भाग: टी. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एफ्यू०/3/37-ईई/8-84/577---

अतः मुझे, सुनील घोषडा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आर-3/3, है तथा जो भीकाजी कामा  
प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई  
दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख  
अगस्त, 1984-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के खर्च  
में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैरिस सेठ अर्धर,  
704 रोहित हाउस,  
टालस्टाय मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मास्टर उमग वर्मा सुपुत्र  
श्री ललीत वर्मा,  
निवासी-एफ-3/8,  
बनारस विहार,  
नई दिल्ली-65।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुपूरण

प्रो० नं० आर-3, बिल्डींग नं० 2 भीकाजी कामा  
प्लेस-नई दिल्ली, तादावी 308 वर्गफीट,

सुनील घोषडा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985  
मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एफ्यू०/3/37-ईई/8-84/578---

अतः सूझ, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 618 है तथा जो 6, बीकाजी  
कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), तारीख अर्जन रेंज-3,  
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अंगीन  
तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

18—56 GJ/85

(1) श्री दलजित सिंह महन्ता,  
निवासी-काका नं० 1073,  
सेक्टर 37-बी,  
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री जीवन कुमार मेहता,  
श्रीमती कल्पना मेहता और  
श्री जीवन कुमार मेहता,  
निवासी-टी-27,  
ग्रीन पार्क,  
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 618, 6, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली,  
तादादी-533 वग फिट,

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 10-4-1985

साहू :

पञ्चमः सर्गः

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

माएउ नरुण्ड

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक: 9 अप्रैल 1985

निदेश सं० आर्इ०ए०सी०/एक्यू०/३/३७-ईई/८-८४/५७९—

अतः मूले, मूनील चौपड़ा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 416 है तथा जो 6 भीकाजी कामा प्लेम, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है), के कार्यालय आई०ए०सी० अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आ० अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त 1984।

के पूर्वावस्था सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिकी (अंतरिकियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए संय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित से आवश्यक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण न हुई। किसी भी भीषण उष्णः  
मध्याह्नक के अभीष्ट कर देने के उपरांत के  
रायत्व में कभी कल्पे या उससे बचने में सक्षम  
के लिए: और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ व्यतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आशङ्क्य था, क्रियान्वित किया जायेगा।

जहाँ जहाँ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
जहाँ, जहाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लाजपत राय,  
निवासी-बी-1/74,  
नफदरजंग इनक्लेव,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री स्वयं कोठारी,  
कुमारी मतीणा कोठारी (माइना) और  
कुमारी श्रुती कोठारी (माइनर) एरा  
अभीभावक श्रीमती और  
श्री स्वयं कोठारी,  
निवासी-129-मुन्दर नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को वह सूचना जारी करके प्रयोजित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

असल सम्पत्ति के अधीन ये सम्बन्ध भी नष्ट हो जायेंगे :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जब्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपर्युक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसूची

फ्लेट न० 416 चौथी संजिल, 6-भीकाजी कामा प्लेस,  
नई दिल्ली, निर्माणपत्र भवन, तादादी 524, वर्ग फीट।

मुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयुक्त आयुक्त (निरोक्षण)  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 9-4-1985  
माहिर :



प्रकृष आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० आर्इ०ए०सी०/एक्यू०/8/37-ईई/8-84/581---

अतः सुझे, सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंड्या 5/67 है तथा जो डब्ल्यू ई०ए० करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय आर्इ०ए०सी० अर्जन रेंज-3 में आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन तारीख अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बाध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनाम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स पाल मोहन,  
कन्सल्टेकेशन कम्पनी,  
6/4792, चांदनी चौक,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमुद अग्रवाल,  
20, विनय महल डी० रोड,  
चर्च गट,  
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रण्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

458 बंगकुट कमिश्नियन फ्लैट, फ्लैट नं० 302 5/67,  
डब्ल्यू ई०ए० करोल बाग नई दिल्ली।

मुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-4-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-84/582,-

अतः मुझे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जियकी संख्या फ्लैट नं० 207 है तथा जो 5/67, पदम सिंह रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स पाल मोहन सुयोपड़ा कंसट्रक्शन कम्पनी,  
6/4792,  
चांदनी चौक,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अंजुला बन्सल,  
659, डबल स्टोरी,  
न्यू राजेन्द्रा नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों या या किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 207, पहली मंजिल, पाल मोहन हाऊस,  
5/67, पदम सिंह रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली, तादावी—  
112.7 वर्ग फुट।

मुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली—

110002

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

प्रकट आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं.आई.ए.सी.०/एक्यू०/III/37-ईई/8-84/582-ए,--  
अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि आधार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या डी-36 (बेसमेंट) है तथा जो नई दिल्ली  
साउथ एक्सटेंशन, भाग-2, नई दिल्ली, में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई.ए.सी.० अर्जन रेंज-III,  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख अगस्त,  
1984।

क्यों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तर्हस्तियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
धन के कर्तव्य नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरूप के  
वास्तव में कभी कहीं या उक्त दृश्यमान के अधिकांश  
के लिए; नहीं/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता  
का, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैसर्स एकाउन्टो मार्केटिंग लि०,  
रजि० कार्यालय 9-मजिल, 4-गवर्नमेंट प्लेस  
(नार्थ) कलकत्ता, द्वारा  
अटार्जी श्री एस०एस० खुराना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शारदा जैन पत्नी  
श्री पी०के० जैन,  
निवासी-सी-8,  
गुलमोहर पार्क,  
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स मयूर सीन्थेटिक लि०,  
ई-29,  
एन० डी०एम० ई-2,  
नई दिल्ली।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितरहित  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्तकारी के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाधान:-इसके प्रकट करने के लिए मुझे पता, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

बेसमेंट नं० डी-36, 1/4 भाग (पीछे का दायां भाग)  
नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन, भाग-II, नई दिल्ली, तादादी  
1147 वर्गफीट।

सुनील चोपड़ा  
उपस्थित प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III दिल्ली, नई दिल्ली-

110002

तारीख : 8-4-1985  
मोहुर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० पी०/अर्जन/भोपाल/5655—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना जारी करने के लिए निम्नलिखित कारणों  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नंबर 84/106 (तीमरी मजिल)  
है तथा जो जवाहर मार्ग, इंदौर में स्थित है (और इसमें  
उपाबद्ध अनुसूची में यार पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिनियम के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकृत 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (अन्तरित) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक मूल्य से छोटा नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन सूचना देने के अन्तर्गत लक्ष्य  
वास्तविक मूल्य के रूप में उक्त सूचना में सूचना  
के लिए; और/या

(ख) उक्त सूचना के किसी अंग या अंग आधिकारिक  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रकाशनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या बिना उक्त अधिनियम, विधान या अधिनियम  
के बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्द्रमन राव,  
3, आगरा बास्के रोड,  
रेसीडेन्सी, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री मधुकर गुप्ता एवम् डी० के० गुप्ता,  
36, गोपाल बाग कालोनी,  
मनिक बाग रोड, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना दी जाती है कि उक्त सूचना के अन्तर्गत सूचित  
कार्यवाहियां भूत-वृत्त हैं।

उक्त संपत्ति के अन्तर्गत सूचित मूल्य का कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 50 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि धारा में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में सूचित किया जा सके।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया

अनुसूची

मकान न० 84/106 (तीमरी मजिल) जवाहर बाग  
रोड, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी  
में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
मुख्य प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 2-4-1985  
मोहर :

अथवा बाह्य. ही एव प्र. --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

अर्जन सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भोपाल

भोपाल दिनांक 2 अप्रैल 1985

निर्देशन सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5656--अत  
मुझे, श्रीमती एम० के० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सूचना प्राप्तकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसका संप्लाट न० 38 का भाग है, तथा जो श्रीनगर एकमटेसन कालोनी इंदौर में स्थित है (और इसमें उपानुक्रम अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के भीतर बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज प्रतिफल के लिए बन्तारित को रद्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संपादक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नलिखित रूप में वित्तिय रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वारित्व में करी करण या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथवा आस्ति का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम के धारा 269-ख के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जन --

(1) श्री आनन्दराज पित्त श्री धर्मदामजी निवासी-एन० एम० एन० कालोनी, मानस 27 इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्दराज पित्त श्री धर्मदामजी निवासी-एन० एम० एन० कालोनी, एन-33, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्ष --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्तर में या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अन्तर में, जो भी अन्तर रात में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों या से किसी व्यक्तियों द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तरक/अन्तरिती के पक्ष में उक्त सम्पत्ति का अर्जन --

सम्पत्ति के अन्तर प्रयोजन अर्थों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धारा 20-क में परिभाषित है, के अन्तर्गत में जो स अन्तरक में दिया गया है।

अन्तरक

प्लाट न० 38 श्रीनगर एकमटेसन कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह एक स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा पत्राचार फार्म नंबर 37 जो में निहित है।

श्रीमती एन० के० श्रीलख,  
सक्षम प्राधिवारी,  
गठान आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक 21 1985  
मोहर

एकमात्र ही एन. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5660—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-ब के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 382/ए है, तथा जो गहट टाउन, जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन उन दोन के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या पकड़ें पकड़ने में सुविधा के लिए

(ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा देना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हममुखभाई शफी,  
पिता श्री मोहनलाल शफी,  
निवासी—मिविल लाईन्स, मांगर

(अन्तरक)

(2) श्री मुरेण कुमार पिता श्री धनीराम गुप्ता,  
327, निवाडगज,  
जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 382/ए, गहट टाउन जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नंबर 37 की में निहित है।

श्रीमती ए० के० श्रीलख,  
सहाय प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 2-4-1985

प्रवेष्टक

प्रारूप भाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1985

- (1) 1. श्री सत्यनारायण पिता पलहर  
2. श्रीमती हसाबाई पत्नी पलहार,  
निवासी—गाडगाखेडी तहसील इंदौर।

(अन्तरगत)

- (2) मेमर्मे बिहार कापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमि०,  
द्वारा श्री कैलाश चन्द्र शर्मा,

23/2 आनापुरा जूना,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पाठ्य करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधाएं हैं—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
बाबत में कमी करने या उबरे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आम्निथो के  
बिन्दु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—56 GI/85

दिनांक 2-4-1985

मोहर

श्रीमती एस० के० ओलख,  
रक्षक प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5662—अतः

मुझे श्रीमती एम० के० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि ख० नं० 420/1/2, 2/2 एवम्  
421/2/1/2 है, तथा जो ग्राम निरंजनेपुर, इंदौर में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त  
1984।

कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एमि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहेगा या विचारित  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
यह अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1 श्री अमर सिंह,  
2 श्री मुरारीलाल पिता छोगालाल,  
स्व० सीताराम पिता छोगालाल,  
श्रीमती सूरजबाई, पत्नी सीताराम वासुदेव,  
किशोर पिता सीताराम,  
मु० ग्राम श्री कैन्थालालजी,  
निवासी-63, कमाठीपुरा, इंदौर।

(अन्तरक)

- (2) मेमर्स वैभव हाउसिंग कार्पोरेशन सोसायटी लिमि०,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली भूमि ख० नं० 420/1/2, 2/2 एवम् 421/2/1/2,  
ग्राम निरंजनेपुर नहसील इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर  
सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित  
फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एम० के० श्रीलख,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 2-4-1985  
मोहर :



प्रकृष आर्.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आर्.टी.एन.एस.सी०/अर्जन/भोपाल/5663—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुशी भूमि ख० नं० 421/2/1, 420/1/1, 420/2/1, 4221/2/1/2, 420/1/2 एवम् 420/2/2 है, तथा जो ग्राम निरंजनपुर, इंदौर में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जगन्नाथ पिता राजाराम,  
द्वारा मु० ग्राम श्री कन्हैया लाल फरक्या,  
निवासी-63, खेमतीपुरा,  
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वैभव हाउसिंग कॉर्पोरेटिव सोसाइटी लिमि०,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुशी भूमि ख० नं० 420/1/1, 420/2/1 एवम् 421/2/1, ग्राम निरंजनपुर तहसील इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 2-4-1985

मोहर :

मोडर ५३

प्रत्यक्ष आई. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5665—अतः  
मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० मकान न० 11/114 है, तथा जो ग्राम कसेला  
जिला रायपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कबी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं को सूचित करता हूँ—

- (1) श्री भगवती प्रसाद देवागन,  
नि०—ग्राम कसेला तहसील रायपुर।  
(अन्तरक)
- (2) ग्राम सेवा समिति द्वारा श्री विशलरा राम चन्द्राकर,  
जेल राड,  
रायपुर।  
(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बभाहस्ताक्षरी के  
बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

मकान न० 11/14, ग्राम कसेला तहसील रायपुर में स्थित  
है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 12-4-1985

सोहर ३

प्रमुख बाईं टी. एन. एस. ए. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज, भोपाल

भोपाल दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निदेश सं. आई. ए. सी. अर्जन/भोपाल 5666— अतः  
मुझे, श्रीमति एस. के. आलेख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं. दुमजिली बिल्डिंग का आधा भाग, प्रतापगज-  
पाराबालाजी वार्ड नं. 13, प्लॉट नं. 82/2 पर, शीट नं. 79,  
है तथा जो, प्रतापगजपारा, जगदलपुर में स्थित है (श्रीर इसमें  
उपाय अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरी अधि-  
कारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) कस्तूरनंद सिंह किसी नाब की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
की/या

(ख) ऐसी किसी नाब या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किन्हीं नाब वास्तवों, लिपाने में सुविधा  
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शिव शंकर उर्फ शंकर मिश्रा  
पिता शिव गुलाम मिश्रा  
निवासी-बालाजी वार्ड नं. 13, रामपुर।

(अन्तरक)

(2) ममस शिव शंकर वेगल्स स्टोर द्वारा पार्टनर  
1 श्री शिव शंकर  
पिता दाउदयाल अग्रवाल  
2 श्रीकार  
पिता दाउदयाल अग्रवाल  
महाराणी साहूपीटल,  
वार्ड नं. 14,  
जगदलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जनों के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जनों के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

नमूने

दुमजिल मकान का आधा भाग, प्रतापगजपारा, बालाजी,  
वार्ड नं. 13, प्लॉट नं. 79 जगदलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर  
सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित  
फार्म नं. 37 जी में निहित है।

श्रीमति एस. के. ओलख  
सुक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जनरेज, भोपाल

तारीख : 12-4-1985  
मोहर

प्रश्न नम्बर : टी. एन. ५५५

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 9 अप्रैल, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5667—अतः

मुझे, श्रीमति एस० के० औलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुमजिले बिल्डिंग का भाग 1/2 है, तथा जो, प्रतापगंगापारा, बालाजी वार्ड नं० 13, प्लॉट नं० 82/2, शीट नं० 79 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रार अधिनियम 1909 का (1908 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या सबसे कम से सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शिव शंकर उर्फ शंकर मिश्रा  
पिता शिव गुलाम मिश्रा है  
निवासी—बालाजी वार्ड नं० 13,  
जगदलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० उमेशचंद झावक  
पिता झावक  
निवासी—महारानी हास्पिटल  
वार्ड नं० 14,  
जगदलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुमजिले बिल्डिंग का आधा भाग प्रतापगंगापारा, बालाजी वार्ड नं० 13, प्लॉट नं० 82/2 शीट नं० 79, जगदलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अ त्रिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

श्रीमति एस० के० औलख

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख 19-4-1985

मोहर :

प्रूप. जाई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग, भोपाल

भोपाल दिनांक 6 अप्रैल, 1985

निर्देश नं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5669—अतः  
मुझे, श्रीमति एस० के० ओलेख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है •

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 24 पर बना मकान एवं जमीन है,  
तथा जो चिरहुलडीह वार्ड, रायपुर को० आपरेटिव हाउसिंग सोसा-  
इटी लि० में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण-  
रूप से वर्णित है) और रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,  
रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एकह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
अनुचित में वास्तविक रूप से अभिप्रेत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रतन साह पति  
डा० सोमानथ साह ।  
रामसागरपारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) उषा पाण्डव पति  
श्री उदय राज पाण्डव  
निवासी-समता कालोनी,  
रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तन्मन्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।।

अनुसूची

प्लॉट नं० 24, पर बना मकान एवं जमीन चिरहुलडीह  
वार्ड, रायपुर को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० में स्थित है

श्रीमति एस० के० ओलेख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंग, भोपाल

तारीख : 6-4-1985

मोहर

## प्रकरण नम्बर 1 टी. एन. एस. 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भोपाल

भोपाल दिनांक 6 अप्रैल, 1985

निर्देश स. आर्. ए. सी./अर्जुन/भोपाल/5670—अतः मुझे, श्रीमति एस. के. ओलख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दृष्टात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. मकान नं. 33/170 है, तथा जो बुधापारा, रायपुर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित हूँ—  
20—56 GI/85

(1) श्री चेतन राव ठाकुर पिता  
नानाजी ठाकुर  
निवासी—हनुमान मंदिर के पास,  
बुधापारा,  
रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री छत्रपति रामदेव पिता  
प्रहलाद राव रामदेव  
निवासी—मकान नं. 33/170,  
हनुमान मादर रोड के पास,  
रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा-बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सदस्य

मकान नं. 33/170, हनुमान मंदिर के पास, बुधापारा,  
रायपुर में स्थित है।

श्रीमान् एस. के. ओलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, भोपाल

तारीख : 6-4-1985

माहेंद्र :

प्रकाशक आई. टी. एच. एच.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल—अतः मुझे  
श्रीमती एस० के० ओलख,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (अधूरा ख०, नं० 1100-10,  
1099/3 है, तथा जो महादेव धाट रोड, लाख नगर, रायपुर  
में स्थित है (और इससे उपायध्वंश अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

1. यदि किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, निम्नलिखित भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
बायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधि :—

(1) अनंतलाल अग्रवाल  
पिता श्री प्यारेलाल अग्रवाल,  
निवासी ब्लाक नगर, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाषचंद्र बरलोटा  
पिता मांगीलाल,  
निवासी एण्ड रोड़,  
रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्रवाईयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

प्रमुख

मकान (अधूरा) ख० नं० 1100/10, 1099/3,  
महादेव धाट रोड़, लाख नगर रायपुर में स्थित है। यह  
वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा  
सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० ओलख

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जुन रेंज भोपाल)

आयकर भवन

मेधा मिल के पास, भोपाल

तारीख 4-4-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5674—अतः  
मुझे श्रीमती एस० के० ओलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० न्यु० म० नं० 19, है जो, साकेत नगर, खजुराना  
इंदौर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर  
में राजस्वीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन  
अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए राजस्वीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, नावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री कुवर इन्द्रजीत सिंह पिता भवरसिंह भादी
- (2) कुंदर अनूपसिंह पिता भवरसिंह भादी  
निवासी—ग्राम सोठिया तह० नसरुल्लागंज ।  
(अन्तरक)

- (2) डा० आशा पुत्री श्री दिनकर राव,  
पारुलेकर निवासी माहिदपुर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युक्ताधिकारी के पांच  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है :

अनुसूची

न्यु० मकान नं० 19, साकेत नगर, खजुराना, इंदौर में  
स्थित है ; यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित  
है ।

श्रीमती एस० के० ओलख

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल)

आयकर भवन

मेदा मिल के पास, भोपाल

तारीख 9-4-1985

माहुर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

**आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना**

**आयकर अधिकारी**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी /अर्जुन/भोपाल/5675--अतः

शुद्धे, श्रीमती एस० के० शीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके बजाए 'उक्त अधिनियम' भ्रष्ट किया है), की धारा 269-269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान सं० 14 है, तथा जो साकेत नगर, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाय अग्रसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उक्त ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिकताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित आस्तिक रूप में कायित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर कार्य करता हूँ :--

(1) श्री वामन श्रीपाद टिम्डे,  
द्वारा मु० ग्राम श्री नीलकंठ माधव,  
3 मणीवकर निवासी-61,  
शोसहे नगर,  
पूना ।

(अन्तरक)

(2) श्री शेलेन्द्र जमनादास अजमेरा एवम्  
श्रीमती जोम्सा पत्नी श्री शेलेन्द्र अजमेरा  
निवासी-14, साकेत नगर  
इंदौर ।

(अन्तरिकता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 14, साकेत नगर इंदौर में स्थित है।

श्रीमति एस० के० शीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, भोपाल  
आयकर भवन  
मेदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 9-4-1985

मोहर

प्रत्यक्ष बाई. टी. एन. एच.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल 15676—

अतः मुझे श्रीमती एस० के० ओलख,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या मकान नं० 10 है, तथा जो शान्ती नगर  
(श्रीनगर एक्सटेंशन) खजराना रोड, इंदौर में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त  
1984।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय बाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बाधित  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्ति  
को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गोला नारायनन पिता श्री जी० एस० नारायनन  
निवासी-बगलोर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्नेहलता व्यास पानी श्री विनोद कुमार  
व्यास  
निवासी 8, शान्ती नगर,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पासे लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

मकान नं० 10, शान्तीनगर (श्रीनगर एक्सटेंशन),  
खजराना, रोड इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति  
है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सयापत फार्म नंबर  
37 जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० ओलख)

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल)

आयकर भवन

मेह मिल के पास, भोपाल

तारीख : 10-4-1985

मोहर

प्रकृष भाई. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल 5677—

अतः मुझे श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 16 पर बना हुआ मकान है, तथा जो प्रोफेसर कालोनी, इंदौर, में स्थित है (और इससे उपवृद्ध अगसूणी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिवासी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का भन्नाह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निहित वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरण से कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति पद्माबाई पति श्री चाडूमलजी निवासी-इंदौर

(अन्तरक)

(2) श्रीमति उत्तमीबाई पति श्री संचागंदजी निवासी-10, गंजी कम्पाउंड इंदौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित या किए जा सकेंगे।

स्वीकरण:—इसमें प्रकृत सूचनाओं और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 16 पर बना हुआ एक मंजिला मकान, प्रोफेसर कालोनी, इंदौर में स्थित है।

श्रीमति एस० के० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, भोपाल  
आयकर भवन  
मेदा मिल के पास, भोपाल

तारीख 9-4-1985  
मोहर

प्रकाश नार्. टी. एच. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल 5680—अतः

मुझे; श्रीमति एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लॉट नं० 7 पर बना मकान नं० 7  
है, तथा जो जानकी नगर कालोदी, इंदौर, में स्थित है (श्रीर  
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है  
रजिस्ट्रीजती अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अनुमान  
प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास  
करने का कारण है कि ब्यापकपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अनुमान प्रतिकूल से, ऐसे अनुमान प्रतिकूल का  
पक्ष प्रतिकूल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिकी  
(अन्तरिकीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिकूल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(क) सम्पत्ति से हुई किसी बात की वस्तु उक्त अधि-  
नियम की अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में  
कभी करने या उसके करने में बिना के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या वस्तु जातिवा  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या जिसे जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहिष्णुता के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
नहीं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सूरजमल पिता श्री चांदमलजी जैन,  
निवासी-6/1,  
न्यू पलासिया,  
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम रतन डागा पिता श्री बंसीधर जी डागा  
निवासी-मकान नं० 7,  
जानकी नगर,  
इंदौर।

(अन्तरिकी)

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ :—  
को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बंधोस्ताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संकीर्णः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 7 पर बना मकान नं० 7, जानकी नगर  
कालोदी, इंदौर में स्थित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, भोपाल  
आयकर भवन  
मेदाल मिल के पास, भोपाल,

तारीख 9-4-1985

सोहर :

प्रकट भाग टी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार,

कार्यालय, महासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेजें, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9-अप्रैल 1985

संनिदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5881—

अतः मुझे, श्रीमती एम० के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विवश करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 164, है, तथा जो पलसीकर कालोनी,  
इंदौर, में स्थित है (श्रीर इससे उपावृद्ध अनुसूची में और  
रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और नुक़े यह विवश करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उक्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
साथिए में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री होलाराम भाटिया पिता  
श्री परसरामजी भाटिया  
निवासी-57, टेलीफोन नगर,  
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पादेवी पत्नी श्री गंगाधरजी भाटिया  
निवासी-57, टेलीफोन नगर,  
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सत्यापन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 164, पलसीकर कालोनी, इंदौर में स्थित  
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म तन्त्र 37 जी में निहित है।

श्रीमति एस० के० श्रीलक्ष्मी

सख्त प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेजें, भोपाल

आयकर सचिव

मेदा मिल के पास, भोपाल

तारीख 9-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5682—अतः

मुझे, श्रीमती ए० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन भक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भवन क्रमांक 10/795 है, तथा जो माल रोड, चन्द्र प्रस्थ कालोनी, मुरार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए दाय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

21—56 GI/85

1. श्री बालकृष्णराव आत्मज  
श्री दत्तात्रय माधव गिपवुड  
निवासी-चन्द्रप्रस्थ एस्टेट,  
माल रोड, मुरारहाल  
एफ टाइप क्वाटर 88/13-1250, क्वाटर्स,  
तुलसी नगर,  
भोपाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमति सौ० मरोजदेवी पत्नी श्री राजेन्द्र प्रसाद  
अग्रवाल व सौ० सुधाराणी अग्रवाल पत्नी  
श्री बृजमोहन अग्रवाल निवासी  
चिक मन्तर मुरार,  
ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्थ में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम से अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**प्रत्युत्पत्ति**

भवन क्रमांक 10/795, माल रोड, चन्द्र प्रस्थ कालोनी, मुरार ग्वालियर में स्थित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख  
सक्षम प्राधिवारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेन्ज, भोपाल  
आयकर भवन  
मेदा मिल के पास, भोपाल

तारीख: 9-4-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एच. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल—अतः सुधे,  
श्रीमती एस० के० ओलख,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग की शर्तों के अधीन सूचना देने का उद्देश्य यह है कि  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 25 जूना व नया नं० 46  
है, तथा जो नलिया बाखल (भरत मार्ग), इंदौर में स्थित  
है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अगस्त 1984

उक्त सूचना के उचित बाजार मूल्य से कम के वर्तमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विचार  
काम का कारण है कि यथापूर्व सूचित बाजार मूल्य, उक्त वर्तमान प्रतिफल से ऐसे वर्तमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण, यह है किसी आय का बाजार अन्तरण  
विषय में अन्तरण और इसे अन्तरण के अन्तरण  
अन्तरण का अन्तरण अन्तरण अन्तरण के अन्तरण  
करीब/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिसे भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची अन्तरिक्षों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वास्तविक आय अन्तरण का अन्तरण अन्तरण  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेशचंद्र पिता केशरीमलजी टोंग्या व  
श्रीमती विमल प्रभादेवी पत्नी केशरीमलजी टोंग्या  
नि० मकान नं० 364,  
साकेत नगर,  
इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार जैन पिता श्री राजमलजी जैन  
मकान नं० 65,  
एम० टी० कलाथ मार्केट,  
इंदौर।

(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए  
कार्यवाही करा जाता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमवर्गी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बराबर में बराबर होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रकृत सूचों और पत्रों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ध होना जो उस अध्याय में विषय  
नया है।

अनुसूची

मकान नं० 25 जूना व नया नं० 46, नलिया बाखल  
(भरत मार्ग), इंदौर में स्थित है।

श्रीमती एस० के० ओलख

महम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

२ आयकर भवन

मेदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 9-4-1985

मोहर :



**रक्षक बाई. टी. एन. एन.-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5684—अतः

मुझ, श्रीमती एम० के० श्रीखल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० म्यू० पा० मकान नं० 25 जूना नया नं०  
46 है तथा जो नलिया बाखल इंदौर में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बातों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री सुरेशचन्द्र पिता श्री केशरीमलजी टोग्या  
(2) श्रीमती विमलप्रभा देवी  
पत्नी श्री केशरीमलजी टोग्या  
निवासी मकान नं० 384,  
साकेत नगर  
इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ताबाई पति जेनेन्द्र कुमार जैन  
निवासी मकान नं० 2, साठा बाजार  
इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि दाव में ग्राह्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

मकान म्यू० पा० नं० 25 जूना नया नं० 46,  
नलिया बाखल, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति  
है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म  
नम्बर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० ओलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

आयकर भवन

मेदा मिल के पास, भोपाल

तारीख 9-4-1985

मोहर :

प्रकृष्य जाह. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5685—अतः

मुझे श्रीमती एस० के० औलख,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या भूमि ख० नं० 5/1/1, है, तथा जो  
ग्राम करहोद कला, भोपाल में स्थित है (और इसमें उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमाद  
प्रतिफल के लिए अर्जित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दायमाद प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुए किसी बात की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
राशिसे में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भन या अन्य मासियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मुहोदेवी पत्नी रामेश्वर प्रसाद  
निवासी-ई-1/123,  
अरेरा कलानी  
भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामसेवक गुप्ता पद्मलाल गुप्ता  
निवासी—काजी केम्प शहर,  
भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 5/1/1, ग्राम करहोद कला, भोपाल में  
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित  
है ।

श्रीमती एस० के० औलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भोपाल  
अयकर भवन  
मेधा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 10-4-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एम. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5686—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० औलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि ख० नं० 5/1/1 है, तथा जो  
ग्राम करहोदकला, भोपाल, में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, भोपाल, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1909 का 16) के अधीन अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सुखी देवी पत्नी श्री रामेश्वर प्रसाद  
निवासी हेदी इलक्कीकल्स,  
पिपलानी,  
भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबूलाल पिता श्री लक्ष्मण प्रसाद  
निवासी—चौधी इमाम  
बाड़ा रोड़  
भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ख० नं० 5/1/1, ग्राम करहोद कला, भोपाल में  
स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा उल्लेखित फार्म नम्बर 37 जी में निहित  
है।

श्रीमती एस० के० औलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र भोपाल  
आयकर भवन  
मैदा मिल के पास, भोपाल

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5687—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 221 एम्पलाईस पर बना मकान है  
जो ट्रेडिंग ग्राउण्ड म्युनिसिपल एम्पलाईस हाउसिंग स्कीम,  
भोपाल में स्थित है (और इसमें उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल  
में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि ग्रंथपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकी और अंत-  
रिस्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के अधिनियम  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नर्मदा प्रसाद चौहो पुत्र श्री गोपीलाल चौकसे  
14, रेतघाट नवैया, भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलाबाई पत्नी राजेन्द्रसिंह यादव  
निवासी-3/1, नगर निगम कालोनी  
बेरसिंग रोड, भोपाल ।

(अन्तरिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 211, ट्रेडिंग ग्राउण्ड म्युनिसिपल एम्पलाईस हाउसिंग  
स्कीम के अन्तर्गत है। जो भोपाल में निहित है। यह वह स्थावर  
सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिस्ती द्वारा मत्पापित फार्म  
नम्बर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

आयकर भवन

मैदा मित्र के पास, भोपाल

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5688---अतः  
मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 14 है, तथा जो धीरेज अपार्टमेंट्स,  
प्रथम मंजिल, जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण संश्लेषित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(1) श्री धीरेजानल मेहता प्रोपराइटर इन्वेस्टर्स  
नर्बदा रोड, जबलपुर ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुम मिश्रा पत्नी श्री जे० पी० मिश्रा  
मावरकर वाडें, कटनी ।  
(अन्तरिती)

कई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध  
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिल में कभी करने या उससे वर्जन में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने, में  
सुविधा के लिए,

फ्लैट नं० 14, धीरेज अपार्टमेंट प्रथम मंजिल, जबलपुर  
में स्थित है ।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, भोपाल  
आयकर भवन  
मंदरा मिन के पास, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

दिनांक : 10-1-1985  
मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5689—अतः  
मुझे श्रीमती एस० के० श्रोलख,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 129 है, तथा जो मेजर शार्पिंग सेंटर,  
महाराणा प्रताप नगर, भोपाल में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय राया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की माप, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वास्तव में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शिवकुमार पिता बसालाल द्वारा मु० आम श्री  
बी० पी० मेठी पिता सीताराम सेठी नि० ई-3/  
174, अरेरा कालोनी, भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुषमा दुग्गल पत्नी श्री जनकराज दुग्गल  
निवासी—एच०-44, बंधेरा अपार्टमेंट, ई-5  
अरेरा कालोनी, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित  
बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्त होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 129, मेजर शार्पिंग सेंटर, महाराणा प्रताप नगर  
भोपाल में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण  
ववरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित  
है ।

श्रीमती एस० के० श्रोलख  
सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेज, भोपाल)

आयकर भवन

मैदा मिल के पास, भोपाल

दिनांक 10-4-1985  
मोहुर

प्रमुख बाई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्री चन्नीलाल पन्ना जीवनदास  
6 मालवीय नगर, भोपाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

- (2) मेमर्स आशयाना एमोशियेटेड भोपाल  
ई-3/27ए अरेरा बालाजी, भोपाल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5691—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे स्वयं  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 6, है तथा जो मालवीय नगर, भोपाल  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में आर पूर्ण के रूप में  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 156) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित का गश्त है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० से दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्त-  
रिती (अन्तरिती) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
अन्तरिक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वारस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
आवधिक में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

अनुसूची

प्लॉट न० 6 मालवीय नगर, भोपाल में स्थित है ।

- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए.

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल)  
आयकर भवन  
मैदा भवन के पास, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—  
22—56 GI/85

दिनांक 9-4-1985  
मोहर

प्रकट, भाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल 1985

“निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5692—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके वश्यात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 151, है, तथा जो महाराणा प्रताप  
नगर, भोपाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भी  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधी  
दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्मान  
प्रतिफल के लिए बंटीकरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके समयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वतन्त्र प्रतिफल का कम  
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वजह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तिम  
में कमी करने या उसके वर्णन में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती निर्मला वर्मा पत्नी श्री एम० सी० वर्मा द्वारा  
सु० आम एम० सी० वर्मा पिता शिवचन्द्र वर्मा  
निवासी—89 ए.एम० आई० जी० प्लेट, राजौरी  
गार्डन  
नई दिल्ली हाल भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोविन्द प्रसाद पिता श्री किशन पाटीदार एवम्  
कोणमल पिता मेवाजी पाटीदार  
निवासी—जारखंडी जिला भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमगुणी व्यक्ति को पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 151, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल में स्थित  
है ।

श्रीमती एस० के० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षो सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल)

आयकर भवन

मेदा मिल के पास, भोपाल

दिनांक : 9-4-1985

मोहुर :



प्रकृष बाई.टी.एन.एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5693—अतः

मूझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० न० 201 है, तथा जो ग्राम नरेला शकरी जिला भोपाल में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण के रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री मान सिंह पिता सुन्दरलाल  
ग्राम नरेला शकरी जिला भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) अध्यक्ष हजरत निजामुद्दीन गृह निर्माण  
सहकारी संस्था, गोविन्दपुरा, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० न० 201, ग्राम नरेला शकरी जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, भोपाल)

आयकर भवन  
मेदा मिल के पास, भोपाल

दिनांक : 19-4-1985

मोहर :

प्रश्न क्रमांक टी.ए.ए. 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5694—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री गजमकी ० मकान सं० 16 है, तथा जो मनीषपुरी, चन्द्रलोक एक्सटेंशन कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्री गजम उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, उसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मेसर्स जाकाशदीप बिल्डर्स, इंदौर पार्टनरशिप फर्म फर्म तर्फे पार्टनर्स 1 देवराज पिता रामरामामल वर्मा 2 रमेश कुमार पिता पूरनमल जी गुप्ता, 3 गोवर्धन लाल पिता पूरनमल गुप्ता, 4 नरेश कुमार पिता देवराज वर्मा, सभी निवासी—13/14, जवाहर मार्ग, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार पिता स्व० कशनलाल जी जाजू 2 श्रीमती मरिता देवी पति राजेशकुमार जाजू निवासी—राकहाड पेठ, केमिकल्स, एण्ड प्रा० लि० 6, विनय बिल्डिंग जी० एम० टी. आई० रोड, इंदौर ।

(अन्तरिती)

यह सूचना द्वारा दत्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वांछित गुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रत्यक्ष में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान सं० 16, मनीषपुरी चन्द्रलोक एक्सटेंशन कालोनी इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित, फार्म नम्बर 37 जी में निहित है ।

श्रीमती एम० के० श्रीलक्ष्मी

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रज, भोपाल)

आयकर भवन

मेदा मिल के पास, भोपाल

दिनांक . 10-4-1985

मोहर .

प्रमुख आइ.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० जाई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5695—अतः  
मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्म,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजसूकी सं० भवन क्रमांक 5/191 नया नं० 2 है तथा जो  
लाला लाजपतराय मार्ग (नयास, बुधवारिया, उज्जैन,

में स्थित है (श्रीरजसूकी उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रारी के सामने उज्जैन में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीरजसूकी सं० भवन क्रमांक 5/191 नया नं० 2, लाला लाजपतराय मार्ग  
(नयास, बुधवारिया, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति  
है, जिसका संपूर्ण अन्तरण अन्तरिती द्वारा मर्यापित फार्म नम्बर  
37 जी से नहित है।

(अन्तरक)

(2) इन कोशों में गेने शार्ट्स 2/4, पन्थी कालोनी  
गायन वेस्ट नाम्बे 22 द्वारा भागीदार 1. माधुसूदन  
आचार्य रमलालजी कोठारी 2. जानचन्द आत्मज  
फकरतबन्द जो लल्लोविदा नयापुरा, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना दी गई है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करवा दीं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के अर्ध या सप्ताहवन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को नतीजा 30 दिनों के अर्ध, जो भी  
अर्ध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अहितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तप्रक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भवन क्रमांक 5/191 नया नं० 2, लाला लाजपतराय मार्ग  
नयास बुधवारिया, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति  
है, जिसका संपूर्ण अन्तरण अन्तरिती द्वारा मर्यापित फार्म नम्बर  
37 जी से नहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्म

सक्षम प्राधिकारी

(भिराक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

आयकर भवन

मैदा सिल के पास, भोपाल

दिनांक 10 अप्रैल 1985

माहिर :

प्रकट बाई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

माउय सरकल

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5698---प्रत  
मसे, श्रीमती एस० के० ओलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० भवन क्रमांक 9/1, है, तथा जो पारसी मोहल्ला,  
इंदौर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिवासी के कार्यालय इंदौर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एतो किसी आय या किसी धन या सम्पत्ति  
का प्रिन्सिपल भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रत्येकार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री उत्तमचन्द पिता हेमनदास  
9/1, पारसी मोहल्ला,  
इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुगतचन्द पिता श्री विश्वरचन्द जैन  
अशोकनगर, जिला गुना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारण करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहिया कइया हुआ है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या उत्तराधिकारी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के बाद  
लिखित में दिये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

भवन क्रमांक 9/1, पारसी मोहल्ला, इंदौर में स्थित है ।

श्रीमती एस० के० ओलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन क्षेत्र, भोपाल)

दिनांक 10-4-1985

मोहर

प्रकल्प बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5699--अत  
मुझे, श्रीमती एस० के० ओलख,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० भवन क्रमांक 9/1 है, तथा पारसी मोहल्ला  
इंदौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची से और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्भुक्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्धृत से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अंतरण से हुई किसी बाय को बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
राशिया में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूचित अधिनियमों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या कि या जाना जा रहा था, छिपाने में  
लगे हुए; और

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) श्री उत्तमचन्द पिता हेमनदास  
निवासी---9/1, पारसी मोहल्ला, इन्दौर ।  
(अन्तरक)
- (2) श्री सुन्दरलाल पिता गिखरचन्द जैन  
निवासी---अशोकनगर जिला गुना ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के निम्न  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तदनुबन्धी व्यक्तियों पर सूचना के  
नामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में  
समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, मुद्रोहकारी के पान लिखित  
में किये जा सकेंगे।

हस्ताक्षर --इसमें प्रमुख 1 या 10 के अंतर्गत, या उक्त अध-  
नियम के अनुसूचित अधिनियम में परिभाषित है, बड़ी  
पर्यं होना, जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अवसर्पण

भवन क्रमांक 9/1, पारसी मोहल्ला, इन्दौर में स्थित है।

श्रीमती एस० के० ओलख  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी महाजन आयकर आयुक्त  
अर्जुन रेज, भोपाल)  
आयकर भवन  
मेदा भिल के पास, भोपाल

दिनांक 10-4-1985  
मोहर

प्रकरण आइ. टी. नं. 11

(1) श्री एम. जी. फडके द्वारा आम मु. श्री के. जे. विष्णु फडके ।

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 1) की  
धारा 269-ग (1) के अन्तर्गत बना

निवासी—फ्लैट नं. 32, 46, एम. जी. रोड,  
इन्दौर ।

भारत सरकार

(अन्तरक)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

(2) श्री अश्वय कुमार तलाठी पिता गोदमनजी तलाठी  
निवासी—फ्लैट नं. 8 बी मेध, 46, एम. जी.  
रोड, इन्दौर ।

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

(अन्तर्निर्दिष्ट)

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं. आई. ए. जी. 0/अर्जन/भोपाल/5705--अ. त.

सबे, श्रीमती एस. के. ओ. शर्मा,

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे बाद में  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अन्तर्गत अधिभूत प्रत्येक व्यक्ति को यह सूचना देना  
कारण है कि अधिभूत सम्पत्ति के अधिभूत व्यक्ति को अधिकतम  
1,00,000/- रु. से अधिक है

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

अर्जन क्षेत्र, फ्लैट नं. 8 बी मेध, 46, एम. जी. रोड,  
इन्दौर में स्थित है (और इसमें अनाजद अन्तर्भूत से और पूर्ण रूप  
से नहीं है)। श्रीमती श्रीमती श्रीमती के अधिभूत, उक्त, में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम,  
दिनांक अगस्त 1984

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर उक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

अर्जन क्षेत्र, फ्लैट नं. 8 बी मेध, 46, एम. जी. रोड,  
इन्दौर में स्थित है (और इसमें अनाजद अन्तर्भूत से और पूर्ण रूप  
से नहीं है)। श्रीमती श्रीमती श्रीमती के अधिभूत, उक्त, में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम,  
दिनांक अगस्त 1984

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तान्तरण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्थाधारी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अर्जन क्षेत्र, फ्लैट नं. 8 बी मेध, 46, एम. जी. रोड,  
इन्दौर में स्थित है (और इसमें अनाजद अन्तर्भूत से और पूर्ण रूप  
से नहीं है)। श्रीमती श्रीमती श्रीमती के अधिभूत, उक्त, में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम,  
दिनांक अगस्त 1984

अनुसूची

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर उक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

फ्लैट नं. 8 बी मेध, 46, एम. जी. रोड, इन्दौर में स्थित  
है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसे संपूर्ण विवरण अन्तर्निर्दिष्ट  
इसमें स्थापित फार्म नम्बर 37 में निहित है।

श्रीमती एस. के. ओ. शर्मा

सहायक आयुक्त (निराकरण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

अध्यक्ष भवन

मेदा मिल के पास, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूची  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उपधारा (1)  
के अधिनियम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 10-4-1985

अर्जन

प्रकरण बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निवेश सं० अर्ज० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5678--अनः

मझे, श्रीमती एस० के० औलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 है तथा जो साकेत नगर, इंदौर  
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसके अन्तर्गण से सम्बन्धित विवरण उक्त अधिनियम  
की धारा 269 ए० बी० के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
भोपाल में अगस्त 1984, को पंजीकृत माना गया है)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

23—56 GI/85

- (1) श्रीमती नीतम अग्रवाल पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल  
2. श्रीमती मंजू भागले पत्नी श्री यशवन्त भागले  
3. श्रीमती मोनिषा भागले पत्नी श्री मुकेश भागले  
4. श्री लालचन्द अग्रवाल पिता श्री अविनाश चन्द्र  
अग्रवाल,

निवासी--8/1, जाय पलासिया इंदौर ।

(अन्तरक)

- (2) मेसर्स हंसराज खन्ना (एच० यू० एफ०) द्वारा मेसर्स  
शिवा इन्टरप्रायसेस, उज्जैन रोड, देवास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है [1]

अनुसूची

प्लॉट नं० 8, साकेत नगर, इंदौर में स्थित है ।

श्रीमती एन० के० औलख

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल गंगोत्री

बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक 10-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5679—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० भूमि एवम् बिल्डिंग है तथा जो 92 पदमावती कालोनी, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिनके अन्तरण से सम्बन्धित विवरण उक्त अधिनियम के धारा 269 ए० सी० के० अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में अगस्त 1984 को पंजीकृत माना गया है)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री श्याम समतानी

निवासी—92, पदमावती कालोनी, इंदौर ।

(अन्तरक)

2 एशियन पेण्टस (इण्डिया) लि०

"निर्मल" पांचवी मंजिल

मेरीमन पाइन्ट, बाम्बे-400021 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एवम् बिल्डिंग, 92, पदमावती कालोनी, इंदौर में स्थित है ।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन क्षेत्र, भोपाल) गंगोत्री

बिल्डिंग, पाँची मंजिल, टी० टी० नगर,

भोपाल

दिनांक : 10-4-1985

माहुर



प्रश्न बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5657—अतः  
मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जमकी सं० फ्री होल्ड प्लॉट नं० 36 है, तथा जो साकेत  
इंदौर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक दिनांक सितम्बर 1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकट अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण जनार्दन फडके ।  
पिता जनार्दन फडके  
निवासी—एच० आई० जी० शैलेन्द्र नगर,  
रायपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री यश वी० चौपड़ा पिता श्री एम० के० चौपड़ा  
निवासी—215, साकेत नगर, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्पित के अर्जन के निम्न  
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड प्लॉट नं० 36, साकेत नगर, इंदौर में स्थित है।  
यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती  
द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एम० के० औलेख  
सक्षम प्राधिकारी  
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जुन रेंज, भोपाल)  
आयकर भवन  
मेदा मिल के पास, भोपाल

दिनांक : 2-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5658--अतः

मूझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 22 है, तथा जो मनीषपुरी कालोनी  
(चन्द्रलोक एक्सटेंशन कालोनी) खजुराना, इंदौर में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मितम्बर 1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजय सिंह पिता श्री प्रकाशचन्द राठीर ।  
77, साकेत नगर, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री तिलकराज पिता मोहनलाल जी पट्टा  
निवासी—128, जाबरा कम्पाउण्ड, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 22, मनीषपुरी कालोनी, (चन्द्रलोक एक्सटेंशन)  
खजुराना, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका  
सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी  
में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 2-4-1985  
मोहर :]

प्ररूप आई. टी. एन. एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5659--अतः

मुझे, श्रीमती एम० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० मकान नं० 1 (द्वितीय मंजिल) है, तथा जो  
स्ट्रीट नं० 7, न्यू पलासिया, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार  
के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जाति  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री कन्हैयालाल शर्मा पिता श्री नन्द किशोर शर्मा  
निवासी--1/7, न्यू पलासिया, इंदौर।  
(अन्तरक)

(2) श्री निर्मल कुमार पिता मूलचन्द जी जैन  
नं० 6, तिलकपथ, इंदौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि जाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान सं० 1 (द्वितीय मंजिल) स्ट्रीट नं० 7, न्यू पलासिया  
इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका संपूर्ण  
विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित  
है।

श्रीमती एम० के० श्रीलख,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 2-4-1985  
मोहर

प्रकट आई.टी.एन.एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5668—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० न० 39/1, 41/16, 41/17, 41/33 है, तथा जो अगहनपुर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और गूण के रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक के द्वारा किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कल बने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उक्त बने के वास्तव के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, 'छिपान' में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, तथात् १—

(1) श्रीमती अनुपमा राव पत्नी कुवा राव  
निवासी—स्टेट बैंक कालोनी, जगदलपुर ।

(अन्तरक)

(2) बस्तर जिला गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित जगदलपुर द्वारा अध्यक्ष कु० सध्या भाटिया पुत्री श्री सोभागमल भाटिया  
निवासी—केवारमुवा वार्ड, मूर्ति लाईन, जगदलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य .

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गत

भूमि ख० न० 39/1, 41/16, 41/17, 41/33, अगहनपुर जगदलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा स्थापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी)  
अर्जन रेंज, भोपाल  
आयकर भवन  
मेदाभिल के पास, भोपाल

दिनांक : 9-4-1985

बोहर ३

प्रकृष बाई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5672—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
, 00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 223/1, 224/1 है, तथा जो  
मौजा कोहका में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यापक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसार  
अ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मोहनलाल पिता भावजी  
2. गौरीबाई पत्नी मोहनलाल  
निवासी—कोहका, भिलाई नगर, दुर्ग ।

(अन्तरक)

- (2) श्री अमरीक सिंह पिता वन्ना सिंह  
फैमिली ट्रस्ट, दीपक नगर, दुर्ग ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करा जा रहा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 223/1, 224/1, मौजा कोहका जिला दुर्ग  
में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण  
अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37-जी में निहित है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 4-4-1985

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

### प्राप्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5673—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 1/1 है, तथा जो फ़ीजापुर, जगदलपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्दत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हंसमुखलाल मेहता पिता श्री जीवनलाल मेहता आफ बाम्बे द्वारा श्री शास्तीलाल पिता श्री अमरीष, जगदलपुर ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री गौतमलाल खत्री

2. श्री धेवरचन्द खत्री दोनों पुत्र श्री फेतचन्द खत्री निवामी—इन्द्रा वार्ड, जगदलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नं० 1/1, फ़ीजापुर जगदलपुर में स्थित है ।

श्रीमती एस० के० श्रीलख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रमाण अर्द्ध. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5690—अतः मुझे,  
श्रीमती एस० के० श्रीलख,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 20 उस पर निर्मित मकान है, तथा  
जो नयापुरा, भोपाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
भोपाल, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
साथ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसमें भारतीय  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरण के बाधित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहे या, छिपाने में  
सुविधा के लिए,

(1) श्री एस० एन० शर्मा पिता श्री एस० एन० शर्मा  
निवासी—आहजानाबाद, भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० पी० पट्टाग्रिया पिता श्री जी० एन० पट्टाग्रिया  
निवासी—निगट स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सन्तानिया  
राड, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
सामर्थ्यपूर्ण बन करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 20 उस पर निर्मित मकान, नयापुरा, भोपाल में  
स्थित है ।

श्रीमती एस० के० श्रीलख,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक . 10-4-1985

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5696—अत  
मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 33/6 है, तथा जो ग्राम महलगाव ग्वालियर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (●) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयदाय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियमों के अन्तर्गत प्रकट करने के लिए या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्तियों ;—

- (1) श्रीमती सी० बीनादेवी गोयल पत्नी श्री हरविलास गोयल निवासी—मैना नार्दी गली, दाल बाजार, लखनऊ (अन्तरक)

- (2) श्रीमती सुलेखा स्याल पत्नी श्री कैलाश स्याल  
2 सुवेण पुत्र किशनलाल 3 निर्मल पत्नी मुभाप  
4 राजीव पुत्र मुभाप, 5. श्री राम पुत्र रामनाथ  
6 वृजेप पुत्र हरविन्द 7 कुलदीप पुत्र मदन  
8 जगदीप पुत्र मदनलाल, लखनऊ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

मकान सं० 33/6, ग्राम महलगाव जिला ग्वालियर में स्थित है ।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल)

दिनांक 10-4-1985  
मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5697—अतः

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 91 पर बना हुआ मकान है, तथा  
जो योजना क्रमांक 47 इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, इंदौर में राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अशोक कुमार पिता वासुदेव, 3, काटजी कालोनी  
इंदौर के मु० आम अमरनाथ पिता मेलाराम 3/3  
साउथ तुकोगंज, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमलता पति प्रभुदयाल 2. चौथी बाई पति  
गौरीलाल, योजना क्रमांक 47, प्लॉट नं० 91, 23,  
जाय बिल्डर्स कालोनी इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, 'या' उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 91 पर बना हुआ मकान, योजना क्रमांक 47,  
इंदौर में स्थित है ।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 10-4-1985

मोहुर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5700—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2ए पर निर्मित बहुमंजिला भवन को  
दूसरी मंजिल का फ्लैट नं० 12 है, तथा जो कैलाश पार्क, मनोरमा,  
गज, इंदौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर,  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) मेसर्स प्रगति कंस्ट्रक्शन कम्पनी तरफे पार्टनर  
श्री मनन कुमार पिता कल्याणमलजी बड़जात्या  
146, जावरा कम्पाउण्ड, इंदौर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रफुल्लचन्द्र पिता भान्सागरजी कामिक  
2-ए, कैलाश पार्क, कालोनी, मनोरमागंज, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लॉट नं० 2ए पर निर्मित बहुमंजिला भवन की दूसरी मंजिल  
का फ्लैट नं० 12 कैलाश पार्क, मनोरमागंज, इंदौर में स्थित  
है।

श्रीमती एस० के० श्रीलक्ष्मी  
सक्षम प्राधिकारी सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 10-4-1985

आह्वार :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5701—अत

मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको प० प्लॉट न० 2 पर निर्मित बहुमंजिला भवन की प्रथम मंजिल का प्लॉट न० 8 है तथा जो कैलाश पार्क, मनोरमागज, इंदौर में स्थित है (और इनमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बालिग्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स प्रगति कंस्ट्रक्शन कम्पनी तर्फे पार्टनर श्री मननकुमार पिता कल्याणमलजी वडजात्या, 146, जावरा कम्पाउण्ड, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री लालाल पिता निलोकचन्दजी सोनी बी-51, जैन कालोनी, नेमी नगर, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

## अनुसूची

प्लॉट न० 2ए पर निर्मित बहुमंजिला भवन की पहली मंजिल का प्लॉट न० 8 कैलाश पार्क मनोरमागज, इंदौर में स्थित है ।

श्रीमती एस० के० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक 10-4-1985

मोहर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जुन/भोपाल/5702--अतः  
मुझे, श्रीमती एस० के० ओलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1, ब्लॉक नं० 63, वार्ड नं० 22  
है, तथा जो द्राविड़ मार्ग, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
हैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री नारायणदास पिता किमनरायजी धनवानी,  
निवासी-तिलक मार्ग,  
फव्वारा चौक, उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) 1. गीताबाई पत्नी रामचन्द्रजी पोरवाल  
2. श्रीमती अमिताबाई पोरवाल,  
पत्नी शान्ती बुमार जी पोरवाल,  
निवासी-मकान नं० 1, श्रीपाल मार्ग,  
नई पेठ, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमोदी

मकान नं० 1, ब्लॉक नं० 63, वार्ड नं० 22, द्राविड़ मार्ग,  
उज्जैन में स्थित है।

श्रीमती एस० के० ओलख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

दिनांक : 10-4-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/5703—अतः

मुद्द, श्रीमती एस० के० औलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1 ब्लाक नं० 63, वार्ड क्रमांक 22  
है तथा जो द्रविण मार्ग, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नारायणदास पिता किमनरायजी धनवाणी,  
निवासी—तिलक मार्ग,  
फव्वारा चोक उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीलाबाई पत्नी सूर्यनारायण पोरवाल,  
2. श्रीमती प्रमिलाबाई,  
पत्नी राजकुमार जी पोरवाल,  
मकान नं० 1, श्रीपाल मार्ग,  
नई पेठ, लायब्रेरी गली,  
उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1, ब्लाक नं० 63, वार्ड क्रमांक 22, द्रविण  
मार्ग, उज्जैन में स्थित है।

श्रीमती एस० के० औलख,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-4-1985  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-II, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5704—अतः

मुझे, श्रीमती एस० के० ओलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० मकान नं० पा० नि० क्रमांक 4/1422  
जिसका नया नं० 68 है, तथा जो भोपाल मंदिर मार्ग, उज्जैन  
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1980 (1980 का 16) के अधीन,  
दिनांक सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्गित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामवल पिता मुन्नालालजी अग्रवाल,  
निवासी-105 गोपाल मंदिर मार्ग,  
उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) श्री जयन्तीलाल पिता माणकलाल बोहारी,  
निवासी-34, क्षीर सागर, उज्जैन।  
2. सुशीलाबाई पत्नी रमणीक लालजी जैन,  
निवासी-149, सराफा बाजार,  
उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान म्यु० नं० क्रमांक 4/1422 जिसका नया नं०  
68 है। गोपाल मंदिर मार्ग उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर  
सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित  
फार्म नंबर 37 में लिखित है।

श्रीमती एस० के० ओलख,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, भोपाल

दिनांक 10-4-1985

मोहर :

... का 3.3.टी.एन.एच. ....

(1) श्री एल० वेल्डयन्

(अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अप्रैल 1985

(2) श्री एन० के० टी० एम० तवर्माण,  
अर्लैयार तिरुमलै ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :-

निर्देश सं० एफ० 6/अगस्त 84/रेंज-II—अनः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 2102 और 2106 हिस्सा आर०  
एस० नं० 1692/4 और 1692/7 है तथा जो मैलापुर में  
स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ  
लेख सं० 2135/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया  
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वर्गित्व में किसी करने या उससे बचने में अविधा  
के निम्न; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिपति :-  
25—56 GI/85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान एस० नं० 2102, और 2106 हिस्सा  
आर० एस० नं० 1692/4 और 1692/7, मैलापुर मद्रास नार्थ  
लेख सं० 2135/84

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 4-4-1985  
मोहर :

प्ररूप जारी. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 7/अगस्त 84/रेज-11-अन मूवे, श्रीमती एम०  
सामवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० निजम्बाकम/आर० एस० न० 58/41  
है तथा जो निजम्बाकम में स्थित है (जो इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अभिगरी के  
कार्यालय, थोमडलैटस् लेख सं० 396/84 में भारतीय-जिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिस्ती  
(अन्तरिस्ती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्ति को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजन के अधीन, द्वारा प्राप्त नहीं किया गया  
था वा किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नंदिन एलेक्साद्रा सालमत्

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मानवी मदान और अन्यो।

(अन्तरिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा.

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितलब्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथोद्देश्यता के पात्र  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि निजम्बाकम आर० एस० 58/41 थोमडलैटस्  
लेख सं० 396/84।

एम० सामवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक 8-4-1985

मोहर



प्रकट बाई टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं. 8/अगस्त 84/रेंज-11—अन. मुझे, श्रीमती एम०  
नामवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि आर० एम० न० 622/29, ब्लॉक न०  
36, लेडी माधवन्नायर कालोनी है, तथा जो नदम्बाकम से स्थित  
है (और इससे उपाकृष्ट अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोम्बलैन्डम लेख  
सं. 404/84 से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अतः (अंतरकों) और अतारती  
(अतारितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम के अधीन निम्नलिखित में वास्तविक  
रूप से कार्य नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत को  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अर्थानुसार अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

(1) श्रीमती पदमा श्रीनिवासन्

(अन्तर)

(2) श्री आर० कृष्णमूर्ति

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन को दृश्यमान से बचने में कोई भी लाभ नहीं है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
प्रकाशन या किन्हीं के पास।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि : आर० एम० न० 622/29, ब्लॉक न० 36, लेडी  
माधवन्नायर कालोनी, नदम्बाकम पोम्बलैन्डम/लेख सं. 404/  
85।

एम० नामवेल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 8-4-1985

साक्षर

प्रकृष्ट आई. टी. एच. एच.-----

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

कारण सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक: 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 9/अगस्त 84/रेंज-11---अतः मुझे, श्रीमती एम०  
मामवेल,

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
69-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० भूमि और मकान : प्लॉट नं० 7, डोर नं० 9,  
शेनाथ रोड है तथा जो नुंगम्बाकम, मद्रास-34 में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थौसंडलैठम लेख सं०  
407/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गत से हुई किसी भाव की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित  
में कमी करने या उतने बचने में सौविधा के लिए;  
धीर/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाता पाहिज या, जिनमें से सविधा  
की किज;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी० चार० कुण्णु और टी० रामकुण्णु  
(अन्तरक)

(2) श्री मंडकशरै मुहम्मद इस्लाम  
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान : प्लॉट नं० 7, डोर नं० 9, शेनाथ रोड,  
राड़, नुंगम्बाकम, मद्रास-34 थौसंडलैठम लेख सं० 407/84 ।

एम० मामवेल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 8-4-1985  
मोहर :

प्रकृष माइ. टी. एन. एस. ----

(1) श्रीमती एम० डी० एम० पंकजमाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० राजगोपाल अय्यंगर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 11/अगस्त 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8, मांगाडु, स्वामी अय्यर स्ट्रीट है तथा जो  
तुंगम्बाक्कम मद्रास-34 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, थौमलैडम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त  
1984

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

भूमि और मकान : सं० 8, मांगाडु स्वामी अय्यर स्ट्रीट,  
तुंगम्बाक्कम, मद्रास-34 थौमलैडम लेख सं० 375/84।

एम० सामुवेल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 8-4-1985  
मोहर :

प्ररूप भाइ, टी एन एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश स० १२/अगस्त ८४/रिज-११-अत मुझे, श्रीमती  
एम० पाम्पेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) के धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित राजस्व अत्यंत  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. ००१० नं० ५३३, फाट नं० ३८ है।  
जो नुमांवाकम से स्थित है (और इनमें आबाद जनसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजद्वितीय शक्तिपरी के  
कार्यालय, पौनडनैठ लेख नं० ३८६/८४ से जारी। एन। ए.  
करण अभिनियम १९०८ (१९०८ ए १०) के अधीन, दिनांक  
अगस्त १९८४।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लक्षित बाजार मूल्य से कम के स्थापन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का लक्षित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्गती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से एकत्र अभ्यरण विहित से बालू-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

\* (1) श्री गुलमार्नी नद्वन स्वामीदा र,

(अन्तरक)

\* (2) कुमारी नमः ५, नि १ गेडडी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पत्रावल सम्पादक को भेजने के लिए अनुरोध किया करता है।

उत्तराखण्ड के आदिवासी जनजातों के विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन को ताराख से 45 दिन की अवधि में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(७) इस सूचना के अंतर्गत में प्रत्यक्ष के तारांक में 45 दिनों के भीतर अन्तः स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु किसी अन्य व्यक्ति को जगहोस्ताधारी को पाषाण 15 दिनों में जगहों में (४६)।

**व्याख्याकरण** :— इसमें सूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बात को वास्तव, अभिव्यक्ति व अपील कर देने से अन्तरण से वास्तव से कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; यदि/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गृहीत हुआ प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था कि या विधानों में उल्लिखित को विधेय:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : —

फ्लैट 4वीं फ्लोर, प्लॉट नं० 3, बी फ्लैट 4-मी, आर०  
एम० 533, नगन्नाथपुरम-1, मैसूरु नैठम् । लेख नं० 386/84 ।

एम० रामसुबेल,  
प्रमुख प्राध्यापक,  
महाराष्ट्र प्रायश्चित्त प्रायश्चित्त (निरीक्षण),  
ग्रजन्त रेंज-II, मुद्रास

दिनांक 8-4-1985

माहेर ۱۶

प्रत्येक आई टी.एन.एस

\*(1) माली को आगम सुवर्ग,

निम्नलिखित पद्धति,

प्राप्ति निमित्त की प्रकृति श्री एम. बी.

चन्द्रा 13

(अन्तर)

\*(2) माली निम्नलिखित

(अन्तर)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आय कर

कार्यालय, मध्यम आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं. 13/अगस्त 1984—यन: सुले, श्रीमती एम. रामुवेल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन आयकर अधिनियम के विश्वास करने का कारण है कि मद्रास में, जिसमें उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 27 है तथा जो निम्नलिखित गांव, मद्रास में स्थित है (और इसे मद्रास अन्तर्गत में आता है, पूर्ण रूप से वर्णित है), निम्नलिखित गांव, निम्नलिखित गांव, सं. 2428/84 में आयकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त आयकर अधिनियम के अधीन बाजार मूल्य से कम की दरमान प्रतिकूलता निम्न अन्तर्गत की गई है और इसे यह विचार करने का कारण है कि मद्रास में उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान अधिनियम में इसे दरमान प्रतिकूलता का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूलता, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त अन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, माली, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित बाधित्व अर्थात् —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और माल 27, निम्नलिखित गांव मद्रास-19  
निम्नलिखित गांव सं. 2428/84

एम. रामुवेल,

अध्यक्ष, आयकर,

मद्रास आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 9-4-1985

मोहर 2

प्रत्येक भाग टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) श्री के० विल्बनाथम्

(अन्तरक)

(2) श्री टी० एम० रामनिगम्

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 16/अगस्त/84/रेंज-II—अन० मध्ये, श्रीमती  
एम० सामुवेन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० है तथा जो

मद्रास-33 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, कोडम्बाकरम् लेख सं० 2104/85 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी कदां या उक्त वर्ष में सुविधा के लिए;  
बीर/आ

अनुसूची

भूमि, टी० एन० सं० 4, ब्लाक नं० 59, पोस्टल बाराती,  
मद्रास-33, कोडम्बाकरम् लेख सं० 2104/84

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए

एम० सामुवेन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 8-4-1985

मोह

प्ररूप आई. टी. एन. एच. -----

(1) श्री डी० गुणशोकरन्

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० हम्मवेणी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 20/अगस्त 84/रेंज-II-अनः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 8 ग्राइड की भूमि टी० एच० नं० 12, ब्लॉक  
नं० III, जानकीराम बालोनी है तथा जो अरुबाक्षम् कोडम्बाक्षम् से स्थित है  
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्री हस्ताधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्षम् लेख  
सं० 2153/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीवा शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो थी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

(क) संश्लेषण से हुई किसी बाय की बाय, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में स्थिधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिका  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा  
के लिए;

भूमि : 8 ग्राइड की भूमि, टी० एच० नं० 12, ब्लॉक नं० III,  
जानकीराम बालोनी, अरुबाक्षम् कोडम्बाक्षम् लेख सं०  
2153/84.

एम० सामुवेल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जिनसे :—  
26—56 GI/85

दिनांक : 8-4-1985  
मोहर :

रजत बाई. टी. एच. एच. ---

(1) श्री आर० तुण्णत और अन्यो

(अन्तरगत)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सम्पत्ति

(2) कन्वलेन्टन्से पार्टनर्स  
एम्. रामसामो और अन्य

(अन्तरिती)

आरम सरेज

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 21/अगस्त 84/रेंज-II. अन मसे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सम्पत्ति प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिगकी सं० नं० 23, पालयकारन स्ट्रीट, कोडम्बाकम्  
है, तथा जो मद्रास-24 से स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची  
से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिग्राही के  
कार्यालय कोडम्बाकम् लेख सं० 2182/84 में भारतीय,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए उत्तरित को यह है और अर्धे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित लक्ष्यों से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाजार, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उक्त करने में क्षति के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या वस्तु वास्तविकों  
को बिना भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
एयोक्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, स्थानों में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकी :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योक्त :- इसमें प्रयुक्त शब्दों की वृत्तियों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये  
गये हैं।

अनुसूची

भूमि और मकान नं० 23 पालयकारन स्ट्रीट, कोडम्बाकम्  
मद्रास-24 एम्. नं० 8/1 और 8/2, टी० एम्. नं० 10, ब्लॉक  
नं० 13 कोडम्बाकम् लेख सं० 2182/84।

एम० सामुवेल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-II, मद्रास

दिनांक 8-4-1985

मोहर :-



प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 22/अगस्त 1981/रेंज-II---अनः गुड्डे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० नं० 43/16, ब्लाक नं० 13,  
है तथा जो कोडम्बाक्कम् से स्थित है (और इसे उपावृद्ध  
अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम् लेख सं० 2200/84 से भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में भूमिभा के लिए;  
नौर/वा

अनुसूची

भूमि : टी० एम० नं० 43/16, ब्लाक नं० 13, कोडम्बाक्कम्  
कोडम्बाक्कम्-2200/84।

(ख) ऐसी किसी भाग का किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा  
के लिए;

एम० सामुवेल,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 8-4-1985  
मोहर

(1) श्रीमती भावित्री मन्होत्रा

(अन्तरक)

(2) श्री कोल० के० आर० निबया टैनल्यू जी०  
(रिटायर्ड)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्रारूप बाई-टी.एच.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 24/अगस्त 1984/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य -  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3/1, है तथा जो रामकृष्णपुरम (वेस्ट)  
माम्बलम् में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कोडम्बाक्कम् लेख सं० 2376/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त  
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में गृहित  
क लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना दायित्व था, स्थान में  
सूचना के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० कृष्णमूर्ति बोयापति,  
पवर एजेंट, श्री बोयापति सहयोगी नायडू  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा कुमारी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्यानः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो कि अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—3/1, रामकृष्णपुरम-I स्ट्रीट, वेस्ट  
माम्बलम् मद्रास-33 कोडम्बाक्कम् 2376/84।

एम० सामुवेल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 8-4-1985

मोहता

प्रमाण. नम्बर टी. एन. एस. ----

(1) श्री एस० एम० फ़ासक नैनार

(अन्तरक)

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जे० राम स्वामी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोध :-

निदेश सं० 25/अगस्त 1984/—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट-4, पूरब में 1 फ्लोर प्रोमिसस नं० 4, अब 6 अक्बराबाद-II, स्ट्रीट है, जो कोडम्बाक्कम् में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडम्बाक्कम् लेख सं० 2239/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से पहले किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी नाय या किसी भू या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्लॉट-4, पूरब में 1 फ्लोर प्रोमिसस नं० 4, अब 6, अक्बराबाद II स्ट्रीट, कोडम्बाक्कम्, मद्रास-24 कोडम्बाक्कम् 2239/84।

एम० सामुबेल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार अर्ज, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 8-4-1985  
कोहर :

प्रकृष बाई, टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती आर० वैक० लक्ष्मी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजन श्रीनिवासन्

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निदेश सं० 27/अगस्त 1984/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है  
और जिनकी सं० है जो बोडम्बाक्कम्, पुदूर में स्थित है  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बोडम्बाक्कम् लेख  
सं० 2283/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे सम्यमान प्रतिफल का  
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
है। निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन यह करने की आवश्यकता के  
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
है, कि उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—टी० एस० नं० 27, ब्लाक नं० 72  
बोडम्बाक्कम् पुदूर-II बोडम्बाक्कम् लेख सं० 2283/84

श्रीमती एम० सामुवेल,  
सक्षम प्राधिकारण)  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 8-4-1985

मोहर &amp;

प्रकाशक: डी. एन. एस.

(1) श्री एम० अन्तरामन्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० विजय कुमार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 29/अगस्त 1984/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 111, न्यू नं० 114, है तथा जो अशोक नगर,  
पुदूर मद्रास-83 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, कोडम्बाक्कम् लेख सं० 2303/84 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
अगस्त 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
मूल्य से कटित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में मद्दिता के लिए।

अनुसूची

भूमि और मकान :—न्यू नं० 114, आर० एस० नं०  
278/1, अशोक नगर-पुदूर मद्रास-83 कोडम्बाक्कम् लेख सं०  
2303/84

एम० सामुवेल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 8-4-1985

मोहर

प्रश्न बाई. टी. एम. एम.-----

(1) श्री टी. एन. राधाकृष्णन्

(अन्तरक)

(2) मेमर्स एन. वक्तव्यचल चेट्टी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं. 42/अगस्त 1984 रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम. सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पुराना नं. 10, न्यू नं. 79 तुलसिग मुदली  
स्ट्रीट पेरम्बूर है तथा जो मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, पुरणवाक्कम् लेख सं. 1546/84 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984।

को व्यक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में वृद्धि के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
जो, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

भूमि और मकान :—पुराना नं. 10, न्यू नं. 79 तुलसिग  
मुदली स्ट्रीट पेरम्बूर मद्रास-11 पुरणवाक्कम् लेख सं. 1546/84

एम. सामुवेल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 मद्रास

दिनांक : 8-4-1985

मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. इव. ----

(1) मेमर्स ए० पी० आर० कन्सल्टेशनम्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सी० अब्दुल रहमान एण्ड कम्पनी

(अन्तरिती)

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 43/अगस्त 1984/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे० नं० 18, 5 ग्रेण्ड्स एण्ड 1595 स्केयर  
फीट है तथा जो पुरणवाक्कम् में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, पुरणवाक्कम् लेख सं० 1361/84 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित अनुबंध के उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करायें हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निहित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

(क) अन्तरण में हुई किसी धन की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यक्ति  
में कमी करने या उसके करने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रभावनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किता जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

27—56 GI/85

भूमि और मकान :—सर्वे० नं० 18, 5 ग्रेण्ड्स एण्ड 1595  
स्केयर ट्रीट पुरणवाक्कम् लेख सं० 1361/84

श्रीमती एम० सामुवेल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 8-4-1985  
मोहर :

प्रकृष्य जाह, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निधन सं० 45/अगस्त 1984/रेंज-11—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पी० एच० रोड, है तथा जो पुरशवाक्कम् में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरशवाक्कम्  
लेख सं० 1392/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से होने दृश्यमान प्रतिफल का  
इन्वह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच होने अन्तरण के लिए तय  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में नास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को शायित्प  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी डी० सी० वासुदेव के एजेंट एस० वासुदेव  
(अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल रिशानी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो में  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और साकन पी० एच० रोड, पुरशवाक्कम् मद्रास-84  
पुरशवाक्कम् लेख सं० 1392/84

एम० सामुवेल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 8-4-1985  
मोहर :



प्रश्न आई. टी. एन. एस. २०००

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं. 46/अग्रस्त 1984/रिज-11-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०.एस० सं० 3122/5, 362, पूनमली है रोड, है तथा जो मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुरणवाक्कम्, लेख सं० 1402/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाग की बाबत, जहाँ नभिमय को नभिम कर देने के अन्तरण के शक्ति में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(क) ऐसी किसी जात या किसी धन या अन्य जास्तिवां को, बिना भारतीय जात-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जात-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को दिया;

(1) श्री बी० पदमनाथन,  
रेप्रसेंटटिव असिस्टेंट रजिस्ट्रार ओ० एस० हाई कोर्ट  
मद्रास (अन्तरक)

(2) श्री बी० कान्तिलाल और  
एस० सुरेश कुमार

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि और मकान—ग्रार० एस० नं० 3122/5, 362,  
पूतमली है रोड, मन्नास-10 परगनाकम् लेख सं० 1402/84

श्रीमती एम० सामुवेल,

सक्षम प्राधिकाारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, मद्रास

जुतः अब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 8-4-1985

माहूर :

प्रयुक्त शब्दों: टी. एम. एम. -----

(1) श्रीमती बी० लक्ष्मी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० कृष्णन् एण्ड तिरुपुरसुं वरी

(अन्तरिती)

## सारक प्रकाशन

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 47/अगस्त 1984/रेंज-11—अतः मूजे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
1,00,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं० 110, 111, 112 (पार्ट), 113 (पार्ट)  
डीमेल्लोस रोड है तथा जो मद्रास-12 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, पुरशवाक्कम् लेख सं० 1408/84 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अगस्त 1984।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
समिलन में कमी करने या उसके बचने के लक्ष्य  
के लिए; और/याभूमि और मकान :—110, 111, 112 (हिस्सा) 113  
(हिस्सा) डी मेल्लोस रोड मद्रास-12 पुरशवाक्कम् लेख सं०  
1408/84(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिये या, जिसमें के  
सूचना के लिए;श्रीमती एम० सामुवेल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 8-4-1985

मोहर :

इसमें बाई.टी.एम्.एस्.

(1) श्रीमती राजी रमाचारी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती वसुता, गीता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 51/अगस्त 1984/रेंज-11—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिनकी सं० 10, कस्तूरी रंग अय्यंगर रोड है तथा जो  
मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मद्रास सेट्टल लेख सं० 781/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त  
1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
कारण का कारण है कि उपायुक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण सं. 1984 किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्धित में कमी करने या उचित करने में सुविधा  
के अर्थ; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जया या या किया जाता चाहिए या विधानों के  
सुविधा के अर्थ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
अव्यवहारी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—आर० एस० नं० 1575/25 और  
1575/75/नं० 10, कस्तूरी अय्यंगर रोड, मद्रास-18 मद्रास  
सेट्टल/लेख सं० 781/84

श्रीमती एम्० सामुवेल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 8-4-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश नं० 55/अग्रस्त 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर नं० 68, श्रीमान श्रीनिवास अय्यंगार रोड  
है, जो आलवारपेट में स्थित है और इससे उपावृद्ध में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी के कार्यालय,  
मद्रास सेंट्रल लेख सं० 817/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अग्रस्त 1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री डी० एम० आनन्दन और अमुदा

(अन्तरक)

2 श्री मुलका वीवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—68 श्रीमना, श्रीनिवास अय्यंगार रोड,  
आलवारपेट, मद्रास—मद्रास सेंट्रल लेख सं० 817/84,

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज—, मद्रास

दिनांक : 8-4-85

माहुर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.

(1) श्री पी० के० गोविंदस्वामी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हीरा बाय

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 62/अगस्त 84/रेंज-11—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० 41, पुराना नं० 77, है, जो लेख नं० 858/  
84 में स्थित है? और इन्से उपावृद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है, रजिस्ट्रीकृत अधिनियम के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख  
नं० 858/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-  
मान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)  
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से यह किसी आय को धारण, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) के तहत अधिनियम या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि —लेख सं० 858/84 मद्रास सेंट्रल

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

दिनांक 4-4-85

मोहर :

प्रकृत बाध. टी. एन. एस. - . .

(1) श्रीमती आर० कमला बाय ,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) सर्विस समाज तमिलनाडु मद्रास  
बै हानरी मेन्ट्री टी० मेगराम

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 64/अगस्त 84/रेंज-11--अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 155, डा० बेमंठ रोड, ट्रिप्लिकेत है, जो  
मद्रास में स्थित है (और इसमें उगावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लिकेत लेख सं०  
571/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, अगस्त 1984,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है -(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
रु/या(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था स्थानों में सविधा केअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और संपत्ति :-155, डा० बेमंठ रोड, ट्रिप्लिकेत,  
मद्रास ट्रिप्लिकेत लेख सं० 571/84

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-11, मद्रास

दिनांक : 9-4-85

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

(1) श्री सी० आर० सूर्यनारायणन और अन्यो  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री एम० ए० इब्राहिम  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 66/अगस्त 84/रेंज-11—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 49, वी० आर० पिल्लै स्ट्रीट, है, जो मद्रास-5  
में स्थित है और इससे उपावृद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है,  
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लिकेन लेख सं० 519/  
84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
क्षायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
28—56 GI/85को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

भूमि और मकान : सं० 49, वी० आर० पिल्लै स्ट्रीट, मद्रास-  
5 ट्रिप्लिकेन-लेख सं० 519/84एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अजन रेंज-11, मद्रास

दिनांक : 9-4-1985

मोहर :

प्रकृष्ट. आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री शंकर वेंकटेश्वरन् और अन्यो

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० एस० नारायणन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 67/अगस्त 84/रेंज-11—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० है, जो अरूर गांव, शैदापेट तालुक में स्थित है  
और इससे उपावक में और पूरा रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अडयार/लिख सं० 2221/84 में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि : प्लॉट नं० 11, ले आउट 1090 तथा 1963, वेसंट  
एवेन्यू रोड, अरूर गांव, शैदापेट तालुक/अडयार/लिख सं० 2221/  
84)

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति शों, अर्थात् :—

दिनांक : 6-4-1985

मोहर :





प्रारूप आई. टी. एन. एच. ....

(1) श्री विनयन एल० फेलिक्स

(अन्तरण)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० वेंकटाचारी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज— II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 70/अगस्त 84/रेंज II—अतः, मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसकी वजहों से 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है जो गांधीनगर लेख सं० 1080/84  
में स्थित है (और इससे उपान्वत अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय,  
गांधीनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह दिग्दर्शन  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से ऐसे अद्यतन प्रतिफल के  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रकाशनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाकिए था, लिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधों :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—प्लॉट न० 311, न्यू डोर न० 19,  
फस्ट क्लास स्ट्रीट, गांधीनगर, मद्रास-20 अड्यार-लेख सं०  
1080/84 ।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 9-4-1985  
मोहर :

प्रकृप बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री टी० वी० सूर्यनारायणन्

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० पार्तसारथि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

कई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के द्विज  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

निर्देश सं० 43/अगस्त 84/अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 154, मडिप्पाक्कम् गांव, है, जो शैदापेट तालुक  
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलदूर लेख सं० 2546/  
84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी जान की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
खर्च में कमी करने या उससे बचने के उद्देश्य  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी जाय का किसी भू का जम्मा वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, विधान में उद्देश्य  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बनसूची

भूमि :- 154, मडिप्पाक्कम् गांव, शैदापेट, तालुक चेंगलपट;  
डिस्ट्रिक्ट, एस० न० 123, आलदूर लेख सं० 2546/84,

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-11, मद्रास

दिनांक : 9-4-85

मोहर :

प्रकट जाई. डी. एन. एस. -----

(1) श्री आर० गणेशन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) सौय इण्डिया सर्विकल कम्पनी प्रा० लि०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निदेश सं० 77/अगस्त 84/रेंज-11—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की श्रावणी में 30 दिन की अवधि, या भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० रामावरम गांव, है, जो शैदापेट तालूक में स्थित  
है (और इससे उपाखण्ड में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अलदूर लेख सं० 2468/84 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त 1984,

स्वीकृतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

भूमि और मकान :—रामावरम गांव, शैदापेट तालूक,  
चैंगलपट डिस्ट्रिक्ट अलदूर लेख सं० 2468/84.

एम० सामुवेल

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 8-4-1985

मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती आर. वी. इन्द्रा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टी. डेक्टरामन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निदेश सं. 79/अगस्त 84/रज-II—वत: मुझे, श्रीमती  
एम. सामुवेल्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. एम. नं. 28/1, है, जो लेख सं. 2649/84  
की श्रेणी में दी हुई सम्पत्ति में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
आलयूर लेख सं. 2649/84 में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपावद्ध सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से कम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कार्यरत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

लेख सं. 2649/84 की श्रेणी में दी हुई सम्पत्ति आलयूर—  
लेख सं. 2649/84 ।

एम. सामुवेल्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 8-4-1985  
मोहर :

प्रकट बाई. टी. एन. एच.-----

(1) श्री बी० शांतिशिवम्

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती रुक्मणी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका:—

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निदेश सं० 80/अगस्त 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सासुवेल,  
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० है, जो मंगयर्कराश नगर, मद्रास-61 में स्थित  
है (और इससे उपाग्रह में और पूर्णरूप से वर्णित है), राजस्त्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, ग्रांलहूर (लेख सं० 2615/84 में भारती  
राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल विभिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
द्वे तात्कालिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमूल्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के  
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
बायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहीए था, कियाने में  
सुविधा के लिए।

भूमि और मकान:—प्लॉट नं० 7, और नं० 2, मंगयर्कराश  
नगर, ग्रांलहूर/लेख सं० 2615/84 मद्रास-61

एम० सासुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, विभिन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनांक . 8-4-1985  
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) आ एल० राममूर्ति

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) आ के० सा० प्रभाकरन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निदेश सं० 82/अगस्त 84/रेंज-11—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० 4, बालमुत्तुकुण्ण स्ट्रीट, है, जो टी० नगर, मद्रास  
17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 1047/  
84 में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

भूमि और मकान :—न० 4, बालमुत्तुकुण्ण स्ट्रीट, उत्तर  
टी० नगर/दीटी० नगर/लेख सं० 1047/84।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

आध: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

29—56 GI/85

दिनांक : 8-4-1985

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस. -----

(1) श्री टी० के० राममूर्ति

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एन० के० शानि

(अन्तरिती)

भारत सरकार

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निदेश सं० 85/अगस्त 85/रेज-11—अन. मुझे, श्री. मसी  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15, दामोदर रेड्डी स्ट्रीट, है, जो टी० नगर मद्रास-  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, लेख सं० 1033/  
14 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों), और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—15, दामोदर रेड्डी स्ट्रीट, टी० नगर,  
मद्रास-17 टी० नगर, लेख सं० 1033/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-11, मद्रास

दिनांक : 8-4-1985

मोहर :



प्ररूप. अरई. टी. एन. एस्. - - - - -

(1) श्री आर० के० मनुलाल और अन्यो ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एन० मेहरन्निसा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मस, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निदेश सं० 86/अगस्त 84/रेंज-11—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 14, गिरियप्पा रोड, टी० नगर, है, जो टी० नगर में स्थित है (और इसने उाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 1024/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वंश प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

**[क]** अन्तर्गत है इस किसी नाम की शेषतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कनी करने या सबसे नबने में सुविधा के लिए; और/वा

**(ख)** ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की बिना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ज़बोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 14—गिरियप्पा रोड, टी० नगर मद्रास टी० नगर लेख सं० 1024/84 ।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-11, मद्रास

दिनांक 8-4-85

मोहर

प्रकाश बाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री ए० सी० श्रीनिवासन और ए० सी० रंगराजन  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राधाकृष्णन

(अन्तररती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

निवेश सं० 88/अगस्त 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है, जो टी० नगर, मद्रास-17 में स्थित है (और  
इसमें उपबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 991/84 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
अगस्त 1984,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अन्तररती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
बावत में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; बाई/बा(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भक्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
की प्रयोजनार्थ अन्तररती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेपकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान : 39, पिजाल सुब्रह्मण्यन् रोड, टी० नगर,  
मद्रास-17 टी० नगर लेख सं० 991/84।एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 8-4-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री एम० जी० कृष्णन और श्री एन० रामचन्द्रन  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री एन० कृष्णमूर्ति  
(अन्तरिस्ती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करना है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त अधिनियम के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निवेश सं० 89/अगस्त 84/रेंज-11—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे।और जिसकी सं० डोर नं० 3, हिंदी प्रयाग सबा रोड, है, जो  
टी० नगर, मद्रास-17 में स्थित है (और इसका उपाबद्ध में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
टी० नगर, लेख सं० 956/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यक्  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अन्तर्गत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके सम्यक् प्रतिफल से, ऐसे सम्यक् प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
रिती (अन्तरिस्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया  
यका प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुए किसी अन्य की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सहायता के लिए;भूमि और भूकान:—डोर नं० 3, हिंदी प्रयाग सबा रोड,  
टी० नगर, मद्रास-17 टी० नगर लेख सं० 956/84।एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-11, मद्रासअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा 11  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—दिनांक : 8-4-1985  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्री जे० मधुरम और अन्यो

(अन्तरक)

2. श्रीमती हुमनय बीबी अल्ता हुमैरा मुहम्मद अली।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 92/अगस्त 84/रेंज—II—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आर० एस० नं० 3584/29, है, जो मैलापुर मद्रास-4 में स्थित है और इससे उपाखण्ड में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 1085/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी बात की आवृत्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में उद्दिष्ट के लिए; और या/

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के बर्ज़न के लिए कार्रवाई करा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्ज़न के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान —मैलापुर/आर० एस० नं० 3584/29, मैलापुर-लेख सं० 1085/84 मद्रास—4।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 8-4-1985

• मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

1. श्री पी० एम० पार्थसारथी

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला शंकरनारायणी

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निदेश सं० 97/अगस्त 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो पेरुमालपुरमट्ट, मद्रास-28 में स्थित है और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर-लेख सं० 1172/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

भूमि और मकान --डोर नं० 1 क्रेसंट एवेन्यू केशवपेरुमल-पुरम, मद्रास-28, मैलापुर लेख सं० 1172/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 8-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज; II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 98 अगस्त 84/रेंज-II-अतः मुझे श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 74 है, जो अभिरामपुरम, मद्रास-18 में स्थित  
है (और इससे उपाद्ध में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर लेख सं० 1157/84  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ई० बलरामन

(अन्तरक)

2. कुमारी चित्रा रत्नश्री गेकर और अन्यो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है;  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि :—डोर नं० 24 और 25 के पीछे I स्ट्रीट अभिरामपुरम  
मद्रास-18 (3 जी आर और 1290 वर्ग फीट) मैलापुर लेख  
सं० 1157/84 ।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 9-4-1985

मोहर :

व्यवस्थापक, टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, 9 अप्रैल 1984

दिनांक सं० 9/अगस्त 84/रेंजII—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 44, III मेईहैन रोड, आर० ए० पुरम है, जो  
मद्रास में स्थित है (और इसमें अनुसूची उपाखण्ड में और पूर्णरूप में  
है, वर्णित रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर/लेख सं०  
1139/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि मर्यादित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरांश) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
सम्पत्ति के रूप में प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
30—56 GI/85

1. श्रीमती आर० काल्यगम

(अन्तरक)

2. श्री टी० लक्ष्मीनारायणन और एलवि शिलाक्षी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोधितता के साथ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान — सं० 44, III मेईहैन रोड, आर० ए० पुरम,  
मद्रास—मैलापुर—लेख सं० 1139/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 9-9-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निदेश सं० 100/अग्रस्त 84—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०एस०नं० 4244/2, और 4244/1,  
है, जो लेख सं० 1122/84 की रोडूल में दी हुई संपत्ति  
सं० में स्थित है (और इससे उपावद्ध से और पूर्ण रूप से  
वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर  
लेख सं० 1122/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16 के अधीन 16) अग्रस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तबिक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यतिरिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बैंक सेक्रेटरी टी०एन० मुत्तुकृष्णन् स्टेट  
बैंक आफ इंडिया,  
मद्रास  
सर्किल,  
सुपर्वीनिंग,  
स्टाफ कोऑपरेटिव बिल्डिंग,  
सोसायटी न० एन०सी०-509,
2. श्री टी० एस० बालकृष्ण शास्त्रिगल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि लेख सं० 1122/84 की रोडूल में दी हुई संपत्ति  
मैलापूर/लेख सं० 1122/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 9-4-1985  
मोहर :



प्रारूप आई. टी. एन. एस. #-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 अप्रैल 1985

निदेश सं० 101/अग्रस्त 84/रेंज-II-अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2, द्वारका कालनी है, जो मैलापुर, नदाम-4  
में स्थित है (और इससे उपावस में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, लेख सं०  
1116/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधिन 16 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती आर० गजलक्ष्मी और  
अन्यों।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वी० इन्द्रावति।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 12, द्वारका कालनी (त्रिन्वावन स्ट्रीट,  
मैलापुर, मद्रास 4, मैलापुर लेख सं० 1116/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख 4-4-1985  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री डी०ए० मणियन् ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पद्मावति रंगराजन ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 9 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 3/अगस्त 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 51-बी वार्ड नं० 20, ए०एस० एस०  
टी० नं० 578 है, जो में स्थित है (और इससे उपाय  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय उद्गम लेख सं० 667/84 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन) 16  
अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी काम की बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बावजूद  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, के उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

लेख सं० 667/84 की शेडूल में दी हुई संपत्ति उद्गम/  
लेख सं० 667/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 9-4-1985

मोहर

राज्य नार्ड, टी. एन. एच. नं०-----

(1) श्री गणेशन और रविचंद्रन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मुहम्मद यूसुफ।

(अन्तरक)

सहायक आयकर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

(क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निर्देश सं० 117/अगस्त 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
 एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) बिना इसके  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/-रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० गत्पा विलुप्पुरम् भीमनायकन गार्डन  
 बालकृष्णनाथन स्ट्रीट है, जो विलुप्पुरम् में स्थित है (और  
 इसमें उपावृत्त में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
 अधिकारी के कार्यालय विलुप्पुरम् लेख सं० 15/8/80 में  
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन 16 अगस्त 1984

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
 है।

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का पंद्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
 और वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

अनुवृत्ति

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 उद्योगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
 के लिए;

भूमि और मकान—गत्पा विलुप्पुरम्, भीमनायकन गार्डन,  
 विलुप्पुरम् लेख सं० 1518/84।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-4-1985

मोहर

प्रमुख आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास दिनांक 9 अप्रैल 1985

निदेश, सं० 123/अगस्त 84/रेंज-2—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० समुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बेंकटस्वामि रोड है जो आर०एम० पुरम  
में स्थित है (और इसमें उपावस में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख  
सं० 3452/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री प्रफुल सैपाल ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स लाईसु विल्डर्स और  
लाई डेवलपर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में पेशीय व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

भूमि : पश्चिम बेंकटस्वामि रोड, उत्तर, आर०एम० पुरम  
कोयम्बतूर, न्यू डी०एम० 203.204 कोयम्बतूर, लेख सं०  
3452/84 ।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री टी० पी० कुर्बान बीबी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० पी० गणेशन और अन्यो

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल, 85

निर्देश सं० 126/अगस्त 84/रेंज 2—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामूवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो कुरिय्यी गांव, गोयम्बटूर तालूक  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर  
लेख सं० 3337/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
(1908 1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—कुरिय्यी गांव, कोयम्बटूर: कोयम्बटूर  
लेख सं० 3337/84।

एम० सामूवेल  
सूक्ष्म प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 9-4-85  
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल, 85

निर्देश सं० 140/अगस्त 84/रेंज 2—अन: मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

र जिं सकी सं० आर० एम० नं० 406, 14, कलकट्ट  
डोर नं० 25 है जो लेख सं० 127/84 की शेड्यूल में दी हुई  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, शंकरालि-  
लेख सं० 127/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त 84

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की और नूतने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के  
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्रीमती ई० के० सरस्वती अम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री मुहम्मद सबीर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कामवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति की अर्जन के संबंध में कोई बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुप्राण

लेख सं० 127/84 की शेड्यूल में दी हुई संपत्ति-  
शीकोलि।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 9-4-1985

कोई

प्रकृष आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री के० एम० नटराजन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० पी० रामस्वामी और अन्यो

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करा हों।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल, 1985

निदेश सं० 149/अग्रस्त 84/रेंज- —अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है जो, तेलमपालयम् गांव नल्लूर तिरुप्पुर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्पुर  
लेख सं० 1338/34 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अग्रस्त 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

भूमि :—नल्लूर; तेलमपालयम् गांव, तिरुप्पुर तिरुप्पुर—

लेख सं० 1338/84

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—  
31—56 GI/85

तारीख : 9-4-85

ओर.

प्रकृष बाबू. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अप्रैल, 85

निर्देश सं० 116/अगस्त 84/रेंज 22—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तिरुवायुत्तूर गांव है, तथा जो विलुप्पुरम् ठोन में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विलुप्पुरम् लेख  
सं० 1672/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छेपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माणिक गौडर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुहम्मद याहूब राबुत्तर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि : तिरुवायुत्तूर गांव, विलुप्पुरम् विलुप्पुरम् लेख सं०  
1672/84।

एम० सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 11-4-1985

मोहर



प्रकाश बाई, टी. एन. एल.

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निदेश सं० 118/8/84—अतः मुझे, श्रीमती एम०

सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी० नं० 32, वाडें नं० 4 है जो तिरु-  
वायसूर गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
विलुप्पुरम् लेख सं० 1626/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
वर्द्ध प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के समित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के संबंध में :-

(1) श्री हमीद हुसैन और दूसरे।

(अन्तरक)

(2) श्री मुहमद हनीफा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाजोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-डोर नं० 32, वाडें नं० 4, तिरुवाय-  
सूर गांव, विलुप्पुरम् लेख सं० 1626/84।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

प्रकाशक बाई.टी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

नगरपालिका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निदेश सं० 141/अगस्त 84—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो बुवनगिरी, चिदम्बरम् में स्थित  
है (और इससे उपायुक्त में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिदम्बरम् लेख सं०  
2284/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
प्राप्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शुशीला और  
श्री गोविंदराजु नायडु।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० वासुगी और  
श्री के० पारिवल्लल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रामाणिकता के पास  
सिद्धि में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान : खीरपालयम् गांव एस० न० 79/7,  
0, 11, 79/11, 0.10, 79/12. 0.04 एड 79/16.1.  
76 बुवनगिरी चिदम्बरम् तालुक चिदम्बरम् लेख सं० 2284/84

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 9-4-1985

मोहर p

प्रकृष आइ.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती सबूर्ण लम्माळ और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० सुब्रमण्यम्।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निदेश सं० 146/8/84—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुवेल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है जो कुम्बकोणम् में स्थित है (और  
इसमें उपावृद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, कुम्बकोणम् लेख सं० 1913/84 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 16 अगस्त 1984को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—टी०एस० नं० 1424, टी नं०  
5051, कुम्बेश्वरर नार्थ स्ट्रीट, कुम्बकोणम्, कुम्बकोणम्,  
लेख नं० 1913/84।एम सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 9-4-1985

मोहर

रक्ष्य मार्ग टी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अप्रैल 1985

निदेश सं० 147/8/84—अतः मुझे, श्रीमती एम०  
सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो मेलकावेरी में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, मेलकावेरी लेख सं० 1868  
1869/84 कुम्बकोणम् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम।  
1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० वेंकटरामणि और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० अहमद मरैकायर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्चन के लिए  
कार्यवाहियां कइता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्भन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

**बन्धुत्व**

भूमि और मकान—टी०एस०नं० 263, डोर नं० 65,  
5 वाड, नागेश्वरन् सामि कोइल स्ट्रीट, मेलकावेरी, कुम्ब-  
कोणम् कुम्बकोणम् लेख सं० 1868 और 1869/84।

एम० सामुबेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 9-4-1985

मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री एम० आर० रवी व्रन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए०के०सी० राजगोपालन् और  
श्री सी० करुणानिधि ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 10 अप्रैल 1985

निवेश सं० 158/अगस्त 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4थ वार्ड, यू ब्लॉक न० 70, है, जो  
तंजावूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तंजावूर  
लेख सं० 1404/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,  
गोप्यता

बदवृत्ति

भूमि और मकान-4 वार्ड, यू ब्लॉक न० 70, सर्वे  
न० 26, ब्लॉक "ए" 7ए और 8, तंजावूर 4।

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों  
के विन्दु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 11-4-1985

मोहर :-

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्रमुख बाइं दी एन. एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० 164/अगस्त 84/रेंज-2—अतः मुझे श्रोत ी

एम० सामुबेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो पांडिच्चेरी में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, पांडिच्चेरी विलेख सं० 1965/84 में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों  
की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए :-

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री वी० मणिक्क स्वामि और कमला ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनदा आनंद उमाचिगी  
और अन्यो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—13, अरोविंदा स्ट्रीट, पांडिच्चेरी,  
पांडिच्चेरी लेख सं० 1965 का 1984 ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख . 11-4-1985

मोहर :-

परूप आई.टी.एम.एस. -----

(1) श्रीमती एन० चंद्रन और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस०पी० मारप्पन् और हमारे ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० 172/अग्रस्त 84/रेंज-II--प्रतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है जो नेममम् में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-अधिकारी के कार्यालय, मत्तमंगलम् लेख सं० 1529/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अग्रस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के द्वाारा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से मासिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात् :—

32—56 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्जस्तोक्षरों के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि-खेतो-इस्करे, नेममम् गांव, मत्तमंगलम् । लेख सं० 1529/84 :

एम सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 11-4-1985

सोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती सुब्बुलक्ष्मी अनैयास नवमणि ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम०एम० मोहनकृष्णन् ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्यों वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० 173/अग्रस्त 84/रेंज-II--अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि खेती बरदम्पालयम् है जो में  
स्थित है (और इससे उपावृद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मय्यमंगलम् लेख  
सं० 1550/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन अग्रस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित  
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारित्व में कमी करने या उधसे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-बरदम्पालयम् मय्यमंगलम् लेख सं०  
1550/84।

एम सामुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

तारीख : 11-4-1985

मोहर :



प्रथम भाग.टी.एन.एस. -----

(1) श्री आर० नारायण अय्यर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० श्रीनिवासनायडु ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 176/अगस्त 84/रेंज-I—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिशेषाः करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान है, जो किल्लकलानूर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
तिरुतुरैवूण्डी लेख सं० 1372/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास है,  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित के  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) इस किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा स्थावर के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—किल्लकलानूर, तिरुतुरैवूण्डी/लेख सं०  
1372/84 ।

एम० सामुबेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 11-4-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयुक्त

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अप्रैल 1985

निदेश सं० 177/अगस्त 84/रेंज II--अतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुबेल

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ऊंचलूर गांव है जो कोडुमुडी ईरोड में  
स्थित है (और इसका उपायद्वय अनुभवों में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रार-अधिकारी के कार्यालय कोडुमुडी लेख सं०  
715/84 में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908  
(1908 का 16 के अधीन 16 अगस्त 1984)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अनुरूप  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और न के यह विश्वास  
करने का कारण है कि अध्यापक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके समान प्रतिफल से, ऐसे समान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरिती) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि के वास्त-  
विक रूप से कायम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन एक बने के अन्तरक के हाथों में  
कभी कभी या कभी कभी के अधिभा के लिए;  
मार्ग/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य भागियों  
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति :-

(1) श्री करुण्डण गौडर ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० मारप्प गौडर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करा है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाद सिद्धि में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्मीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमति

भूमि--ऊंचलूर गांव, ईII रोड तालूक, कोडुमुडी/लेख सं०  
715/84 ।

एम० सामुबेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- , मद्रास

तारीख : 11-4-1985

मार्ग :-

प्रकरण बाई. टी. एन. एस. 3----

(1) श्री एम० गणेशन पी०बी० सुकुमार ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती निर्मला देवी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 179/अगस्त 84/रेज-IJ—अतः सुखे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड "डी" ब्लॉक 25 है, जो मेलक्कीरनूर  
स्ट्रीट, ईरोड टाउन में स्थित है (और इससे उपावद्ध में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, ईरोड लेख सं० 3058/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त  
1984 ।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथामूल्य संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय-पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूचित अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची

भूमि और मकान वार्ड डी ब्लॉक 25, मेलक्कीरनूर  
स्ट्रीट ईरोड टाउन ईरोड लेख सं० 3058/84 ।

एम० सामुवेल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग में अनुसरण  
के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 11-4-1985

मोहर

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 11 अप्रैल 1985

निवेश सं० 180/अग्रस्त 84/रेज-II—अतः मुझे, श्रीमती  
एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदनाम उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड 1, ग्रुप रोड ईरोड टाउन में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध स और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ईरोड लेख सं० 3006,  
3008 और 3009/84 में भागीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 ( 1908 का 16 ) के अधीन 16 अगस्त  
1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या आयों का या अन्य व्यक्ति  
का, जिसके भान्तर आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अन्तर्गत अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री आर० श्रीधरन  
और अन्यो।

(अन्तरक)

(2) श्री ई०पी० त्यागराजन  
और अन्यो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षे :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया  
गया है।

अनुसूच।

भूमि और मकान—रेविन्यू वार्ड 1, वार्ड 16, ग्रुप रोड,  
डी०न० 268 डी०एम न० 666/2, ईरोड टाऊन ईरोड  
लेख सं० 3006, 3007, 3008, 3009/84।

एम० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख 11-4-1985

माहुर :

**प्रत्येक बाईस टों एक सौ**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 11 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 187/अगस्त 84/रेज-7—अन मुझे, श्रीमती  
एम० समुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
(1) के तहत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० है, जो ईरोड में स्थित है (और इसमें  
उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय ईरोड लेख सं० 3059/84 में भागीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/वा

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एम०आर० चैकनिलिंगम।

(अन्तरक)

- (2) श्री एम०एम० मुरुगोबान्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्त :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाक्षरी के  
पास लिखित में कि वह जान बूझकर।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—वार्ड न० 24, बालमुन्नायुलुनायुडु  
स्ट्रीट, गांधीजी रोड, टी०एम०नं० 13/8/1325, डी०नं० 3,  
नरम्पट्टी गांव, ईरोड लेख सं० 30 9/84।

एम समुवेल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 11-4-1984

माहुर :

प्रकृ. आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

माध्यम सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-4/37/ईई-11804/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 502 है तथा जो 5वीं मंजिल, ए-विंग,  
इमारत नं० 2, "शांति पार्क", गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व),  
बम्बई में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-क, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रा-  
धिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच पूर्ण  
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धृत  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
व्यय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
रगत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची अन्तर्गत् अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाता चाहिए था, छिपाने के व्ययों  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब, के अनुसार  
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैमर्स नीलम डेव्हलतम्

(अन्तरक)

2. श्रीमती दस्मिन होमी दाखाला और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित  
रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के  
गम निश्चित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 502, जो, 5वीं मंजिल, ए-विंग, इमारत नं० 2,  
"शांति पार्क", गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/11804/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

गोहर :

प्रथम भाई.टी.पू.एस. -----

1. श्रीमती फतेना सत्तार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-क (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती नवलकुंवरबेन ओ० अवनानी और अन्य ।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० अई-3/37ईई/11778/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 है, जो दूसरी मंजिल, विंग-बी,  
इमारत नं० 2, "दामोदर पार्क", एल० बी० एम० मार्ग, घाटकोपर  
(प०), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम की दराना  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
जारी/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किण्व धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो दूसरी मंजिल, विंग-बी, इमारत नं० 2,  
"दामोदर पार्क", एल० बी० एम० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-  
86 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० अई-3/37ईई/11778/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
33—56 GI/85

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

## प्रकरण बाबू ए. टी. एन. ए. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

## सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11777/84-85—मत: मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 है तथा जो 6वीं मंजिल, विंग-ए, इमारत नं० 3, "दामोदर पार्क", एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. पारुल इंटरप्राइज

(अन्तरक)

2. श्री धार० के० पी० केसन और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, 6वीं मंजिल, विंग-ए, इमारत नं० 3 "दामोदर पार्क", एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11777/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

संहर :



प्रमाण आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/13060/84-85—प्रतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 है, तथा जो ग्राउंड फ्लोअर, ऋषभदेव इमारत, प्लॉट नं० 353-बी-25, बल्लभ बाग लेन एक्सटेंशन, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गौतम अर्जुन चौथानी और अन्य (अन्तरक)
2. श्रीमती प्रमिलाबेन मंगणलाल बीटाड़ा और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, ग्राउंड फ्लोअर, ऋषभदेव इमारत, प्लॉट नं० 353-बी-25, बल्लभबाग, लेन एक्सटेंशन, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13060/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर

प्रकट भाई. टी. एन. एन. - - - - -

(1) दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती शमीम इस्माइल खोत ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/13055/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) बिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 204, जो 2री मंजिल  
इमारत नं० 6, कपाडिया नगर सी० एस० टी० रोड,  
कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जा रहा है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या सबसे गहरे में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाव या किसी धन या अन्य जास्तिवां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 204, जो 2री मंजिल, इमारत नं० 6,  
कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला बम्बई-70 में  
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/13055/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

(2) श्री अब्दीन मोहनुदीन खोत ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/13054/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301 जो, 3री मंजिल इमारत  
नं० 6, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ली, बम्बई-70  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सूचना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य वास्तियों  
के विन्दु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सूचना  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं० 301, जो 3री मंजिल इमारत नं० 6,  
कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ली, बम्बई-70  
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/13054/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/13053/84-85—यतः, मुझे

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़मीन सं० प्लॉट सं० 101, जो, पहली मंजिल, इमारत  
नं० 6, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प), बम्बई-  
70 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दिपक बिल्डर्स प्राइवेट लि० ।

(अन्तरक)

(2) हुसैन खान दयाखान दलवी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितरक्ष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 101, जो, पहली मंजिल, इमारत नं० 6, कपाडिया  
नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित  
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13053/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/13052/83-84---अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, जो, दूसरी मंजिल, इमारत  
नं० 6, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प), बम्बई-  
70 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद  
में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) दिपक बिट्टर्स प्राइवेट लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्री दाऊद दयाखान दलवा और अन्य ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् स्थावर की पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो, दूसरी मंजिल, इमारत नं० 6, कपाडिया  
नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित में  
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13052/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

माहिर :

प्रकाशक: डी.ए.ए.ए.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

देश सं० आई-4/37ईई/13012/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 42, जो, प्लॉट नं० 65, न्यू वसंत  
अपार्टमेंट्स को० आप० हाउसिंग सोसायटी, गरोडिया नगर  
टाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक  
1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरक से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
राशि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ  
अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की अनुसरण  
के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ठक्कर ईश्वर धनजीदास ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरींदरपाल रामलाल जोशी ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां कइता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाबोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 42, प्लॉट नं० 65, न्यू वसंत अपार्टमेंट्स को०—  
आप० हाउसिंग सोसायटी, गरोडिया नगर, टाटकोपर, (पूर्व)  
बम्बई-400 077 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13012/84—  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) पारुल एण्टरप्रोजेज ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अणरफ उनीसा और अन्य ।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12022/84-85— अतः

मृ०, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो ग्राउण्ड फ्लोर, विंग-बी, इमारत, सं० 3, "दामोदर पार्क", एल० बी० एम० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामान आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवधान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मृ० यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ऋण या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

34—56 G1/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, विंग बी, इमारत नं० 3 दामोदर पार्क, एल० बी० एम० मार्ग घाटकोपर (प) बम्बई-86 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/12022/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर

प्रकरण भाग. टी. एन. एच. ----

(1) दिपक बिल्डिंग प्राइवेट लि० ।

(अन्तरक)

(2) रफिकयूनिता मोहम्मद सुमीन ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11932/84-85---प्रतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 004, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, इमारत  
नं० 16, कपाडिया नगर, सी० एम० टी० रोड, कुर्ला (प०),  
बम्बई-70 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वारारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब तक नया  
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुबन्धों से उक्त अन्तरण निश्चित  
के वास्तविक रूप से स्वीकृत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्ययत्व  
में कमी करने या उपायुक्त बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 004, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, इमारत नं० 16,  
कपाडिया नगर, सी० एम० टी० रोड, कुर्ला (प०), बम्बई-70  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/11932/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,  
समक्ष प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, बम्बई

नतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
न, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिद्वि :-

दिनांक : 12-4-1985  
मोहर :



प्रत्यक्ष बाईं: टी. एम्. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/12082/84-85--अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 301, जो, तीसरी मंजिल, इमारत  
नं० 5, कपाडिया नगर, सी० एम० टी० रोड, कुर्ला (प),  
70 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यापक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्री जाफर अली रमजान अली मुश्तादम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बदुनिसा अब्दुल कादीर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो, तीसरी मंजिल, इमारत नं० 5, कपाडिया  
नगर, सी० एम० टी० रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/12082/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्जित :-

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :-

प्रत्येक भाई टी. एच. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11931/84-85---प्रतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 24  
कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प) बम्बई-70  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मुख्य  
प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बिल्कीस अब्दुल समद दलवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 401, जो 4थी मंजिल, इमारत नं० 24, कपाडिया  
नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/1193-1/84  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

**प्रथम भाग टी.एम्.एस.-----**

राज्यकर अधिनियम 1981 (1981 का 43) की धारा  
269-ब(1) के पथान सूचना

भारत सरकार

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/12078/84-85---अत

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट न० 11, जो, बन्द स्मृती को० आ०  
हाउसिंग सोसायटी लि०, वल्लभ बाग लेन, घाटकोपर, बम्बई-  
77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), और जिसका ब्यारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाया या वा किया जाना चाहिए या, डिबाले में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आशावेत चन्द्रान पारेख और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री मणिलाल सुरजी शहा और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहृतकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
जाया है।

**अनुसूची**

फ्लैट न० 11, जो, बन्द स्मृती को०-आप० हाउसिंग  
सोसायटी लि०, वल्लभ बाग लेन, घाटकोपर, बम्बई-77 में  
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/12078/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक

12-4-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री मोहम्मद सलीम ।

(अन्तरक)

2 श्री शहीद हुसैन करम हुसैन और अन्य ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/12081/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 106 है तथा जो पहली  
मंजिल इमारत नं० 12, कपाडिया नगर, सी०एम०टी० रोड,  
कुर्ला, बम्बई में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधिन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है  
दिनांक 1-8-84,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा पपा प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक  
रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के  
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 106, जो, पहली मंजिल, इमारत नं०  
कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित  
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37/12081/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

(1) श्री रामेश्वरदास सी० अग्रवाल ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स इंटेलिजेंस बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13103/84-85—अनः सुते,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 301, जो, एच० नं० 1, विलेज  
कोले कल्याण, कालीना, बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक  
1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वर्तमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे वर्तमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरिस्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वजह, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिबों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एस० नं० 301, जो, एच० नं० 1, विलेज कोले कल्याण,  
कालीना, बम्बई-55 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13103/84-  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
की रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

- (1) श्री रामेश्वरदास सी० अग्रवाल,  
(अन्तरक)  
(2) मेसर्स गोल्डन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13104/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 300, जो, एच० नं० 17, विलेज  
कोले कल्याण, कालीना, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक

1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
बन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
रूप में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण के द्वारा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित हूँ—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के निम्न  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

एस० नं० 300, जो, एच० नं० 17, विलेज कोले कल्याण  
कालीना, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13104/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती मिराबेन जो. कुवाडिया और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री पो. एन. टोलीया और अन्य ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11583/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट ० 15, जो, दूसरी मंजिल, महावीर  
ज्योत सी-13, वल्लभ बाग लेन, एक्सटेंशन, घाटकोपर (पूर्व),  
बम्बई-77 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
35—56 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहस्रहस्ताक्षर

फ्लैट न० 15, जो, दूसरी मंजिल, महावीर ज्योत सी-13,  
वल्लभ बाग लेन एक्सटेंशन, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में  
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र सं० आई-3/37-ईई/11583/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

प्रमाण आदि के लिए

(1) श्री राम कुमार वर्मा और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती रूनु मोनोमोहोन सिरकर।

(अन्तरिती)

अथवा 269-घ के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11590-ए/84-85--अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति निम्नलिखित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो, शंकर कुंज, असल्फे (हिमालय सोसायटी के बाजू में, घाटकोपर, बम्बई-84 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय माया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अर्जित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम में अर्जन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कोई गणना या उपाबद्ध नहीं किया गया है और/या

(ख) एसी विधि को लागू करने या अन्य आस्तियों को, जिनके अधिनियम आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था विधानों में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्ति को, अर्थात् :--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10, जो, शंकर कुंज, असल्फे (हिमालय सोसायटी के बाजू में), घाटकोपर, बम्बई-84 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11590-ए/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :



प्रकृष आइ. टी. एन. एस - - - - -

(1) जो रामनन्द तारागम और ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) जो सुशम पञ्चागम और ।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/12096/84-85—अत मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० ए-59, जो, 4थी मजिल, सिबा  
इण्डस्ट्रियल वर्कर्स हाउसिंग सोसायटी, अमृत नगर के पास,  
घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका बरातनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक  
1-8-1984,

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बरात :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के लिए मैं को आई. टी. एन. एस. - - -

(क) इस सूचना के संप्रसारण में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि में संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों को सूचना देना होगा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के अन्तर में सूचना देना होगा।  
जिसे सूचना देना होगा।

स्पष्टीकरण:—इस सूचना के अन्तर्गत सूचना देने का, जो उक्त  
सूचना के अन्तर्गत सूचना देने का, जो उक्त  
है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० ए-59 का 4थी मजिल सिबा इण्डस्ट्रियल वर्कर्स  
हाउसिंग सोसायटी, अमृत नगर के पास घाटकोपर (प), बम्बई-  
86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/12096/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक 12-4-1985  
मोहर :-

प्रकृष बाई, टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

साउथ सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/12073/84-85--अतः सुमे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 26-ए, जो, इमारत नं० 10, पहली  
मंजिल, हैप्पी लार्ड्स को० आप० हार्डिंग सोसायटी लि०,  
प्लॉट नं० 100, टी० पी० एस० नं० 3, तिलक रोड, घोटकोपर  
(पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यक्रम में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मधाराम जी तनवानी । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स दिव्या महेशकुमार गोडा और  
मेसर्स महेशकुमार एच० गोडा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
याव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 26-ए, जो इमारत नं० 10, पहली मंजिल,  
हैप्पी लार्ड्स को० आप० हार्डिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 100,  
टी० पी० एस० 3, तिलक रोड, घोटकोपर (पूर्व), बम्बई-77  
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/12073/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985  
मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं. अई-3/37-ईई/12044/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० एस-2, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर,  
प्लॉट नं० 13, सी० टी० एम० नं० 18, सर्वे नं० 99,  
हरियाली विलेज, एल० बी० एम० मार्ग, विक्रोली, बम्बई में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 43 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स डी० के० बिल्डर्स एण्ड एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स डिगीविशन इलेक्ट्रानिक्स (प्रायवेट) लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

यूनिट सं० एस०-2, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, प्लॉट नं० 13,  
सी० टी० एम० नं० 18, और सर्वे नं० 99, (अश), हरियाली  
विलेज, एल० बी० एम० मार्ग, विक्रोली (प), बम्बई-83 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/12044/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री नरेन्द्र जे० देशी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नागरदास जी० मेहता और  
श्रीमती प्रभावती नागरदास मेहता ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-37-ईई/11935/84-85--प्रत. मझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 19, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, कैलास  
निवास नं० 1 इमारत, प्लॉट नं० 353/4ए, आर० बी० मेहता  
मार्ग, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाधुद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका बरारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, दिनांक  
1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किमा जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 19, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, कैलास निवास नं० 1  
इमारत, प्लॉट नं० 353/4ए, आर० बी० मेहता मार्ग, घाटकोपर  
(पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/11935/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

**प्रत्यक्ष बाई-टी एच एच-----**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/11907/84-85-अन. मुं०,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कल्लज है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 64, जो, 11वीं मंजिल, सवानी अपार्टमेंट, महात्मा गांधी रोड, रजवाडी नाका, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई-77 से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का इन्हीं प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री दिलीप कुमार कल्याणजी, ए. व. टी. एण्ड मनेजर ऑफ एच० यू० एफ० ऑफ दिलीपकुमार कल्याणजी ।

(अन्तरक)

(2) श्री भरत हिरालाल शहा और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचने के लिए कार्यवाहियां करवा हूं।

उक्त संपत्ति के बचने के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**सूचीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट नं० 63, जो, 11वीं मंजिल, सवानी अपार्टमेंट, महात्मा गांधी रोड, रजवाडी नाका, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई-77 से स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/11907/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) श्री चित्तरंजन शर्मा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जाली एस० दाम और अन्य ।

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/11894/84-85---अनः मुजे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) - (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन बिलेज निरंदास में, जो, दुर्गा निवास  
प्रिमायसेस बेयरिंग सी० एस० टी० नं० 32, "भवानी टावर"  
इमारत, फ्लैट नं० 1, 5वीं मंजिल, बम्बई में स्थित है (और  
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
कारणनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, दिनांक 1-8-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जात, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन बिलेज निरंदास में, जो, दुर्गा निवास प्रिमायसेस  
बेयरिंग सी० एस० टी० नं० 32, "भवानी टावर" इमारत,  
फ्लैट नं० 1, 5वीं मंजिल, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11894/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रकरण बाई-टी एन. एस.-----

(1) श्री चित्तरंजन शर्मा ।

(प्रस्तुत)

(2) श्रीमती रमाणी विजयन पिल्लै ।

(प्रस्तुति)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

## आवृत्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

\* निदेश सं० आई-3/37-ईई/11906/84-85—प्रतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो दूसरी मंजिल, प्रशांत अपार्टमेंट  
एकस्टेंशन, विलेज तिरंदाक्ष, सर्वे नं० 43(अंश), सी० टी०  
एस० नं० 74 (अंश) और 75(अंश), आय० आय० टी० मेन गेट  
के सामने, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आय०  
अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-  
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक  
रूप में कौण्ट नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी बात की बाधित उक्त अधि-  
नियम के अधीन धर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवर्जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किन्हीं जाना जाहिण धा, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

36—56 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिव की अवधि, जो भी अन्तिम  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताधरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो, दूसरी मंजिल, प्रशांत अपार्टमेंट एकस्टेंशन,  
विलेज तिरंदाक्ष, सर्वे नं० 43, अंश, सी० टी० एस० नं० 74  
(अंश) और 75(अंश), आय० आय० टी० मेन गेट के सामने,  
बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/11906/84-4-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष बाध, डॉ. एन. एच.---

(1) श्री पी० एम० कंटक ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंगला सूर्यी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/11837/84-85—अतः मुझे

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी०/3, जे०, मोहन सदन को० आप०  
हाउसिंग सोसायटी, एम० जी० रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-  
77 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एतद् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में अधित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनाधिकारिता के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो तम अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
अधित्व में कमी करने या उसके बचन में परिवर्धन  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
लक्ष्य के लिए;

फ्लैट नं० बी०/3, मोहन सदन को० आप० हाउसिंग सोसायटी,  
एम० जी० रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/11837/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधाई :-

दिनांक : 12-4-1985

मोहुर :



प्ररूप आई.टी.एन. एच.-----

(1) श्री पुरुषोत्तम नरसी चंदन ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स विकी टैक्सटाईल्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना .

**भास्त सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/11821/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 136, जो, "बी" ब्लाक, पहली मंजिल, घाटकोपर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, आफ एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), /और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कटौत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संघर्ष के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के मात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्णों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

यूनिट सं० 126, जो, "बी" ब्लाक पहली मंजिल, घाटकोपर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, आफ एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प) बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि आ० सं० आई-3/37ईई/11821/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 1-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11773/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 14, जो, तीसरी मंजिल, "माधव कुटीर", प्लॉट नं० 3, सर्वे नं० 92, आफ 7वां रास्ता, रजवाडी, विद्या विहार, बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि या सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी नामा जाहिए या जमाने में सुविधा के लिए;

प्राप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मेसर्स डे० एच० इटरप्राईज ।

(अन्तरक)

(2) श्री हर्षवराय प्रजाराय रनपूरीया ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 14, जो, तीसरी मंजिल, "माधव कुटीर", प्लॉट नं० 3, सर्वे नं० 92, आफ 7 वां रास्ता, रजवाडी विद्या विहार, बम्बई-77 में स्थित है ।

अनुसूची असा कि सं० आई-3/37-ईई/11773/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर

प्रकाश आई. टी. एन. एच. - - - - -

(1) श्री विनोद केशवलाल शहा ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रफूल उरुमचन्द अवलानी ।

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/11687/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 16, जो, तीसरी मंजिल, इमारत  
"जय शिल्पम" बो०आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं०  
22, संधानी इस्टेट, मगादेदी लेन, घाटवोपर (प), बम्बई-86  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961  
की धारा 26 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
शामल गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो-  
गो, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्बाद :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची .

फ्लैट नं० 16, जो, तीसरी मंजिल, इमारत "जय शिल्पम"  
बो०—आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 22, संधानी  
इस्टेट, गामदेदी लेन, घाटवोपर (प), बम्बई-86 में स्थित  
है ।

अनुसूची जैसा कि अ० सं० अई-3/37-ईई/11687/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-  
1 84 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985  
मोहर :-

प्रश्न नम्बर टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/11646/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 302, जो, तीसरी मजिल, ए-विंग  
हितेश अपार्टमेंट्स, होमगार्ड्स पेन्नेविलन के बाजू में, अमल्के विलेज,  
घाटकोपर (प), बम्बई-84 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)/और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक  
1-8-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के  
वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तव्य  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती हमीदा बानू हाजी हुसैन अल्लाना  
(अन्तरक)

(2) श्री हुसैन महमूद परकार ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 302, जो, तीसरी मजिल, ए-विंग, हितेश  
अपार्टमेंट्स, होमगार्ड्स पेन्नेविलन के बाजू में, अमल्के विलेज,  
घाटकोपर (प), बम्बई-84 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11646/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-  
84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

माहूर ७

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11645/ए/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे न० 295, एच. न० 4 (अग्र), सिटी  
सर्वे न० 4950बी और 4950बी/1, कोले कल्याण कालीना,  
सांताक्रुज, बम्बई-98 में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-  
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-  
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भवन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रत्नवानूल्लाह जे० चौधरी

(अन्तरक)

(2) श्री अन्थोनी जोसेफ पल्तायू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सर्वे न० 295, एच० न० 4 (अग्र), सिटी सर्वे न० 4950  
बी, और 14950बी/1, कोलेकल्याण कालीना, सांताक्रुज (पूर्व)  
बम्बई-98 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/11645-ए/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहुर :

प्रत्युक्त बाई, टी. एन. एस. - - - - -

(1) श्री कैलाश श्रीराम त्रिपाठी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रमेश गुणवन्तराय दवे और अन्य ।

(अन्तरिती)

## घाटुत बरकात

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11623/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 20, जो, जय सावित्री इमारत, जय  
सावित्री को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 353बी,  
8 और 9 बल्लभ बाग लेन, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269 कख के अर्वाह बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सावित्त्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 20, जो, जय सावित्री इमारत, जय सावित्री  
को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 353बी, 8 और  
9, बल्लभ बाग लेन, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित  
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/11623/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) के०एल० सेहगल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती कौशल्या देवी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13080/83-84—अतः सुके,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० ब्लांक नं० 4, जो, गुरुमुख सदन, चेंबूर  
कॉलोनी, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 1 अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और नूतने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसके में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरक न हुआ कि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उसके बचने में सूत्रिणा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के उपबन्धनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूत्रिणा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
37—56 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

ब्लांक नं० 4, जो, गुरुमुख सदन, नित्यानन्द बाग के  
पास, चेंबूर कॉलोनी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं०-आई-3/37-ईई/13080/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985  
मोहर :

प्रकरण आई.टी.ए.ए.ए.ए.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई 3/37 ईई/13117/83-84—अतः मुझे,  
ए प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 30-ए/8, जो, तीसरी मंजिल नवजीवन बो-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, माहूल रोड, चेंदूर, बम्बई-74 में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारागार आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का बम्बई प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक में कोई किसी बात की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के स्थिति में कोई करने या उक्त करने में धोखा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भारतीय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में प्रयत्न के लिए;

यस अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, तो उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री लक्ष्मीदेव एच० मंजिजा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गोपी के० कर्ना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यात्मस्थायी के नाम लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 30-ए, जो, तीसरी मंजिल, नवजीवन बो-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, माहूल रोड, चेंदूर, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसावी क्र०सं० अई-3/37-ईई/13117/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985  
मोहर :



प्रथम भाग टी. एन. एच. - - - - -

(1) श्रीमती साया.एच. चावला ।

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर बाधुल्ल (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज 3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13014/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, इमारत नं० 8 ए, महात्मा  
गांधी नगर, चेंदूर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाधुल्ल  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 1 अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से अभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी लाभ की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तर्गत  
में कमी करने या उससे बचने में सूचना के लिए;  
मई/८५

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नाय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री अलेक्सांडर पेंड्रीक एम० लेविस  
और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो, इमारत नं० 8-ए, महात्मा गांधी  
नगर, चेंदूर, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी सं० अई-3/37-ईई/13014/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्राधुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज 3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री रामनारायण पी० मोरेवी  
और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री राजेन्द्र कुमार माधव  
और अन्य।

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11603/83-84—प्रतः सुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लट नं० 32, जो, इमारत नं० 3, बोर्ला  
को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, डा० कैथाराम गिडवानी रोड,  
खैरूर, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाय  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-  
नाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 1 अगस्त 1984,को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अनुरूप  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूद्र यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके स्वयंसेवक प्रतिफल से, ऐसे स्वयंसेवक प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कथी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय अन्तर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर-  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिएअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तक्षेप  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लट नं० 32, जो, इमारत नं० 3, बोर्ला को-ऑप०  
हाउसिंग सोसाइटी लि०, डा० कैथाराम गिडवानी रोड,  
खैरूर, बम्बई-71 में स्थित है।अनुसूची जैसाकि सं० आई-3/37-ईई/11603/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

अरूप आई. टी. एन. एस. - - - -

(1) श्री राजाराम आर० शिंदे ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आनंद एस० आग्ने ।

(अन्तरिती)

आइत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-8, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11619/83-84--अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 159, इमारत नं० 8, 4थी मंजिल, वेस्ट म्युनिसिपल वाटर पार्सि लाईन, नार्थ इमारत नं० 9, चेंबूर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए गए सर्वेक्षणों।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उच्च अर्जन में सुविधा के लिए; और/या

प्लॉट नं० 159, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं० 8, सहकार नगर, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

(ख) एसी किसी आय या वित्त की धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-3/37-ईई/11619/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार जो मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा :-

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-8, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(1) श्री अरुण भोरेश्वर बोडस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती विना कपूर  
और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11818/84-85—अत. सुभे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 1, जो, 1 ली मजिल, मकन्टाइल इमारत, डा० गिडवाती रोड, चेवूर, बम्बई-74 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय तारीख 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, जो दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित) और अन्तरित (अन्तरित)

के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया था कि, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण का अन्तर्गत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी अन्य या निम्नलिखित अन्य प्रवृत्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए; और/या

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के पक्ष में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 1, जो, पहली मजिल, मकन्टाइल इमारत, डा० गिडवाती रोड, चेवूर, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० अई-3/37-ईई/11818/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

पञ्चम भाग में दिये गए हैं।

(1) मेमर्स गुडचा विल्डर्न।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स पैटेल।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13130/84-85—अत. सूचे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० सर्वोप इंडस्ट्रियल गाला नं० 42, जो, ग्राउंड फ्लोअर, किंग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम०जी० रोड, गोरेगाव, प० बार्ड-62 में स्थित है। और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अंतरक के अंतरक में किसी कर या उस अन्तर्गत में सूचना

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के संबंध में भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 47) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिनका उचित बाजार मूल्य के लिए

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वये 20 न म परिभाषित हैं, उनके अर्थ उनके प्राथमिक अर्थ में समझे जा सकते हैं।

अनुसूची

सर्वोप इंडस्ट्रियल गाला नं० 42, जो, ग्राउंड फ्लोअर, किंग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम०जी० रोड, गोरेगाव (प०), बार्ड-62 में स्थित है।

अनुसूची के अन्तर्गत सं० अई-3/37-ईई/13130/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख 12-4-1985

माह

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूची में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती लक्ष्मीदेवी पी० भारतीया ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णकुमार जे० नेमाती ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13133/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, आशिप इमारत  
बांगूर नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-90 में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल लिम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
यह, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
38—56 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो, आशिप इमारत, बांगूर नगर,  
गोरेगांव (प०), बम्बई-90 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-3/37-ईई/13133/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985  
मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन. एच. —

(1) श्री प्रकरण पी० देसाई।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुरेश जी० पवार  
और अन्य।

(अन्तरिती)

सहायक आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11799/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिएकी सं० फ्लैट नं० 72, जो, इमारत नं० 8, पिरा-  
मल नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (और  
इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे  
व्यवमान प्रतिफल के बन्धु प्रतिफल से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिती) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से अधिक  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दाखिल में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तिकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके [पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए  
कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 72, जो, इमारत नं० 8, पिरामल नगर,  
गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-3/37-ईई/11799-ए/83-  
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 10-4-1985

कोहूर :



प्रश्न माह.टी.एन.एस.-----

(1) श्री भवानास जी० जोशी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पुष्पा एम० तलवार और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/13138/83-84--अतः मसौ, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे नं० फ्लैट नं० 67, जो, इमारत नं० 7, 5 व, मंजिल, न्यू पिरामल नगर को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि० एम०वी० रोड, गोरेगाव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका ब्यवसाय आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाय उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ब्यापक से दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी बाय या किसी धन या अन्य व्यक्ति को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की, अनुसूची में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

फ्लैट नं० 67, जो, इमारत नं० 7, 5वीं मंजिल, न्यू पिरामल नगर को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, एम०वी० रोड, गोरेगाव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० अई-3/37-ईई/13138/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्ट्रि किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-4-1985  
मोहर :-

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री लवंगिका दिलीप शहा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आरती हेमत विसनजी  
और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11642/84-85--अतः मझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट विलेज चिचोली और दिन डोशी सें,  
सर्वे न० 34 और 51, तालूका बोरिवली, गौरेगांव मलुड  
लिक रोड, गौरेगांव (पूर्व), बम्बई-53 में स्थित है। (और  
इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय से रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने की सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट विलेज चिचोली और दिनडोशी सें, सर्वे न० 34  
और 51, तालूका बोरिवली, गौरेगांव मलुड लिक रोड,  
गौरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनसूची जिसकी क्र०सं० अई-3/38-ईई/11642/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 12-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री नहार आसॉनिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) डा० मुकेश धनराज सहेलिया।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकी--

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13035/84-85---अतः मझे  
ए० प्रसाद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी न० दुकान न० 1-बी, जो, ग्राउंड फ्लोअर  
पूजा इमारत, माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई में स्थित है। (और  
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और  
जिनका काराखाना आयकर अधिनियम, 1961 को धारा  
269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे सम्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में लिखा जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 1-बी, जो, ग्राउंड फ्लोअर, पूजा इमारत,  
माहूल रोड, चेंबूर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० आई-3/37-ईई/13035/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 12-4-1985  
माहुर

एक नमूने की एक प्रतः—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं. आई-3/37-ईई/13131/84-85—प्रतः सभे,  
ए० प्रसाद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. सर्विस इंडस्ट्रियल गाला नं० 48, जो,  
प्राउड फ्लोअर, किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम०जी० रोड,  
गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है। (और इससे  
उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके समान प्रतिफल से, ऐसे समान प्रतिफल का  
एक प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी  
(अंतरिणीयों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए यह माना गया है कि  
उन विभिन्नलिखित कटौतों से उक्त अंतरक लिखित में प्रस्तु-  
तित रूप से स्थापित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तर्गत के बाविर  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी वस्तु या अन्य वास्तवों  
को, चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
अ, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1)  
के अधीन, विभिन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मेसर्स गुदेवा बिल्डर्स।

(प्रत्यक्ष)

(2) श्री श्री दुर्गाप्रसाद भगवतवाल।

(अन्तर्लिखित)

यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति में वर्जन को निम्न  
कार्यवाहियों करता है—

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों को किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से-  
बंद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 27-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सर्विस इंडस्ट्रियल गाला नं० 48, जो, प्राउड फ्लोअर,  
किरण इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम०जी० रोड, गोरेगांव (प०),  
बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र०सं० आई-3/37-ईई/13131/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-4-1985

मोहुर

प्रकरण बाई, टी. एच. सुब्बा —

(1) श्री नारायणदास दी० सबनानी  
और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मणिवरलाल दर्शनलाल आरोरा ।

(अन्तरिती)

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11738/84-85—प्रत. सुधे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, जो, इमारत नं० 14 नवजीवन सोसाइटी, चेंदूर, बम्बई में स्थित है। (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शक्ति के कभी करने या उचित करने में बाधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बाधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन में निम्न कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

फ्लैट सं० 14, जो, इमारत नं०  
चेंदूर, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी सं० अई-3/37-ईई/11738/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-4-1985  
नोहर :

प्रकट बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11705/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो, ग्राउंड फ्लोअर,  
ज्ञानेश्वरी बो-ग्रांप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, पेरु बाग, आरे  
रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है। (और इससे  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी०पी० केसवन।

(अन्तरक)

(2) श्री गद्दी जोगिंदर सिंग  
और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बम्बई

दुकान नं० 2, जो, ग्राउंड फ्लोअर, ज्ञानेश्वरी बो-ग्रांप०  
हाउसिंग सोसाइटी लि०, पेरु बाग, आरे रोड, गोरेगांव (पूर्व),  
बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची असाकी अ० सं० आई-3/37-ईई/11705/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 12-4-1985  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती स० सुक्रमणियन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुक्रमणियन कृष्णन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11844/84-85—अतः मुझे  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, आउंड फ्लोअर, इमारत  
सी, जीवन बहार को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि० प्लॉट  
122/130, 3 है रस्ता, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है  
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
39—56 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो, आउंड फ्लोअर, इमारत सी, जीवन  
बहार को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लॉट 122/130,  
3 है रस्ता, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी सं० आई-3/37-ईई/11844/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

माहूर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सड़का

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/12017/84-85—अत

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेकात् करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 604, जो, 6वीं मंजिल,  
पूजा, माहुल रोड, चेन्नई, बम्बई-74 में स्थित है, (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम, 1961  
की धारा 269 क, के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वर्तमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्लिखित की गई और मुझे यह निश्चित  
करने का कारण है कि वर्तमान सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से उसे वर्तमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है। अंतरक (अंतरको) और  
अंतरिती (अंतरितियों) को बीच ऐसे अंतरण के लिए तब बाधा  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावर्त, उक्त अधि-  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्ययत्व में कमी कर या उसमें बचने में सविधा  
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदत्त नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था डिपॉजिट में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

(1) तहार आसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) माया देवीराज रान ठाकुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 604, जो, 6वीं मंजिल, पूजा, माहुल रोड,  
चेन्नई, बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी सं० आई-3/37ईई/12017/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 1-4-1985

मोहर



अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/12090/84-85--अन: मधे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 6, जो, "कैलाश इंडस्ट्रियल इस्टेट", गणेश नगर, रामकृष्ण चेंबूरकर मार्ग, चेंबूर कॉलनी, बम्बई-74 में स्थित है। (और इससे उप बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मर्स ब्राइट वापरेणन।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स बालाजी इंटरप्राइज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाल. नं० 6, जो, "कैलाश इंडस्ट्रियल इस्टेट, गणेश नगर, रामकृष्ण चेंबूरकर मार्ग, चेंबूर कॉलनी, बम्बई-74 से स्थित है।

अनुसूची जैमाकी क्र०सं० आई-3/37-ईई/12090/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर ३

प्रकट आई. टी. एन. एन.-----

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं. आई-3/37-ईई/11706/84-85—अन. मने,

ए० प्रसाद,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. यूनिट नं० 212, जो, न्यू सतगर नजीक इंडस्ट्रियल इस्टेट, 498, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका सारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के कार्यालय में जारी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तवों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम०बी० थडानी।

(अन्तरक)

(2) श्री विन-फिट मन्यफक्चरींग कंपनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 212, जो, न्यू सतगर नजीक इंडस्ट्रियल इस्टेट, 498, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, गोरगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं. आई-3/37-ईई/11706/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर

प्रकृप आई.टी.एन.एम. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/12039/84-85---अतः मझे,  
ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 21, जो, ग्राउंड फ्लोअर,  
ज्ञानेश्वरी इमारत, आरे रोड, गोरगांव (पूर्व), बम्बई-63 में  
स्थित है। (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका कार्यालय आयकर अधिनियम,  
1961 की भारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स त्रिलोक कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोरीलाल हुनीचंद लूथरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 21, जो, ग्राउंड फ्लोअर, ज्ञानेश्वरी इमारत,  
आरे रोड, गोरगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० आई-3/37-ईई/12039/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 12-4-1985

मोहर

प्रथम भाग, टी. एन. एस. -----

(1) मेमर्स महेश इंडस्ट्रिज।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक नरहरी आपटे।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

नगर सहायक

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11964/83-84—अन: मुझे,  
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन न्यूनतम प्राधिकारी को, यह विवक्षा करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 22, जो, दूसरी मंजिल, अमर  
पाली इंडस्ट्रियल इस्टेट प्रिमायसेस को-ऑप० हाउसिंग सोसा-  
इटी लि०, राम मंदिर रोड, गोरगांव (प०), बम्बई-104 में  
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए बम्बई की यह है और यही यह विवक्षा  
करने का कारण है कि तथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच इसे अंतरण के लिए तब बाधा गया प्रवि-  
ष्ट, विम्बनिधित छद्मबोध से उक्त अंतरण निधित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की बाध, उक्त  
अधिनियम के अधीन यह करने के अनुसूची में उचित  
में कमी करने या उससे अर्जन में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्लिखी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 22, जो, दूसरी मंजिल, अमरपाली इंडस्ट्रियल  
इस्टेट प्रिमायसेस को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, राम  
मंदिर रोड, गोरगांव (प०), बम्बई-104 में स्थित है।  
अनुसूची जैमाकी क्र०स० अई-3/37-ईई/11964/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11613/84-85—अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट व्हिलेज चिचोली आर दीनडोशी में, सर्वे नं० 34 आर 51, तानुका बोरिवली, गोरेगांव मुलुंड लिंक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (और इससे 'उपावद्ध' अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमेश वाडीलाल मेहता और अन्य ।  
(ट्रस्टी आफ अमल फेमिली ट्रस्ट)  
और के० जी० ट्रस्टारिटर

(अन्तरक)

(2) श्री आरती हेमन विमलजी और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

## अनुसूची

फ्लैट व्हिलेज चिचोली और दीनडोशी में, सर्वे नं० 34 और 51, तानुका बोरिवली गोरेगांव लिंक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा क्र० सं० आई-3/37-ईई/11613/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई ।

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री गोरेप्रवर दामोदर कुबेर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती कमला मदानन्द

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11614/84-85—अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बरबात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, जो, 2री मंजिल "मिरा" इमारत, प्लॉट नं० 91,92 और 93, सेक्टर 4, छेडडा नगर, बम्बई-89, में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई 1-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं० 12, जो, 2री मंजिल, "मिरा इमारत, प्लॉट नं० 91,92 और 93, सेक्टर 4, छेडडा नगर, बम्बई-89 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/11614/-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक : 12-4-1985

मोहर

प्रत्यक्ष ब्राह्मण, टी. एन. एल. एल. एल.

(1) राजा बिल्डर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अन्तर्गत सूचना

(2) मैसर्स श्री राम स्टील फ़ैक्ट्री

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल, 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्रवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :-

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/11746/84-85-अतः मुझे  
ए० प्रसाद

इसके पश्चात् 1981 का अधिनियम 43 के अन्तर्गत  
269-ब के अन्तर्गत सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित आकार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० यूनिट नं० 82, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, राजा इंडस्ट्रियल  
इस्टेट, पुरुषोत्तम खेराज रोड एक्सटेंशन, नाहूर, मुलुड (प),  
बम्बई-80 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) और (जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 2, के अन्तर्गत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
धारा 269 में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आकार मूल्य से कम के सम्मान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि प्रभापूर्वक सम्पत्ति का उचित आकार  
मूल्य उक्त सम्पत्ति के उचित आकार मूल्य से कम के सम्मान  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब शर्तें तथा  
प्रतिश्रुति निम्नलिखित उद्देश्य के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट  
में वास्तविक रूप से की गई नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम में अधीन कर देने के अंतरक के दाखिल में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 43) के अन्तर्गत  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यह अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य करता हूँ :-

40—56 GI/85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों यह  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 82, जो, ग्राउन्ड फ्लोअर, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट,  
पुरुषोत्तम खेराज रोड एक्सटेंशन, नाहूर, मुलुड (प) बम्बई-80 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11736/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक 10-4-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सुरेश चन्द्र अगरवाल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अनीलकुमार देवकरन ठक्कर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11648/83-84—अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 22, जो 6वीं मंजिल, अंबे मैया  
अपार्टमेंट, डॉ० आर० पी० रोड, मुलुंड (प०) बम्बई-80 में  
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त सबों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 22, जो 6वीं मंजिल, अंबे मैया अपार्टमेंट, डॉ०  
आर० पी० रोड, मुलुंड (प०) बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/11648/83-  
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अधीन है—

तारीख : 10-4-1985  
मोहर :



प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री प्रेमचन्द हिरजी बिड़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मीबाई प्रेमजी माडा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की.  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक: 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11780/83-84---अतः ससे  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, जो, प्लॉट नं० 58/बी, श्री  
मलुंड अबेकृपा को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, अवेर रोड,  
मलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित है (और इसमें उपाय अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करानामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बावत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवर्जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
द्विदिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किये जा सकेंगे।

व्यवहार :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 11, जो, प्लॉट नं० 58/बी, श्री मलुंड अबेकृपा  
को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, मलुंड (प); बम्बई-80  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/11780/-  
83-84 और जो सक्षम प्रा. कारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्रांतिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीख: 12-4-1985

मोहर

रूप. आई. टी. एन. एड. - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन्ट रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11793/84-85—अन सूक्ष्म  
ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट न० 49, जॉ. आन्ती इंडस्ट्रियल इम्पेट  
एस० एन० राड, बी-विंग, ग्राउन्ड फ्लोर, बम्बई-80 में स्थित  
है। (और इससे उभावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के धार्यालय  
से रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भर्त्ते, यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथत्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्त-  
क अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनाथ अन्ताराली द्वारा प्रयोजित किया गया है  
या किया जाना चाहिए या किया जा रहा है।  
में निम्न;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित आस्तियों, अर्थात् :-

- (1) मैरी टिप्राबिल्लर (वामो) लिमिटेड लि०  
(अन्तरक)
- (2) मैन्स नेहल इंडस्ट्रिज।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही का गत है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की गयी है।  
45 दिन की अवधि या तत्समानधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 45 दिन का अवधि का अवधि  
अवधि बाद से समाप्त होती है। 1 और पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की गयी है।  
45 दिन की अवधि या तत्समानधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 45 दिन का अवधि का अवधि  
अवधि बाद से समाप्त होती है। 1 और पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की गयी है।  
45 दिन की अवधि या तत्समानधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 45 दिन का अवधि का अवधि  
अवधि बाद से समाप्त होती है। 1 और पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

### अनुसूची

युनिट न० 49, जॉ. आन्ती इंडस्ट्रियल इम्पेट  
एस० एन० राड, मलुड (ए) बम्बई-80 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई 3/37-ईई/11793/  
84-85 और या सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-84  
का रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी,  
कार्यालय सहायक आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन्ट रेज-3, बम्बई।

दिनांक 10-4-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष आर्थिक एन एल.-----

(1) राजा बिन्दु

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० ए०० द्वारानाथ

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 अप्रैल, 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/12074-ग/84-85 --अ.मुझे  
ए० प्रगादआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसका मूल्य निर्धारण 47 अंश, 1वीं भूमिका, राजा  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, एन एल. बाजार (एन एल.), नाहूर  
मनुड (1), बम्बई-80 में किया है। (अर्थात् 1-8-84 के अन्तर्गत सूचा  
से और पूर्ण रूप से निर्धारित है), और जिसका अन्तर्गत  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधिनियम  
1-8-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण हैकि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तविक धर्मो करण या उससे अन्तरण में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-  
अथवा किसी व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 47, 1वीं भूमिका, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट,  
पुनर्गठन बाजार (एन एल.) बाजार (1), बम्बई-80  
में स्थित है।अनुसूची नैमाति सं० नं० अई-3/37-ईई/12074-ग/-  
84-85 और ना क्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-84  
को राजपत्र में किया गया है।

(ए० प्रगाद)

नक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण),

अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक: 10-4-1985

मोहर:

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----2--

(1) मैसर्स इस्ला कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(अन्तरक)

(2) श्री आल्वाल्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-क (1) के अधीन सूचना

## आगत सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/12074/84-85--अत. मसे  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० प्लॉट नं० 12, जो, फाल्गुनी, लादीवाला बालुनी  
माडेल टाउन, बाल राजेश्वरी रोड, मुलुड (प), बम्बई-80 में  
स्थित है। (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और नूतने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित अनुसूची से उक्त अन्तरण सिद्ध हो  
हास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अनुसूची अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाता जाहिए था, जिन्हें न सुविधा  
के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अन्तरण  
में, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघर्ष के वर्चन के लिए  
कार्यवाही कराया है।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाद ६—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के  
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 12, जो, फाल्गुनी लादीवाला बालुनी, माडेल  
टाउन, बाल राजेश्वरी रोड, मुलुड (प), बम्बई-80 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० म० अई-3/37-ईई/12074/-  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक 12-4-1985

कोर ४

राज्य आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महामहक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/12013/84-85—अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे नं० 200 (अंश), यूनिट नं० 16, ग्राउन्ड फ्लोअर, सी० टी० एस० नं० 288, आग्रा रोड, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिस का करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मांस्तरियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री पी० एन० कोठारी

(अन्तरक)

(2) जेनिथ इटरप्रायजेस

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पी० एन० कोठारी इस्टेट, सर्वे नं० 200 (अंश), यूनिट नं० 16, ग्राउन्ड फ्लोअर, सी० टी० एस० नं० 288, आग्रा रोड, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37/12013/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

महामहक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अजन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक : 12-4-1985

मोहः

प्रत्यक्ष शास्त्र दंडी 131.

(1) आयाग एन० कोठारी

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) जेनिथ इट्रग्रायमेज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय महायुक्त आयकर यापुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निर्देश न० आई-3/37-ईई/12012/84-85—अन मुझे

ए० प्रपाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पड़ाने का अधिनियम कह दिया गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन 723, अधिकारी का यह विवरण करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

अ. सी. ग. नं० 4 जो ग्राउन्ड फ्लोर पी० एन०  
कोठारी इस्ट, सर्वे नं० 200 (अग्र), सी० टी० एस० नं० 288  
(आयागेज, माना, बम्बई-78 में स्थित है। (शोर हदों तथा  
वृद्ध में अंगूठे पूरे रूप में अंकित है।) और लिम्का कम्पनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 26, ब के अधीन बम्बई  
स्थित मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख  
1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और उसके यह विश्वास  
करने का कारण है कि अधोपक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्ययसाध प्रतिफल से ऐसे व्ययसाध प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और  
अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पता  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से अंतरित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीवा शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तिगत रूप से  
सूचना की तारीख से 36 दिनों की अवधि, या भी  
अवधि याद में कालांतर होती है, को भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि अथवा स्थावर सम्पत्ति में निवेश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोपक्षितकारी के पास  
लिखित में लिखे का कारण

स्पष्टीकरण :—इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि, को अधोपक्षित 20-क में परिभाषित है,  
कहीं वर्ष होगा जो इस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर का अंतरण के बाबत में  
की करण का कारण है कि सम्पत्ति का  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रावधानों अन्तर्गत धारा प्रकट नहीं किया  
गया है या किसी अन्य कारणों से अंतरण के  
सूचना के लिए;

यूनिट नं० 4 जो, ग्राउन्ड फ्लोर, पी० एन० कोठारी  
इस्ट, सर्वे नं० 200 (अग्र) सी० टी० एस० नं० 288 आया  
रोड, साडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि नं० आई-3/37-ईई/12012/84-  
85 और जो पञ्चम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रपाद

मध्यम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर यापुक्त (निरीक्षण),

अजन रेज-3, बम्बई।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोपक्षित है—

दिनांक 12-4-1985

जोहर ४

प्रकृष भाई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री विजय कुमार पोद्दार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पाल्लन वासू प्रफुल्ल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा दीं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/12042/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० माला नं० 115, जो, 1ली मंजिल, गुरुनानक  
भवन, प्लॉट नं० 1, एम० नं० 85, एल० बी० एस० मार्ग,  
भाडूप, बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारखाना आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से अधिकतम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

41 —56 GI/85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताकारी के  
वात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है,  
गया है।

अनुसूची

माला नं० 115, जो, 1ली मंजिल, प्लॉट नं० 1, एम० नं०  
85, गुरु नानक उद्योग भवन, एल० बी० एस० मार्ग, भाडूप,  
बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/12042/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

हस्ताक्षर, डी. ए. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13081/84-85—अतः मझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 710, जो ए-ब्लाक, उपा नगर, भांडूप  
बम्बई-78 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम,  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, सक्षम  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
कार्यत्व में कमी करने या उससे बढ़ने से सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य सम्पत्ति  
को, जिसके धारक आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पुनः अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या जो किया जाना चाहिए था लिखित में  
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
क, ग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स खंडेलवाल इंजीनियरिंग कम्पनी लि०  
(अन्तरक)

(2) मैसर्स इंडिया ट्यूब मिल्स एण्ड मेटल  
इंडस्ट्रीज प्रायवेट लि०।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा हों।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लेट नं० 710, जो, ए-ब्लाक, उपा नगर, भांडूप, बम्बई-  
78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/13081/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :



प्रकाश जाई.टी.एम.एस.-----

(1) श्री अजय बिल्डर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री योगेश एम० सिनकर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13097/84-85—अतः मुझे  
ए० प्रसाद

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 7, जो, 2री मजिल, ऋषभ दर्शन,  
प्लॉट नं० 74, सी० टी० एम० नं० 564, आफ 90 फिट वार्ड  
डी० पी० रोड, मुलुड (पूर्व), बम्बई-1 में स्थित है। (और  
दमम उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है तारीख 1-8-1984

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

क्यों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दरिये में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

प्लॉट नं० 7, जो, 2री मजिल, ऋषभ दर्शन, प्लॉट ए०  
नं० 74, सी० टी० एम० नं० 564, आफ 90 फिट वार्ड रोड  
डी० पी० रोड मुलुड पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

(ब) ऐसी कमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37/13097/84-85  
और जो पञ्चम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

(ए० प्रसाद)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित :—

दिनांक 12-4-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एच. एच.-----

(1) मैसर्स वेल्हारी ट्रेडिंग प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

भाष्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती हंसा लक्ष्मीचन्द शहा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13023/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

भाष्यक अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 4, जो, ग्राउन्ड फ्लोअर, रामगोपाल  
इंडस्ट्रियल इस्टेट नं० 1 प्रिमायसेम को-आप० सोसाईटी लि०, डॉ०  
आर० पी० रोड, मुलूंड बम्बई 80 में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा  
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टान्त प्रतिफल से ऐसे दृष्टान्त प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

स्पष्टीकरण :—इसमें पर्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को बिना भारतीय भाष्यक अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाष्यक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

गाला नं० 4, जो, ग्राउन्ड फ्लोअर, रामगोपाल इंडस्ट्रियल  
इस्टेट नं० 1, प्रिमायसेम को-आप० सोसाईटी लि० डॉ० आर०  
पी० रोड, मुलूंड बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/13023/-  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रोज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10-4-1985

मोहुर

**संख्या 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

(1) मैसर्स मिलिन्द आसोसिएट्स।

(अन्तरक)

(2) श्री जॉली जोसेफ मॅथ्यू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहीयां कइया हई।

उक्त संघीय के बचन के संबंध में कोई भी आपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में रहित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13123/83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट न० 6, जो, 2री मंजिल, प्लॉट न० 6116, कोले कल्याण, कालिना विलेज, साताक्रूज (पूर्व), बम्बई-29 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पास गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की वसूल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शक्ति में कमी करने या उचित बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित—

**संपत्ति**

प्लॉट न० 6, जो, 2री मंजिल, प्लॉट न० 6116, कोले कल्याण, कालिना विलेज, साताक्रूज (पूर्व), बम्बई-29 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/13123/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 12-4-85

सोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स मिलिन्द आसोतिएट्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बालिज डायरा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13122/83-84---अंतः।

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट न० 5, जो, 2री मजिल, प्लॉट न०

6116, कोले कल्याण (कालिना विल्हेज), माताकूज (पूर्व),

बम्बई-29 में स्थित है (आर इसमें उपाय अनुसूची में आर पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम1961 का धारा 269 ग, के अधीन बम्बई में अर्जन करने के  
कारणों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है  
और अंतर्क (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने की सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभ्योक्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट न० 5, जो, 2री मजिल, इमारत आन प्लॉट न०  
6116, कोले कल्याण (कालिना विल्हेज) माताकूज (पूर्व),  
बम्बई-29 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/13122/83-  
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
सक्षम प्राधिकारी  
अर्जन रज-3, बम्बई।

तारीख 12-4-1985

मोहूर ३

प्रमुख बाह्य टी. एन. एच.

(1) श्री कैलाश किरण नं० 2 को-आप० हाउसिंग .  
सोसाईटी लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-क (1) के अधीन सक्षम

(2) दामजी गजी पटेल ।

(अन्तरिती)

हास्य हास्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां करवा हूँ।

अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ--

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल, 1985

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि पहले से बराबर होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/11838/83-84— अतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जहाँहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 20, टी० पी० एस० 3, सी० टी० एस० नं० 5998, "एन" वार्ड, तिलक रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिए गए हैं।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में उस के दृश्यमान प्रतिफल के सिद्ध सम्पत्ति की बढ़ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरक अन्तरक सिद्धित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है—

अनुसूची

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वसूल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और—

प्लॉट नं० 20, टी० पी० एस० 3, सी० टी० एस० नं० 5958, "एन" वार्ड, तिलक रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रवेचना अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा रहा है, या जिसका उद्देश्य सुविधा के लिए

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11838/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-क की अनुसूची में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख 10-4-1985  
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मीनष कारपोरेशन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० सोमल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11693/83-84—अतः मुझे  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवशत करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिमकी सं० फ्लैट न० एफ-9, जो, 3री मंजिल हजारी  
बाग, हरीयाली बिल्डिंग, जंकशन ग्राफ स्टेशन रोड और एल० बी०  
एस मार्ग, विक्रोली (पूर्व), बम्बई- 3 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवशत करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
सक्षम प्राधिकारी के पक्ष में प्रतिफल से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांचोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

ए० प्रसाद :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० एफ-9, 3री मंजिल, हजारी बाग, हरीयाली  
बिल्डिंग, जंकशन ग्राफ स्टेशन रोड और एल० बी० एस० मार्ग,  
विक्रोली (पूर्व), बम्बई-83 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/11693/83-  
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज-3, बम्बई।

तारीख : 10-4-1985

मोहर 2

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मैसर्स परमेश्वरी देवी गरोडिया ट्रस्ट ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स आईट फोटो सर्विस ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11641/83-84-अतः मुझे,  
ए० प्रसाध

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 16, जो, गरोडिया शापिंग सेंटर,  
प्लॉट नं० 149-सी, गरोडिया नगर, घाटाकोपर, बम्बई में स्थित  
है। (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पून रूप से वर्णित है),  
/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबत में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

दुकान नं० 16, जो, गरोडिया शापिंग सेंटर, प्लॉट नं०  
149-सी, गरोडिया नगर, घाटाकोपर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/11641/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाध  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
42—56 GI/85

दिनांक : 12-4-1985

मोहुर :

प्रकृष बाई. टी. एन. इ. -----

(1) मैसर्स एस० एम० पी० इंटरप्रायसेस

(अन्तरक)

साहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स इंटरनेशनल रिबन मैन्युफैक्चरिंग कं०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के नि  
कार्यवाहियों करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप :—

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/11846/84-85-अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

साहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 306, जो, 3री मंजिल हिल व्ह्यू  
इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प) बम्बई-86  
में स्थित है। (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 3, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बावजूद, उक्त  
अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन उक्त सम्पत्ति के वर्जन के नि  
कार्यवाहियों को निम्नलिखित में से किसी एक के लिए किया गया है :-

(ख) होती किसी बाध या किसी धन या अन्य बाधियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
सहायक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की सूचना (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या की  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 306, जो, 3री, मंजिल, हिल व्ह्यू इंडस्ट्रियल  
इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प), बम्बई-86 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/11846/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक : 12-4-1985

माह 2



प्रकरण भाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जितेन्द्र नारानजी भानुशाली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शांतराज यल्लप्पा शेटी ।

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/11749/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 8, जो पंच रस्ता को० ओप०  
हार्जिसिंग सोसायटी लि०, महात्मा गांधी रोड, मुलुंड (प),  
बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान  
प्रतिफल से, ऐसे क्षयमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने की सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 78, जो पंच रस्ता को० ओप० हार्जिसिंग  
सोसायटी, महात्मा गांधी रोड, मुलुंड (प), बम्बई-80 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा क क्रम सं० आई-3/37ईई/11749/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, द्वारा बम्बई दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए. प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई. टी. एन. एस. -----

(1) राज कृष्णा अय्यर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(ब) (1) के अधीन सूचना

(2) विजय आशानंद ठक्कर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई 11626/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, गीतांजली इमारत,  
शिवाराम को० ओप० हार्जिसिंग सोसायटी लि०, देवीदयाल  
रोड, मुलुंड (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क  
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि तथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित- उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यत्व में कमी करने या उक्त करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तुओं  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बधाई है—

फ्लैट नं० 5, जो गीतांजली इमारत, शिवाराम को०  
ओप० हार्जिसिंग सोसायटी लि०, देवीदयाल रोड, मुलुंड  
(प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई, 3/37ईई/11626/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एच.एच.-----

(1) श्री भगवानदास छोटालाल शहा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती हेमलता देवरा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/11934/83-84—अन मुझे  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी प्लॉट नं० बी-6, जो देवीदयाल अपार्टमेंट  
को० ओप० हाउसिंग सोसायटी लि०, देवीदयाल रोड,  
मुंबई (प०), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,ख  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर 4 ई के अन्तरक के  
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनोहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-6, जो देवीदयाल अपार्टमेंट को० ओप०  
हाउसिंग सोसायटी लि०, देवीदयाल रोड, मुंबई (प०),  
बम्बई-80 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3 37ईई/11934/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम का धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनांक : 12-4-1985

मोहर :

प्रथम भाग टी.एन.ए.ए.-----

(1) मैसर्स स्पेस एज बिल्सर्ड प्रा० लि०

. (अन्तरक)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नानी-मधाराम जर्मसिया ।

(अन्तर्द्वि)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/11816/83-84—अतः मुझे  
ए० प्रसाद .

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो स्पेस एज अपार्टमेंट  
घाटघोपर बलडाला रोड, देवनार, बम्बई-88 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका करारनाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी आय की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402, जो स्पेस एज अपार्टमेंट, 4वीं मंजिल,  
घाटघोपर बलडाला रोड, देवनार, बम्बई-88 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क्रम सं० आई-3 37ईई/11816/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई. टी. एम. एस. -----

(1) महतानी बिल्डर्स।

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री. देविदर सिंग यू० सारा।

(अन्तरिक्ष)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11611/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, शिम-  
नाम इमारत, डी-महतानी पार्क एस०नं० 24, एच०नं० 1  
और सी०टी०एस० नं० 130, आर०सी० मार्ग, चेंबूर, बम्बई-  
74 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

दुकान नं० 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, "शिवनाम" डी-  
महतानी पार्क, एस०नं० 24, एच०नं० 1 और सी०टी०  
एस०नं० 130, आर०सी० मार्ग (माहूल रोड), चेंबूर, बम्बई-  
74 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/11611/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीख: 10-4-1985

मोहर:

प्रकाशक, टी. एन. एल.-----

(1) श्री श्यामसुंदर कासत ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स नेमानी विल्डर्स ।

(अन्तरितो)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13116/83-84-अनः मुसे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 162 है तथा जो पहाडी, गोरगांव तालुका, डिस्ट्रिक्ट बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आय-निष्पत्ति की जाँच कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में दायित्व के विमोचन और वा/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित होना द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दायित्व हो सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत R-4

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ग्रहण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 162, पहाडी, गोरगांव तालुका, डिस्ट्रिक्ट बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/13116/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को 'रजिस्टर्ड' किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 10-4-1985

मोहर

प्रकरण आई. टी. एन. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11927/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201 है तथा जो बाल-इ-राम-2 उष्मा  
नगर के सामने, आफ लिक्विड रोड मालाड (प०), बम्बई  
में स्थित है। (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कारण से करीब 10 लाख रुपये के कर के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति का  
होना, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सहायता के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

43—56 GI/85

(1) मैसर्स अनीता कन्स्ट्रक्शन ग्रुप  
इस्टेट (प्रायवेट) लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री वाण्टीस्ट राडिगज।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवशुप  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो, बाल-इ-राम-2, उष्मा नगर के  
सामने, आफ लिक्विड रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित  
है।

अनुसूची जमाकी क्र०स० आई-3/37-ईई/11927/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख 10-4-1985

माहूर

प्रमाण आर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11884/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 14 है तथा जो एस०एस०-3, चेबूर  
सीटीएस नं० 1311, सायन ट्रॉम्बे रोड, चेबूर, बम्बई-71  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दर  
पायी गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और  
दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
व्याजनाश अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बिल्कन कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री जी०एम० बार्वालिया  
और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में इतना  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा आहस्ताक्षरी के पक्ष  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 14, जो, एस०एस० 3, चेबूर, सीटीएस नं०  
1311, सायन ट्रॉम्बे रोड, चेबूर, बम्बई-71 में स्थित है।  
अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/11884/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 15-4-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एच.-----

(1) मसर्स प्रगती इटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राम गंगाराम मेरानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11866/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान न० 14, जो, गुरु कृपा, लिकींग रोड के पीछे, एवरशाइन नगर के पाम, मित चौकी, ऑफ मार्वे रोड मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपर्युक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा तत्पश्चात् अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन में निम्न कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 14, जो, गुरु कृपा, लिकींग रोड के पीछे, एवरशाइन नगर के पाम, मित चौकी, ऑफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-3/37-ईई/11866/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

गांधी ।

रूप आइ. ट. एन. ए. - - -

(1) मेसर्स कमिश्नल डेवेलोपमेंट कॉर्पोरेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी०के० भूट।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निवेश सं० अई-3/37-ईई/11655/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 14, जो, दीपक अपार्टमेंट,  
गोविंद नगर, पवनबाग रोड, चिचोली, मलाड (प०), बम्बई-  
64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूत-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी के लिए उद्देश्य,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्तारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दा जोर पढ़ा जा, या उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 14, जो, दीपक अपार्टमेंट, गोविंद नगर,  
पवनबाग रोड, चिचोली, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11655/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/12010/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 205, जो, 2री मंजिल, बी-  
ब्लॉक, विरगो इमारत, दिव्या पार्क, मालवनी, आफ मार्वे  
रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें  
उपरोक्त अनुसूची में श्रृंखला पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,  
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
मिले, और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का  
प्रशासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुणवती बी० लाखवानी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सलिन थॉमस।

(अन्तरिती)

§

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 205, जो, 2री मंजिल, बी-ब्लॉक, विरगो  
इमारत, दिव्या पार्क, मालवनी, आफ मार्वे रोड, मालाड  
(प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जमाकि क्र० सं० आई-3/37-ईई/12010/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री रामनंद जोग शेषवों।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री यशवन्त बाबूराव देसाई।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई आक्षेप :—

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11808/83-84—जतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मा० नं० २-2 जो, "सकल" इमारत, न्यू लिबर्टी को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, मंडारवाडा,  
गावठाण रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (अर्ज  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में अर्ज पूर्ण रूप से उल्लिखित है) अर्ज  
जिसका क्रमसं० २५६२ दिनांक १० अप्रैल १९८५ के धारा  
269 क,ख के अन्तर्गत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में व्यवस्था के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निर्मालिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट न० २-2, जो, "सकल" इमारत, न्यू लिबर्टी  
को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, मंडारवाडा, गावठाण  
रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3/37-ईई/11808/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

“युक्त सम्पत्ति के व्यर्जन के सम्बन्ध में कोई” आक्षेप :—

तारीख 10-4-1985  
मोहर .

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्स सतार जवडर्स

ग्रण्ड कान्ट्रक्टर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना।

(2) श्रीमती निरम एस० घोलकर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11843/83-84—अतः सुमे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-302, जो, 3री मंजिल, प्लॉट नं० 470, एच० नं० 4, सी०टी०एस० नं० 359, भंडारवाडा, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, यां भो अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-302, जो, 3री मंजिल, प्लॉट नं० ए० नं० 470, एच० नं० 4 सी० टी० ए० नं० 359, भंडारवाडा मालाड (प०), बम्बई-में स्थित है।

अनुसूची जमाकी क्र० सं० आई-3/37-ईई/11843/83-84 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 10-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम. - - -

(1) श्री तखनीज कुमार कातीलान ग्रहा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री शार्विद्र बी० नारुला  
और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

काब्रालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/3/आईई/1177/83-84—अतः सुसे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० आय-5, जो, 1 ली मंजिल,  
हरीद्वार-1 इमारत, प्लॉट नं० 18, 19, 20-ए, विल्हेज  
वालनाय, आफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रत्येक विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्त-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अविश्वस्य  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

44—56 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अहितसाक्षरी के  
पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— उपर्युक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० आय/5, जो, 1 ली मंजिल, हरीद्वार-1 इमारत,  
प्लॉट नं० 18, 19, 20-ए, विल्हेज वालनाय, आफ मार्वे  
रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र०सं० आई-3/37-आईई/11728/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 12-4-1985

मोहर :

प्रकरण बाई. टी. एन. एच. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11864/83-84—अन मुझे,  
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 4, जा पुष्पा पार्क स्किम  
लॉट नं० 9-ए, सीटीएस नं० 28-29, दफतरो क्रॉस रोड,  
मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण मा में वर्णित है), और जिनका करण-  
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है तांगेख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टोमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टोमान प्रति-  
फल से ऐसे दृष्टोमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्त-  
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वान्ताविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कुलवंतो जे० गुप्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक जी० रासल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 4 जो, पुष्पा पार्क स्किम, प्लॉट नं० 9-ए,  
सी०टी०एस० नं० 28-29, दफतरो क्रॉस रोड, मालाड  
(पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जेनाको क्र०सं० आई-3/37-ईई/11864/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्ट्रार किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

माहूर :



प्ररूप आई. टी. एन. एच.-----

(1) मनसै स्वीन्ग पार्क।

(अन्तरक)

(2) श्री जगन्नाथ पुजारी।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11967/83-84--अन. मुझे  
ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 12, जो, ग्राउंड फ्लोअर, नालदा इमारत नं० 1 प्लॉट नं० 32 और 33, धिनेज वालनाथ, आफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वर्तमान आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उचित बचने में सुविधा के लिए; अडि/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 12, जो, ग्राउंड फ्लोअर, "नालदा इमारत", नं० 1, प्लॉट नं० 32 और 33, वालनाथ व्हिनेज, मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं० आई-3/37-ईई/11967/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

तारीख 10-4-1985

मोहर

प्रकृ. भा. टी. एन. ए. -----

(1) श्री राजेंद्र बी० गांधी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सपना शरद खाडवाला।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37 ईई/11767/83-84—अत मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिये इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सूचना का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान न० 28, जो, "नीलकमल", गोविंद  
नगर रोड, आर एस०वी० रोड, माडल (पूर्व), बम्बई-64  
में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जा रहा था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पार  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 28, जो, "नीलकमल", गोविंद नगर रोड,  
ऑफ एस० वी० रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित  
है।

अनुसूची जिसकी सं० अई-3/37 ईई/11767/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज 3, बम्बई

तारीख 10-4-1985

माहुर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती सरस्वती टी० राहा  
और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्री पी०एच० जावा  
और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/373-ईई/11781/83-84—अतः, मु० के  
ए० प्रसाद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लॉट नं० 106, जो, 1वीं नंजिल, दी  
स्विग नूतन विद्या मंदीर स्कूल के सामने, मार्बे रोड, मालाड  
(प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब, के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 1 अगस्त 1984क्यों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अंतरक से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)  
के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 106, जो, 1वीं नंजिल, दी स्विग, नूतन  
विद्या मंदीर स्कूल के सामने, मार्बे रोड, मालाड (प०)  
बम्बई-64 में स्थित है।अनुसूची संसाधनी सं० आई-3/37-ईई/11781/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 19-4-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

(1) श्रीमती देवबाई रायशी ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती दिमाईबेन केशवजी रिटा ।

(अन्तरिती)

## भाषित सङ्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13155/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य :

100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, अशोक सम्राट इमारत  
नं० 3 दफतरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित  
है (और इसमें उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 काद के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से ऐसे वर्तमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
और वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
वास्तविकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्यानः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया है।

## कानूनी

दुकान नं० 3, जो, अशोक सम्राट इमारत, नं० 3,  
दफतरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि आ०स० अई-3/37-ईई/13155/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

माहूर

प्रकृष बाई.टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/12084/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 62, जो, कांजूर मार्ग को-आप० हाउसिंग सोसाइटी, सीटीएस नं० 988, कांजूर मार्ग (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :—

(1) श्री एम०डी० महाजन  
और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स दिग्दीजय प्रिन्टर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 27-8 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 62, जो, कांजूर मार्ग को-आप० हाउसिंग सोसाइटी, सीटीएस नं० 988, कांजूर मार्ग (पूर्व), बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० अई-3/37-ईई/12084/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 15-4-1985

सहोदर :

प्रकृत बाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री रमणिकलाल पी० जोशी।

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० बी० ग्रहा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निवेदन सं० अई-3/37-ईई/131 7/83 84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जमावी सं० प्लॉट नं० 199, जो, प्लॉट नं० 3, द्विती  
अपार्टमेंट, 1ली मंजिल, दफनरी रोड, छाडवाला ग्राम लेन,  
मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ड के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वर्गीकरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना पायी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के बिना  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 199, जो, प्लॉट नं० 2, द्विती अपार्टमेंट्स,  
1 ली मंजिल, दफनरी रोड, छाडवाला ग्राम लेन, मालाड  
(पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जमावी क्र० सं० अई-3/37-ईई/13147/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

तारीख . 10-4-1985

माहुर :

प्रश्न बाई.टी.एन.एस. ....

(1) श्रीमती श्री० डिंजोजा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चन्द्रकांत केशवलाल केमारीया  
और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/11701/83-84,—अतः, मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जी-4/4, जो, 1 ली मंजिल, सुंदर नगर, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण प्रविष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

45—56 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अहिंसाधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जी-4/4, जो, 1 ली मंजिल, सुंदर नगर मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची अंशान्वी क्र० सं० अई-3/37-ईई/11701/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम-प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

प्रमाण नम्बर: टी.एन.एच. 11-85

(1) मेसर्स आर०जी० विल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गिरधारीलाल डी० गुप्ता  
और अन्य।

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/12048/83-84--अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका लघित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टेरेस प्लेट नं० 602, जो, 6वीं मंजिल,  
"डी" विंग, "अटलांटा", प्लॉट नं० 38, आफ वालनाय  
विहलेज, माथे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है  
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवकाश  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठग पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कीपन नहीं किया गया है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी भी वाक्य, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर लेने के अन्तरक के  
कार्य में कभी लेने या उचित बाजार मूल्य के  
लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी एक या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
गया चाहिए था छिपाने में सक्षम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ में अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

टेरेस प्लेट नं० 602, जो, 6 वीं मंजिल, "डी" विंग,  
"अटलांटा", प्लॉट नं० 38, आफ वालनाय विहलेज, माथे  
रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं० अई-3/37-ईई/12048/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985  
मोहर :



प्रमुख भाग, री. एम. एस. -----

(1) श्री देवेन्द्र नाथिनदास शहा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) को अधीन सूचना

(2) श्री जे०एस० जैन  
और अन्य ।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/11877/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, 2री मंजिल, श्रीराम  
कुंज इमारत, 45/46, हाजी बापू रोड, मालाड (पूर्व),  
बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि क्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त-  
विक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बाद/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की अनुसू-  
ची में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो, 2री मंजिल, श्री राम कुंज इमारत, 45/  
46, हाजी बापू रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-3/37ईई/11877/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) आर० एच० के० धिल्लर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री चंद्र टी० पर्यानी और अन्य ।

(अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/13027/83-84--अन०, मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए० जो, विंग-2 ग्राउन्ड फ्लोर, प्लॉट नं० 11-12, डोमनिक कालोनी रोड नं० 2, ओर्लेम मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए, जो विंग-2, ग्राउन्ड फ्लोर, प्लॉट नं० 11-12, डोमनिक कालोनी रोड नं० 2, ओर्लेम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/13027/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

गोड्डा

प्रकाशक: टी. एन. एच.-----

(1) आर० एच० के० विल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) अर्जुन टेकचन्द पर्यानी ।

(अन्तरिती)

प्राप्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/13028/83-84—अतः, मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट नं० ए/विंग-102, जो, 1ली मंजिल,  
प्लॉट नं० 11-12, डोमनिक कालोनी, रोड नं० 2, ओर्लेम  
मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के  
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धनमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके धनमान प्रतिफल से, ऐसे धनमान प्रतिफल का  
एक प्रत्यक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित  
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तव्य  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तर्गत

प्लैट नं० ए/विंग-102, जो 1ली मंजिल, प्लॉट नं०  
11-12, डोमनिक कालोनी रोड नं० 2, ओर्लेम, मालाड  
(प०), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/13028/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

(1) मैमर्स त्रिगूल इन्डस्ट्रीज।

(अन्तरक)

(2) मैमर्स हर्षी मेडिकल स्टोर।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/11683/83-84—प्रतः, मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 19 एम० यू० जो, अपर  
फ्लोर जागृती को-ओप० हाउसिंग सोसायटी लि०, साईनाथ  
रोड, मालाडे (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
कारणनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में,  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(न) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दावेदारों को कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्रवाई शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

दुकान नं० 19, एम० यू० जो, अपर फ्लोर, जागृती  
को-ओप० हाउसिंग सोसायटी लि०, साईनाथ रोड, मालाडे  
(प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/11683/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए. प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

**प्रकल्प ग्राह्यः टी. एन. एस.**

(1) मैसर्स दिप कार्पोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) श्री रोलेन्ड ज्यूड पिंटो ।

(अन्तर्गति)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
अध्याय 269-ध (1) के अन्तर्गत सज्जता

2500 2500

कार्यालय, सहायक सचिव, उच्चतर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बरबई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-३/३७ईई/११७७४/८३-८४—अतः, मन्त्रे,  
प्रसाद, ५

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट चर्च व्ह्यू अपार्टमेंट, में जो, ओर्लेम मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आधिकार अधिनियम 1961 की धारा 269क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पंदाबत सम्पत्ति के उपरित बाजार धरम में कम के दृश्यमान  
 नतिफल के लिए अंतरित की गई है और जैसे वह विश्वास  
 करने का कारण है कि बहापूर्वकत सम्पत्ति का नतिवत बाजार  
 मूल्य, उनके दृश्यमान प्राप्ति, जैसे दृश्यमान नतिवत का  
 पक्ष प्राप्तिवत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिक  
 (अंतरिक) के बीच है अंतरक के लिए दृश्यमान मूल्य  
 के नतिवत अधिक दृश्यमान के अंतरक अधिकतम में बाजार  
 मूल्य से अधिक नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

इसका सम्बन्ध कौं वर्जन के सम्बन्ध में काहे भी बाखोय ।—

(क) इस सूचना के संचयन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संचायत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राखण में प्रकृति का भारी से 45 दिनों के भीतर उलट लगाया जायति में लिखित रूप में अन्य व्यक्त द्वारा, गणहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किया जा सकेंगे।

न्यायशास्त्र — इसमें प्रत्यक्ष विषयों और वक्तों का, जो उनका अभिप्राय, के अन्वय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूया

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम में अधीन कर द्वारा के अन्तरण के सीमांत : इससे मा - ५०० से बढ़ाया है और अधिक

(स) इसी किसी ढाँच या किसी ढाँच या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आन्दोलन अधिनियम, 1922 (1922 का 11) से उत्पन्न अधिनियम या आन्दोलन अधिनियम, 1951 (1951 का 27) के प्रयोजनार्थ इस्तेमाल किया जा रहा है, को प्रयोजनार्थ इस्तेमाल किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्निधा नहीं थी;

फ्लैट चर्च व्ह्यू अपार्टमेंट में, जो, मार्बो रोड, मालाड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/11774/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-3, बम्बई

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनांक : 10-4-1985

मोक्ष :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री लक्ष्मन सी० राजाडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश आर० हरीया ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13074/83-84—अतः, मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान "पुष्पांजली अपार्टमेंट, जो ग्राउंड फ्लोर, मालाड (पू०), बम्बई-97 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान पुष्पांजली अपार्टमेंट में, जो, ग्राउंड फ्लोर, मालाड (पू०), बम्बई-97 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं० आई-3/37-ईई/13074/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर

प्रकाश बाई. टी. एन. एड.-----

(1) मेसर्स विन्तर एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री खादर कन्स्ट्रक्शन ।

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13140/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 429, एच नं० 1(अंश), सी०  
डी०एस० नं० 1069(अंश), मालाड (साउथ), विल्हेज  
चिचोली बंदर रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अपापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी  
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वाम्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
'समाप्त' में कमी करने या उसमें बचन में सूत्रिणा  
के लिए की गई।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए; -

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

46—56 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न  
कार्यवाहियां करवा हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर एक व्यक्ति  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहरण/प्राप्ति  
प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का अर्थ  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सर्वे नं० 429, एच० 1(अंश), सी०डी०एस० नं०  
1069 (अंश), मालाड, (साउथ), विल्हेज चिचोली बंदर  
रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी सं० अई-3/37-ईई/13140/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एत.-----

(1) देशमुख विल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोर एस० कांघाटगी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11890/84-85—अतः, मुझे,  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 205, जो 2री मंजिल अजीत  
पार्क-बी, सोमवार बजार रोड, मालाड (प०), बम्बई-64  
में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा, 269 क. के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सृजना  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सृजना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 205, जो, 2री मंजिल, अजीत पार्क-बी  
सोमवार बजार रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसाकी अ०सं० अई 3/37-ईई/11890/84-85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर



प्रथम भाग टी.एन.एस.-----

(1) देशमुख बिल्डर्स प्रा० लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० ए० नारायणन शर्मा ।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
भाग 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ:-

अर्जन रेंज-3, बम्बई

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तम्यन्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11886/84-85--अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० 405, जो, 4थी मंजिल, अजीत पार्क  
'बी', सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अधोप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे बन्धन के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्धन लिखित  
में वास्तविक रूप से काचित नहीं किया गया है :-

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(क) बन्धन से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन यह तब भी अन्तरक के  
बाधित में नहीं करेगा या उक्त बर्चन में ध्विषा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी शर्त या अन्य बाधितियों  
को, जिन्हें भारतीय भाव-कट अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था. छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्लेट नं० 405, जो, 4थी मंजिल, अजीत पार्क-बी, सोमवार  
बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11886/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा है :-

दिनांक : 10-4-1985

मोहता :

प्रकृष. बाई. टी. एम्. एस्. -----

(1) वेशमुख बिल्डर्स प्रायवेट लि० ।

(अन्तरक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-अ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वि० एम० सप्ते ।

(अन्तरिती)

बम्बई राजपत्र

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्रवाईयाँ करता है ।

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11885/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

और जिसकी सं० फलट नं० 407, जो, 4थी मंजिल, अजीत पार्क  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-अ के अधीन सूचना प्रकाशनी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थान पर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

बी, सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका काररनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा  
269-अ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि संपादित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके अन्तर्गत प्रतिफल से, ऐसे अन्तर्गत प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तदनुसार या  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुआ किसी भाग की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यालय में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भू या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

अनुसूची

फलट नं० 407, जो, 4थी मंजिल, अजीत पार्क-बी, सोमवार  
बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11885/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

सोहर :

प्रश्न नम्बर: डी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11889/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्की सं० फ्लैट नं० 406, जो, 4थी मंजिल, अजीत  
पार्क "ए", सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके समान प्रतिफल से, इसे समान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पास गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(1) देशमुख विल्डर्स प्राइवेट लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र महादेव काणे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय  
कार्यवाही करने का है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
संविदा में करी करने या उससे अर्जन में सुविधा  
के लिए, और/या

प्लॉट नं० 206, जी, 4थी मंजिल, अजीत पार्क 'ए' सोमवार  
बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-3/37-ईई/1188/1984=85  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आदिशों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

वह: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :-

ए० प्रसाद,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- , बम्बई

प्ररूप जारी, टी. एन. एस.-----

(1) मेमर्स हेमल इण्टरप्रायजेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

ज (2) श्री अनिलकुमार जैन ।

(अन्तरिस्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13065/84-85-अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 21, जो, पहली मंजिल, हेमल अपार्टमेंट प्लॉट बेअरिंग सी० एस० नं० 19, 41, सं० 85/5, 96/1, विलेज मालवनी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिस्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बालित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के संबंध में :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 21, जो, पहली मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लॉट बेअरिंग सी० एस० नं० 19, 41 सं० 85/5, 96/1, विलेज मालवनी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37ईई/13065/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

(1) मेमर्स आर० जी० विल्डर्स प्रायवेट लि० ।  
(अन्तरक)

(2) श्री पहीलाक एन० रहेजा ।  
(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिणा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किसी अन्य वास्तविकों के लिए; और/वा

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधि :-

दुकान सं० 3, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, "ए" विंग, ग्राउण्डा,  
प्लॉट नं० 38, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/11880/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985  
मोहर :

प्रकृ. जाई. टी. एन. एल. -----

(1) मेसर्स हेमल इण्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री पटेल भिमजी गोकल।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11938/84-85—अतः,

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 29, जो, दूसरी मंजिल, हेमल अपार्ट-  
मेंट, विलेज मालवनी, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, अ  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके इस्तेमाल प्रतिफल से ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बर्तों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 29 जो दूसरी मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लॉट  
नं० सी० एल० नं० 19,41, नं० 85/5, 96/1, विलेज मालवनी,  
मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11938/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

बहुल जाई.टी.एन.एक.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/11887/84-85--अनः, मुझे,  
ए० प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
श्रीर जिमकी सं० फ्लैट नं० 4, जो ग्राउण्ड फ्लोर, अजीत  
पार्क "बी", सोमवार बाजार रोड, मालाड (प०), बम्बई-64  
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है,) और जिमका करारनामा आयकर अधि-  
नियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से पूर्व किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाकिरफ में कमी करने या उससे बचन में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

47-56 GI/85

(1) देणमुख विन्दर्म प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री आन्ना आन्मागम मण्णकेर।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी बाकीप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सरसंख्यी व्यक्तियों प  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्युक्ताधिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण:- इसमें प्रयुक्त कड़ों और बच्चों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो ग्राउण्ड फ्लोर, अजीत पार्क-बी, सोमवार  
बाजार रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/11887/84-  
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर

अरूप बाई, टी.एन.एच.-----

(1) मेसर्स ग्लेडले इण्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री पिटर रॉड्रिज।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/11954/84-85—अतः, मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 6, जो दूसरी मंजिल, प्लॉट सं०  
15, सी० टी० एम० नं० 88, विलेज वालनाय, ओलेम, मालाड  
(प०); बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक  
1-8-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप 3--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो, दूसरी मंजिल, सी० टी०  
प्लॉट नं० 15, विलेज वालनाय, ओलेम, मालाड (प०), बम्बई-  
64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11954/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मांहर :



प्ररूप बाह्य.टी.एन.एच.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/11587/83-80--अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह ब्रिक्सा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० एस-75, जो 7वीं मंजिल, एस० नं० 12, सी० टी० एस० नं० 69बी/3, बालनाय, शक्ति नगर स्कीम, आदर्श दुग्धालया, आरु मार्वे रोड, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भाषाकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सावित्य में कमी करने या उससे पहले में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों का, जिनमें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स श्री शक्ति कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती इंदिरा बाडीलाल अजमेरा और अन्य  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बावत--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० एस-75, जो, 7वीं मंजिल, एस० नं० 12, सी० टी० एस० नं० 69बी/3, बालनाय, प्लेट नं० 11-12, शक्ति नगर स्कीम, आदर्श दुग्धालया, आरु मार्वे रोड, मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/11587/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 15-4-1985

मोहर :

प्रकृत आर्. टी. एल. एड - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13007/83-84---अतः, मुझे,  
ए० प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे यहाँ  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लेट नं० 5 जो दूसरी मंजिल, प्लॉट नं० 15,  
विल्हेज वालनाय, ओर्लेम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित  
है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)  
और जिसका अंगारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 ग, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमे यह विश्वास  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत  
नहीं है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स गुदेचा इटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति इस्तेफानी नाक्षेरथ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिए  
गये हैं।

अनुसूची

फ्लेट नं० 5, जो, 2री मंजिल प्लॉट नं० 15, सी०टी०एस०  
नं० 88, विल्हेज वालनाय, ओर्लेम, मालाड (प), बम्बई-64 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० अई-3/37-ईई/13007/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहः :

हृदय बाई.टी.एन.एन.-----

(1) मेभर्स मनाली वारपेंगेल ।

(अन्तर-रज)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती जगदीश कौर बर्षा ।

(अन्तरिस्ती)

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

**आयकर अधिनियम**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं. अई-3/37-ईई/11969/83-84—अन, मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दुकान सं. 32, जा. ग्राउण्ड फ्लोर, मनाली इमारत नं० 1, प्लॉट सं. 48, 49 और 50, बालनाथ विलेज, मानाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिन पर वारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिस्ती (अन्तरिस्तियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से पूर्व किसी धन का वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वारिसियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2, जा. ग्राउण्ड फ्लोर मनाली इमारत नं० 1, प्लॉट नं० 48, 49 और 50, बालनाथ विलेज, मानाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैना नि. सं. अई-3/37-ईई/11969/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक . 10-4-1985

माहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स मनाली वारपोरेयन ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री प्रसीत कुमार पारुई ।

(प्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11970/83-84—अत, मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिराकी सं० दुकान नं० 12, जो ग्राउण्ड फ्लोर, मनाली  
इमारत नं० 2, प्लॉट नं० 48, 49 और 50, विलेज  
वालनाय, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें  
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिम्मा  
कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ब, के  
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के खर्चों में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहिस्ताक्षरी वं  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान सं० 12, जो ग्राउण्ड फ्लोर, मनाली इमारत नं० 2,  
प्लॉट नं० 48, 49 और 50 वालनाय विलेज, मालाड (प०),  
बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/11970/83-  
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस. ---

(1) मसम मनाली पारंपरिक ।

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती निवेदिता रातपुते ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :-

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11750/83-84--अत, मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जियकी सं० फ्लैट नं० बी-42, जो, 4थी मजिल, मनाली  
इमारत नं० 4, प्लॉट नं० 48, 49 और 50 विलेज बालनाय,  
मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनका परामर्शनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब, के अधीन, बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक  
1-8-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय का किली भन या अन्य जास्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-42, जो 4थी मजिल, मनाली इमारत नं०  
4, प्लॉट नं० 48, 49 और 50, बालनाय विलेज, मालाड (प०),  
बम्बई 64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/11750/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक 11-4-1985  
मोहुर

प्रकृष आइ. टी. एन. एस -----

(1) मैमम गहुल ट्रेडिंग कॉम्पोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) मैमम ऑक्सेट कापी नेटर्ग ।

(अन्तर्गति)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11742/83-84—अत

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० दुकान सं० 12, जो, विंग-बी, ग्राउण्ड फ्लोर धीरज इमारत, सी० टी० एम० न० 347, पोदार पार्क, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमें उपायुक्त अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाय, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) (ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य भास्तिओं का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) में उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बचत—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रकृत हदों नीचे वर्गीकृत, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा या उस अध्याय में बिना गया है।

अनुसूची

दुकान सं० 12, जो, विंग-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, धीरज इमारत, सी० टी० एम० न० 347, पोदार पार्क, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/11742/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक 10-4-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एच.एस. -----

(1) अहमद कन्स्ट्रक्शन ।

(अन्तरक)

(2) श्री विठ्ठल गोपाल राणे ।

(अन्तरिणी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11620/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषय करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, जो, तीसरी मंजिल, अमीत  
हमारत, साईबाबा पार्क, मिथचौकी, मालाड (प), बम्बई-  
64 में स्थित है (और इसमें उपाय अन्तर्ग्राही में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिणी  
(अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो, तीसरी मंजिल, अमीत हमारत, साईबाबा  
पार्क, मिथचौकी, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11620/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्रश्न नार्.टी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) मेसर्स हेमल इण्डरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) एम० सी० वर्गीस ।

(अन्तरिती)

**माउथ चटका**

बम्बई, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-8/37-ईई/12094/83-84—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 18, जो पहली मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लॉट सी० एम० नं० 19, 41, सं० 85/1, 96/1, विलेज मालवनी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्हु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी वन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 18, जो, पहली मंजिल, हेमल अपार्टमेंट सी० एम० नं० 19, 41, सं० 85/5, 96/1 विलेज मालवनी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-8/37-ईई/12094/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर



प्रकट आई.टी.एन., एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/11937/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 25-ए, जो, दूसरी मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लॉट सी० एम० नं० 19, 41, विलेज मालवनी मालाड (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपायव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अमान्य प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित धर्मेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स हेमल इण्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र ए० मिस्त्री ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन को किए कार्रवाईयां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 25ए, जो, दूसरी मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लॉट वेअरिंग सी० एम० नं० 19, 41, नं० 8/5/1, 96/1, विलेज मालवनी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37ईई/11937/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्स शान्तीला कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विन्सेट रमाशंकर दवे ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/12038/83-84—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 7, जो, पहली मंजिल, प्लॉट नं० 4, शालिमार इमारत, जनकल्याण नगर, (मालाड) बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संक्षेपिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 7, जो, पहली मंजिल, प्लॉट नं० 4, इमारत शालिमार, जनकल्याण नगर, (मालाड) (बम्बई-68) में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि आ० सं० आई-3/37ईई/12038/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर

प्रकाश बाई. टी. एन. एन. एन.

(1) मेसर्स आर. जी. बिल्डर्स प्राइवेट लि.।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रेमकुमार एन. वड्यार और अन्य।

(अन्तराली)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निवेश सं. अई-3/37-ईई/12049/83-84—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, "सी" विंग  
"अटलांटा", मार्बे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में  
रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तराली (अन्तरालियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लेखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तराली द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
नं०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को बर्जित की कि  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जित के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, "सी", विंग, "अटलांटा",  
मार्बे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/12049/83-  
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर

प्रत्यक्ष बाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/12008/83-84 अतः सुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लेट नं० 1, जो, इमारत नं० 1, एल० यूनिट  
अभंग सामंत को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सुन्दर नगर,  
मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक  
1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अर्धेश्वर एस० इंजीनियर ।

(अन्तरक)

(2) जे० श्रीमती पुष्पा आर० टेनवाला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 1, जो, इमारत नं० 1, एल० यूनिट, अभंग सामंत  
को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सुन्दर नगर, मालाड  
(प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/12008/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर &amp;

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स मनाली कारपोरेशन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती तुलसी देवी पोटार ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/11749/83-84--अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लेट नं० 53/बी, जो, 5वीं मंजिल, इमारत  
नं० 1, प्लॉट नं० 48, 49 और 50, वालनाय विलेज, मालाड  
(प), बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तो पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
के वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में  
कमी करने या उच्च करने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रभावनाश्व अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सम्बन्धों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 53/बी, जो, 5वीं मंजिल, मनाली इमारत नं०  
1, प्लॉट नं० 48, 49 और 50, वालनाय विलेज, मालाड (प),  
बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/11749/83-  
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहुर :

प्रकृष बाई. टी. एन्. एल्. -2-2-2-2-

(1) श्री के० आर० वामादेवन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती आस्था कमलेश शहा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निवेश सं० आई-3/37-ईई/11692/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो पहली मंजिल, तिलांजना  
इमारत, लेण्ड बेअरिंग नं० 36, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-  
64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कट जाने के अन्तरक के  
वास्तविक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः आह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 103, जो, पहली मंजिल, तिलांजना इमारत,  
लेण्ड बेअरिंग नं० 36, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में  
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/11692/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-19845

मोहुर :

इसका बाई. टी. एन. एच. ----

(1) श्री मोहनसिंग एस० जौरा ।

(अन्तरक)

(2) श्री इलियास एच० मारेडिया ।

(अन्तरिती)

आयकर-अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, नांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11591/83-84—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसका  
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी ने यह विधायक करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 5, जो, सुन्दर नगर, प्लॉट सं०  
201, इमारत नं० 2, एम० वि० रोड, मालाड (प), बम्बई में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

इस अंतरण से हुआ किसी भाग की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
अंतरण में किया गया या उसमें अंतरण में किया  
गया, और/या

इस, जैसी कि, या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रदोषन के तहत द्वारा अंतर नहीं किया  
गया था या किया गया था, लिखित में  
अंतरण के लिए,

अनुसूची

यूनिट सं० 5, जो, सुन्दर नगर, प्लॉट नं० 201, इमारत  
नं० 2, एम० वि० रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11591/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
49—56 GI/85

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

हस्त आदेश टी. ए. ए. ए.

(1) श्री ग्रन्थोनी जोसेफ पत्ताथू ।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्लेन एण्ड रीटा फर्नांडीस ।

(अन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

माउलत बम्बई

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11868/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 4, जो, इमारत नं० 2, ग्रीन पार्क  
को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, लिंकिंग रोड, मालाड  
(बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व  
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 कब्र के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
इस पाया गया प्रतिफल निर्म्मांलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी शक की वजह से, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्य में कमी करने या उनके करने में बाधा  
दे बिना; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1)  
के अधीन, निर्म्मांलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अभ्युक्त

प्लेट नं० 4, जो, इमारत नं० 2, ग्रीन पार्क को० आप०  
हाउसिंग सोसायटी लि०, लिंकिंग रोड, ओर्लेम, मालाड, बम्बई  
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/11868/83-  
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :



प्रकृष साई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आरक्षक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/11702/83-84—अतः मुझे  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान सं० 3-ए, जो ग्राउण्ड फ्लोअर, डी०—  
इमारत, वर्धमान नगर, नरसिंग लेन, मालाड (प), बम्बई—  
68 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
सूझें यह विश्वास करने का कारण है कि  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-  
रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-  
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया  
है।—

(क) अंतरण से हुआ किसी आय का बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वितीय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भारत इंजीनियरिंग कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री शकरलाल एच०

देवड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान सं० 3-ए, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, डी०—इमारत,  
वर्धमान नगर, नरसिंग लेन, मालाड (प), बम्बई—68 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11702/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी के बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-  
1984 को रजिस्टर्ड किया या है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 10-4-1985

सांहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती पुष्पा गोपाल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अमृतलाल पी० शर्मा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/17743/3/83-84 अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० फ्लैट न० 202 जो दूसरी मंजिल श्रीराम अपार्टमेंट मिलाप टाकीज के पास एस० वी० रोड मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दसमान प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके दसमान प्रतिफल से, ऐसे दसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय । बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार धन, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट न० 202, जो, दूसरी मंजिल, श्रीराम अपार्टमेंट, मिलाप टाकीज के पास, एस० वी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/17743/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्रमाण आर्ट. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13049/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 103, जो, पहली मजिल, गगन विहार  
को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 6वः रास्ता, मामलतदार-  
वाडी मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाधुत  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-  
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक  
1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण के लिए किमा आय की वार्षिक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर इन के अन्तरक के  
दायित्व में कर्मा करण या उक्त बर्तन या दायित्व  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
दुविधा से निम्नः

(1) श्री सी० एम० लूनिया ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० एस० सोनपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करा जावे

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें उक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 103, जो, पहली मजिल, गगन विहार को०  
आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 6वः रास्ता, मामलतदार वाडी,  
मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13049/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8  
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10-4-1985

मोहूर :

प्रकृप बाई टी एस.एल.

(1) श्रीमती गीरी मुखर्जी,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रमेश एन. एमदासानी और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निवेदन सं० अई-3/37-ईई/13128/83-84—अन: मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), के धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी3/24, जो दूसरी मंजिल, इमारत नालन्दा-1, प्लॉट नं० 32 और 33, विजेज वालनाय, आफ मावू रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका अरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल पर पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी व्यक्ति को, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दायित्व को दायित्व के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जो वह सूचना जारी करके उक्त अधिनियम के अधिनियम के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कार्य भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी०, 24, जो दूसरी मंजिल, नालन्दा-1 इमारत, प्लॉट नं० 32 और 33, विजेज वालनाय, आफ मावू रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/13128/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ :—

तारीख 10-7-485

मोहुर

प्रारूप आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री बी सी भाटिया

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना सी० मतलानी ।

(अन्तरिती)

सूचना संख्या

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई-1, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11940/83-84—यतः,

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० पी/13 है, तथा जो तीमरी मंजिल, दीपसदम को-ओप० हाउसिंग सोसाइटी लि० प्लॉट नं० 19/20, एस० बी० रोड, पुन्डर नगर, माराड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका क्रयनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तवियों का अन्तरण करने के लिए, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रस्तावना में अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि या जाना जा रहा था, कि या के लिए अन्तरण से बचने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० पी/13, जो 3री मंजिल, दीपसदम को० ओप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लॉट नं० 19/20, एस० बी० रोड, माराड (प), पुन्डर नगर, बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/11940/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए. प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती उषा कं० शहा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) लारेन्स वि० फिनेगे ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/11755/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, सिल्वर  
काँइन डिमोंट लेन, विलेज वालनाय मालाड (प), बम्बई-64  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को, वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हाथिल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है :

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो ग्राउन्ड फ्लोर, सिल्वर काँइन, दि-  
मोंट लेन, विलेज वालनाय, मालाड (प), बम्बई-64 में  
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/11755/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

प्रकट आई. टी. एन. एव. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/11832/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो 1ली मंजिल, हरीद्वार-1;  
प्लॉट नं० 18-19-20-ए, आफ विलेज वालनाथ, मार्बे  
रोड, मालाड, (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,  
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अध्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा गवा  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—  
50—56 GI/85

(1) श्री स्वपान कुमार चक्रवर्ती ।

(अन्तःकर)

(2) श्रीमती जयश्री हरेण कुमार भावसार और  
अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो 1ली मंजिल, हरीद्वार-1, प्लॉट नं०  
18-19-20-ए, आफ विलेज वालनाथ, मार्बे रोड, मालाड  
(प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/11832/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक 10-4-1985

मोहर

प्रकरण आर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/13121/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, जो ए० विंग, विना  
नगर, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका  
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग, ख  
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री  
है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच उसे, अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अधिनियम में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव का अथवा उक्त अधि-  
नियम के अधीन करने के अन्तरक के बावजूद से  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डा० आर० वि० कुंघानी ।

(अन्तरक)

(2) मैक्स पी० सी० ड्रेस एण्ड लैबोरेटरीज प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 501, जो ए-विंग, विना नगर, मालाड  
(प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/13121/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :



प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स महावीर ट्रेडिंग कम्पनी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

(2) श्री भोगीलाल मगन लाल और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/11980/83-84—प्रतः मुझे;

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो श्याम निर्मल नरसिंह  
लेन, एन० एल० हाई स्कूल के सामने, मालाड (प),  
बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई  
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वन्तः प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
वास्तव्य के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 3, जो श्याम निर्मल नरसिंह लेन, एन० एल०  
हाई स्कूल के सामने, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/11980/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहूर :-

प्रमुख भाग टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल, 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/11786/83-84—अतः मुझे  
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लेट आन प्लॉट नं० 301 और  
305, जो दफ्तरी रोड, मालाड (पू), बम्बई में स्थित है  
(और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961  
की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-  
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(1) श्री गोपाल दास एस० रंगा।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० सी० बात्रा और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपील :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बन्सुकी

(क) बन्सुकी से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य  
में कभी छूटने या उल्टे बचने में बाधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या धन्य वास्तवों  
को चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बाधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लेट आन प्लॉट नं० 301 और 305; जो, दफ्तरी  
रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/11786/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती मेरी पाथरोझ

(अन्तरक)

2. कुमारी विनी सिक्वेरा

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11779/83-84/अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 208 है, तथा जो 2री मंजिल, गलक्सी अपार्टमेंट्स, मित चौकी, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार म, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 208, जो, 2री मंजिल, गलक्सी अपार्टमेंट, मित चौकी, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ई ई/11779/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर :

प्रकृष भाई टी. एन. एस. :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37 ई ई/13068/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 20 है, तथा जो ग्राउंड फ्लोअर,  
"श्रीराम टावर्स", टैन्क लेन, ओर्लेम चर्च के पास, आफ मार्वे रोड,  
मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा  
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग, ख के अधीन,  
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,  
तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात :—

1. श्री राम कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

2. कुमारी सुशिला कुमार यादव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 20, जो, ग्राउंड फ्लोअर, "श्रीराम टावर्स",  
टैन्क लेन, चर्च, ओर्लेम के पास, आफ मार्वे रोड, मालाड (प);  
बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37 ई ई/13068/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

माहूर :

हकम अर्द्ध, डी. एच. एड. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## प्राप्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/13067/83-84 अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 5 है, तथा जो ग्राउंड फ्लोअर,  
श्रीराम टावर्स, टैंक लेन, ओर्लेम चर्च के पास, आफ मार्वे रोड,  
मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

और जिसका काररनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269-क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अगस्त 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित सूचकेय से उक्त अन्तरण सिद्धित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्ष  
में कमी करने या उक्त अन्तरण में सूचिका के लिए  
और/या

(ख) किसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं  
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, विपरीत में  
सूचिका के द्वारा;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री राम कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

2. कुमारी गिता कुमारी यादव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जांच :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी को  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचिकाएँ :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 5, जो, ग्राउंड फ्लोअर, "श्रीराम टावर्स", टैंक  
लेन, ओर्लेम चर्च के पास, आफ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64  
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37 ईई/13067/83-84  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-4-1985

मोहर :-

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

उक्त तन्मयि के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपे :-

## मनुसूची

तारीख 10-4-1985  
मोहर :

प्रकट बाई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स शाप फार्मिस्टीकल्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोहन एन० महापात्रे और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विशु  
कार्यवाहिता करता है।

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में बाई.टी.एन.एस.---

निर्देश सं० आई 3/37-ईई/11905/83 84--प्रति: मुझे,  
ए० प्रसाद,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० आफिस नं० 6, जो 1 की मंजिल, मालाड  
शापिंग सेंटर प्रायवेट लि०, एम० वि० रोड, मालाड (प),  
बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारण नामा आयकर  
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई  
स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख  
1-8-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मक्षम यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापयोग्य संवर्धित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, अपने दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच एवं अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित सूचकांक से लक्ष्य अन्तरण लिखित में वार्षिक  
रूप में वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पात्र  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को, जिन्हें भारतीय अन्तः-अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना बाहिए जा, क्रिया में  
सविधा के लिए;

अतः कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिनियम 2-  
51-56GI/85

आफिस नं० 6, 1 मंजिल मालाड शापिंग सेंटर प्रायवेट  
लि०, एम० वि० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई 3/37 ईई-11905/  
83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 10-4-1985  
पांडुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०-3/37 ईई/11814/83-84—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० द्वाकार नं० 6, जो, ग्राउंड फ्लोर, मनाली  
नं० 1, एवरशाईन नगर के पास, प्लॉट नं० 48, 49, 50  
आफ मार्से रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है)

इससे उपापेक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा  
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
भारत का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टान्त प्रतिफल से, ए० प्रसाद के प्रतिफल का  
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद  
ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
नॉर/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जित :—

(1) श्रीमती निरा पी० बाली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज टी० गुरतानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करवा हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बुकान नं० 5, जो, ग्राउंड फ्लोर, मनाली नं० 1,  
एवरशाईन नगर के पास, सी० टी० एस० प्लॉट नं० 48,  
49 और 50, आफ मार्से रोड, मालाड (प), बम्बई-63 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/11814/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर, आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 10-4-1985

मोहर :



प्रकाश आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सुरेन्द्र के. सी. चौधरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजू राम मोहन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11741/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 31, जो, 2 री मंजिल, जवाहर सदन प्लॉट नं० 89, 21 वा रस्ता, चेन्नई, बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रातफल से, ऐसे दृश्यमान प्रातफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रातफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शब्द होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बन के अंतरक व वारियल में कमी करने या उससे अर्जन में मजिदा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ती का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के उद्देश्य के लिए;

फ्लैट सं० 31, जो, 2 री मंजिल जवाहर सदन, प्लॉट नं० 89, 21 वा रस्ता, चेन्नई, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/39 ईई-11741/ (8-3-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख 10-4-1985

मोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) माडर्न बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० राजलक्ष्मी श्रियर।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक, 13 अप्रैल 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

निर्णय सं० आई-3/37-ईई/11717/84-85—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 6, जो निर्माणाधान इमारत  
प्लॉट न० 48, काजूर को-ओप हाउसिंग सोसाइटी लि०,  
बम्बई-78 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर  
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई  
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

फ्लैट न० 6, जो, निर्माणाधान इमारत, प्लॉट न० 48,  
काजूर को-ओप, हाउसिंग सोसाइटी लि०, बम्बई-78 में  
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/11717  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 12-5-1985  
मोहर :

रूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) मेगर्म स्टार बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दिनेश भागवलाल बज्रि।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11992/84-85—अन. मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० दूकान न० 13, जो, ग्राउंड फ्लोर, ग्राम  
नगर, कांजूर, सर्वे न० 275 (अग्र), सीटी एम० न० 657  
बी, भांडू स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई, में स्थित है। (और  
इससे उपबद्ध श्रुतियों में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984

कि पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसकी दायित्व प्रतिफल में ऐसे दायित्व प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण में है कि किसी आय का दायित्व उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छेपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्वये प्रयुक्त में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में दिया  
गया है।

अनुसूची

दुकान न० 18, जो, ग्राम नगर या ग्राउंड फ्लोर,  
कांजूर सर्वे न० 275 (अग्र), सीटी एम० न० 567 बी,  
भांडू स्टेशन, पूर्व के पास, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० प० आई-3/37-ईई/11992/  
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3 बम्बई

तारीख : 15-4-1985

मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एच.---

(1) मेसर्स स्टार विल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मजूला आर० शेट।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कर यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० अई-3/37ईई/11988/83-84 अर्न मुझे, ए० प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० दुकान न० 15, जो, ग्राउंड फ्लोअर, काजूर सर्वे न० 275, भाडूप स्टेशन (पूर्व, बम्बई-7) में स्थित है (और इसमें उपाय अंतर्गुची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से है कि किसी आर की दायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इसमें अर्जन में सुविधा के लिए, और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

दुकान न० 15, जो, ग्राउंड फ्लोअर, श्याम नगर सर्वे न० 275 (अर्ण), सी० टी० एम० न० 657-बी, भाडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37 ईई/11998/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज-3, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गुची में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 15-4-1985  
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन एस -----

(1) मेसर्स स्टार बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती भारती विमणलाल मेहता।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अप्रैल रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11987/83-84—अतः सुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके परिषदात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, स्थित उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० युआन नं० 16, जो, ग्राउंड पल्लोर, कांजूर  
सर्दे नं० 275 (अंश), सी० टी० एस० नं० 657 बी,  
भाडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई में स्थित है (और  
इसमें उपायुक्त अनुसूची के और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की  
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी  
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
गणित्व में कभी नहीं लिया उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिसे भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
गणित्व में आना नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अन्तर्गत :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
यत्ना के तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम  
निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

युआन नं० 16, जो, ग्राउंड पल्लोर, श्याम नगर, कांजूर  
सर्दे नं० 275 (अंश), सी० टी० एस० नं० 16, जो, टी० एस०  
नं० 657 बी, भाडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा कि नं० सं० आई-3/37 ईई/11987/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अप्रैल रेंज-3, बम्बई

तारीख : 15-4-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एम्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक: 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11997/83-84—अतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दूकान नं० 17, जो, ग्राउंड फ्लोअर,  
श्याम नगर, कांजूर सर्वे नं० 275 (ग्रंथ), सी० टी० एम०  
नं०, 657-बी, भांडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई 78  
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), और जिसका करगणनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर लगाने से अन्तरण को  
वायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा  
जो मिले; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स स्टार पिन्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती ममता शशिकान्त मेहता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपः---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

दुकान नं० 17, जो, ग्राउंड फ्लोअर, श्याम नगर,  
कांजूर सर्वे नं० 275 (नं०), सी० टी० एम० अक्षा 657-  
बी, भांडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई 78 में स्थित  
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/11997/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 15-4-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भाहुत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1985

विदेश सं० आई-3/37-ईई/11988/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 14, जो, ग्राउंड फ्लोअर,  
श्याम नगर, कांजूर सर्वे नं० 275 (अंग), सी० टी० एस०  
नं० 657-बी, भांडूप स्टेशन (पूर्व), के पास, बम्बई-78  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), और जिसका परारनामा आयकर अधिनियम  
1961 की धारा 269-घ, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित दिवसों में उक्त अधिनियम के अधिनियम  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(1) मैमर्स स्टार विल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री शैलेश कुमार वि० मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास निम्नलिखित में किन्हीं आ धककों।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

(क) अन्तर्गत सूची किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधिनियम देने के अन्तरक के  
राजपत्र में कभी करने या उससे बचने में साक्ष्य  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रिया  
जाना बाधित था, स्थानों में मविधा के लिए,

अन्य अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

52—56 GI/85

दुकान नं० 14, जो, ग्राउंड फ्लोअर, श्याम नगर,  
कांजूर सर्वे नं० 275 (अंग), सी० टी० एस० नं०, 657  
बी, भांडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई-78 में स्थित  
है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-3/37-ईई/11988/83-  
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-84  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 15-4-1980

माहुर :

प्रश्न बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37 ईई/11996/83-84—अतः सुचे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 12, जो, ग्राउंड फ्लोर, श्याम नगर, कांजूर सर्वे नं० 275 (ग्रंथ), सी० टी० एस० नं० 657 बी, भांडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में अधिपूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा अआकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वस्तुतः प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अर्थों में करने के अन्तरक के वास्तविक अंश कमी करने या उचित बनने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स स्टार बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री द्वारकेश जी० शेट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थों में किन्हीं कार्रवाहियाँ कराई गई हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थों के संबंध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो कि अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 12, जो, ग्राउंड फ्लोर, श्याम नगर, कांजूर सर्वे नं० 275 (ग्रंथ), सी० टी० एस० नं० 657-बी, भांडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11996/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 15-4-1985

साहू



**प्राप्त्य मार्ग-डी.एच.एच.**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/11993/83-84—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 18, जो, ग्राउंड फ्लोर,  
श्याम नगर, कांजूर सर्वे नं० 275 (ग्रंथ), सी० टी० एस०  
नं० 657-बी, भांडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई-78 में  
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,  
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम  
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
थावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
से निम्न; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
से निम्न;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स स्टार बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री रसिकलाल एम० वजीर ।

(अन्तररिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करवा है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

दुकान नं० 18, जो, ग्राउंड फ्लोर, श्याम नगर,  
कांजूर सर्वे नं० 275 (ग्रंथ), सी० टी० एस० नं० 657-  
बी, भांडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-3/37-ईई/11992/  
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984  
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 15-4-1985

मोहर :

प्रश्न नम्बर टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) मैसर्स अल्टर-कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री वि० वि० परमार।

(अन्तरिती)

**आवक सूचना**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/11709/83-84---अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1, जो, 1 ली मंजिल, प्लॉट  
नं० 21, सर्वे नं० 105 से 110, 146 और 147 और सी० टी० एस० नं० 651, "गंगा भागर", जवाहर नगर,  
एस० विरोड, गोरेगांव(प), बम्बई-62 में स्थित है (और  
इससे स्पष्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और  
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269  
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय  
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्टमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से ऐसे इष्टमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से स्वीकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० 1, जो, 1 ली मंजिल, प्लॉट नं० 21, सर्वे  
नं० 105 से 110, 146 और 147 और सी० टी० एस०  
नं० 651, गंगा भागर, जवाहर नगर, एस० वि० रोड,  
गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/ 11709/  
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक  
1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीख : 1-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं. आई-3/37-जी०/2519/83-84--अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 239, 239/1 से 35, न्यू मिल रोड, कुली, बम्बई, में स्थित है। (और इससे जापबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है।) रजिस्ट्री अती अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) अब्दुल एच० शेख मेहरबान और अन्य (अन्तरक)
- (2) फिरोज जे० मंत्री, नुरुवदीन जे० मंत्री और अन्य (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलख सं० 2653/84 और जो रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद  
सजम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985  
मोहर :

प्रथम भाग-डी.एन.एत.-----

(1) श्री कुलदीप कौर देसाई

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कपूर।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1984

निर्देश सं० आई०-3/37-जी०/2540/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लेन्ड एट व्हिलेज इरोगल, तालुका बोरीवली, सर्वे नं० 126/2, बम्बई में स्थित है। (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 358/82 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेन्ज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37-जी०/2529/83-84--प्रतः मुझे,  
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० लैंड बेयरिंग एम० नं० 67, एच० नं०  
9, सी० टी० एम० नं० 815-बी, बिलेज, मनुड (पूर्व) तालुका  
कुली, गवाणगाडा बिलेज, बम्बई-81, में स्थित है। और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,  
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

14-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष  
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
भिन्नीकृत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गाजानंद लक्ष्मण केणी और अन्य।

(अन्तरिती)

(2) कपिल, विरण को-प्रान० हाउसिंग सोसाइटी  
लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विसेख सं० 114/84 और जो  
उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिवारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेन्ज-3 बम्बई

तारीख: 10-4-1985

मोहर :

**वस्तु बाई-टी.एन.एच.-----**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, बम्बई**

**बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985**

**निर्देश सं० आई-3/37जी०/2516/83-84--प्रतः मुझे,  
ए० प्रसाद,**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है**

**और जिनकी सं० विहलेज मूलूङ (पूर्व), प्लॉट नं० 4बी, सी० एस० नं०, 163 (अंश), 171 (अंश), 172 (अंश) और 174 (अंश), तालूका कुली, बम्बई, में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 31-8-1984**

**को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---**

**(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बर्णन में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या**

**(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;**

**नोट: धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार न, न उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---**

**(1) मेसर्स श्री जी० इंटरप्राइजेस**

**(अन्तरक)**

**(2) आर० बी० आय एम्प्लाइज "शुभांगी" को-ऑप-  
हा लिंग सोसाइटी लि०।**

**(अन्तरिती)**

**को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।**

**उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—**

**(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;**

**(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।**

**स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।**

**अनुसूची**

**अनुसूची जेता कि विनियम सं० एस० 2371/84 और जो ऊपरजिम्मेदार, बम्बई द्वारा दिनांक 31-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।**

**ए० प्रसाद**

**सक्षम प्राधिकारी**

**सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेंज-3, बम्बई**

**दिनांक 10-4-1985**

**माहुर :**

प्रत्यक्ष बतर्ह. टी. एन. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

बाजार मूल्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियंत्रण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई-3/37 जी०/2514/83-84—अन मुझे,  
ए० प्रसाद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक हैऔर ज़िन्दी प० प्लाट न० 48-ग, जो, 317-70 स्क्वैयर  
मिटर्स, सी० टी० एन० 129, /6 और 7, गोंगेगाव बम्बई  
में स्थित है। और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है।, रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 9-8-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके समान प्रतिफल से ऐसे समान प्रतिफल का उचित  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक में  
हायिल में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए, और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए,

(1) श्रीमती निरुद्राबाई क विनोदकर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एम० एल० एम० एस० सिमिण्टभ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 664/84 और जो  
ऊपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

असम पाधिगामी

सहायक आयकर आयुक्त (नियंत्रण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक 10-4-1985

प्रोहुर :

अन: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1985

निदेश सं० जी०आई०आर० सं० डी-57/एक्वी-प्रतः

मन्त्री, ए० प्रसाद,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० बंगला जोकि आल्सेकोर्ट से जाना जाता है तथा जो सुखताल, मल्लीताल नैनीताल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 'अगस्त' 1984

धारा पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक अवधि-निर्गम के अधीन कर देने के अन्तरक को आयिदाय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का-11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गते व्याप्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा न मिले;

कतः कम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ की उपधारा (1) में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधिन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

(1) 1. श्री ए०बी० एल० अग्निहोत्री ।

2. श्री रामजी अग्निहोत्री

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप कपूर

(अन्नरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संप्रति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या श्रुतसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्यमान है।

ॐ नमः

रिहायशी बंगला जो की ग्राहर्सकोर्ट के नाम से जाना जाता है। जिसका टोटल एरिया 2.58 एकड़ (10280 वर्ग-मीटर है) स्थित मुखताल-मल्लीताल, नैनीताल (जैसा फार्म 37-जी संख्या 320 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नैनीताल के कार्यालय में अगस्त, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रंज, लखनऊ

तारीख : 27-3-1985

माहुर :



## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 16th April 1985

No. F. 6/85-SCA(I).—Shri M. V. Rao, Officiating Section Officer, Supreme Court of India, having expired on the 15th April, 1985, his services in the Registry came to an end with effect from the afternoon of 15th April, 1985.

S. GHOSH,  
Assistant Registrar (Admn.)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 21st March 1985

No. A-19014/5/84-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri G. K. Sinha, an officer of the Indian Inspection Service as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission, with effect from 1-3-1985(FN), until further orders.

The 23rd March 1985

No. A. 32014/1/85-Admn. III.—In partial modification of this office Notification No. A. 32014/1/85-Admn. III, dated 14-2-1985, the period of *ad-hoc* appointment of S/Shri S.D. Mall and Manjit Kumar as Section Officers in the office of the Union Public Service Commission would be as indicated below against their names or until further orders, whichever is earlier :—

Sl. No.	Name	Period of ad-hoc appointment
1.	Shri S.D. Mall	11-2-85 to 4-4-85
2.	Shri Manjit Kumar	18-2-85 to 4-4-85

2. Further, the President is pleased to appoint Shri V.D. Sharma, a regular Assistant of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on an *ad-hoc* basis in the office of the Union Public Service Commission for the period from 1-3-1985 to 31-3-85 or until further orders, whichever is earlier.

The 27th March 1985

No. A. 32014/1/85-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following regular Assistants of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on *ad-hoc* basis in the office of the U.P.S.C. for the period indicated against each, or until further orders, whichever is earlier :—

Sl. No.	Name	Period
1.	Shri S.L. Kumar	1-4-85 to 29-7-85
2.	Shri Philip John	1-4-85 to 29-7-85
3.	Shri A.S. Jat	1-4-85 to 29-7-85
4.	Shri C.L. Bhat	1-4-85 to 30-6-85
5.	Shri Bhagirathi Kumar	1-4-85 to 29-7-85
6.	Shri K.L. Sud	1-4-85 to 30-6-85
7.	Shri S.D. Mall	5-4-85 to 30-6-85
8.	Shri Manjit Kumar	5-4-85 to 30-6-85
9.	Shri Amrit Lal	15-4-85 to 30-6-85
10.	Shri C.L. Jasra	15-4-85 to 31-5-85
11.	Smt. Molly Tewari	1-4-85 to 15-5-85
12.	Shri H.C. Sharma	5-4-85 to 19-5-85
13.	Shri Tara Singh (SC)	1-4-85 to 15-5-85
14.	Shri S.P.S. Sagar (SC)	15-4-85 to 15-5-85

The 1st April 1985

No. A. 38014/10/84-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri V. D. Sharma, a permanent Assistant and officiating Section Officer on *ad-hoc* basis of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government Service, on attaining the age of superannuation

with effect from the afternoon of the 31st March, 1985 in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 33/12/73-Ests(A) dated the 24th November, 1973.

The 4th April 1985

No. A. 32018/4/83-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even number dated 6-3-1985, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints the following Programme Assistants-cum-Console Operators in the office of Union Public Service Commission as Programmers in the Commission's office on *ad-hoc* basis for a further period of 6 months w.e.f. 1-4-1985 to 30-9-1985 or until further orders whichever is earlier :—

1. Shri D. R. Anand.
2. Shri V. K. Vohra.
3. Smt. Rita Tulsaney.

These appointments are purely on *ad-hoc* basis and will not confer upon these officers any title for regular appointment or seniority in the post of Programmer.

The 6th April 1985

No. A. 32014/1/85-Admn.III.—In partial modification of this office Notification of even number dated 27th March, 1985, the period of *ad-hoc* appointment of Shri H. C. Sharma, appearing at serial No. 12 in the said Notification, as Section Officer would be for the period from 6-4-1985 to 20-5-1985 or until further orders, whichever is earlier.

The 8th April 1985

No. A. 12034/2/83-Admn. II (i).—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Research Assistants (Lang.) in the Commission's office as Research Officers (ER) against the upgraded posts at the initial constitution in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (Group 'A'—Gazetted) on regular basis w.e.f. 9-11-1984, until further orders

1. Km. K. Bandyopadhyay.
2. Sh. M. L. Varadpande.  
(at present on foreign service with the Sahitya Akademi w.e.f. 31-7-1984 (A.N.).)
3. Sh. Buddhadev Ghosh.
4. Sh. S. B. Kodad.
5. Sh. Arbinda Nath Sarma.
6. Smt. G. Manjeet Singh.

M. P. JAIN.

Under Secy. (Admn.)

Union Public Service Commission.

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING  
ADMINISTRATIVE REFORMS & PUBLIC GRIEVANCE  
AND PENSION

DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

No. 3/21/85-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri V. Nandha Kumar, an officer of Madras State, as Senior Public Prosecutor, on deputation, in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment w.e.f. the forenoon of 25th March, 1985 and until further orders.

Shri V. Nandha Kumar is posted in Cochin Bt.

The 20th April 1985

No. 3/16/85-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri J. K. Dutt, IPS (WB-1971) as superintendent of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 15th April, 1985 and until further order.

R. S. NAGPAL,

Administrative Officer (E) CBI.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110 001, the 20th April 1985

No. 13/6/81-Adm. I.—The Director General, Bureau of Police Research & Development is pleased to appoint Shri N. P. Gupta, Dy. Supdt. of Police as Deputy Superintendent of Police, Bureau of Police Research and Development in a substantive capacity with effect from 4-7-1979.

D. MAJUMDER,  
Jt. Assistant Director.

DIRECTORATE GENERAL,  
CRP FORCE, GOVT. OF INDIA

New Delhi-110003, the 17th April 1985

No. O. II-1971/84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. T. K. Roy as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 25th March, 1985 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 18th April 1985

No. O. II-1761/82-Estt.—The Directorate General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Putarama Pradhan as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 14th March, 1985 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 19th April 1985

No. O. II-1764/82-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Bhabani Prasad Hazarika as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 2nd March, 1985 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 20th April 1985

No. O. II-1707/81-Estt.—The President is pleased to allow Shri Rajinder Singh, Dy. S. P. of 1st Signal Bn., CRPF retire voluntarily from service under Rule 43(d) of CRPF Rules with effect from 15-4-1985 (FN).

ASHOK RAJ MAHEPATIHI,  
Assistant Director (East)

DIRECTORATE GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 16th April 1985

No. E-32015(3)21/84-Pers-I.—President is pleased to appoint Shri C. D. Kukreti, as Commandant CISF Unit BCCL.

Jharia with effect from the forenoon of 1st April 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 27-8-85 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

The 17th April 1985

No. E-28017/10/84-Pers. II.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation, Shri S. K. Chakravorty, relinquished charge of the post of Assistant Commandant, Training Reserve, Central Industrial Security Force (E/Zone), Calcutta on the afternoon of 31st January, 1985.

The 18th April 1985

No. E-32015(3)/20/84-PPers. I.—President is pleased to appoint Shri S. K. Arora as Group Commandant CISF Madras with effect from the afternoon of 28th March 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 27-8-1985 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

S. ANANDARAM,  
Director General/CISF.

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

(DEPARTMENT OF LABOUR)

LABOUR BUREAU

Shimla-171004, the 3rd May 1985

No. 23/3/85-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by one point to reach 586 (five hundred eighty six), for the month of March, 1985. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of March, 1985 works out to 712 (seven hundred twelve).

A. K. MALHOTRA  
Deputy Director  
Labour Bureau

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 17th April 1985

No. CA.I/408-84. Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Comml) has been pleased to promote following Assistant Audit Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officer (Commercial) and post them as such in the offices noted against each names in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders :—

Sl no	Name of AAO(C)	Office where working before before promotion	Office where posted on promotion as AO(C)	Date of posting as AO(C)
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	B.N. Dave	AG (Audit), Gujarat	MAB/DCA, Bombay	5-10-84
2.	K.N. Sadanandan II	AG (Audit)-II 'Tamil Nadu, Madras.	AG (Audit), Karnataka	9-8-84
3.	R.S. Verma	AG (Audit), Rajasthan	DA(S&CD), Bombay	13-3-84
4.	U.R. Patolia	Do.	AG (Audit) J&K, Srinagar	18-8-84
5.	K.V. Rao	On deput, to BHEL, Hyderabad	AG (Audit), A.P., Hyderabad.	10-8-84
6.	S.L.B. Srivastava	MAB/DCA, Dehradun	AG (Audit-I), Bihar, Patna.	17-8-84
7.	T. Vijaya Krishnan	MAB/DCA (P&O), Madras.	AG (Audit), Orissa.	21-8-84
8.	H.N. Sarkar	AG (Audit), Orissa, Bhubaneswar.	AG (Audit), Assam.	12-11-84
9.	Ram Bali Prasad	AG (Audit-II) U.P., Lucknow.	MAB/DCA, Ranchi,	18-8-84
10.	Permanand	AG (Audit-II), U.P., Lucknow.	Do.	18-8-84
11.	A.S. Saxtry	CAG Office, New Delhi.	AG (Audit), Assam.	21-8-84
12.	Gurdev Singh	MAB/DCA, New Delhi.	AG (Audit), HP&Ch. Simla.	18-8-84 AN
13.	M.L. Bareja	DA (S&CD), Bombay	AG (Audit), Gujarat, Ahmedabad.	3-12-84
14.	N. Chakravarty	AG (Audit) Karnataka, Bangalore.	MAB/DCA, Hyderabad	20-8-84

K. P. LAKHMANA RAO,  
Asstt. Compt. & Ac. Genl.  
(Comml)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 9th April 1985

No. Admn. I/O.O. No. 83.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints Shri R. C. Jain, an officiating Audit Officer of this office, in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 1-10-1984.

Sd. ILLEGIBLE  
Dy. Director of Audit (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AU)-I  
ANDHRA PRADESH,

Hyderabad, the 20th April 1985

No. Admn. I/8-132/84-85/13.—Sri A. Rama Swamy, Audit Officer, Office of the Accountant General (Audit), Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 31-3-1985 (A.N.).

Senior Deputy Accountant General.  
(Administration)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I  
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 17th April 1985

No. O.E. XI/Gr. I/GOs/Promotion/19/29.—The Accountant General (Audit) : I, Madhya Pradesh Gwalior has been pleased to promote the under-mentioned Asstt. Audit Officers as Audit Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates of the taking over as noted against each :

S. No.	Name	Permanent No.	Date of taking over	Allocated to
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	D.S. Jakhmola	01/336	27-3-85 F.N.	A.G. (Audit): II M.P., Gwalior
2.	B.V. Iyer	01/330	27-3-85 A.N.	Do.
3.	R.S. Verma	01/309	1-4-85 F.N.	Do.

(Authority: A.G. (Audit):I Orders' dated 27-3-1985)

M. DEENA DAYALAN,  
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)  
ORISSA

Bhubaneswar-751 001, the 17th April 1985

E. O. No. 6.—The Accountant General (A&E), Orissa is pleased to appoint Shri R. Rama Rao, Section Officer of this Office to officiate as Accounts Officer in the scale of pay Rs. 840-40-1000-EB-1200 with effect from 9-4-1985 (FN) in accordance with the provision of the IA & AD (Administrative Officer Accounts Officer and Audit Officer) Recruitment Rules, 1964. This promotion is on *ad-hoc* basis and subject

to the Final decision of the High Court/Supreme Court on the cases subjudice in the Court and without prejudice to the claim of his seniors.

K. S. MENON  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) : I  
U.P.

Allahabad, the 12th April 1985

No. Admn. I.A.C.(Audit)-1/13-7-195.—Shri Kali Prasad, substantive Audit Officer of the Office of the Accountant General (Audit)-I, U.P., Allahabad, has retired from Government service on attaining the age of superannuation w.e.f. 31 March, 1985 (A.N.).

No. Admn./A.C. (Audit) I/13-7/95.—Following Officiating Audit Officers have been appointed in substantive capacity in Audit Officers cadre in the Office of the Accountant General (Audit) Uttar Pradesh Allahabad with effect from the dates noted against each :

Sl. No.	Name	Dates from which substantive appointment made
S/Shri		
1.	Triloki Nath Tewari	1-8-1984
2.	S.K. Moitra	1-8-1984
3.	Ramesh Chandra Anand	1-10-1984
4.	Ram Dhani Singh	1-10-1984
5.	Prakash Bahadur	1-11-1984
6.	P.G. Sinha	1-2-1985
7.	A.C. Sinha	1-2-1985
8.	Keshri Narain Verma	1-4-1985

RAJIB SHARMA  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL : (II)  
WEST BENGAL  
(LOCAL AUDIT DEPARTMENT)

Calcutta-700 001, the 4th December 1984

## ORDER

No. LA/ADMN/946/RESTRUCT/325.—Consequent upon the restructuring of cadres in the Local Audit Department in the office of the Accountant General (II), West Bengal, the condition precedent to the grant of proforma promotion under the 'NEXT BELOW RULE' below F.R. 31(1) having been fulfilled, the Accountant General has been pleased to order that Shri Sekhar Gupta, Section Officer of the Local Audit Department of the said office has been granted proforma promotion as an Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 in his parent office with effect from the 29th May, 1984 in the forenoon or any date thereafter from which his immediate junior Shri Sib Prasad Pramanik, Section Officer actually assumed charge as Assistant Audit Officer.

The conditions at the time of initial appointment/recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

## ORDER

No. LA/ADMN/946/RESTRUCT/325.—Consequent upon the restructuring of cadres in the Local Audit Department in the office of the Accountant General (II), West Bengal, the condition precedent to the grant of proforma promotion under the 'NEXT BELOW RULE' below F.R. 31(1) having been fulfilled, the Accountant General has been pleased to order that Shri Chanchalender Ghosh, Section Officer of the Local Audit Department of the said office has been granted pro-

forma promotion as an Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 in his parent office with effect from the 29th May, 1984 in the forenoon or any date thereafter from which his immediate junior Shri Basudev Basu, Section Officer actually assumed charge as Assistant Audit Officer.

The conditions at the time of initial appointment/recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

#### ORDER

No. LA/ADMN/946/RESTRUCT/325.—Consequent upon the restructuring of cadres in the Local Audit Department in the office of the Accountant General (II), West Bengal, the condition precedent to the grant of proforma promotion under the 'NEXT BELOW RULE' below F.R. 31(1) having been fulfilled, the Accountant General has been pleased to order that Shri Bibhute Bhushan Das, Section Officer of the Local Audit Department of the said office has been granted proforma promotion as an Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 in his parent office with effect from the 29th May, 1984, in the forenoon or any date thereafter from which his immediate junior Shri Gopal Ch. Dhali, Section Officer actually assumed charge as Assistant Audit Officer.

The conditions at the time of initial appointment/recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

#### ORDER

No. LA/ADMN/946/RESTRUCT/325.—Consequent upon the restructuring of cadres in the Local Audit Department in the office of the Accountant General (II), West Bengal, the condition precedent to the grant of proforma promotion under the 'NEXT BELOW RULE' below F.R. 31(1) having been fulfilled, the Accountant General has been pleased to order that Shri Bhaskarananda Bose, Section Officer of the Local Audit Department of the said office has been granted proforma promotion as an Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 in his parent office with effect from the 29th May, 1984 in the forenoon or any date thereafter from which his immediate junior Shri Birendra Nath Bataogal, Section Officer actually assumed charge as Assistant Audit Officer.

The conditions at the time of initial appointment/recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

#### ORDER

No. LA/ADMN/946/RESTRUCT/325.—Consequent upon the restructuring of cadres in the Local Audit Department in the office of the Accountant General (II), West Bengal, the condition precedent to the grant of proforma promotion under the 'NEXT BELOW RULE' below F.R. 31(1) having been fulfilled, the Accountant General has been pleased to order that Shri Prabir Kumar Ray, Section Officer of the Local Audit Department of the said office has been granted proforma promotion as an Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 in his parent office with effect from the 29th May, 1984 in the forenoon or any date thereafter from which his immediate junior Shri Barid Baran Mukherjee, Section Officer actually assumed charge as Assistant Audit Officer.

The conditions at the time of initial appointment/recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

#### ORDER

No. LA/ADMN/946/RESTRUCT/325.—Consequent upon the restructuring of cadres in the Local Audit Department in the office of the Accountant General (II), West Bengal, the condition precedent to the grant of proforma promotion under the 'NEXT BELOW RULE' below F.R. 31(1) having been fulfilled, the Accountant General has been pleased to order that Shri Abhay Sarkar Bhar, Section Officer of the Local Audit Department of the said office has been granted proforma promotion as an Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 in his parent office with effect from the 29th May, 1984 in the forenoon or any date thereafter from

which his immediate junior Shri Sudhansu Rakshit, Section Officer actually assumed charge as Assistant Audit Officer.

The conditions at the time of initial appointment/recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

#### ORDER

No. LA/ADMN/946/RESTRUCT/325.—Consequent upon the restructuring of cadres in the Local Audit Department in the office of the Accountant General (II), West Bengal, the condition precedent to the grant of proforma promotion under the 'NEXT BELOW RULE' below F.R. 31(1) having been fulfilled, the Accountant General has been pleased to order that Shri Iusher Kanti Sarkar, Section Officer of the Local Audit Department of the said office has been granted proforma promotion as an Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 in his parent office with effect from the 29th May, 1984 in the forenoon or any date thereafter from which his immediate junior Shri Arun Kr. Sengupta, SG. Section Officer actually assumed charge as Assistant Audit Officer.

The conditions at the time of initial appointment/recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

The 20th March 1985

#### ORDER

No. LA/ADMN/RESTRUCT/946/459.—As Shri K. K. Biswas Section Officer, who is now on a foreign service with the District School Board, Murshidabad without the approval of the lending authority on the expiry of the term ending on 8-9-83, has not yet been released by the borrowing authority, and consequent upon the restructuring of cadres in the Local Audit Department in the Office of the Accountant General (II), West Bengal and also the condition precedent to the grant of proforma promotion under the 'NEXT BELOW RULE' below F.R. 31(1) having been fulfilled, the Accountant General-II, West Bengal has been pleased to order that Shri K. K. Biswas, Section Officer of the Local Audit Department of the said office, has been granted proforma promotion as an Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 in his parent office with effect from the 30th July, 1984 in the forenoon or any date thereafter from which the immediate junior Shri Parnab Sarkar, Section Officer actually assumed/assumes charge as Assistant Audit Officer.

The conditions at the time of initial appointment/recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

No. LA/ADMN/RESTRUCT/946/459.—As Shri B. P. Bhattacharya, Section Officer who is now on foreign service with the District School Board, Purulia without the approval of the lending authority on the expiry of the term ending on 31-3-83, has not yet been released by the borrowing authority, and consequent upon the restructuring of cadres in the Local Audit Department in the Office of the Accountant General (II), West Bengal and also the condition precedent to the grant of proforma promotion under the 'NEXT BELOW RULE' below F.R. 31(1) having been fulfilled, the Accountant General-II, West Bengal has been pleased to order that Shri B. P. Bhattacharya, Section Officer of the Local Audit Department of the said office, has been granted proforma promotion as an Assistant Audit Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 in his parent office with effect from the 30th July, 1984 in the forenoon or any date thereafter from which the immediate junior Shri Palan Roy Choudhury, Section Officer [actually assumed] assumes charge as Assistant Audit Officer.

The conditions at the time of initial appointment/recruitment and subsequent promotion will continue to apply mutatis-mutandis.

N. G. CHAKRABARTI  
Examiner of Local Accounts,  
West Bengal

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 27th March 1985

No. AN/II/2158-85.—The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the undermentioned permanent Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in an officiating capacity with effect from the date noted against each until further orders.

S. No.	Name	Organisation	Date
S/Shri			
1.	M.P. Singh	CDA(P) Allahabad	17-10-83
2.	Nellam Elisha	CDA(O) Pune	1-5-84
3.	Dalip Singh	CDA (ORs) North Meerut	4-5-84
4.	C.L. Jaiswal	CDA Patna	1-5-84
5.	Rajendra Prasad	CDA Patna	29-10-84
6.	Ram Briksh Pandey	CDA (CSD) Bombay	1-5-84
7.	S.C. Mittal	CDA SC Pune	1-5-84
8.	S.P. Srivastava	CDA(P) Allahabad	1-5-84
9.	V. Ramu	CDA (O) Pune	2-5-84
10.	Rampati Singh	CDA Patna	1-5-84
11.	R.N. Awasthi	CDA (ORs) Central, Nagpur	1-5-84
12.	Smt. S. N. Badkar	C of A (FYS) Calcutta	1-5-84
13.	C. Bhindu Madhavan	CDA (AF) Dehradun	1-5-84
14.	T.P. Padmanabhankidav	CDA(O) Pune	1-5-84
15.	D.N. Malhotra	CDA(CC) Meerut	2-2-84
16.	R. Venkataraman	CGDA New Delhi	30-1-84
17.	A.S.R.K.V. Prasad	C of A (FYS) Calcutta	10-5-84
18.	R.A. Pandey	C of A (FYS) Calcutta	28-6-84
19.	G.K. Agarwal	C of A (FYS) Calcutta	28-6-84
20.	C.R. Ramanujam	CDA HQRs New Delhi	20-6-84
21.	K.K. Jha	CDA Patna	13-7-84
22.	Shambu Nath Shukla	CDA (PD) New Delhi	29-6-84
23.	D.V. Krishna Rao	CDA (ORs) Central, Nagpur	20-6-84
24.	Krishan Avtar	CDA (CC) Meerut	9-7-84
25.	A.S. Venkataraman	CDA (ORs) South, Madras	19-6-84
26.	Kailash Chand Sharma	CDA (PD) New Delhi	26-6-84
27.	D. Sitaramaiah	CDA Gauhati	30-7-84
28.	S.K. Saxena	CDA (ORs) Central, Nagpur	3-8-84
29.	R. Lakshminarayanan	CDA (SC) Pune	29-10-84
30.	K.A. Despande	CDA (ORs) Central, Nagpur	27-6-84
31.	Rameshwar Singh	CDA(PD) New Delhi	30-6-84
32.	K.R. Tiwari	CDA(CC) Meerut	30-7-84
33.	Rameshchandra Mittal	CDA (SC) Pune	19-7-84
34.	T.L. Appa Rao	CDA Gauhati	15-10-84
35.	K.L. Sharma	CDA (NC) Jammu	5-9-84
36.	V. Ranganathan	CDA (ORs) Central, Nagpur	26-9-84
37.	K.S. Sreenivasa Kurup	C of A (FYS) Calcutta	25-9-84

S. No.	Name	Organisation	Date
S/Shri			
38.	N.K. Balasundaram Iyer	CDA (O) Pune	1-9-84
39.	Dina Nath	C of A (FYS) Calcutta	26-9-84
40.	V. Narasimhan	CDA (O) Pune	12-9-84
41.	N.K. Grover	CDA(WC) Chandigarh	3-9-84
42.	Bishan Lal Deshavar	CDA (HQRs) New Delhi	1-9-84
43.	Chandra Dutta Kaushik	CDA (ORs) North, Meerut	4-9-84
44.	K.G. Rastogi	CGDA New Delhi	18-9-84
45.	K.P. Singh	C of A (FYS) Calcutta	29-10-84
46.	R. Ramaswamy	C of A (FYS) Calcutta	1-10-84
47.	S.D. Dwivedi	CDA (ORs) North, Meerut	31-10-84
48.	G.R. Jha Raman	CDA Patna	15-10-84
49.	Krishna Kumar Sharma	CDA (ORs) North, Meerut	29-10-84
50.	Ram Pal	CDA (NC) Jammu	29-10-84
51.	C. Tirupalli Krishnan	C of A (FYS) Calcutta	29-10-84
52.	K.K. Sachdeva	C of A (FYS) Calcutta	10-8-84
53.	Prag Dutta	CDA (CC) Meerut	3-2-84
54.	Hari Shankar	CDA (WC) Chandigarh	29-1-85
55.	Badlu Singh	CDA (PD) New Delhi	29-11-84
56.	Charan Dass	CDA NC Jammu	29-11-84
57.	Shiv Singh	CDA WC Chandigarh	27-11-84
58.	Kripal Singh	CDA Gauhati	31-12-84
59.	Ramesh Chandra Saha	CDA Patna	12-1-85
60.	G.N. Kamble	CDA (O) Pune	26-12-84
61.	B.L. Bhanotra	CDA (PD) New Delhi	31-12-84
62.	Surendra Prakash	CDA (ORs) North, Meerut	31-12-84
63.	Sukh Ram	CDA (AF) Dehradun	31-12-84
64.	Sushil Kumar	CDA WC Chandigarh	22-12-84
65.	Ram Prasad	CDA (ORs) North, Meerut	31-12-84
66.	J.P. Tamta	CDA (PD) New Delhi	28-12-84
67.	B.S. Surade	CDA (AF) Dehradun	31-12-84
68.	B.D. Sagar	CDA NC Jammu	29-10-84
69.	P.C. Mondal	CDA Patna	30-10-84
70.	Om Prakash	CDA (O) Pune	31-10-84
71.	V.T. Thakur	CDA SC Pune	10-10-84
72.	Kishan Chand	CDA (O) Pune	29-10-84
73.	Jeet Ram	CDA (ORs) North, Meerut	29-10-84
74.	Lobhi Lal	CDA CC Meerut	11-12-84
75.	Prem Singh	CDA WC Chandigarh	30-11-84

S. No.	Name	Organisation	Date
S/Shri			
76.	D.P. Singh	CDA (HQs) New Delhi	31-12-84
77.	H.V. Chinchkhede	CDA (O) Pune	26-11-84
78.	A. Panaiyadian	C of A (FYS) Calcutta	29-11-84
79.	Jagwa Singh	CDA (PD) New Delhi	29-11-84
80.	C.L. Kureel	C of A (FYS) Calcutta	26-11-84

officiate in the election Grade of the CSS and as Joint Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay on adhoc basis for a further period of 3 months w.e.f. 21st February, 1985.

P. C. JAIN  
Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 16th April 1985

No. 6/1393/82-Admn(G)/1948.—On attaining the age of superannuation, Sh. S. N. Aggarwal, Controller of Imports & Exports in this office retired from Government service with effect from the afternoon of the 31-3-1985.

The 17th April 1985

No. 6/1486/84-Admn(G)/1965.—On attaining the age of superannuation, Sh. U. R. Joshi, Controller of Imports & Exports in this office retired from Government service with effect from the afternoon of the 31-3-1985.

The 18th April 1985

No. 6/1025/74-Admn(G)/1956.—On attaining the age of superannuation, Shri R. P. Thakur, Controller of Imports and Exports in this office retired from Government service with effect from the afternoon of the 31st March, 1985.

The 20th April 1985

No. 1/2/84-Admn(G)/1904.—The President is pleased to appoint Shri P. Venkatesan, CSS (Grade I Select List, 1983-No. 139) as Dy. Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi on ad-hoc basis for a further period of one month from 1-11-84 to 30-11-84 and from 1st December, 1984 (FN) until further orders.

2. The above appointment of Shri Venkatesan, as Dy. Chief Controller of Imports & Exports on regular basis until further orders is subject to decision on the Writ Petition pending in the Delhi High Court in this connection including the Civil Writ Petition No. 511 of 1980 in the Delhi High Court Mr. Thomas Mathew and 2 others Vs. Union of India, and Civil Writ Petition No. 2555/83 of 1985—M. L. Nathani & others Vs. Union of India.

M. P. ISAAC,  
Dy. Chief Controller of Imports & Exports  
for Chief Controller of Imports & Exports

**CORRIGENDUM**  
In this Department Notification No. AN/II/2158-83 dated 7-12-83 regarding appointment of Pt. Section Officers (Accounts) as Accounts Officers in officiating capacity the following amendment is made.

Against Sl. No. 143

For — 2-12-82

Read — 21-12-82

A.K. GHOSH,  
Addl. C.G.D.A. (AN)

#### DGOE HEADQUARTERS CIVIL SERVICE

#### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700001, the 1st April 1985

No. 4/85/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, Shri Krishna Narayan Mukherjee, Offg. Private Secretary (Substantive and Permanent Steno 'C'), retired from service with effect from 31-3-85 (A.N.).

S. DASGUPTA  
Director/Admn.  
for Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 22nd April 1985

#### IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 1/16/83-Admn(G)/2008.—The President is pleased to appoint Smt. P. Swaminathan (CSS SG SL 1983) to

#### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A6)

New Delhi-110001 the April 1985

No. A. 31013/5/78-A.6.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers of the Inspection Wing of the Directorate General of Supplies and Disposals substantively in the permanent post of Asstt. Director of Inspection (Met.) (Grade III of I.I.S. Group-A, Met. Branch) with effect from the date indicated against the name of each officer :—

Sl. No.	Name	Post held at present	Post in which confirmed	Date from which confirmed	Remarks
1	2	3	4	5	6
S/Shri					
1.	R.M. Saha	DDI (Met.)	Asstt. Director of Inspection (Met.)	29-10-75	Vice posts created by Deptt. of Supply Lt. No. 42/19/69 ESII, dt. 22-4-70.
2.	B. Das Gupta	DDI (Met.) on Deputation	Do	2-3-79	Do.
3.	N.P. Pasane	DDI (Met.)	Do.	4-7-79	Do.

1	2	3	4	5	6
4. Dipankar Kirti	DDI (Met.)	Asstt. Director of Inspection (Met.)	16-11-79	Vice Sh. K.M. Taneja confirmed as DDI (Met.)	
5. B. Sudhir	Do.	Do.	31-1-80	Vice Sh. S.B. Gupta confirmed as DDI (Met.)	
6. A.K. Majumdar	Do.	Do.	16-5-80	Vice Sh. S.K. Ghosh confirmed as DDI (Met.)	
7. S.K. Ganguly	Do.	Do.	16-5-80	Vice Sh. G.P. Gupta confirmed as DDI (Met.)	
8. D.K. Gupta	ADI (Met.)	Do.	16-5-80	Vice Sh. R.M. Rudra, Retd.	
9. P.K. Gayan	ADI (Met.)	Do.	16-5-80	Vice Sh. R.S. Dubey, Retd.	

S. L. KAPOOR,  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General, Supplies and Disposals.

New Delhi-110 001, the 12th April 1985

No. A6/247(92)/58, V.—Shri C. R. Sircar, a permanent Director of Inspection and officiating Deputy Director General (Inspection) (Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A') in the Headquarters Office of the Directorate General of Supplies and Disposals at New Delhi, retired from Government Service on the afternoon on 31st March, 1985 on attaining the age of superannuation.

The 17th April 1985

No. A 17011/74/74/A6.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Sehgal, Inspecting Officer (Textile) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A') (Textiles Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Textiles) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A') (Textiles Branch) on regular basis in the scale of pay of Rs. 1100 (6th year or under)-50-1600 with effect from the forenoon of 15th February, 1985 and until further orders.

2. Shri A. K. Sehgal relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Textiles) and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Textiles) in the office of Dy. Director of Inspection (Textiles) at Ludhiana under N.I. Circle, New Delhi on the forenoon of 15th February, 1985.

No. A.17011/157/79-A6.—The President is pleased to appoint Shri D. C. Das, Inspecting Officer (Textiles) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A') (Textiles Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Textiles) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A') (Textile Branch) on regular basis in the scale of pay of Rs. 1100 (6th year or under)-50-1600 with effect from the forenoon of 15th February, 1985 and until further orders.

2. Shri D. C. Das relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Textiles) and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Textiles) in the office of Director of Inspection, Bombay on the forenoon of 15-2-1985.

No. A.32013/16/84-A6.—The President is pleased to appoint Shri A. Mitra, Permanent Deputy Director General (Inspection) super time scale post in Indian Inspection Service, Group 'A' to officiate as Additional Director General (Inspection) super time scale post in Indian Inspection Service, Group 'A' on regular basis in the pay scale of Rs. 2250-125/2-2500 with effect from the forenoon of 5th January, 1985 and until further orders.

No. A-6/247(406).—The President is pleased to appoint Shri B. B. Chaudhary, Inspecting Officer (Textiles) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A') (Textile Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Textiles) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A') (Textile Branch) on regular basis in the scale of pay of Rs. 1100 (6th year or under)-50-1600 with effect from the forenoon of 20th February 1985 and until further orders.

54—56GI/85

2. Shri B. B. Chaudhary relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Textiles) and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Textiles) in the office of Director of Inspection, Calcutta on the forenoon of 20th February, 1985.

S. L. KAPOOR,  
Dy. Director (Admn.)

#### MINISTRY OF STEEL, MINES AND COAL

##### (DEPARTMENT OF MINES)

##### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 15th April 1985

No. A-19012(212)/85-Fstt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri K. R. Nagaraj, Officiating Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Assistant Mining Geologist in this department in Group 'B' post with effect from the forenoon of 28th March, 1985, until further orders.

H. R. S. RAO  
Senior Administrative Officer  
for Controller General  
Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 18th April 1985

No. A-19011(238)/78-Fstt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri D. K. Kundu, Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Senior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 1st April 1985 (forenoon).

The 19th April 1985

No. A-19011(216)/77-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. Balaji, Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Senior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 30th March, 1985 (forenoon).

The 20th April 1985

No. A.19012(112)/83-Fstt.A.Vol.II.—Shri M. M. Sawang, has relinquished the charge of the post of Publication Officer, in Indian Bureau of Mines on the forenoon of 12th April, 1985 sequel to his appointment as Lecturer in Journalism

(General) in the University Department of Journalism, Nagpur University, Nagpur.

P. P. WADHI,  
Administrative Officer,  
for Controller General  
Indian Bureau of Mines

(DEPARTMENT OF COAL)

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 22nd April 1985

No. ADM. 12(4)/79.—Shri B. P. Dasandhi, Assistant Secretary to the Coal Mines Welfare Commissioner, Dhanbad has retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31-1-1985.

R. S. SHIVANI  
Commissioner

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO  
(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 17th April 1985

No. A-19012/2/85-CW-I.—The Director General All India Radio, New Delhi is pleased to appoint the following persons as Asstt. Surveyor of Works(C)/Asstt. Engineer (Civil) in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200/- at places and with effect from the dates shown against each :—

Sl. No.	Name & Designation	Place of posting	Date from which appointed
	S/Shri		
1.	Jagdish Bhagat, ASW(C)	Hqrs./Patna	23-3-84 (F.N.)
2.	Punjya Ram Patil, AE(C)	Hqrs./Nagpur	26-3-84 (F.N.)
3.	Ajay Tiwari, ASW(C)	Hqrs./SSW-II Unit	9-8-84 (F.N.)
4.	Hemant Kumar Padmarker, ASW(C)	Hqrs./SSW-II Unit	17-8-84 (F.N.)
5.	Ashok V. Naik, AE(C)	Hyderabad	9-11-84 (F.N.)
6.	Ram Kumar Singh, AE(C)	Patna	16-11-84 (F.N.)
7.	Om Prakash, AE(C)	Varanasi	31-12-84 (F.N.)
8.	A.K. Mukhopadhyay, AE(C)	Shillong	4-1-85 (A.N.)
9.	Ram Mohan Garg, ASW(C)	Hqrs./SSW-I Unit	15-3-85 (A.N.)
10.	M.P.S. Varma, ASW(C)	Hqrs./SSW-II Unit	4-4-85 (F.N.)
11.	Indra Deo Modi, AE(C)	Hqrs/Lucknow-II (New)	8-4-85 (F.N.)

2. Their appointment is governed by the terms and conditions in the offer of appointment, already issued to them.

S. K. MOHINDRA,  
E.O. to Chief Engineer (C)  
for Director General

New Delhi, the 18th April 1985

No. 3/1/82-SII.—Director General is pleased to extend the period of deputation of Shri D. R. Nag, Hindi Officer, All

India Radio, New Delhi for a further period of one year with effect from 30-3-85 in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 or till such time as another suitable candidate is nominated in his place whichever is earlier.

MOHAN FRANCIS  
Deputy Director of Administration  
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING  
(FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 17th April 1985

No. A-12021/6/84-RC.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the competent authority has appointed Shri A. Udayashankar, Officiating Cameraman in Films Division at Trivandrum to officiate as Newsreel Officer in the same office on a pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200, w.c.f. the forenoon of 1-4-1985 until further orders.

N. N. SHARMA  
Administrative Officer  
for Chief Producer

MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL  
DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTING

Faridabad, the 18th April 1985

No. A.19027/1/83-A-III.—In partial modification of the notification of even number dated 24-3-84, the ad hoc appointment of Shri B. S. Maul in the post of Statistical Officer has been extended with effect from 1-1-84 to 8-2-84. He stands reverted to the post of Senior Statistical Assistant with effect from 8-2-84 (AN).

2. Sh. Maul has been promoted to the post of Statistical Officer purely on ad hoc basis with effect from 10-2-84 to 30-6-84 and he is reverted to the post of Senior Statistical Assistant with effect from 30-6-84 (AN).

ATUL SINHA  
Agricultural Marketing Adviser  
to the Government of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 6th April 1985

No. DPS/41/13/85-Adm./962.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Ratan Chand Sharma a permanent Storekeeper and officiating Chief of Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 15-1-1985 (FN) to 4-3-1985 (AN) in the same Directorate vice Shri K. P. Singh, Asstt. Stores Officer granted leave.

No. DPS/41/13/85-Adm./968.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Mohan Lal Lodha a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad hoc basis, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 28-1-1985 (FN) to 27-2-1985 (AN) in the same Directorate vice Shri V. N. Dadlani, Asstt. Stores Officer promoted as Stores Officer (ad hoc).

P. GOPALAN  
Administrative Officer

NUCLEAR POWER BOARD

Bombay-5, the 10th April 1985

No. NPB/4(904)/82-Adm./3714.—Consequent on the acceptance of his resignation Shri K. K. Chaturvedi, a tempo-



rary Scientific Officer/Engineer Grade-SB in this Board relinquished charge of his post on March 14, 1985 (AN).

N. RAMASWAMY  
Officer on Special Duty (Admn.)

#### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 19th April 1985

No. AMD-8(1)/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri M. S. Viswanatham, Assistant Security Officer in the Atomic Minerals Division as Security Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 15th April, 1985 to 29th May, 1985 afternoon vice Shri S. K. Saraf granted leave.

S. PADMANABHAN  
Sr. Administrative & Accounts Officer

#### DEPARTMENT OF SPACE

##### INSAT-1 MASTER CONTROL FACILITY

Hassan-573 201, the 01st April 1985

No. GN.020.—Project Director, INSAT-1 Space Segment Project, Department of Space is pleased to appoint Shri K. Raghavan, as Scientist/Engineer-SB in the INSAT-1 Master Control Facility Hassan, with effect from the forenoon of 1st April 1985 and until further orders.

V. P. D. NAMBIAR  
Administrative Officer-II  
for Project Director

The 10th April, 1985

No. A. 38013/1/85-EC. The undermentioned officers of the Aeronautical Communication Organisation in the Civil Aviation Department relinquished charge of their office with effect from the date indicated against each on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation :

S. No.	Name & Designation	Station	Date of retirement
1.	Shri N.N. Paul, Asstt. Communication Officer	ACS, Calcutta	28-2-1985 (AN)
2.	Shri K.S.N. Iyer, Asstt. Communication Officer	ACS, Bombay	28-2-1985 (AN)

The 16th April 1985

No. A.19011/12/80-El.—Shri Harbans Singh, Director of Equipment in the Civil Aviation Department has voluntarily retired from Govt. service in the afternoon of 1st April, 1985 under Rule-48A of the CCS (Pension) Rules, 1972.

V. JAYACHANDRAN  
Assistant Director of Administration

#### MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY (INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 15th April 1985

No. E(1)00849.—Director General of Meteorology regrets to notify the sudden demise of Shri P. M. Pakkiri Mohammed, an officer of Indian Meteorological Service, Group 'A' (Gazetted), who expired on March 5, 1985. He was posted as Director in the office of the Deputy Director General of Meteorology (Instruments Inspection & Services), Pune.

K. MUKHERJEE  
Meteorologist (Establishment)  
for Director General of Meteorology

#### MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING)

Bombay-400 038, the 17th April 1985

No. 11-TR(5)/83.—The President is pleased to accept the resignation of Shri S. K. Dalapati, Engineer Officer, Director-

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd March 1985

No. A.32013/12/84-El.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Nangpal, Dy. Director of Aerodromes to the post of Director of Aerodromes on adhoc basis for a period of six months from 6-2-1985 (AN) to 5-8-1985 (AN) or till the post is filled on regular basis whichever, is earlier.

The 8th April 1985

No. A.32013/13/82-El.—In continuation of this Office Notification No. A.32013/13/82-El, dated 29-8-1985, the President is pleased to approve the extension of adhoc appointment of Shri M. Sinha in the grade of Director of Aerodromes, for a further period of six months beyond 14-2-1985 or till the date the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. 32013/5/84-E.I.—In continuation of this office Notification No. A.32013/5/84-El, dated 15-11-1985, the President is pleased to approve the ad-hoc appointment of Shri V. K. Kalra in the post of Officer on Special Duty in the pay scale of Rs. 1800-100-2000 for a period of six months beyond 15-1-1985.

The 9th April 1985

No. A.32013/13/83-El.—The President is pleased to appoint Shri N. S. Chellappa, Senior Technical Asstt. (Testing) in the Research & Development Directorate of the C.A.D. in the grade of Scientific Officer in the pay scale of Rs. 700-1300 on regular basis w.e.f. 24-11-1984 and until further orders.

rate of Marine Engineering Training, Calcutta, with effect from 1-9-1984 (F.N.).

AMITABH CHANDRA  
Dy. Director General of Shipping

#### MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

##### (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

##### (COMPANY LAW BOARD)

##### OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of Jammu & Kashmir Ex-Servicemen Transport Union Limited*

Srinagar, the 22nd January 1985

No. PC/375/152.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the Name of the Jammu & Kashmir Ex-Servicemen Transport Union Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. K. SAMINA  
Registrar of Companies.  
Jammu and Kashmir.  
Srinagar

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s.  
Vallivilas Service Private Ltd.*

Madras-600 006, the 4th April 1985

No. DN/3850/560/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Vallivilas Service Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Pandian Chit Funds Private Ltd.*

Madras-600 006, the 4th April 1985

No. DN/5696/560/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Pandian Chit Funds Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Adyar Dairy Private Ltd.*

Madras-600 006, the 4th April 1985

No. DN/5854/560/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Adyar Dairy Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Rajayam Pictures Private Ltd.*

Madras-600 006, the 6th April 1985

No. DN/3515/560/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Rajayam Pictures Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Rukmani Talkies Private Ltd.*

Madras-600 006, the 6th April 1985

No. DN/4259/560/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Rukmani Talkies Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE  
Asstt. Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s.  
Bharat Manure Industries Private Limited, Dakshina*

Hyderabad, the 17th April 1985

No. 880/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Dakshina Bharat Manure Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Suphal Finance and Chit Fund Trading Company  
Private Limited*

Hyderabad, the 17th April 1985

No. 1293/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Suphala Finance and Chit Fund Trading Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Om Krishna Tulasiram Chit Fund Company Private Limited*

Hyderabad, the 17th April 1985

No. 1642/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Om Krishna Tulasiram Chit Fund Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Vijay Marketing Enterprises Private Limited*

Hyderabad, the 17th April 1985

No. 2026/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Vijay Marketing Enterprises Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of  
Suresh Chit Funds Private Limited*

Hyderabad, the 17th April 1985

No. 2107/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Suresh Chit Funds Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU  
Registrar of Companies,  
Andhra Pradesh  
Hyderabad

*In the matter of the Companies Act, 1956*

*And*

*In the matter of M/s. East Coast Metcaps  
Private Limited*

Pondicherry, the 16th April 1985

No. 128/Sec. 560/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name M/s. S.A.B. Patel Private Limited, has this

day been struck off from the Register of Companies and the said Company is dissolved.

B. KOTESWARA RAO  
Registrar of Companies  
Pondicherry

---

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 15th April 1985

No. F.48-Ad(AT)/1985.—Shri R. Dakshinamoorthy, Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Madras

Benches, Madras is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore on ad-hoc basis in a purely temporary capacity for the period from 1-4-1985 to 25-5-1985.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri R. Dakshinamoorthy, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA  
President

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
57, RAM TIRTH MARG  
LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

Ref. No. G.I.R. No. N-93/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House with land situated at Mohalla Sufi Tola, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer [Registrar/Sub-Registrar at Bareilly on August, 1984] for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Mohd. Nasir.  
2. Shri Fareeq Awwal.  
3. Shri Adeev Ahmad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Nihaluddin.  
2. Syed Maksood Husain.

(Transferee)

- (3) Vendors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House with land measuring 960 sq. yards situated at Mohalla Sufi Tola, Bareilly (as mentioned in 37G Form No. 6688) registered by the Registering Authority, Bareilly on August, 1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 27-3-1985  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
57, RAM TIRTH MARG  
LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

Ref. No. G.I.R. No. R-244/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at Ashraf Tola, Distt. Hardoi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer [Registrar] Sub-Registrar at Hardoi on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sahodra Devi Alias Subhadra Devi.  
(Transferor)  
(2) 1. Shri Raghuvver Singh Chauhan.  
2. Smt. Pushpa Devi Chauhan,  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building constructed on land measuring 4650 sq. ft. situated at Ashraf Tola, Distt. Hardoi (as mentioned in 37G Form No. 3000) registered by the Registering Authority, Hardoi on August, 1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 27-3-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nand Kishore S/o Shri Pannalal Dogra  
Village-Kalwara, Tehsil-Sanganer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. R. P. Pharms. Pvt. Ltd.  
through Shri Ram Prakash Anand,  
Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE  
JAIPUR

Jaipur, the 12th April 1985

Ref. No. Raj/IAC.(Acq)/2564.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agri. land K. No. 11 situated at Sanganer (Jaipur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer [Registrar] Sub-Registrar at Sanganer on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 11 situated in Village-Kalwara, Tehsil Sanganer and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar-Sanganer vide Registration No. 560 dated 9-8-84.

MOHAN SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
JAIPUR

Jaipur, the 12th April 1985

Ret. No. Raj/IAC(Acq)/2565—Whereas, I,  
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Agricultural Land K. No. 11 situated at Sanganeer (Jaipur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sanganeer on 4-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

55—56 GI/85

(1) Shri Nand Kishore S/o Shri Pannalal Daroga  
Village Kalwara, Tehsil Sanganeer  
(Transferor)

(2) M/s. R. P. Pharms Pvt. Ltd.  
through Shri Ram Prakash Anand,  
Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Khasia No. 11 situated in Village-Kalwara, Tehsil Sanganeer, Distt. Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub Registrar-Sanganeer, vide Registration No. 553 dated 4-8-84

MOHAN SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
JAIPUR

Jaipur, the 12th April 1985

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/2569.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Property situated at Bikaner (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bikaner on 8-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Binani Commercial Co. Pvt. Ltd.  
Inside Jasstisar Gate, Bikaner,

(Transferor)

- (2) M/s. Binani Dharmarth Trust,  
Binani Niwas, Jassusar Gate,  
Bikaner,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated inside Jassusar Gate in Bikaner and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar Bikaner vide Registration No. 1199 dated 8-8-84.

MOHAN SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 12-4-1985  
Seal :



## FORM JINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 12th April 1985

Ref. No. Raj./LAC(Acq)/2568.—Whereas, I,  
MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. Property situated at Bikaner (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 9-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Binani Commercial Co. Pvt. Ltd.  
Inside Jassusar Gate, Bikaner.  
(Transferor)(2) M/s. Binani Dharmarth Trust, Binani Niwas,  
Jassusar Gate, Bikaner.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated inside Jassusar Gate in Bikaner and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar Bikaner vide Registration No. 1205 dated 9-8-1984.

MOHAN SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 12th April 1985

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/2567.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House Property situated at Bikaner (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 8-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Binani Commercial Co. Pvt. Ltd.  
Inside Jassusar Gate, Bikaner. (Transferor)
- (2) M/s. Binani Dharmarth Trust, Binani Niwas,  
Inside Jassusar Gate, Bikaner. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) L/ any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property situated inside Jassusar Gate in Bikaner and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar Bikaner vide Registration No. 1198 dated 8-8-84.

MOHAN SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 12-4-1985  
Seal:

## FORM TINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 12th April 1985

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/2570.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. B-60 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narayan Das Bhatia  
S/o Shri Topan Dasii Bhatia  
R/o Plot No. 6, Sethi Colony, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Om Prakash Vijay  
S/o Shri Nathulal Ji Vijay  
R/o 222, Janata Colony, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. B-60 situated in Saket Colony, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar Jaipur vide Registratoin No. 1948 dated 9-8-1984.

MOHAN SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Jagdish Narayan S/o Shri Mohan Lal  
Village Kalwara Tehsil Sanganer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. R. P. Anand Pharms. Pvt. Ltd. through  
Shri Ram Prakash Anand, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
JAIPUR

Jaipur, the 12th April 1985

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/2563.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agri. Land K. No. 35 situated at Sanganer (Jaipur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanganer on 4-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 35 situated in Village-Kalwara Tehsil Sanganer District-Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar Sanganer vide Registration No. 552 dated 4-8-84.

MOHAN SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
JAIPUR

Jaipur, the 12th April 1985

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/2566.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agri. land situated at Sanganer (Jaipur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanganer on 9-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdish Narayan S/o Shri Mohan Lal  
Village Kalwara Tehsil Sanganer. (Transferor)
- (2) M/s. R. P. Anand Pharms. Pvt. Ltd. through  
Shri Ram Prakash Anand, Kasturba Gandhi Marg,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land Khasra No. 35 situated in Village-Kalwara Tehsil Sanganer District-Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar Sanganer vide Registration No. 559 dated 9-8-84

MOHAN SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Sunil Kumar S/o Sh. Mohan Lal  
R/o H. No. 104 Ward No. 12, Khanna.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Capital Steel & Allied Industries,  
Malerkotla Road, Khanna Distt Ludhiana  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th April 1985

Ref. No. KHN/5/84-85.—Whereas, I,  
JOGINDER SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Land 3K 6M, (Half share) situated at Khanna, Distt.  
Ludhiana  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority  
at Khanna in August 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Half share in Land 3K 6M situated at Khanna, Distt.  
Ludhiana)

(The property as mentioned in the sale deed No. 845 of  
August 1984 of the Registering Authority Khanna).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Ludhiana.

Date 8-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana. the 9th April 1985

Ref. No. LDH/196/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Fac. Bldg. No. B-XXIII-666/2 situated at Textile Colony, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Ludhiana in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
56—56 GI/85

- (1) M/s Parkash Industrial Corporation,  
Ludhiana,  
through Sh. Surinder Mohan Bhardwaj  
s/o Sh. Gursarkash Bhardwaj,  
r/o K-3/4 Textile Colony,  
Ludhiana.

(Transferor)

- (2) M/s Faqir Chand Radhey Krishan,  
1-39, Phase-I, Ashok Vihar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Factory Bldg. No. B-XXIII-666/2 Textile Colony,  
Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4799 of August 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana

Date : 9-4-1985

Seal ;

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th April 1985

Ref. No. DBS/6/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land 6 Bighas situated at Vill. Madhopur Teh. Dera Bassi (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Dera Bassi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Harpal Singh Barar  
s/o Sh. Kartar Singh Barar,  
r/o 320 Green Lanes London No. 4,  
Through Sh. Mohan Lal Bindal,  
r/o Dera Bassi.

(Transferor)

(2) M/s Baba Rangi Ram Private Limited,  
27, Sector 5,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 6 Bighas at Vill. Madhopur, Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 671 of August 84 of the Registering Authority Dera Bassi).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana

Date : 8-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th April 1985

Ref. No. DBS/7/84-85.—Whereas, I,  
JOGINDER SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Land 3B, 18B situated at Vill. Madhopur Teh. Dera Bassi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Dera Bassi in August, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sh. Harpal Singh Barar  
s/o Sh. Kartar Singh Barar,  
r/o 320 Green Lanes London No. 4,  
Through GPA Sh. Mohan Lal Bindal,  
r/o Dera Bassi.

(Transferor)

- (2) M/s Baba Rangi Ram Private Limited,  
27, Sector 5,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are Defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 3B, 18B at Vill. Madhopur, Teh. Dera Bassi.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 685 of  
August 84 of the Registering Authority Dera Bassi).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Central Revenue Building,  
Ludhiana

Date : 8-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th April 1985

Ref. No. LDH/202/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Property No. 190B situated at Bhai Randhir Singh Nagar Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sham Lal  
s/o Sh. Gopi Ram  
s/o Sh. Ramji Dass,  
r/o 202-B-4, Kachi Gali,  
Ludhiana.

(Transferor)

- (1) Sh. Narinder Singh  
s/o S. Nirmal Singh  
s/o S. Kehar Singh,  
r/o 892/4 Gali No. 1 Partap Nagar,  
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 190B, Bhai Randhir Singh Nagar Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4925 of August 1984 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Central Revenue Building,  
Ludhiana

Date : 8-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 8th April 1985

(1) S/Sh. Krishan Chander,  
Sham Lal,  
ss/o Sh. Amar Nath,  
Ward No. 16, Khanna,  
C/o Punjab Oil Mills,  
Khanna.

(Transferor)

(2) M/s Punjab Oil Mills Private Limited,  
Khanna,  
through Sh. Kasturi Lal, Director,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. KHN/3/84-85.—Whereas, I,  
JOGINDER SINGH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/1 and bearing No.  
Bldg. with land 15K 18M situated at Khanna  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (15  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Khanna in August, 84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Bldg. with land 15K, 18M at Khanna.

(The property as mentioned in the sale deed No.  
897 of August 84 of the Registering Authority Khanna).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Central Revenue Building,  
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-4-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th April 1985

Ref. No. CHD/46/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 3021 situated at Sector 21D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Jaswant Kaur alias  
Mrs. H. S. Brar  
W/o Sh. H. S. Brar,  
House No. 3021, Sector 21D,  
Chandigarh.

(Transferor)

(1) (1) Shri Narinder Kumar Anand  
S/o Sh. Lakshmi Dhar Anand &  
(2) Smt. Asha Anand  
w/o Shri Narinder Kumar Anand,  
residents of H. No. 1899, Sec. 22B,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3021, Sector 21D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 423 of August, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Central Revenue Building,  
Ludhiana

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th April 1985

Ref. No. KHR/38/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H No. 33 Phase IV, (Sector 59) situated at Mohali Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Ved Parkash Gupta  
S/o Late Lala Murari Lal,  
R/o H. No. 33, Phase IV, Mohali Teh.,  
Kharar.  
(Transferor)

(2) Sh. Deepak Kumar Sondhi  
S/o Sh. Amrit Lal,  
R/o H. No. 1004, Sector 35-B,  
Chandigarh.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 33, Phase IV, Mohali Teh. Kharar.  
(The property as mentioned in the sale deed No. 2007 of August 1984 of the Registering Authority Kharar).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Central Revenue Building,  
Ludhiana

Date : 11-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th April 1985

Ref. No. PTA/28/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 4812/2 situated at Gur Mandi, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

(1) Shri Vinod Kumar Jain  
S/o Sh. Hari Ram Jain,  
R/o Chhatta Nanu Mal,  
Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Gora Lal  
S/o Sh. Charanji Lal,  
Shri Kishan Chand  
S/o Sh. Charanji Lal,  
Smt. Satya Devi  
W/o Sh. Gora  
Smt. Nirmala Devi  
W/o Sh. Kishan Chand,  
R/o Chhatta Nanu Mal,  
Patiala.

(Transferee)

(3) Shri Ramesh Kumar  
S/o Sh. Gora Lal,  
Shop No. 4812/2, Gur Mandi,  
Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 4812/2, Gur Mandi, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1796 of August, 1984 of the Registering Authority, Patiala).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Central Revenue Building  
Ludhiana

Date : 10-4-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE,**  
**CENTRAL REVENUE BUILDING**  
**LUDHIANA**

Ludhiana, the 12th April 1985

Ref. No. CHD/45/84-85.—Whereas, I, **JOGINDER SINGH**, being the Competent Authority under **Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share House No. 1671 situated at Sector 22-B, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

57—56 GI/85

- (1) Sh. Sudarshan Kumar Jain  
 s/o Sh. Dev Raj Jain,  
 R/o H. No. 1671, Sector 22-B,  
 Chandigarh,  
 through GPA Sh. Narinder Kumar Jain  
 S/o Sh. Dev Raj Jain,  
 R/o H. No. 1671 Sector 22-B,  
 Chandigarh.

(Transferor)

- (1) Smt. Priya Jain  
 W/o Sh. Narinder Kumar Jain,  
 R/o H. No. 1671, Sector 22-B,  
 Chandigarh.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/2 share H. No. 1671 Sector 22-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 407 of August, 84 of the Registering Authority Chandigarh).

**JOGINDER SINGH**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range,  
 Central Revenue Building,  
 Ludhiana

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th April 1985

Ref. No. CHD/49/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share House No. 1671 situated at Sector 22-B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sudarshan Kumar Jain  
s/o Sh. Dev Raj Jain,  
R/o H. No. 1671, Sector 22-B,  
Chandigarh,  
through GPA Sh. Sumti Parkash Jain  
S/o Sh. Dev Raj Jain,  
R/o H. No. 1671 Sector 22-B,  
Chandigarh.

(Transferor)

- (1) Smt. Priya Jain  
W/o Sh. Narinder Kumar Jain,  
R/o H. No. 1671, Sector 22-B,  
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share H. No. 1671 Sector 22-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 484 of August, 1984 of the Registering Authority Chandigarh)

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Central Revenue Building,  
Ludhiana

Date : 12-4-1985

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th April 1985

Ref. No. PTA/30/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/4 share Shop-cum-back No. 4 situated at Chhoti Baradari near Malwa Cinema, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Krishna Devi  
W/o Late Sh. Kulwant Rai Gupta,  
R/o H. No. 1671/3 Raghu Majra,  
Patiala, (Transferor)
- (2) Smt. Darshna Bansal  
W/o Sh. Dayal Parkash Bansal,  
Smt. Neelam Goyal  
W/o Sh. Susil Goyal,  
Sh. Manoj Kumar Gupta  
S/o Sh. Suraj Bhan Gupta,  
Smt. Sangeeta Rani  
D/o Sh. Suraj Bhan Gupta,  
Sh. Abhimanyu Gupta  
S/o Sh. Vidya Sagar Gupta,  
Sh. Amrish Kumar Gupta  
S/o Sh. Vidya Sagar Gupta.  
Kumari Arti  
D/o Sh. Mahesh Kumar Gupta,  
Smt. Sunita Gupta  
W/o Mahesh Kumar Gupta,  
Sh. Krishan Mohan Gupta,  
S/o Sh. Ram Gopal &  
Sh. Mohan Parkash  
S/o Sh. Ram Gopal,  
Sh. Vidya Sagar Gupta  
S/o Sh. Ram Gopal,  
C/o Vishal Sari Imporium, Adalat Bazar,  
Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4 share Shop cum-Back No. 4, Chhoti Baradari near Malwa Cinema, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1979 of August 1984 of the Registering Authority Patiala).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Ludhiana

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th April 1985

Ref. No. PTA/31/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing 1/4 share Shop-cum-back No. 4 situated at Chhoti Baradari near Malwa Cinema, Patiala has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Satish Kumar Gupta  
S/o Late Sh. Kulwant Rai Gupta  
R/o H. No. 1671/3 Raghu Majra,  
Patiala.

(Transferor)

- (2) Smt. Darshna Bansal  
W/o Sh. Dayal Parkash Bansal,  
Smt. Neelam Goyal  
W/o Sh. Susil Goyal,  
Sh. Manoj Kumar Gupta  
S/o Sh. Suraj Bhan Gupta,  
Smt. Sangeeta Rani  
D/o Sh. Suraj Bhan Gupta,  
Sh. Abhimanyu Gupta  
S/o Sh. Vidya Sagar Gupta,  
Sh. Amrisha Kumar Gupta,  
S/o Sh. Vidya Sagar Gupta.  
Kumari Arti  
D/o Sh. Mahesh Kumar Gupta,  
Smt. Sunita Gupta  
W/o Mahesh Kumar Gupta,  
Sh. Krishan Mohan Gupta  
S/o Sh. Ram Gopal &  
Sh. Mohan Parkash  
S/o Sh. Ram Gopal,  
Sh. Vidya Sagar Gupta  
S/o Sh. Ram Gopal,  
C/o Vishal Sari Imporium. Adalat Bazar,  
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4 share Shop cum-Back No. 4, Chhoti Baradari near Malwa Cinema, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1980 of August, 84 of the Registering Authority Patiala).

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ludhiana

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th April 1985

Ref. No. PTA/32/84-85.—Whereas, I,  
JOGINDER SINGH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. 1/4 share Shop-cum-back No. 4 situated at Chhoti Bara-  
dari near Malwa Cinema, Patiala  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Patiala in September, 1984.for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

- (1) Shri Satish Kumar  
S/o Late Shri Kulwant Rai Gupta,  
R/o. H. No. 1671/3, Raghu Majra,  
Patiala.

(Transferor)

- (2) Smt. Sangeeta Rani D/o Shri Suraj Bhan Gupta,  
Smt. Darshna Bansal W/o Sh. Dayal Parkash Bansal  
Smt. Neelam Goyal W/o Sh. Susil Goyal,  
Shri Manoj Kumar Gupta S/o Sh. Suraj Bhan Gupta,  
Sh. Abhimanyu Gupta S/o Sh. Vidya Sagar Gupta,  
Sh. Amrith Kumar Gupta S/o Sh. Vidya Sagar  
Gupta,  
Kumari Arti D/o Sh. Mahesh Kumar Gupta,  
Smt. Sunita Gupta W/o Sh. Mahesh Kumar Gupta,  
Sh. Krishan Mohan Gupta S/o Sh. Ram Gopal,  
Sh. Mohan Parkash S/o Sh. Ram Gopal,  
Sh. Vidya Sagar Gupta S/o Sh. Ram Gopal,  
C/o Vishal Sari Imporium, Adalat Bazar,  
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4 share shop cum-back No. 4, Chhoti Baradari near  
Malwa Cinema Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1994 of  
September, 1984 of the Registering Authority Patiala.)

JOGINDER SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range

Ludhiana

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th April 1985

Ref. No. PTA/33/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- No. 1/4 share Shop-cum-back No. 4 situated at Chhoti Baradari near Malwa Cinema Patiala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Krishna Devi  
S/o Late Shri Kulwant Rai Gupta,  
R/o. H. No. 1671/3, Raghu Majra,  
Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Darshna Bansal W/o Sh. Dayal Parkash Bansal,  
Smt. Neelam Goyal W/o Sh. Susil Goyal,  
Shri Manoj Kumar Gupta S/o Sh. Suraj Bhan Gupta,  
Smt. Sangeeta Rani D/o Sh. Suraj Bhan Gupta,  
Sh. Abhimanyu Gupta S/o Sh. Vidya Sagar Gupta,  
Sh. Amrish Kumar Gupta S/o Sh. Vidya Sagar Gupta,  
Kumari Arti D/o Sh. Mahesh Kumar Gupta,  
Smt. Sunita Gupta W/o Sh. Mahesh Kumar Gupta,  
Sh. Krishan Mohan Gupta S/o Sh. Ram Gopal,  
Sh. Mohan Parkash S/o Sh. Ram Gopal,  
Sh. Vidya Sagar Gupta S/o Sh. Ram Gopal,  
C/o Vishal Sati Imporium, Adalat Bazar,  
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4 share shop cum-back No. 4, Chhoti Baradari near Malwa Cinema Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1995 of September, 1984 of the Registering Authority Patiala.)

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Ludhiana

Date : 12-4-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE  
CENTRAL REVENUE BUILDING  
LUDHIANA**

Ludhiana, the 12th April 1985

Ref. No. NBH/1/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House (land area 598 sq. yds.) No. B-II, 47 situated at Duladi Gate, Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in August, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hardial Singh Brar  
S/o Shri Inder Singh Brar,  
R/o House No. 1517,  
Sector 34D,  
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Telu Ram  
S/o Shri Kapuri Mal,  
Shri Lal Chand  
S/o Shri Telu Ram,  
Shri Behari Lal  
S/o Shri Telu Ram,  
residents of Duladi Gate,  
Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House at Duladi Gate, Nabha.

The property as mentioned in the sale deed No. 1110 of August, 1984 of the Registering Authority, Nabha.

JOGINDER SINGH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Ludhiana

Date : 12-4-1985  
Sd/-

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1985

Ref. No. AC-7/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 36B situated at New Road, Alipore, Calcutta-27. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub Registrar of Assurance, Calcutta on 17-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Suresh Chandra Roy,  
36A, New Road,  
Alipore,  
Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Shri Suneepa Ghosh,  
8A, Palm Place,  
Calcutta-700 019.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 2/25th share of land measuring 1 Bigha 1 Cotah 40 Sft. situated at 36B, New Road, Alipore, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. I-9737 of S. R. A. Cal. of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16.

Date : 11-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Mrs. Naareen Wahab.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Neera Dutta.

(Transferee)

(3) Vendors.

Person(s) in occupation of the property

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 12th April 1985

Ref. No. TR-213/85-86/Sl. 1000 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—  
Whereas, I. S. K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 26/D, situated at Park Lane, Calcutta-16,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at S.R.A. Calcutta under Registration No. I-9314 dated  
7-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

58—56 GI/85

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 3 of first floor of 26/D, Park Lane, Cal-  
cutta, Area : 600 sqt. Registered before the Sub-Registrar of  
Assurances, Calcutta vide Deed No. I-9314 dated 7-8-84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16.

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Dilip Kumar Sen and  
Smt. Jayanti Sen.

(Transferor)

(2) Sri R. K. Dossani,  
Sri K. G. Dossani and  
Dr. R. K. Dossani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
CALCUTTA

Calcutta, the 12th April 1985

Ref. No. AR-212/85-86/Sl. 1001 I.A.C.[Acq. R-I]Cal.—  
Whereas, I, S. K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. 5, situated at Lower Rowdon Street, Calcutta.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at S.R.A. Calcutta under Registration No. I-9616 dated  
11-8-1984.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that flat No. 2 on the 1st floor of "Aakash Deep" at  
5, Lower Rowdon Street, Calcutta Area 1863+347 sft. with  
1.773% share of land. Registered before the Sub-Registered  
of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-9616 dated 11-08-84

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-4-1985

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Mrs. Chandra Kanta Nayyar.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Garg and  
Smt. Vanita Garg.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 12th April 1985

Ref. No. C.A.40/85-86/Sl. 1002 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—

Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 3B situated at Camac Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 43DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 40 dated 2-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 4 on 2nd floor in 'Mansarowar' 3B Camac Street, Calcutta, Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl No. C.A. 40 dated 2-8-84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16.

Date : 12-4-1985.

Seal :

## FORM TINS

(1) Smt. Chanda Devi Dhandhania.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Madhu Agarwal and  
Sri Anup Kumar Agarwal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPEC-  
TING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
CALCUTTA

Calcutta, the 12th April 1985

Ref. No. C.A. 40A/85-86/SI. 1003 I A.C.(Acq. R-I, Cal.—  
Whereas, I. S. K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing  
No. 3, situated at Wood Street, Calcutta.  
(and more fully described in the schedule below),  
has been transferred and registered with the Competent  
Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD  
(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A 40  
A dated 10-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that flat No. 6 on second floor at 3 Wood Street, Cal.  
measuring 1795 sft. together with car parking space. Registered  
before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I,  
Calcutta vide SI. No. C. A. 40A, dated 10-08-84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Kumud Agarwal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Mohan Lal Bajoria.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
CALCUTTA

Calcutta, the 12th April 1985

Ref. No. C.A. 41/85-86/Sl. 1004 I.A.C./Acq. R-I/ Cal.—  
Whereas, I, S. K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing

No. 7, situated at Camac Street, Calcutta-700 017,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered with the Competent  
Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD  
(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 41  
dated 14-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that property at 4th floor, Block No. 5 at 7, Camac  
Street, Calcutta-700017. Registered before the Competent  
Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. C.A.  
41 dated 14-8-84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16.

Date : 12-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
CALCUTTA

Calcutta, the 12th April 1985

Ref. No. C.A. 52/85-86/SI. 1005 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—  
Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Na. 61B, situated at Park Street, Calcutta-16. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 52 dated 28-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nischinta Ghai.

(Transferor)

(2) Arjun Chadha (Minor),  
C/o Sri Ashok Kumar Chadha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that flat No. 2E in the 2nd floor in the building at the premises No. 61B, Park Street, 'Neelam' Calcutta-16 and Car parking space. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I Calcutta vide SI. No. C.A. 52 dated 28-8-84.

S. K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16.

Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. U. L. Goswami.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tribeni Tissues Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1985

Ref. No. 1749/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 136, situated at Jodhpur Park, Calcutta-68, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules 1962 at Calcutta on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that the entire premises No. 136, Jodhpur Park, Cal-68 comprising of a two storeyed bldg. with all its fixtures and fittings along with the plot of land measuring 5 cottahs 7 Ch. 2 sq. ft. registered vide deed No. 1-10389 dt. 27-8-84.

SANKAR BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16.

Date : 12-4-1985.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Todi Tea Company (P) Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Kedia Electro (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1985

Ref. No. 1750/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100 000/- and bearing No. 2, situated at Lalbazar Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD (4) of income-tax Rules, 1962 under registration No. 37EE/322/Acq. R-III dated 12-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that office space No. 212 measuring 430 sq. ft. on the 2nd floor of the premises No. 2, Lal bazar Dt. Cal. registered in the office of Acq.R-III, Calcutta on 10-8-84.

SANKAR BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 11-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Udit Kumar Roy &amp; other,

(Transferor)

(2) Smt. Manju Iata,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1985

Ref. No. 1751/Acq R-III/85 86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80G situated at Sarat Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
59—56 G1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 3 having a covered area 1300 sq. ft. at 80-G, Sarat Bose Road registered vide Deed No. I 9468, dated 9-8-1984.

SANKAR BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date : 11-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Todl Tea Co. (P) Ltd.

(Transfe

(2) M/s Sunrise Tubes (P).

(Transfe.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1985

Ref. No. 1752/Acq R-III '85-86 ---Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, situated at Lal Bazar Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 37EE/Acq. R-III/321 dated 12-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that an office space measuring 790 sq. ft. at 2, Lal-bazar Street (2nd floor) registered before IAC Acqn. R-III, Calcutta on 12-8-1984.

SANKAR BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1985

Seal :



FORM ITNS—

(1) Smt Santa Basu,

(Transferor)

(2) Golden Co-op Housing Society Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1985

Ref. No. 1753/Acq R-III.85-36.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

48/35 situated at Purna Mitra Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece of land measuring 3 cottahs 4 ch. at 48/35 Purna Chanda Mitra Lane P.S. Tolly garage, 24 pgs. registered vide Deed No. I 9901 dated 17-8-1984.

SANKAR BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Gopa Chanda.

(Transferor)

(2) Arun, Jhuajhuawalla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1985

Ref. No. 1754/Acq R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority authorised by the Central Government in his behalf under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P-64 situated at Bright St. Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules 1962 under registration No. 37FE Acq. R-III/358 dated 21-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat at 3rd floor with roof and Car parking space at P-64 Bright Street Cal.-19 was registered in the office of IAC, Acq. Q-III, Calcutta.

SANKAR BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1985  
Seal :

## FORM ITN—

(1) Gopa Chanda.

(Transferor)

(2) Kalpana Jhunjhunwalla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 11th April 1985

Rtf. No. 1755/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, ANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. P-64 situated at Bright Street, Calcutta-19, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read under registration

No. 37EE/Acq. R-III/357 dated 2-8-1984

with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat at 3rd floor with roof and car parking space at P-64, Bright Street, Calcutta was registered in the office of I.A.C., Acq. R-III, Calcutta.

SANKAR BANNERJEE  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) V. K. Thakkar Properties (P) Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Surlit Kumar Jaggi and other.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 11th April 1985

Ref. No. 1756/Acq R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 224, 224/1 situated at A. J. C. Bose Rd. & 68, Bachygunge Circular Rd., Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 4 of Income-tax Rules, 1962 under registration

No. 3744/Acq R-III/355 dated 24-8-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that flat No. 'E' on the 4th floor of 224, 224/1 A.J.C. Bose Road, Calcutta and 68, B.C. Road, Calcutta measuring 2099 sq. ft. was registered in IAC Acq. R-III, Calcutta.

SANKAR BANNERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date : 11-4-1985  
Seal :

FORM ITNS

(1) V. K. Thakkar Properties (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Harvipan Singh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 11th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. 1757/Acq R-III/85-86.—Whereas, I,  
SANKAR BANNERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. 224, 224/1 situated at A.J.C. Bose Road, Calcutta and  
68, Ballygunge Circular Rd., Calcutta,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and registered  
under with the Competent Authority u/s 269AB of the said  
Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962  
No. 37EE/Acq R-III/352 dated 18-8-1984.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferees for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that Flat 'E' on the 4th floor of 224, 224/1 A.J.C.  
Bose Road, Calcutta and 68, Ballygunge Circular Road,  
Calcutta measuring 2099 sq. ft. was registered in this Office.

SANKAR BANNERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 11-4-1985  
Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

(1) Satnam Kaur and other.

(Transferor)

(2) Arun Kr. Tebriwal &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 11th April 1985

Ref. No. 1758/Acq R-III 85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10, situated at Ajanta Apartment Gurusadary Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 No. 37EE/Acq R-III/353 dated 14-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that Flat No. 'H' on the 8th floor at Ajanta Apartment, 10, Gurusadary Road, Calcutta measuring 1869 sq. ft. and Garage No. 35 and servants' quarter above the garage was registered in this office

SANKAR BANNERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Satya Nurnin Nathany, HVF &amp; Ors.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bihariji Investment &amp; Trading Co.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta-16, the 11th April 1985

Ref. No. 1759/Acq R-III 85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 135G situated at Shyama Prasad Unkhsya Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read of the Registering Officer at with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 No. 37EE/Acq R-III/351 dated 27-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

60—56G1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that portion of premises No. 135 G Shyama Prasad Mukherjee Road, Calcutta admeasuring 5K-7ch & 30 Sq. ft. with one storied bldg. & other structure and vacant land being 7-K-2 ch. 15 sq. ft.

SANKAR BANNERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta 16

Date : 11-4-1985  
Seal :

## FORM ITMS

(1) Santosh Kumar Das of 51/1, Belgachia Road, Calcutta-37.

(Transferor)

(2) 1. Sandip Dey,  
2. Pradip Dey,  
3. Pratap Dey,  
all of 64/3, Ahiritolla Street, Calcutta-5,  
Now residing at 246, Jessore Road, Calcutta-48.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1985

Ref. No. AC-1/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I,  
SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 246, situated at Jessore Road, Calcutta-48, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 8-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

3 Cottahs 8 chittacks 13 Sft. land with two storied building situated at 246, Jessore Road, Calcutta-48, P.S. Lake Town. More particularly described in Deed No. I 9371 of R.A. Calcutta of 1984.

SHAIKH, NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date: 11-4-1985  
Seal:



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II  
CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1985

Ref. No. AC-2/R-II/Cal 85 86.--Whereas, I SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. LP/4/64, situated at Gangarampur Road, P. S. Maheshtala, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 20-8-1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :—

- (1) Ishan Chandra Ghosh & Co. of 242/2A, Acharya Prafulla Chandra Road, Calcutta. (Transferor)  
(2) Lakshmi Narayan Banerjee & Ors. of LP/4/64, Gangarampur Road, Raipur, P.O. Maheshtala, District-24 Parganas. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

13 Cottah, 13 Chittacks 9 Sft. land with building situated at LP/4/64, Gangarampur Road, Mouza-Raipur, P.S. Maheshtala, Dist. 24 Parganas. More particularly described in Deed No. I 10016 of R.A.C. Cal. of 1984.

SHAIKH, NAIMUDDIN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date : 11-4-1985  
Seal :

FORM NO. ITNS—

(1) Suresh Chandra Roy of 36A, New Road,  
Alipore, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Instyle Apartment Pvt. Ltd. of 159, Chittaranjan  
Avenue, Calcutta-700 007.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II  
CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1985

Ref. No. AC-4/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 36B, situated at New Road, Alipore, Calcutta-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Registrar of Assurance Cal. on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/25th share of land measuring 1 Bigha 1 Cottah 40 Sft. situated at 36B, New Road, Alipore, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. I 9940 of S.R.A. Calcutta of 1984.

SHAIKH, NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Date : 11-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1985

Ref. No. AC-5/R-II/Cal/85-86.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 36B, situated at New Road, Alipore, Calcutta-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at Sub Registrar of Assurance, Calcutta on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suresh Chandra Roy of 36-A, New Road, Alipore, Calcutta-27.

(Transferor)

- (2) Sree Kamakhya Tea Co. (P) Ltd. of 4, Hastings Park Road, Calcutta-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/25th share of land measuring 1 Bigha 1 Cottah 40 Sft situated at 36B, New Road, Alipore, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. 19939 of S.R.A. Cal of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road

Calcutta-16.

Date : 11-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1985

Ref. No. AC-6/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 36-B, situated at New Road, Alipore, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub Registrar of Assurance, Cal. on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suresh Chandra Roy of 36-A, New Road, Calcutta-27.

(Transferor)

- (2) Sarda Plywood Industries Ltd. of 9, Par-ee Church Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 2/25th share of land measuring 1 Bigha 1 Kotah 40 Sft. situated at 36-B, New Road, Alipore, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. I 9938 of S.R.A. Cal. 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16.

Date : 11-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Suresh Chandra Roy of 36-A, New Road, Calcutta-27.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Buxa Doorga Tea Co. (I) Ltd. of 31, B.B.D. Smith, Calcutta-1

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 11th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-3/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 36-B, situated at New Road, Calcutta-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub Registrar of Assurance, Cal. on 17-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/25th share of land measuring 1 Bigha 1 cot-tah 40 Sfr situated at 36-B, New Road, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. 19941 of S.R.A., Cal. of 1984

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road

Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11.4.1985  
Sent :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 11th March 1985

Ref. No. C. R. No. 884/84-85/62/Acq|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 151-152-142/2, 146, 147 situated at Arvind Nagar, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (36 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under document No. 2249 dated on 24-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M. R. Misrikoti Maladar Oni, Hubli.  
(Transferor)

(2) E. Khaja Mainuddin Mohammed Gouse Maniyar  
Kumbar Oni, Maladar Oni Hubli,  
2 Muktumsaab Madarsaab Goundi,  
Mestri, r/o Shrenagar, Karwar Road,  
Hubli.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 2249 dated 24-10-1984.

Open plot No. 8 admeasuring 4688 square yards situated at Arvind Nagar Hubli under survey Nos. 151-152-142/2, 146-147.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 11-3-1985  
Seal

## FORM ITNS—

(1) Shri Balasaheb S/o Srenivaasrao Chitaguppl,  
Club Road, Hubli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Parusharam Sreenivas Belamakar,  
2. Ekanath Sreenivas Belamakar,  
3. Namdeva Sreenivas Belamakar,  
all resident of Club Road, Hubli.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 12th March 1985

Ref. No. C.R. No. 62/885/84-85/ACQ-B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. 491/1C situated at Keshwapur, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli under document No. 1746/dated : 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Registered Document No. 1746 dated 28-8-1984.

Non agricultural land situated at Keshwapur, Hubli under ward No. 1, survey No. 491/c admeasuring 6 Ghunthas.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
61—56 GJ/85

Date : 12-3-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th April 1985

Ref. No. C.R. No 62/886/84-85/ACQ-B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 123 of C.T.S. No. 219/1, situated at Khanapur Road, Tilakwadi, Belgaum, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum under document No. 1989/dated 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vithal Mahadev Saraff,  
'Ram Niwas' Khanapur Road, Tilakawadi,  
Belgaum-590 006. (Transferor)
- (2) Shri Vishwanath Raghunath Deshpande,  
Main Road, Haliyal, Karwar Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 1989 dated 23-8-1984.  
Building & Open plot bearing No. 123 cts. No. 219/1  
situated Khanapur Road, Tilakwadi, Belgaum.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 8th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62/887/84-85/ACQ-B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 8-202(New) situated at Kirana Bazar, Asifganj, Gulbarga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gulbarga under document No. 1357 dt. 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shivasharanappa S/o Prabhurao Gandigudi,  
R/o Shahabazar Gulbarga.  
(Transferor)
- (2) M/s. V. M. Gampa,  
Kirana Merchant, Shop No. 8-202,  
Kirana Bazar, Gulbarga.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 1357 dated 17-8-1984.  
Shop situated at Kirana Bazar, Asif Gunj, Gulbarga bearing new No. 8-202 admeasuring 1940 square feet.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 8-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Maria Fernanda Martins E. Monserrate,  
R/o Taleigao—Goa,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Rayalnath Builders,  
Altonho, Panaji-Goa.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th April 1985

Ref. No. C.R. No 62/888/84-85/ACQ-B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Maulinguem Land registration office under No. 20098 of Book No. B-53 situated at Taleigao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ilhas under document No. 703/dt. 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Registered Document No. 703 dated 25-8-1984.

Landed property known as 'MAULINGUEM' situated at Taleigao Village Panchayat, Taluka and sub-district of Goa admeasuring 14430 Sq. feet.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date 8-4-1985.  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th April 1985

Ref. C.R. No. 62/889/84-85/ACQ-B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1-866/A, Survey No. 34 situated at MSK Mills Road, Gulbarga (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gulbarga under document No. 1265/dated 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Padmanabha Harishchandra Khedekar,  
r/o MSK Mills Road,  
Gulbarga.

(Transferor)

- (2) Mohd. Mounuddin  
s/o Mohd Abbas Ali Saheb  
Mohd Mujahid Ali  
s/o Mohd. Abbas Ali Saheb  
House No. 71866/A, MSK Mills Road,  
Gulbarga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered document No. 1265 dated 4-8-1985)

An open plot admeasuring 2400 square feet situated at Khedekar layout, Gulbarga under survey No. 34.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th April 1985

Ref. C.R. No. 62/890/84-85/ACQ-B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No 1-866/A, MSK Mills Road, Gulbarga (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gulbarga under document No. 1266/dated 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Padmanabha Harishchandra Khedekar,  
R/o MSW Mills Road,  
Gulbarga.

(Transferor)

(2) Smt. Waseem Sultana  
D/o Rafeeq Maniyar  
r/o Gulbarga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1266 dated 4-8-1984)

Open plot measuring 2275 square feet situated at Khedekar lay-out, Gulbarga.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 8-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

Ref. C.R. No. 62/891/84-85/ACQ-B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 4/317 situated at 4th Ward, Hospet. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hospet under document No 765/dt. 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri S. Hanumantha Reddy  
s/o S. Buddareddy,  
4th Ward, door No. 4/317,  
Pawal Nagar, Hospet.

(Transferor)

(2) Sri R. R. Kulkarni,  
r/o Kamalapur, Tal : Hospet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 765 dated 13-8-1984)

Building and open plot situated at 4th ward Hospet. Building measuring 1200 sq feet and plot measuring 4902 sq. feet

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BANGALORE560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

Ref. C.R. No. 62/892/84-85/ACQ-B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Metriz No. 723 situated at Amboshim of vollage pale, taluka Bicholim, Goa

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bicholim, Goa under document No. 294/dt. Aug. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Babusso Bhisso Gude  
2. Annapurna Babusso Gauda  
3. Barkale Bisso Garde  
All r/o Amboshim, Pale, Goa.

(Transferor)

- (2) M/s. Bandekar Brothers Pvt. Ltd.  
Vasco-da-Gama Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered document No. 294 dated in Aug. 84)

Property known as 'Jakal' alias 'Jakal Milli' situated of village Pale, Taluka Bicholim, Sub-district of Bicholim, Goa.

R. BHARDWAJ

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE 560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

C.R. No. 62/893/1984-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 87 situated at Alto Porvorim, Goa  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Ilhas under document No. 666/23-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
62—56 GI/85

(1) Major SR Bakshi,  
6, Tilottama, Colaba,  
Bombay-400 005.

(Transferor)

(2) Vice Admiral Mr. Sehunkar,  
87, Defence Colony,  
Alto-Porvorim, Bardez, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immova-  
ble property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 666 dated 23-8-1984).

A plot admeasuring 625 sq. mts. in the Defence Colony  
situated at Alto Porvorim in Goa and bearing No. 87.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001, the 9th April 1985

C.R. No. 62/894/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Meniz No. 197 situated at Curca Ilhas, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ilhas under document No. 602/dt. 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Raghunath Vishnu Pandit and  
Shushma Pandit  
r/o Mala, Panaji, Goa

(Transferor)

(2) Ramrai Arjun Sawant  
R/o Curca, Ilhas Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property known as Cursache Agor also known as Marinha Cursacho Agor situated at Curca, Ilhas Goa.

R. BHARDWAI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE 560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

C.R. No. 62/895/84-85/ACQ/B—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20X43X40/2, M.K. No. 6540 situated at Kattinallare area, Hassan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hassan on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Gangaih  
s/o Shri Mysare Eraiah  
P.W.D. Contractor r/o Ravindranagar,  
Hassan.

(Transferor)

(2) Shri A. V. Srinivasa  
s/o Shri A. V. Venkateshava Setty,  
Srinivas Hall, Gandhi Bazar,  
Hassan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 946 dated 18-8-1984).

Open site No. 10 measuring 830 Sq. feet situated at nearby S.T. Bus Stand Hassan.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date . 9-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE 560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

C.R. No. 62/896/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. K.N. 1211 A.R. 745 situated at K.R. Puram Hassan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hassan on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Aran  
w/o Late Dr. K. Rajagopal Rao  
K.R. Puram, Hassan.
2. Smt. Jolhi  
w/o Shri N. Ravindranath,  
Mysore.
3. Jayashri Father K. Rajagopal  
Hassan.

(Transferor)

- (2) Shri B. N. Ramesh  
s/o Shri B. Nagappa  
Advocate Accountant,  
Hassan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1014 dated 16-8-1984).

An open plot area 54 ft. x 70 ft. with residential house built up area 800 sq. ft. at K.R. Puram Hassan.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-4-1985  
Sent :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

C.R. No. 62/897/84-85/ACQ/B—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. 1589, 2232-2236/1991 situated in M. G. Road,  
Chikmagalur  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at  
Chikmagalur on 2-8-1984

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Sarvathunniso Ansar Kamaran C.  
2. Shri C. Mohammad Mazher Naiman, &  
3. Miss Noor Fathima  
All are R/o 15, II Cross Albert Victor Road,  
Kala Siplyam, Bangalore.  
(Transferor)
- (2) Shri K. H. Manjunatha Setty  
S/o K. M. Honnappa Setty  
Naidu Street, Chikmagalur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1054 dated 3-8-1984).

Shop Premises Situated in M.G. Road, Chikmagalur bear-  
ing M. No. old No. 1589, 2232-2236/1991 measuring 43 ft×  
20 ft 4 in.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001. the 9th April 1985

C.R. No. 62/898/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.M. No. 4950 A.R. No. 6026 situated at B. M. Road, Hassan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hassan on 29-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Captain Sharda  
W/o Shri K. S. Bhavanji Shankar,  
owner of Film Palace,  
Hassan. (Transferor)
- (2) Smt. Prathima  
W/o Shri H. Laxmaniah Rastta Raji  
Layout, Hassan. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 1092 dated 29-8-1984)  
Residential house (K.C.C.) situated at B.M. Road, Hassan.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1985  
Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001. the 9th April 1985

C.R. No. 62/899/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 21/4, 20/4, 20/2 p. 122/7, 37, 17/2, 45/p. 121/p. 26/3 and S. No. 49/v situated at Udase Village and Bettadamane Village (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mudigere on 13-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hajee A. Mohamed A. Ishaq,  
S/o Sahucar Hajee A. Mohamed Imamsab  
Coffee planters K. R. Puram  
Extension, Hassan.

(Transferor)

(2) 1. Shri A. P. Raghavendra  
2. Shri A. P. Udaya Kumar  
Both S/o Mr. A. D. Puttegonda,  
Coffee planters, R/o Alalguadi  
Estates, Avathi, Hobli  
Taluka Chikmagalur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 490/84-85 dated 13-9-1984)

Coffee land situated at Bettadamane Village and Udase Village Tq. Mudigere 22 Acres & 36 Gunthas.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-4-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE 560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

C.R. No. 62/900/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 215 situated at Belgaum Hindawadi, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Belgaum on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Dattasa Ambasa  
Choudhari Bhichu Galli,  
Shahapur, Belgaum.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Dattatraya  
Vernekar Plot No. 164,  
Hindwadi, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1750 dated 2-8-1984)

Open plot No. 165 measuring 5040 sq. ft. 560 sq. yds. 468.21 Sq. Mtrs. Situated at Belgaum Corporation Hindawadi, Belgaum.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th April 1985

C.R. No. 62/901/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sy. No. 75 (c) Sy. No. 76 (d) Sy. No. 77 situated at Idakani Village Kalasa Hobli Hq. Mangalore and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mudigere on 8-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
63—56 GI/85

(1) Shri Ramanna Sheety  
S/o Shri Kudupa Shetty,  
Hemmakki Idakani Village,  
Kalasa Hobli Taluka Mudigere.

(Transferor)

(2) Shri K. M. Rafiq  
S/o Shri K. Ummer Saheb,  
Big House, Kilpadi,  
Mulki Post, D.K. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 388/84-85 dated 8-8-1984.

Coffee land area 18 Acres 30 Gunthas of (b) in S. No. 206 old No. 89 (b) 2-30 Acres wet lands in Sy. No. 75 (c) 1-12 acres wet in Sy. No. 76 (b) 1-27 Acres Baganath, in Sy. No. 77 of Idakani Village, Kalasa Hobli, Taluka Mudigere.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.R-III/SR-II/S-84/2457.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-47 situated at New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ramesh Kumar Gambhir s/o Sh. Gurava Lal Gambhir r/o Flat No. 15, Block No. 28 (Flat No. 20/15, First Floor), West Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Biru Mal as Karta of HUF, s/o Sh. Mokh Ram, H. No. 3, Satva Niketan Moti Bagh No. II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land No. 47, in Block 'E' (Plot No. E-47) situated in New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi and comprising of Khasra No. 4/17/2 in the area of village Jawala Heri, Delhi state Delhi.

Area-206-2/ Sq. yds. equal to 172. Sq. mts. (Size 31' × 60')

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date 11-4-1985  
Jal :



## FORM ITNS—

(1) Kanta Jolly R/O  
8/14 East Patel Nagar, New Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Gulzari Lal Oberoi;  
2. Krishan Gopal; 3. Rajesh Oberoi & 4. Mukesh Oberoi, R/O 13 N.W. Avenue Road, Punjabi Bagh Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/8-84/2458.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 13 situated at North West Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

13 North West Avenue Road, Punjabi Bagh New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date 11-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/8-84/2462.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 38, Block 'A' situated at Shanker Garden, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Sanjiv Aneja S/O  
Sh. Dharam Pal Aneja R/o 3925, Gali No. 28,  
Rehgarpara, Karol Gagh, Delhi.  
(Transferor)
- (2) (1) Prem Chand, (2) Vishnu Bhagwan,  
(3) Parshotam Dass & (4) Satya Parkash, s/o of  
Sh. Hari Ram, R/O RE-725, Jattan Street, Distt,  
Karnal (Haryana).  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 38, Block A' measuring 200 sq. yds. situated at Shankar Garden, area of vill. Possanigpur, Delhi State Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date : 14-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.IIISR-II/8-84/2464.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Killa Nos. 17/2, 18/1, 23/1, 24/2, situated at Vill. Passangipur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Tilak Raj S/O  
Sh. Chuni Lal R/O No. G-28/3A, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Balwant Singh E/O  
Late Sh. Amar Singh, R/O No. J 2/20,  
Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Killa Nos. 17/2, 18/1, 23/1, 24/2, situated in the area of Vill. Passangipur Delhi state Delhi.  
Area - land measuring 2 bigha 2 biswas out of 4 bigha 18 biswa, out of Rect. No. 24.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date 11-4-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/8-84/2464.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Khasra No. 78 situated at Vill. Shahbad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Ajay Kumar S/o Shyam Behari (2) Sh. Mohit Kumar S/O Sh. Ajay Kumar,  
2 Matcalf Road, Delhi. (Transferor)
- (2) Ashok Kumar S/O Sh. Chaman Lal, F-91, Kirti Nagar, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Khasra No. 78 Vill. Shahbad Daulatpur Delhi.  
Area - 3 bigha 6 biswas

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date 11-4-1985

Seal :

FORM LT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/CR-II/8-84/2465.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and No S/40 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moveable or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Krishan Lal,  
R/O 142 Eight Marla, Gurgaon, Raryana.  
(Transferor)
- (2) Prithi Pal Singh,  
E-36/11, Rajouri Garden,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

1/3rd undivided share of property No. S/40, Rajouri Garden, New Delhi.  
Area - 200 sq. yds.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date 11-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.R-III/CR-II/8-84/2467.-Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1-I, Block J-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Vinod Kumar Kalra S/O Sh. Ishwar Dass & Manjit Singh S/o Sh. Sardul Singh R/O J-6/91-I, Rajouri Garden New Delhi. (Transferor)
- (2) Gulshan Kumar Vohra, New Delhi. Vohra S/O Des Raj Smt. Krishna Vohra D/o Das Raj & Des Raj Vohra S/O Faquir Shand, R/O E-4, Rajouri Garden, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 91-I, Block J-6 at Rajouri Garden area of Vill. Tatarpur, Delhi state, Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date 11-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/818/2468.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 situated at Tilak Nagar, I Industrial Area New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at situated at Rajouri Garden, Delhi for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/S Purshara the Swaroop Arora & Co.  
No. 6, Madap Street, Calcutta-700072 through its partner Smt. Vimla Arora, Sh. Shyam Sundar Minocha & Smt. Neera Nagpal  
(Transferor)
- (2) M/S Mohan Plastic (P) Ltd.  
1 Tilak Nagar, Industrial Area, New Delhi through its Director Sh. Raj Kumar Gupta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Industrial property No. 1st Tilak Nagar, Industrial Area, New Delhi.  
Area-1792.6 Sq. yds.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date 11-4-1985  
Seal :

NOTICES

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.R-III/SR-II-84/2469.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-156 situated at vill. Nariana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Aqiya Pal Singh S/O Sh. Guraksh Singh r/o No. A-156, Inderpuri, New Delhi at present R/O 106 Sukh Dev Vihar, New Delhi, (Transferor)
- (2) Krishan Kumar Verma S/O Sh. Mulakh Raj Verma & Smt. Kamla Verma W/O Sh. Krishan Kumar Verma, R/O No 34, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing No. A-156 constructed in freehold plot No. A-156, out of Khasra No. 610; situated in the area of Vill. Nariana, in the of Inderpuri, New Delhi.  
Area -200 Sq. yds.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date 11-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

- (1) Shri Sunil Kumar Saluja  
S/o. Sh. Ishar Singh Vir, R/o. 10B,  
Netaji Subash Marg, Darya Ganj, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) S. Harjinder Singh  
S/o. late S. Prem Singh, R/o. H.No. 6072,  
Gali No. 2, Block No. 2B, Dev Nagar, Karol  
Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/8-84/832.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. H. No. 6072 on Plot No. 34, Kh. No. 4168/94, Gali No. 2, situated at Block No. 2B, Basti Reghar, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office IAC. Acq. Range-II, New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 6072 on plot No. 34, Kh. No. 4168/99, Gali No. 2, Block No. 2B, Basti Reghar, Dev Nagar Karol Bagh, New Delhi, (Area 82 sq. yds.)

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date : 15-4-1985.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC/AcqIII/8-84/833.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-1/59, situated at Malviyanagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-III, on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri K. N. Vaswani  
S/o. Sh. Nebh Raj Vaswani,  
R/o, B-1/59, Malviyanagar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Kartar Singh Khurana;  
S/o. Sh. Harbans Singh Khurana,  
R/o. 224 SFS, Sheikh Serai, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

B-1/59, Malviyanagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date 11-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq R-III/SR-III/8-84/836.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Mpl. No. 5380/XVI situated at Krishan Nagar Hardhiyan Singh Rd., Karol Bagh, New Delhi. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Raja Kalu Ram  
S/o Sh. Het Ram  
R/o 5261/7, Krishna Nagar, Dev Nagar,  
Karol Bagh, New Delhi .  
(Transferor)
- (2) M/s. Bharat Leather & Shoe Material House,  
5309/XVI, Krishan Nagar, Hardhiyan Singh Rd.,  
Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferee)
- (3) M/s. Bharat Leather and Shoe Material Store  
(2) Sh. D. N. Vora  
(3) Sh. Mahender Kumar  
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Mpl. No. 5309/XVI, Krishan Nagar, Hardhiyan Singh Rd.,  
Karol Bagh, New Delhi, built on Plot/Khasra No. 3496/36,  
Block 'D', Basti Rehgar,  
Area measuring 15'X45'.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 9-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Paranjit Kaur Verma  
W/o Late Air Comm. J. C. Verma,  
R/o A-82, N.D.S.E.-II, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/8-84/838.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-and bearing No. No. A-82, (entire ground floor only and undivided land measuring 100 sq. yards) situated at NDSE-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-III, on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Entire G.F. of property No. A-82, N.D.S.E. II, New Delhi undivided land measuring 100 sq. yds.

- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date . 15-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. R-III/SR-III/8-84/841.—Whereas I, SUNIL CHOPRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-23 situated at Gulmohar Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on 29th August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pt. Kam Anand Prabhakar,  
H. No. 3076 Sector 46-C,  
Ch. Road, 160031.

(Transferor)

(2) Shri. Surinder Chand Jain,  
4-Vashwanth Palace,  
New Delhi-110021.

(Transferee)

(3) Shri. S. L. Singh Jain

(being in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½ storey house build on leasehold Plot No. D-23,  
Gulmohar Park, New Delhi-110048.  
Area 280 Sq. yds. or 16723 sq. meters.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Dated : 6-4-1985  
Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. R-III/SR-III/8-84/849.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3652 as Plot No. 28, Khasra No. 1942 situated at Block 'L', Gali No. 14-15, Regarpura, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-III, on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Prem Kumar S/o Late Chandan Lal,  
R/o 3652 Gali No. 14-15 Regarpura, Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Krishna Wanti W/o Baldev Raj  
Rawal, Deepak Kumar & Rajinder Rawal sons of  
Baldev Raj Rawal, R/o  
F-17, Mansarovar Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 3652 on plot No. 28, Khasra No. 1942, Block 'L' Gali No. 14-15 Regarpura, Karol Bagh, New Delhi.  
Area—50 Sq. yds.SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New DelhiDate . 9-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq-R-III/SR-III/8-84/854.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. 21/51 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

65—56GI/85

(1) Smt. Krishna Chawla W/o Sh. Prem Nath Chawla  
C/o Nathu Mal & Sons,  
Birhana Road, Kanpur.

(Transferor)

(2) M/s. Shukhar Builders Pvt. Ltd.  
Managing Director Sh. Satish Kumar Jain S/o  
Sh. S. C. Jain, 4631, Pahari Dhiraj, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 21/51 Old Rajinder Nagar, New Delhi.  
Area—85.9 Sq. yds.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date 9-4-1985

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. R. N. Sharma S/o Late Pt. Jagan Nath  
R/o B-46, Gulmohar Park, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Miss Gee'a Goindi D/o Sh. M. S. Goindi,  
r/o M-13, Greater Kailash-II, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq III/SR-III/8-84/856.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Prop. No. B-46, situated at Gulmohar Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

to be made within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Prop. No. B-46, Gulmohar Park, New Delhi, Area-499 Sq. Yds.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 10-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, 9th April 1985

Ref. No. JAC/Acq. R-III/SR-III/8-84/857.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 16/29, situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-III, on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) 1. Sh. Udha Ram;  
2. Sh. Gidu Mal  
3. Sh. Thakur Das;  
4. Sh. Shyam Das;  
5. Smt. Muli Bali ;  
6. Smt. Beena Tekchandani &  
7. Smt. Tulsi Bai Jhurani, all R/o  
16/29, Old Rajinder Nagar, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Smt. Anpurana Rani W/o  
Sh. Joginder Pal, R/o  
47/17, Old Rajinder Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 16/29, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 9-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-IV, 8-84/1381.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. A-1/12, situated at Krishan Nagar, Delhi-51, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-III, on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sushila Devi R/o  
A-1/12, Krishan Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Want,  
H. No. G/60, New Seelam Pur,  
Delhi-53. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. A1-/12, Krishan Nagar, Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 15-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-II/8-84/1382.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) 'hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. A-1/12, situated at Krishan Nagar, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sushila Devi, R/o  
A-1/12, Krishan Nagar, Delhi-51.  
(Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Want,  
G/60, New Seelam Pur,  
Delhi-53.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. A-1/12, Krishan Nagar, Delhi-51.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 15-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Sushila Devi, R/o.  
A-1/12, Krishan Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Prem Nath, R/o.  
H. No. G/60, New Seelam Pur,  
Delhi-53. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-IV/8-84/1383.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. A-1/12, Krishan Nagar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Plot No. A-1/12, Krishan Nagar, Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. R-III/SR-IV/8-84/1394.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-2/8 situated at Kirshan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Jasbir Kaur W/o Sh. Gurdeep Singh  
R/o J-5/3, Krishan Nagar, Delhi-51.  
(Transferor)

(2) Prem Chand Bansal S/o  
Late Sh. Kirpa Ram Bansal,  
ro Gupta Textiles, 26-15-143, Main Road,  
Opp. 33, Godowns, Visakhapatnam-530001.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Built property, Built on Eastern portion of Plot No. J-2/8, Krishan Nagar, Vill. Gandhi village, Shahdara, Delhi-51.  
Area about-191 sq. yds.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Dated : 6-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Pal Mohan Construction Company,  
6/4792, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Uma Sabharwal,  
T.I. Station Road, Delhi Cantt.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/8-84/553A.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 301, situated at 5/67, Padam Singh Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office IAC, Acq. Range-III, on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301, IInd Floor, Pal Mohan house, 5/67, Padam Singh Road, Karol Bagh, New Delhi, Area—378.2 Sq. Feet.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 10-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq III/37FE/8-84/554.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Basement B-1 & B-3, situated at 1, Kaushalya Park, Surya Mansion Hauz Khas, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the IAC, Acq. Range-III, N. Delhi for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

66—56GI/85

- (1) M/s. Surya Enterprises (P.) Ltd.  
No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. Gupta Carpets International (P.) Ltd.  
A-1/12, Safdarjung Enclave, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Basement B-1 & B-3 at 1, Kaushalya Park, Surya Mansion, Hauz Khas, New Delhi, Area—1981 Sq. Feet.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 10-4-1985

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37FE/8-84 555.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Flat No. 388 situated at 6, Bhikaji Cama Place, New  
Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. ACT, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the IAC, ACQ. III, NEW DELHI  
on August 1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now therefore, in pursuance of Section 269 C of the said  
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :(1) Mr. and Mrs. D. N. Gupta & K. Gupta,  
C/o Lala Inder Narian,  
A-16, Green Park,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Dis. J. K. & S. Gupta,  
C/o Mrs. Soma Wati,  
288/14, Shakti Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 388, 3rd floor, 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi,  
Area. 791 Sq. Feet.SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New DelhiDate : 10-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 18th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/565-A.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-10, situated at 1, Kaushalya Park, Surya Mansion, Hauz Khas, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T.ACT, 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC, ACQ. III, NEW DELHI on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Surya Enterprises (P) Ltd.  
No. 1, Kaushalya Park,  
Hauz Khas,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Gupta Carpets International (P) Ltd.,  
A-1/12, Safdarjung Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Prop. No. G-10, at 1, Kaushalya Park, Surya Mansion, Haus Khas, New Delhi, Area-871.5 Sq. Feet.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 18-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/556.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 331, situated at 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T.ACT. 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC. ACQ. III, NEW DELHI on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Arun Sawhney,  
Mr. Surinder Sawhney,  
R/o M-112, Greater Kailash-I,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. Ajaipal Singh,  
Ajaipal Singh (HUF),  
Mrs. Amarjeet Kaur,  
Master Jai Karan,  
Mrs. Joginder Kaur,  
House No. 263, Sector 11-A,  
Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 331, Build. No. 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi, Area 378 Sq. Feet.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 10-4-1985  
Sd :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 18th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/557.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-2 & B-4, situated at Basement Of No. 1, Kaushalya Park, Haus Khas, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T.ACT. 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC. ACQ. III, NEW DELHI on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Surya Enterprises Pvt. Ltd.  
L-34, Kirti Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Mod-Silica Pvt. Ltd.  
B-10, Lawrance Road,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Prop. No. B-2 and B-4, Basement No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi, Area-1736 Sq. Feet.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 18-5-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 18th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/558.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 512, situated at 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T.A.C.T. 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC. ACQ. III, NEW DELHI on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely :—

- (1) Sh. P. S. Khanna,  
107, Sehyog, 58 Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Maj. Kartar Singh,  
Mrs. Mohinder Kaur,  
Mrs. Sukhdeep Kaur,  
Miss. Arvinder Kaur,  
Mr. G. S. Gill,  
R/o, BB/3H, Munirka,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 512, on 5th Floor, 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi, Area 410 Sq. Feet.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. R-III/37EE/8-84/559.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 56/7, situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T.ACT. 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC. ACQ. III, NEW DELHI on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. M. N. Passey, Senior Physician,  
Hindu Rao Hospital,  
Delhi
- (2) Shri Gian Chand Batra,  
Sh. Mohan Lal Batra,  
Sh. Parvesh Kumar Batra,  
Ss/o Late Sh. Kanshi Ram Batra,  
5873 Basti Harphool Singh,  
Sadar Thana Road,  
Delhi

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

56/7, Old Rajinder Nagar, New Delhi, Area 88.1 Sq. Yards.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date: 9-4-1985

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/ACQ.III/37EE/8-84/560.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 22, situated at Community Centre, Yusuf Sarai, New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T.ACT. 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC. ACQ. III, NEW DELHI on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bhanot Properties & Industries Ltd.,  
102-103, Raja House,  
30-31 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

- (2) N. S. Khanna,  
B-1/40, Safdarjung Enclave,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

## THE SCHEDULE

20% share of II floor (approx. super area 403 sq. ft.) space in the building under construction on plot No. 22 Community Centre, Yusuf Sarai, New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 11-4-1985  
Seal : .

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/560A.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. BE-65, situated at Hari Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T.ACT. 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC. ACQ. III, NEW DELHI, on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :—

67—56 GI/85

(1) Sh. Krishan Lal,  
C-106, Sanik Sadan,  
Lajpat Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Man Singh Proprietor,  
M/s. Avtar Mechanical Works,  
BE-65, Hari Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. BE-65, Hari Nagar, New Delhi. Area-200 Sq. yds.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 12-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/560-B.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 302, situated at 18, Laxmi Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the ITACT, 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC, ACQ. III, NEW DELHI on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,  
115, Ansal Bhawan,  
16, K. G. Marg  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vimala Agarwal &  
Mr. Deepak Agarwal,  
R-14, DESU Sub-station Flats,  
Timber Cloney, Block-I,  
Kirti Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 302 in proposed Tower Building Poorvodaya at 18 Laxmi Nagar, District Centre, Delhi, Area-430 Sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 12-4-1985  
Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 18th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/561.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 of the basement situated at A-18, Ranjit Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T.ACT, 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC ACQ. III, NEW DELHI on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Uppal Builders,  
A-6, Ring Road,  
N. D. S. E. Part-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shalini  
C/o Vecna,  
C-8, Panchsheel Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 of the basement at A-18, Ranjit Nagar, New Delhi, Area-625 Sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 18-4-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 18th April 1985

Ret. No. IAC/Acq III/37EE/8-84/562.—Whereas, 1. SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 1 of the Basement situated at A-18, Ranjit Nagar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T.ACT. 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC ACQ. III, NEW DELHI on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Uppal Builders,  
A-6, Ring Road  
N. D. S. E. Part-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Manish,  
C/o Veena,  
C-80, Panchsheel Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1 of the basement at A-18, Ranjit Nagar, New Delhi, Area-625 Sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 18-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 18th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37FE/8-S1/563.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3 of the basement, situated at A-18, Ranjit Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T.A.C.T. 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC, ACQ. III, NEW DELHI on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Uppal Builders,  
A-6, Ring Road,  
N. D. S. E. Part-I,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Puja,  
C/o. Smt. Veena,  
C-80, Panchsheel Enclave,  
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3 of the basement at A-18, Ranjit Nagar, New Delhi, Area-625 Sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 18-4-1985  
Sd/-

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/564.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. B-415, situated at 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T.ACT. 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC, ACQ. III, NEW DELHI on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Neelam Malik,  
T-27, Green Park,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Rafco (Export) Pvt. Ltd.,  
18/9, Trikuta Nagar,  
Jammu (J & K).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-415, at No 3 Bhikaji Cama Place, New Delhi.  
Area-218 Sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 10-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 11th April 1985

Ref. No. IAC/Acq III/37FE/8-84/565.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. A-1/25, situated at Safdarjung Enclave, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. ACT, 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC, ACQ. III, NEW DELHI on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Inderjit Grover,  
A-1/25, Safdarjung Enclave,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Sudesh Khanna,  
2. Mrs. Gita Khanna,  
3. Mrs. Renu Khanna &  
4. Mr. Vipin Kumar Khanna, .....  
1678, Kucha Dakhni Rai,  
Darya Ganj,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A-1/25, Safdarjung Enclave, New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 11-4-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/80-85/565-A.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearingNo. 304, situated at 5/67, Padam Singh Road,  
Karol Bagh, New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office  
of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in August, 1984  
I.A.C. Acq. III, New Delhi on Aug. 1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) M/s. Pal Mohan Construction Company,  
6/4792, Chandni Chowk,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Manju Rastogi,  
61/27 W.P.A., Ramjas Road, Karol Bagh,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 304, Second Floor, Pal Mohan House, 5/67,  
Padam Singh Road, Karol Bagh, New Delhi

Area 487 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/566.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 22 situated at Community Centre, Yusuf Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bharat Properties & Industries Ltd.,  
102-103, Raja House,  
30-31, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Manohar Lal Sethi,  
19/35 Punjabi Bagh,  
New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

16% share of 2nd floor Space, in the building under construction on Plot No. 22, Community Centre, Yusuf Sarai - New Delhi—Area 403 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No IAC/Acq.III/37FE/8-84/567.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 22, situated at Community Centre, Yusuf Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T Act 1961 (43 of 1961) in the Office I.A.C. Acq. III, New Delhi on Aug. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Bharat Properties & Industries Ltd.,  
182-183, Raja House,  
30-31, Nehru Place,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shi S. R. Bhasin,  
North West Avenue, Road,  
Punjabi Bagh Club,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

15% Share of Ind floor, Space in the Building to be Constructed on Plot No. 22, Community Centre, Yusuf Sarai, New Delhi—Area 493 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Aggarwal House  
Acquisition Range-III,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 12-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/568.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, situated at Plot No. 22, Community Centre, Yusuf Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office IAC Acq. III, New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bharat Properties & Industries Ltd.,  
102-103, Raja House,  
30-31, Nehru Place,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Mr. N. S. Bamba,  
R/o C-4/79/1, Safdarjang Development Area,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor of Building to be constructed in Plot No. 22, Community Centre, Yusuf Sarai, New Delhi—Area 384 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/569.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 22, situated at Community Centre, Yusuf Sarai, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office IAC Acq. III, New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Bharat Properties & Industries Ltd.,  
102-103, Raja House,  
30-31, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri D. S. Khanna &  
Smt. Sushila Devi Khanna,  
R/o B-1/48, Safdarjang Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

30% share of 2nd floor space in the Building to be constructed in Plot No. 22, Community Centre, Yusuf Sarai, New Delhi—Area 606 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
4/14A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/570.---Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, situated at 22 Community Centre, Yusuf Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office IAC Acq. III, New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/S. Bhanot Properties & Industries Ltd.,  
102-103, Raja House,  
30-31, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Amarnath & Sons,  
GF-15/60, Skylark, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor of Building to be constructed on Plot No. 22, Community Centre, Yusuf Sarai, New Delhi—Area 381 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal House  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq III/37EE/8-84/571.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 22, situated at Community Centre, Yusuf Sarai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at IAC Acq. III, New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Bhanot Properties & Industries Ltd.,  
102-103, Raja House,  
30-31, Nehru Place,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Ravi Khanna,  
R/o B-1/40, Safdarjang Enclave,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

20 of 2nd floor space in the Building to be constructed in Plot No. 22, Community Centre, Yusuf Sarai, New Delhi—Area 403 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal House  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Gur Parshad Singh,  
B-26, LIG Flats,  
Katwaria Sarai,  
New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rajashree Jajoo,  
Ratnakar Lane, Opp. P.W.D. Rest House,  
Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/572.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, situated at 3, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC Acq. III, New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sona Apartments, Flat No. 203, 3 Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi (Area 1168 sq. ft.)

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal House  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1985  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th April 1985

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/573.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 121 situated at 2, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of

IAC Acq. III, New Delhi in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 121 in flatted factories, Plot No. 2, Old Rohtak Road, Delhi (Area 425 sq.ft.) (to be constructed).

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal House  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/574.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. G-96, situated at Plot No. G-96, Preet Nagar, C.H.B.S. Ltd., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC Acq. III, New Delhi in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
69—56 GI/85

(1) Shri R. N. Chanda,  
R/o 13, B. Sagar Apartments,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Surendra Chawla,  
R/o 3C/8 New Rehtak Road,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Residential Plot No. G-96, Preet Nagar, C.H.B.S., Ltd., New Delhi Area

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Income-Tax  
Inspecting Assistant Commissioner  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal House  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq III/37EE/8-84/575.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. UG-3B, situated at 5, Bhikhaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961, (43 of 1961) in the office of I.A.C. Acq. III, New Delhi on Aug. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Balbir Singh,  
R/o R-211, Greater Kailash Part-I,  
New Delhi. (Transferor)  
(2) S. Jagat Singh,  
R/o A-97, New Friends Colony,  
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Shop No. UG-3B Upper ground Floor in No. 5, Bhikhaji Cama Place, New Delhi—Area 142 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 12-4-1985  
Seal :



FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/576.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, in Plot No. 2, situated at Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi on Aug. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Allied Construction Co.,  
G-5/92, Nehru Place,  
New Delhi-110019.

(Transferor)

(2) M/s. Indu Arts,  
19/11, Shakti Nagar,  
Delhi-110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, in Plot No. 2, (Flatted Factories), Old Rohtak Road, New Delhi of 425 sq. ft. (to be constructed).

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Date : 12-4-1985  
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. R-III/37EE/8-84/577.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R-3, situated at 3 Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I. A. C. Acqn. III, New Delhi on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Seth Brothers,  
704, Rohit House,  
Tolstoy Marg,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Umang Varma,  
S/o Sh. Lodi Vasant,  
F-3/8, Vasant Vihar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

R-3, Building No. 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi.  
Area 308 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Daljit Singh Malhotra,  
House No. 1073, Sector 37B,  
Chandigarh.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Jaswant Kumar Mehan,  
Mrs. Kalpana Mehan,  
& Jeewan Kumar Mehan,  
R/O. T-27, Green Park,  
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/8-84/578.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Sec. 269B of the In-  
come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 618,  
situated at 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)  
I. A. C. Acqn. III, New Delhi on August, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

Flat No. 618, 6; Bhikaji Cama Place, New Delhi, Area-  
533 Sq. Feet.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Lajpat Rai,  
B-1/74 Safdarjung Enclave,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

(2) Roopak Kothari,  
Miss Matisha Kothari (Minor),  
and Miss Shrutti Kothari (Minor)  
U/G of Smt. Sh. Roopak Kothari,  
129 Sunder Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.R III/37EE/8-84/579.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 416, situated at 4th floor, 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) I. A. C. Acqn. III, New Delhi on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 416, 4th Floor, 6 Bhikaji Cama Place, New Delhi (under construction).

Covered Area-524 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Paul Mohan Construction Co.  
6/4792, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Kumud Aggarwal,  
20 Vijay Mahal, D-Road  
Churchgate, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1985

Ref. No. IAC/Acq II /37EE /8-84 /581.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market valueexceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 302, 5/67,situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)  
I. A. C. Acq II, New Delhi on August, 1984for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

458 Sq. Ft. Commercial Flat at Flat No. 302, 5/67, WEA,  
Karol Bagh, New Delhi.SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 15-4-1985

Seal;

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/8-84/582.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 207,  
situated at 5/67, Padam Singh Road, Karol Bagh, New  
Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)  
I. A. C. Acqn. III, New Delhi on August, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) M/s. Pal Mohan Construction Company,  
6/4792, Chandni Chowk,  
Delhi

(Transferor)

(2) Mrs. Anjula Bansal,  
659, Double Story,  
Rajendra Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 207, 1st Floor, Pal Mohan House, 5/67, Padam  
Singh Road, Karol Bagh, New Delhi, Area 112.7 Sq. Feet.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Near Broadway Hotel  
Aggarwal House  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Seal :  
Date : 10-4-1985

FORM ITNS— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No IAC/Acq. R-III/37EE/8-84/582 A.—Whereas,

1  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

D-36,  
situated at New Delhi South Extension, Part-II, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of  
1961) in the Office of the I. A. C. Acq. Range-III, New  
Delhi,

on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

70—56 GI/85

- (1) M/s. Accounto Marketing Ltd.  
Regd. office : 9th floor,  
4 Govt. Place (North),  
Calcutta through its attorney  
Sh. S. S. Surana,

(Transferor)

- (2) Shanda Jain,  
W/o Sh. P. K. Jain.  
C-8 Gulmohar Park.  
New Delhi.

(Transferee)

- (3) M/s. Mayur Synthetic Ltd  
E-29, N. D. S. E. Part-II,  
New Delhi.

(Person (s) in the occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Basement No. D-36, 1/4th portion (right back portion)  
N. D. S. E. -II, New Delhi,  
Area—1147 Sq. Ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 8-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Chandra Sen Rao,  
3, Agra Bombay Road, Residency,  
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M. P.

(2) Shri Madhukar Gupte &  
D. K. Gupte,  
36, Gopal Bag Colony,  
Manik Bagh Road,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 2nd April 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5655.—Whereas, I,  
SMT. S. K. AULAKH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
House No. 84/106 (3rd floor)  
situated at Jawahar Marg, Indore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore  
on August, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

House No. 84/106 (3rd floor) is situated on Jawahar Marg  
Road, Indore. This is immovable property which has been  
described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 2-4-1985  
Seal :



FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 2nd April 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5656.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/1 and bearing No. Part of Plot No. 38 situated at Shrinagar Extension Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Naraindas,  
S/o Shri Dharamadasji,  
R/o Palsikar Colony, House No. 27,  
Indore.  
(Transferor)

(2) 1. Ashok S/o Shri Hasanandji Bhatia,  
2. Anil S/o Shri Hasanandji Bhatia,  
R/o M. I. G. Colony, H-33,  
Indore.  
Present Address : 3, Milan Linking Road  
Extension, Santa Cruz West,  
Bombay-400 054.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 38, is situated at Shrinagar Extension Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 2-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 2nd April 1985

Ref. No. IAC/Acq. /Bpl/5660.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 382/A, situated at Wright town, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indoor on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Hansmukhbhai Safi  
S/o Shri Mohanlal Safi,  
Civil Lines, Saugor.

(Transferor)

- (2) Shri Suresh Kumar,  
S/o Shri Dhaniram Gupta,  
327, Nivarganj,  
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 382/A is situated at Wright Town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 2-4-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 2nd April 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/5661.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing Kh. No. 236, 237/2, 238 and 239 situated at ill. Gadrahdei, Industrial Area, Laxmibai Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Satyanarain S/o Palhar,  
2. Smt. Hansabai Wd/o Palhar,  
R/o Gadrahbedi,  
Teh. Indore.

(Transferor)

- (2) M/s. Bihar Co-operative Housing Society Ltd.,  
C/o Shri Kailash Chandra Sharma,  
23/2, Alppura Juna,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Kh. No. 236, 237/2, 238, 239, is situated at Industrial Area, Laxmibai Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 2-4-1985

Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd April 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./5662.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH,

being the competent Authority under Section 69B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000/- and bearing No. Open land bearing Kh. No. 420/1/2, 2/2 and 421/2/1/2

situated at Vill Niranjampur, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (19 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the said property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the amount of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Amarsingh  
2. Munailal S/o Chogalal,  
Late Sitaram S/o Chogalal,  
Smt Surajba W/o Sitaram Vasudeo,  
Sh. Kishore S/o Sitaram  
Gens. Power of Attorney  
Sh. Kanhaiyalalji,  
R/o 65, Khamathipura,  
Indore.

(Transferor)

- (2) M/s. Vishva Housing Co-op. Society Ltd.,  
Indore

(Transferee)

Intention of the said persons to acquire the said property may be inferred from the following facts:—

- (a) that the said persons had a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

- (b) by any one person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Kh. No. 420/1/2, 2/2, and 421/2/1/2 is situated at Vill Niranjampur, Teh Indore. This is the immovable property has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 2-4-1985  
Seal

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5663—Whereas I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Open land bearing Kh. No. 421/2/1, 420/1/1, 420/2/1, 421/2/1/2, 420/1/2 and 420/2/2 situated at Vill Naranjanpur Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer or agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagannath S/o Rajaram  
Thro' General power of attorney  
Sari Kanhaiyalal Faraka, 63, Kamathipura,  
Indore

(Transferor)

- (2) M/s. Indore Housing Co-op. Society Ltd.,  
Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Kh. No. 420/1/1, 420/2/1, and 421/2/1 is situated at village Naranjanpur, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-C duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
New Central India Floor Mills, Bhopal

2-4-1985  
Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M.P.

Bopal, the 2nd April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5664.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Houses No. 2 to 7, a to 8 and 2 to 8/1 on open plot at Napier Town, Jabalpur situated at Jabalpur (Napier Town) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jal Posthye & Aspie P  
Tavadia Brothers of late Shri Pestorjee S.  
Tavadia, R/o Napier Town, Jabalpur  
(Transferor)

(2) Smt. Prabha Pahwa W/o Shri J. P. Pahwa  
of Civil Lines, Jabalpur &  
Shri Om Prakash Chouksey  
S/o Shri S. K. M. Chouksey,  
R/o 406, Napier Town, Jabalpur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Houses bearing No. 2 to 7, 2 to 8 and 2 to 8/1 is situated on open land at Napier Town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 11-4-1985

Sent :

FORM ITNS

(1) Shri Bhagwati Prasad Devangan,  
R/o Gill, Kasela, Teh. Raipur.

((Transferor))

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Gram Seva Samiti Thro' Shri Bishalram  
Gangaram Chandrakar, Jail Road, Raipur.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M.P.Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 12th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5665.—Whereas, I,  
SMT. S. K. AULAKH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
House No. 11/114 situated at Vill. Kasela Dist. Raipur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Raipur on August, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 11/114 is situated at Vill. Kasela, Dist. Raipur.  
This is the immovable property which has been described in  
form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Incom. Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

71—56 GI/85

Date : 12-4-85.  
Seal .

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5666.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Half portion of double storeyed bldg on plot No. 82/2 (Sheet No. 79) situated at Pratappganipara Balaji Ward No. 13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (11 of 1908) in the office of the Registering Office at Jagdalpur on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or for the purposes of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiv Shanker Urf Shanker Mishra  
S/o Shri Gulam Mishra  
R/o Balaji Wad No. 13, Raipur  
(Transferor)
- (2) M/s. Shiv Shanker Bangles Stores,  
Thro' Partners :  
1. Shri Shiv Shanker  
S/o Daudayal Agarwal  
2. Shri Omkar S/o Daudayal Agarwal  
Maharani Hospital Ward No. 14, Jagdalpur  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed Building (Half Portion) is situated at Pratappganipara, Balaji Ward No. 13, Plot No. 79, Jagdalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 12-4-85  
Seal:



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5667.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 part of Double storeyed Bldg situated at Pratap Ganjpara, Balaji Ward No. 13 on plot No. 82/2, sheet No. 79 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sheo Shanker alias Shanker Mishra  
S/o Sheogulam Mishra  
R/o Balaji Ward No. 13, Jagdalpur. ((Transferor)
- (2) Shri P. Umachand Jhabak  
S/o Pannalal Jhabak  
R/o Maharani Hospital Ward No. 14 of Jagdalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1 part of double storeyed building is situated at Pratap Ganjpara, Balaji Ward No. 13 on plot No. 82/2, Sheet No. 79, Jagdalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 9-4-85  
Seal:

FORM NO. ITNS—

(1) Smt. Ratan Sahu W/o Dr. Somnath Sahu  
Ram Sagar Para, Raipur.

((Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt Usha Prakash, W/o (Shri Uday Raj Parakh,  
R/o Santa Colony, Raipur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5669.—Whereas I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 24 & the house built thereon situated at Chirhuldi Ward, Raipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 24 and the house built thereon is situated at Chirhuldi Ward, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 6-4-1985  
Seal :

## FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5670.—Whereas, I,  
SMT. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 33/170 situated at (Near) Hanuman Mandir Road, Budhapara, Raipur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chetan Rao Thokane  
S/o Nanaji Thokane  
R/o New Hanuman Mandir Road, Budhapara,  
Raipur. ((Transferor))
- (2) Shri Chhatrapati Ramteke  
S/o Shri Prahlad Rao Ramteke,  
R/o House No. 33/170, Near Hanuman Mandir  
Rd. Budhapara, Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 33/170 near Hanuman Mandir Road, is situated at Budhapara, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 6-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Anandlal Agarwal  
S/o Sh. Pyarelal Agarwal  
R/o Lakhe Nagar, Raipur.

((Transferor)

(2) Shri Subhashchand Barlotia,  
S/o Mangilal  
R/o Edward Road, Raipur  
C/o Abhay Agency Raipur

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5671.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Mahadevghat Road Lakhe Nagar, Raipur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Raipur on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

House on plot of land Kh No. 1100/-10, 1099/3 situated at Mahadev Ghat Road, Lakhe Nagar, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date 4-4-1985  
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5674.—Whereas, 1. SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Municipal No. 19 situated at Saket nagar, Khajrana, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore in August, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kunwar Indrajeet Singh  
S/o Shri Bhanwarsingh Bhati,  
2. Shri Kunwar Anoop Singh  
S/o Shri Bhanwarsingh Bhati,  
Both R/o Vill. Sothia,  
Teh. Nasrullahganj (MP).

(Transferor)

- (2) Km. (Dr.) Asha  
D/o Shri Dinkar Roy,  
Perulekar,  
R/o Mahidpur (MP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing Mun. No. 19 is situated at Saket Nagar, Khajrana, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 9-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5675.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building No. 14 situated at Saketh Nagar Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in August, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vaman Shripadhi Timpe,  
Through Mukhtiarani Shri Neelakand Madhav,  
Umgavkar,  
R/o 61, Bhosle Nagar,  
Poona. (Transferor)
- (2) Shri Shelendra Jamnadas Ajmera and  
Smt. Jonsa  
W/o Shri Shelendra Ajmera,  
R/o 14, Saketh Nagar,  
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 14, Saketh Nagar, situated in Indore.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Near Central India Floor Mills,  
Bhopal

Date : 9-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5676.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building No. 10 situated at Santhi Nagar, Srinagar Extension, Khajrana Road, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in August, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
72—56 GI/85

(1) Shri Gola Narayanan  
S/o Shri G. S. Narayanan,  
R/o Banglore,

(Transferor)

((2) Smt. Snehlata Vyas  
W/o Shri Vinodkumar Vyas,  
R/o 8, Santhi Nagar,  
Indore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building No. 10, Santhi Nagar, (Shrinagar extension) Khajrana is situated at Indore. This is an immovable property whose complete details are given in the attested form No. 37G.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Near Central India Floor Mill  
Bhopal

Date : 9-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq n/Bpl/5677.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Building constructed on Plot No. 16 situated at Professor Colony, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore in August 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) Smt. Padmabai<br>W/o Shri Chandumalji,<br>R/o Indore.                         | (Transferor) |
| (2) Smt. Uttammibai<br>W/o Shri Sachanandji,<br>R/o 10, Ganj Compound,<br>Indore. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

\* EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storeyed building constructed at plot No. 16, Professor Colony situated at Indore.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Near Central India Flour Mills  
Bhopal

Date : 9-4-1985.  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5680.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 7 constructed on plot No. 7 situated at Janaky Nagar Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) Shri Surajmal<br>S/o Shri Chandmalji Jain,<br>R/o 6/1, New Palasiya,<br>Indore.                   | (Transferor) |
| (2) Shri Ram Ratan Daga<br>S/o Shri Bansidharji Daga,<br>R/o House No. 7,<br>Janaky Nagar,<br>Indore. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 7, constructed on plot No. 7, Janaky Nagar, Colony, situated at Indore.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 9-4-1985.  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5681.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 164 situated at Palisker Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Holaram Bhatia  
S/o Shri Parsramji Bhatia,  
R/o 57, Telephone Nagar,  
Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpadevi  
W/o Shri Gangadarji Bhatia,  
R/o 57, Telephone Nagar,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 164, Palsikar Colony is situated at Indore. It is an immovable property whose complete details are given in the attested form No. 37.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 9-4-1985.  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5682.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 10/795 situated at Malroad, Chandraprastha Colony, Morar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in August, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balakrishnarao  
S/o Shri Datathray Madav Rishwood,  
R/o Chandraprastha Estate,  
Malroad, Morar Hall,  
I-Type Qr. 88/13-1250 Quarters,  
Tulsi Nagar,  
Bhopal.

(Transferor)

- (2) Smt. Sarojdevi  
W/o Shri Rajendra Prasad Agarwal,  
and Smt. Sudharani Agarwal  
W/o Shri Brijmohan Agarwal,  
R/o Chik Santar Morar,  
Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 10/795, Mal road, Chandraprastha Colony, Morar is situated at Gwalior.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 9-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq'n/Bpl./5683.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 25 old & new No. 46 situated at Naliya Baghal, Bharat Marg, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore in August, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sureshchand  
S/o Shri Keshwarimalji Tongya and  
Smt. Vimal Prabhadevi  
W/o Shri Keshwarimalji Tongya,  
R/o House No. 364, Saketh Nagar,  
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Ashok Kumar Jain  
S/o Shri Rajmalji Jain,  
House No. 65, M. T. Cloth Market,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Old House No. 25 and New No. 46, Naliya Baghal, Bharat Marg is situated at Indore.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 9-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5684.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Municipality House No. 25 old & new No. 46 situated at Naliya Baghal, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in August, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sureshchandra  
S/o Shri Kesarimalji Tongya and  
Smt. Vimal Prabha Devi  
W/o Shri Keswarimalji Tongya,  
R/o House No. 364, Saketh Nagar,  
Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Santhabai  
W/o Shri Jenedra Kumar Jain,  
R/o House No. 2,  
Sata Bazar,  
Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Municipality House No. 25 old & new No. 46, Naliya Baghal is situated at Indore. This is an immovable property whose complete details are given in the attested form No. 37.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 9-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5685.—Whereas, I,  
SMT. S. K. AULAKH,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
Bhoony Kh. No. 5/1/1 situated at Gram Karhodaklan,  
Bhopal(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Bhopal in August, 1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Smt. Munnadevi

W/o Shri Rameshwar Prasad,  
R/o E-1/123, Areracolony,  
Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Ramsevak Gupta  
S/o Shri Pannalal Gupta,  
R/o Kazi camp Sahar,  
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bhoony Kh. No. 5/1/1, Gram Karhodaklan is situated at  
Bhopal. This is an immovable property whose complete  
details are given in the attested form No. 37G.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 10-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5686.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Agricultural land Kh. No. 5/1/1 situated at Gram Karhedkalan, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in August, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
73—56 GI/85

(1) Smt. Munmidevi  
W/o Shri Rameshwar Prasad,  
R/o Heavy Electricals, Piplani,  
Bhopal.

(Transferee)

(2) Shri Babulal  
S/o Shri Shrikrishnan Prasad,  
R/o Chouky,  
Jman Vada Road,  
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 5/1/1, Gram Karhedkalan is situated at Bhopal. This is an immovable property whose complete details are given in the attested form No 37G.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 10-4-1985.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC Acqn/Bpl./5687.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 221 and a building constructed in it situated at Treching Ground Municipal Employees Housing Scheme, Bhopal, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Narmada Prasad Chouksey  
S/o Shri Gopilal Chouksey,  
14, Rethghat,  
Taliya,  
Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Kamalbai  
W/o Shri Rajendra Singh Yadav,  
R/o 3/1, Nagar Nigam Colony,  
Barasia Road,  
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 211 is under Treching ground Municipal Employees Housing Scheme situated at Bhopal. This is an immovable property whose complete details are given in the attested form No. 37G.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 10-4-1985.  
Seal :



FORM NO. IT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5688.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 14 situated at Deeraj Apartment, First Floor, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in August, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Deerajlal Mehta,  
Proprietor Investor,  
Narmada Road,  
Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Mishra  
W/o Shri J. P. Mishra,  
Sawarkar ward,  
Katni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 14, Deeraj Apartment, First floor is situated at Jabalpur.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 10-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl./5689 —Whereas, I, SMT S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 129 situated at Major shopping Centre, Maharana Pratap Nagar, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration by such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shivkumar  
S/o Shri Bamsilal,  
Through Attorney Shri V. P. Sethi,  
S/o Shri Seetharamji Sheti,  
R/o E-3/174, Arear Colony,  
Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Sushama Duggal  
W/o Shri Janakraj Duggal,  
K/o H-44 Badhera Apartment,  
L-5, Arear Colony,  
Bhopal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No 129, Major Shopping Centre, Maharana Pratap Nagar is situated at Bhopal. This is an immovable property whose complete details are given in the attested form No. 37G.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 10-4-1985.  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5691.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 6 situated at Malviya Nagar, Bhopal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bhopal in August, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Chunnilal  
S/o Shri Geevandas,  
6, Malviya Nagar,  
Bhopal.

(Transferor)

(2) M/s. Ashiana Associated Bhopal,  
E-3/27A, Arera Colony,  
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Plot No. 6 is situated at Malviya Nagar, Bhopal.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal.

Date : 9-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1985

Ref. No. IAC/AcqN/Bpl./5692.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 151 situated at Maharanapratap Nagar, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in August, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Nirmala Verma  
W/o Shri M. C. Verma  
through Pres. Om M. C. Verma  
S/o Shri Shivanand Verma,  
R/o 89A, MIG Plot, Rajouri Garden,  
New Delhi, Hall,  
Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Govind Prasad  
S/o Shri Kishan Pattidar and  
Shri Konamal  
S/o Shri Mewaji Pattidar,  
R/o Jaugedi Village,  
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 151, Maharanapratap Nagar is situated at Bhopal

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 9-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Man Singh  
S/o Shri Sunderlal,  
Vill. Gram Narela Samkari,  
Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) President Hazrath Nizamuddin Greh Nirman  
Sah. Sanstha,  
Govindpura,  
Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 9th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5693.—Whereas, I,  
SMT. S. K. AULAKH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Bhoomy Kh. No. 201 situated at Vill. Gram Narela Samkari  
Bhopal.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the registering Officer  
at Bhopal in August, 1984.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Bhoomy Kh. No. 201, Gram Narela Samkari village is  
situated at Bhopal. This is an immoveable property whose  
complete details are given in the attested form No. 37.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 9-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq n/Bpl./5694.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 16 situated at Manishpury, Chandralok Extension Colony, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Indore in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Akashdeep Builders,  
Indore partnership firm through Partners,  
1. Shri Devraj S/o Shri Ramrakamal Verma,  
2. Shri Ramesh Kumar S/o Shri Puranmal Gupta,  
3. Shri Govardhanlal S/o Shri Puranmal Gupta,  
4. Shri Naresh Kumar S/o Shri Devraj Verma,  
all R/o 13/14, Jawhar Marg,  
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Suresh Kumar  
S/o Late Kishanlalji Jaju,  
2. Smt. Saritha Devi  
W/o Shri Rajeshkumar Jaju,  
R/o Rakord Peto Chemicals & (P) Ltd.,  
6, Vinay Building,  
G.S.T.I. Road,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House No. 16, Manishpuri Chandralok Extension Colony is situated at Indore. This is an immovable property whose complete details are given in the attested copy of form No. 37G.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 10-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5695.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 5/191 New No. 2 situated at Lala Lajpatrai Marg Nikas, Budhwariya, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Dharghahwala & Co.,  
Nikas road, Budhwariya, Ujjain,  
1. Abdhul Gani S/o Haji Mohd.,  
2. Abdhul Aziz S/o Abdhul Gani,  
3. Aminabai,  
Daulatganj,  
Ujjain.

(Transferor)

- (2) Firm Kothari Cine Arts 2/4, Sindhi Colony,  
Sion West Bombay, 22 through Partner,  
1. Sagarmal S/o Ranglalji Kothari,  
2. Gvanchand S/o Shri Fakirchand Chinodiya,  
Nayapura,  
Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 191, New No. 2, Lala Lajpatrai Marg Nikas, Budhwariya, is situated at Ujjain. This is an immovable property whose complete details are given in attested copy of Form No. 37G.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 10-4-1985.

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref No. IAC/Acq/Bpl./5698.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 9/1 situated at Parsi Mohalla, Indore. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Uttamchand  
S/o Shri Hemandas,  
9/1, Parsi Mohalla,  
Indore. (Transferor)
- (2) Shri Suganchand  
S/o Shri Shikharchand Jain,  
Ashok Nagar,  
Dist. Guna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 9/1 is situated at Parsi Mohalla, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 10-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl./5699.—Whereas, 1, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 9/1 situated at Parsi Mohalla, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Indore in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Uttamchand  
S/o Shri Hemandas,  
9/1, Parsi Mohalla,  
Indore. (Transferor)
- (2) Shri Sunderlal  
S/o Shri Shikarchand Jain,  
Ashok Nagar,  
Dist. Guna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 9/1 is situated at Parsi Mohalla, Indore.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 10-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./5705.—Whereas, I,  
SMT. S. K. AULAK,being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearingFlat No. 8-B,  
situated at 46, M. G. Road, Indore.  
(and more fully, described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the registering Officer  
at Indore in August, 1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri. M. V. Phadke Thro attorney  
K. V. Phadke,  
32, Amber, M. G. Road, 46,  
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Abhay Kumar Talati,  
8B, Megh, 46, M. G. Road,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 8-B is situated at 46, M. G. Road, Indore. This  
is the immovable property which has been described in form  
No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Floor Mills  
Bhopal

Date : 10.4.1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5678.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 8 situated at Saket Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bhopal on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Neelam Agrawal  
W/o Shri Rajendra Kumar Agrawal,  
2. Smt. Manju Sangla  
W/o Sh. Yeshwanth Sangla,  
3. Smt. Monica Sangla  
W/o Sh. Mukesh Sangla,  
4. Shri Lalchand Agarwal  
S/o Late Sh. Avinash Chandra Agarwal,  
R/o 8/1, Jai Palasia,  
Indore. (Transferor)
- (2) M/s Hansraj Khanna (HUF),  
C/o M/s Shiv Enterprises, Ujjain Road,  
Dewas. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 8 is situated at Saket Nagar, Indore.

Smt. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Aayakar Bhavan, Hoshangabad Road,  
Opp. Central India-Flour Mills,  
Bhopal

Date : 10-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/5679.—Whereas, I, Smt. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & Bldg. situated at 92, Padmavati Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Bhopal on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument than fifteen per cent of such apparent consideration and that of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
Seal :

(1) Shri Shyam Samtani,  
R/o 92, Padmavati Colony,  
Indore.

(Transferor)

(2) Asian Paints (India) Ltd.,  
'Nirmal', 5th floor,  
Nariman Point,  
Bombay-400 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building is situated at 92, Padmavati Colony, Indore.

Smt. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Aayakar Bhavan, Hoshangabad Road,  
Opp. Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 10-4-1985  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT,  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd April 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/5657.—Whereas, I,  
SMT. S. K. AULAKH,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing No.Free-hold Plot No. 36 situated at Saket, Indore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Indore on September 1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the  
following persons, namely :—

(1) Shri Krishna Janardan Phadke,  
S/o Janardan Phadke,  
C/61, H.I.G., Shailendra Nagar,  
Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Yash V. Chopra  
S/o Shri S. K. Chopra,  
215, Saket Nagar,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free-hold plot No. 36 situated at Saket Nagar, Indore.  
This is the immovable property which has been described in  
Form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 2-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd April 1985

Ref. No. IAC/Acq.Bpl/5658.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Plot No. 22 situated at Manishpuri Colony (Chandralok Extension Colony), Khajrana, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijay Singh  
S/o Prakashchand Rathore,  
77, Saket Nagar,  
Indore.

(Transferor)

(2) Shri Tilakraj S/o Mohanlalji Pahwa,  
128, Jaora Compound,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 22 is situated at Manishpuri Colony (Chandralok Extension), Khajrana, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 2-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd April 1985

Ref. No. IAC[Acq.Bpl]5659. —Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1 (2nd floor) situated at Street No. 7, New Palasia, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

75—56 GI/85

(1) Shri Kanhaiyalal Sharma  
S/o Shri Nandkishore Sharma,  
1/7, New Palasia,  
Indore.

(Transferee)

(2) Shri Nirmal Kumar  
S/o Moolchandji Jain,  
No. 6, Tilak Path,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1 (2nd floor) situated at Street No. 7, New Palasia, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 2-4-1985  
Seal :

FORM IIN3-----

S/o Awbaridas,  
W/o Shri Konda Rao,  
R/o State Bank Colony,  
Jagdalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

(2) Bastar Jila Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit,  
Jagdalpur.  
Through President  
Kum. Sandhiya Bathiya  
D/o Shri Sobhagmal Bathiya,  
R/o Kewaramundra Ward, Murty Line,  
Jagdalpur.

(Transferee)

Bhopal, the 9th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq./Bpl/5608.—Whereas, I,  
SMT. S. K. AULAKH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Land bearing Kh. No. 39/1, 41/16, 41/7, 41/33  
situated at Aghanpur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Jagdalpur on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 39/1, 41/16, 41/7, 41/33 situated  
in Aghanpur, Jagdalpur. This is the immovable property  
which has been described in form No. 37-G duly verified by  
the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 9-4-1985  
Seal :



## FORM LT.N.S.-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th April 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5672.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing Kh. No. 223/1, 224/1 situated at Village Kohka and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Mohanlal  
S/o Maoji  
2. Smt. Gauri Bai  
W/o Mohanlal  
R/o Kohka, Bhilai Nagar,  
Durg.

(Transferor)

(2) Shri Amrik Singh  
S/o Banta Singh  
Family Trust, Deepak Nagar,  
Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 223/1, 224/1 is situated at Village Kohka, Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 4-4-1985

Seal :

## FORM IT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th April 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5673.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Kh. No. 1/1 situated at Frejaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Hansh Mukhlal Mehta  
S/o Shri Jeewanlal Mehta of Bombay  
Through Agent,  
Shri Shantilal Chitaliya  
s/o Awbaridas,  
R/o Jagdalpur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shaitanmal Khatri &  
2. Shri Ghewarchand Khatri  
S/o Fatchchand Khatri  
R/o Indira Ward,  
Jagdalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 1/1 is situated at Frejaipur, Jagdalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.  
Bhopal, the 2nd April 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5690.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Building constructed on Plot No. 20 situated at Nayapur, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. N. Sharma  
S/o Shri S. L. Sharma  
R/o Shajahanabad,  
Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri G. P. Pahariya  
S/o Shri G. L. Pahariya,  
R/o Near State Bank of India,  
Sultanaiya Road,  
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building constructed on Plot No. 20, Nayapura is situated at Bhopal.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 10-4-1985  
J.U. :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC[Acq.Bpl]5696.—Whereas, 1, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 33/6 situated at Vill. Mahalgaon, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

(1) Smt. Binadevi Goyal  
W/o Shri Hariyilas Goyal,  
R/o Mina Wali Gali,  
Dal Bazar, Lashkar  
Gwalior.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sulekha Syal  
W/o Shri Kailash Syal  
2. Mukesh S/o Kishanlal  
3. Nirmala W/o Subash  
4. Rajeev S/o Subhash  
5. Shriram S/o Ramnath  
6. Brijesh S/o Harvinder  
7. Kuldeep S/o Madan  
8. Jagdeep S/o Madanlal,  
Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 33/6 is situated at Vill. Mahalgaon, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5697.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 91 and the house built thereon situated at Scheme No. 47, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashok Kumar S/o Vasudev  
3, Katji Colony,  
Indore.  
Through General Power of Attorney  
Amar Nath S/o Melaram,  
3/3, South Tukoganj,  
Indore.

(Transferor)

(2) 1. Premalata W/o Prabhudayal,  
2. Chouthi Bai W/o Gourilal,  
Scheme No. 47, Plot No. 91,  
23, Jai Builders Colony,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building on plot No. 91, Scheme No. 47 is situated at Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/5700.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 12 on 2nd floor of Multi-storeyed Bldg. on plot No. 2-A, situated at Kailash Park, Manormaganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) M/s. Pragati Construction Co.  
Through Partner  
Shri Sanat Kumar  
S/o Kalyanmalji Badjatya,  
146, Jaoia Compound,  
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Pratulchandra  
S/o Shantaramji Karnik,  
2-A, Kailash Park Colony,  
Manormaganj,  
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 12 on 2nd floor of Multi-storeyed building on plot No. 2-A is situated at Kailash Park, Manormaganj, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee. \*

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5701.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 2 & Part of Multi storeyed building—Flat No. 8 situated at Kailash Park, Manoramaganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

76—56 GI/85

- (1) M/s. Pragati Construction Co.  
Through Partner :  
Shri Sanatkumar  
S/o Kalyanmalji Badjatya,  
146, Jaina Compound,  
Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Nathulal S/o Tilokchandji Soni,  
B-51, Jain Colony,  
Nemi Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 8 of 1st floor of multi-storeyed building on plot No. 2-A is situated at Kailash Park, Manoramaganj, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills.  
Bhopal

Date : 10-4-1985  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./5702.—Whereas, I,  
SMT. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1, Block No. 63, Ward No. 22 situated at Dravid Marg, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narayandas  
s/o Kimatraji Dhanwani  
R/o Tilak Marg, Fawara Chowk,  
Ujjain. (Transferor)
- (2) Smt. Geetabai  
W/o Shri Ramchandji Porwal  
2, Smt. Amitbai Porwal  
W/o Shantikumarji Porwal  
R/o House No. 1,  
Shreepal Marg, Nai Peth,  
Ujjain. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House No. 1 (Block No. 63, Ward No. 22) is situated at Dravid Marg, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 10-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acon/Bpl/5703.—Whereas, I,  
SMT. S. K. AULAKH,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearingHouse No. 1, Block No. 63, Ward No. 22  
situated at Dravin Marg, Ujjain(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer atUjjain on September, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

- (1) Shri Narayandas  
S/o Kimatraji Dhanwani,  
R/o Tilak Marg, Fawara Chowk,  
Ujjain.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Sushila Bai  
W/o Survanarayan Poswal  
2. Smt. Pramila Bai  
W/o Rajkumarji Porwal  
House No. 1, Shripal Marg, Nai Peth,  
Library Gali,  
Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1 (Block No. 63, Ward No. 22) is situated at  
Dravid Marg, Ujjain. This is the immovable property which  
has been described in form No. 37-G duly verified by the  
transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM I (NS)——

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 10th April 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl.5704.—Whereas, I, SMT. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House bearing Municipal No. 4/1422 (New No. 68) situated at Gopal Mandir Marg, Ujjain (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons namely :—

- (1) Shri Rampal S/o Munnalalji Agrawal,  
R/o 105, Gopal Mandir Marg,  
Ujjain.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Jayantilal S/o Manaklal Kothari  
R/o 34, Kshir Sagar,  
Ujjain.  
2. Sushila Bai  
W/o Ramniklalji Jain,  
R/o 149, Sarafa Bazar,  
Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 4/1422 (New No. 68) is situated at Gopal Mandir Road, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

SMT. S. K. AULAKH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Income Tax Building  
Near Central India Flour Mills,  
Bhopal

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th April 1985

Ref. No. F.6/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 2102 and 2106, part R.S. No. 1692/4 and 1692/7 situated at Mylapore sub District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 2135/84) on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Sri L. Vellayan,  
Cannton Estate, Yercaud.  
(Transferor)
- (2) Sri N. K. T. M. Thavamani, alias Thirumalai,  
No. 414, 10th Cross, 14th Main Road,  
J.P. Nagar, Bangalore-78.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land : House and ground, S. No. 2102 and 2106 part R.S. No. 1692/4 and 1692/7 1 ground 350 sq. ft., Mylapore sub district.

Madras North/Doc No. 2135/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-4-1985  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Sri Sybil Alexandra Solomon,  
England.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Malathi Sadanand,  
Smt. Anjali Sadanand,  
Anna Mathan,  
Nandini, Mathan,  
Nirupa Mathan,  
195, Habibulla Road,  
Madras-17.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 7/Aug. 84/R-II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Ninjambakkam/R.S. No. 58/41 situated at Ninjambakkam  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Thousandlights/Doc. No. 396/84 in August, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Land : Ninjambakkam, R.S. No. 58/41 : Extent :  
2 ground's.  
Thousandlights/Doc No. 396/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 8-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 8/Aug.84/II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 622/29, Part, BK No. 36, situated at Lady Madhavan Nair Colony, Nandambakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 404/84 in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Padma Srinivasan,  
160, Osman Road, T. Nagar,  
Madras-17.

(Transferor)

- (1) Sri R. Krishnamoorthy,  
7, Thirumoorthy Street,  
T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : R.S. No. 622/29, Part, BK No. 36, Extent : 1350 sq. ft. Lady Madhavannair Colony, Nandambakkam. Thousandlights/Doc. No. 404/85.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 9/Aug./84/R.II.—Whereas, I  
MRS. M. SAMUEL,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Plot No 7, Door No. 9, Shenoy Road,  
situated at Nungambakkam, Madras-34  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Thousandlights/Doc. No. 407/84 in August, 1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
thereof by more than fifteen per cent of such apparent con-  
sideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons namely :—

- (1) Sri T. R. Krishnan, and  
Sri T. Ramakrishnan  
No. 9, Shenoy Road, Nungambakkam,  
Madras-34. (Transferors)
- (2) 1. Sri Meddaikar Mohamed Aslam,  
2. Meddaikar Ayaz Ahmed,  
No. 9, Mulaikar Gulam Mohideen St.,  
Ambur, N.A. Dist. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at plot No 7, Door No. 9, Shenoy Rd.,  
Nungambakkam, Madras-34.  
Thousandlights/Doc. No 407/84

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 11/Aug.84/II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8, Mangaduswami Iyer St. situated at Nungambakkam, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
77—56 G1/85

(1) Srimathi. M. D. S. Pankajammal,  
42, Parankusapuram. Kodambakkam,  
Madras-24.

{Transferor}

(2) Sri A. Rajagopala Iyengar,  
8, Mangaduswai Iyer Street,  
Nungambakkam, Madras-34.

{Transferee}

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building No. 8, Mangaduswami Iyer St.,  
Nungambakkam, Madras-34.  
Thousandlights/Doc. No. 375/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 12/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. 533, Plot 3-B, Flat 4-C, situated at Fourth floor in Eastern Wing, Nungambakkam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 386/84 in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Pulmonic Chandran Swamidoss,  
W/o Late Chandran Swamidoss,  
110, Def. Colony, Indiranagar,  
Bangalore. (Now in Madras).

(Transferor)

(2) Kum. M. Monica Reddy,  
D/o Dr. M. R. Reddy,  
Supriya Estate, 4, Sterling Road,  
Kodambakkam, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : Flat : 4th floor, Plot 3. B, Flat 4-C Eastern Wing,  
R.S. 533, Nungambakkam.

Thousandlights/Doc. No. 386/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-4 1985

Seal :



**FORM ITNS—**

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras, 600 006, the 9th April 1985

Ref. No. 13/Aug.84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 27, Thiruvottipur Village situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvottipur Village, Doc. No. 2428/84 on Aug. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. K. R. Sundaram Industrial Estate Pvt. Ltd.,  
Represented by its Secretary,  
Sri M. V. Chandrasekaran,  
Kasi Koil St.,  
Tiruvottiyur, Madras-19.

(Transferor)

(2) M/s. National Chlorides,  
Flat A-10, Ram Apartment,  
Raja Annamalai Chettiar Road,  
Madras-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building . 27, Thiruvottiyur Village, Madras-19, Thiruvottiyur/Doc. No 2428/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-85.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 16/Aug.84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. T.S. No. 4, Block No. 59, situated at Postal Colony, Madras-33  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, Kodambakkam/Doc. No. 2104/85 on Aug. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri K. Vilwanathan,  
No. P. 128, No. 20,  
III Main Road,  
Madras-33.
- (2) Sri T. S. Ramalingam,  
No. 4-A, Professor Subramaniam St.,  
Madras-10,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at T.S. No. 4, Block No. 59, Postal Colony, Madras-33. Kodambakkam/Doc. No. 2104/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 8-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 20/Aug.84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. 8, grounds of lands in T.S. No. 12, Block No. III, Janakiraman Colony, Arumbakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 2153/84 on Aug. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri D. Gunasekaran,  
1, Swami Pandaram St.,  
Chintadripet, Madras-2.

(Transferor)

- (2) Smt. R. Amsaveni,  
7, Bandala Chittibabu St.,  
Panchavadi, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

8 grounds of land in T.S. No. 12, Block No. III, Janakiraman Colony, Arumbakkam, Kodambakkam/Doc. No. 2153/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras, 600 006, the 9th April 1985

Ref. No. 21/Aug. 84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUELbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing  
No. 23, Palayakaran St., Kodambakkam, situated at  
Madras-24(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Kodambakkam/Doc. No. 2182/84 on Aug. 1984for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely:—

- (1) Sri R. Krishnan and others,  
17, Palayakaran St., MADRAS-24.

(Transferor)

- (2) Reg. Consultants by its partners:  
S. Ramasamy and others,  
12, Bajanai Koil St., Vadapalani,  
Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: No. 23, Palayakaran St., Kodambak-  
kam, Madras-24 S. No. 8/1 and 8/2, T.S. No. 10, Block  
No. 13.

Kodambakkam/Doc. No. 2182/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date: 9-4-1985.  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 22/Aug. 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. 43/16, Block No. 13, situated at Kodambakkam Sub district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 2200/84 on Aug. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Savithri Malhotra,  
wife of Malhotra,  
4, Cenetoph II Lane, Madras-18. (Transferor)
- (2) Wg. Col. K. R. Nambiar (Retd.)  
Puthiyotti House, Panikotti,  
Puthuppannam PO,  
Badagara, KERALA. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: T.S. No. 43/16, Block No. 13, Extent 4788 sft.  
Kodambakkam sub district. KODAMBAKKAM/2200/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date 8-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 24/Aug. 84/R.II.—Whereas, I, MRS M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3/1, Ramakrishnapuram, 1st St., situated at West Mambalam, Madras-33, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 2376/84 on Aug. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Krishnamurthy Boyapati,  
Dr. Kanchana Boyapati, repled. by their Power  
Agent Mr. Boyapati Sadagopal Naidu,  
at No. 16/A, Sholingar Road,  
Arakonam. (Transferor)
- (2) Smt. Krishnakumari,  
150, Nethaji Road,  
Madurai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: 3/1, Ramakrishnapuram, 1st St., West Mambalam, Madras-33. Kodambakkam/2376/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date: 8-4-1985.  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II  
MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 25/Aug.84/R IL-- Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding Rs.  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. Flat No. 4, on eastern portion of first floor in premises  
No. 4 (Old No. 10) present Door No. 6, Akbarabad Second  
Street, Kodambakkam, Madras-24,  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
Kodambakkam/Doc. No. 2239/84 in August 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

78—56 GI/85

(1) Sri S. M. Faruq Nainar,  
12, Gangu Reddy Road,  
Madras-8.

(Transferor)

(2) Sri J. Ramaswamy,  
8/30, Rajaji Road,  
Srinivasapuram, Tanjore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, on eastern portion of first floor in premises  
No. 4, (old No. 10) present door No. 6, Akbarabad Second  
St. Kodambakkam, Madras-24 Kodambakkam/2239/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras 600 006

Date : 8-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 27/AUG 84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. T. S. No. 27, Block No. 72, Kodambakkam,  
situated at Pudur,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Kodambakkam/Doc No. 2283/84 in August 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Smt. R. Venkalakshmi,  
17, Arcot Mudali St.,  
T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Smt. Rajas Srinivasan,  
85-C/11, North Main Gate,  
S.S. Colony, Madras-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building T.S. No. 27, Block No. 72, Kodam-  
bakkam, Pudur-II Kodambakkam/Doc. No. 2283/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 8-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 29/Aug./84 R II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 111, New No. 114, Ashok Nagar Pudur situated at Madras-83, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 2303/84 in August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri S. Anantaraman,  
G-17, Brindavan Colony,  
Annanagar East, Madras-600 102.

(Transferor)

(2) Sri M. Vijayakumar,  
E-6, Ground Floor,  
Gemini Parsn Flat, 121, Mount Road, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building New No. 114, R.S. No. 278/1, Ashok Nagar Pudur, Madras-83, Kodambakkam./Doc. No. 2303/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras 600 006

Date : 8-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 42/AUG. 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 79, Tholasinga Mudali St., situated at Parambur, Madras-11, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 1546/84 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Sri T. N. Radhakrishnan,  
23, Chengalvarayan St.,  
Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferor)

(2) M/s. N. Bakthavatchalu Chetty,  
10, Audiappa Naicken St.,  
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building Old No. 10, New No. 79 Tholasinga, Mudali St., Parambur, Madras-11, Purasawalkam/Doc. No. 1546/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 8-4-1985  
Seal :

## FORM ITNE—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

- (1) Messrs A.P.R. Constructions,  
624, Mount Road, Madras-6.

(Transferor)

- (2) Sri C. Abdul Rahman, and Co.,  
10, V. V. Koul St., Madras-3.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 43/Aug/84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Purasawalkam—Survey No. 18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 1361/84 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building Survey No. 18, 5 grounds and 1595 sq. ft. Purasawalkam/Doc. No. 1361/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 8-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 45/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P.II. Road, Purasawalkam, Madras-84, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 1392/84 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Miss Daisy Vashdev,  
rep. by her agent S. Vashdev,  
32, Jermiah Road, Vepery, Madras-7.  
(Transferor)
- (2) Sri Mohanlal Risani  
1070, 2nd floor, P.H. Road, Madras-84.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building P.H. Road, Purasawalkam, Madras-84.  
Purasawalkam/Doc. No. 1392/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-4-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 46/Aug.84/R.II—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason  
to believe that the immo-  
vable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
R.S. No. 3122/5, Extent of land 3 grounds,  
1734 sq. ft. 362, Poonamallee High Road, Madras-10,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Purasawalkam/Doc. No. 1402/84 in August 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transferred with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

(1) Sri V. Padmanabhan,  
Represented by Assistant Registrar (O.S.),  
High Court, Madras,  
862, Poonamallee High Road, Madras-10.  
(Transferor)

(2) 1. Sri B. Kantilal,  
2. S. Suresh Kumar,  
3. Smt. Godavari Bai,  
4. Shanta Bai,  
400, Mint St., Madras-79.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building R.S. No. 3122/5, 362, Poonamallee  
High Road, Madras-10

Purasawalkam/Doc. No. 1402/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-4-1985  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 47/Aug. 84/R II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 110, 111, 112 (Part) 113 (Part), situated at De Mellows Road, Madras-12, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Purasawalkam/Doc. No. 1408/84 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Mrs. V. Lakshmi,  
213, Strahans Road,  
Perambur, Barracks, Madras-12. (Transferor)
- (2) Sri S. Krishnan and Thirupurasundari,  
36, Thiru Vengadasamy St.,  
Madras-12. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House and ground at No. 110, 111, 112 (Part) 113 (Part),  
Demellows Road, Madras-12.

Purasawalkam/Doc. No. 1408/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 8-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS 600 005

Madras-600 006, the 8th April 1985

Ref. No. 51/Aug.84.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. No. 10, Kasturi Ranga Iyengar Road, situated at Madras-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 781/84 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
79—56 GI/85

(1) Mrs. Raji Rangachary,  
115, Lloyds Road, Madras-14.

(Transferor)

(2) Smt. Vasantha, Geetha,  
110, St. Mary's Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building R.S. Nos. 1575/25 and 1575/75 in Door No. 10, Kasturi Ranga Iyengar Road, Madras-18.

Madras Central/Doc. No. 781/84.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 8-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II  
MADRAS-600 006

Madras-600 005, the 8th April 1985

Ref. No. 55/Aug. 34/R.II.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 6B, Sriman Srinivasa Iyengar Road, situated at Alwarpet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 817/84 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Sri D. M. Anandan,  
S/o M. Murugesan Naicker,  
A. Amuda W/o M. Anandan,  
No. 6, 1st Link St.,  
C.I.T. Colony, Madras 4.

(Transferor)

- (2) Sri Zulaika Beevi, W/o M. Abdul Azeez,  
No. 24, C.V. Raman Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building Door No. 6B, Sriman Srinivasa Iyengar Road, Alwarpet, Madras,  
Madras Central/Doc. No. 817/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 8-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 4th April 1985

Ref. No. 62/Aug.84/R (L.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 41, Old No. 77, R.S. No. 4265/1, part situated at (Doc. No. 858/84), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 858/84 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri P. K. Govindasamy,  
S/o Kuppuswamy Nadai,  
No. 212, Waltax, Road, Madras-1.

(Transferor)

(2) Smt. Heera Bai, W/o Bhawarlal,  
No. 90, Greenways Road,  
R.A. Puram, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Property as specified in schedule to Doc. No. 858/84.

Madras Central.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 4-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. R. Kamala Bai,  
155, Dr. Besant Road,  
Triplicane, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sirvas Samaj Tamil Nadu (Madras),  
reptd. by Honorary Secretary D. Megharam,  
15, Nainappa Naicken St.,  
Madras-3.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 9th April 1985

Ref. No. 64/Aug.84/R.II.- Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 155, Dr. Besant Road, Triplicane  
situated at Madras,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Triplicane/Doc. No. 571/84 in August 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax,  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 155, Dr. Besant Road,  
Triplicane, Madras.

Triplicane/Doc. No. 571/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 9-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2th April 1985

Ref. No. 66/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 49, V. R. Pillai St., Madras-5 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane/Doc. No. 519/84 in August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri C. R. Surianarayanan and others,  
49, V. P. Pillai St., Madras-5.

(Transferor)

(2) Sri M. A. Ibrahim,  
4. Dr. Natesan,  
11 Lane,  
Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 49, V.R. Pillai St., Madras-5.  
Triplicane/Doc. No. 519/84.

**MRS. M. SAMUEL**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 9-4-1985  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th April 1985.

Ref. No. 67/Aug.84/R.II—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. T.S. No. 8, R.S. No. 12 (part) Plot No. 11 (Part) in  
Layout 109 of 1963, Besant Avenue Road, Urur Village,  
situated at Saidapet Taluk,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at,  
Adyar/Doc. No. 2221/84 in August 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(1) Sri Shankar Venkateswaran,  
Sri V. Shriram,  
Represented by Power of Attorney Agent,  
Setha Venkateswaran, 2, VI Cross St.,  
C.I.T. Colony, Madras-600 004.

(Transferor)

(2) Sri K. S. Narayanan,  
Smt. Bhagirathi Narayanan,  
111, St. Mary's Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Plot No. 11 (Part) in Layout 109 of 1963, Besant  
Avenue Road, Urur Village, Saidapet Taluk.

Adyar/Doc. No. 2221/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras 600 006

Date : 6-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th April 1985

Ref. No. 68/Aug.84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs 1,00,000/- and bearing  
No. Plot No. 2, Urur Village, situated at Vannanthurai  
Street, Adyar, Mad 60-20,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Adyar/Doc. No. 1039/84 in August 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Sri K. L. Vadachalam,  
K. V. Velumunigan,  
K. V. Doraitaj, No. 32, Adam St.,  
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri K. S. Sankaranarayanan,  
No. 32, Arundale St.,  
Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land Block No. 24, T.S. No. 19/13, Plot No. 2, Urur  
Village Vannanthurai St., Adyar, Madras-20.

Adyar/Doc. No. 1039/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 9-4-1985  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th April 1985

Ref. No. 70/AUGUST 84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 19, I Cross Road, Gandhinagar, situated at Madras. 20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar Dec No 1080/84 on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Vinayan L. Felix,  
No. 3 Aiul Nagar, Madhavaram Milk Colony,  
Madras. 51. (Transferor)
- (2) Sri K. Venkatachari,  
Dewans' House Kadayakkudi,  
Pudukkottai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : Plot No. 311, New Door No. 19, First Cross Road Gandhinagar, Madras-20.

Adayar./Doc. No. 1080/84

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-4-85  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sri T. V. Suryanarayanan,  
C-27, A. G.'s Colony, Nanaganallur,  
Madras. 61. (Transferor)
- (2) Sri R. Parthasarathi,  
25, T. P. Koil 1 st Lane,  
Triplicane, Madras. 5 (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 9th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 73/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 154, Madipakkam Village, situated at Saidapet Taluk, Chingleput district (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alandur/Doc. No. 2546/84 on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at 154, Madipakkam Village, Saidapet Taluk, Chingleput District S. No. 123, Extent 9600 sq. ft.  
Alandur/Doc. No. 2546/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1985  
Seal

## FORM ITNS—

- (1) Sri R. Ganesan,  
No. 6, N. H. Road, Madras. 6. (Transferor)
- (2) M/s. South India Surgical Co. (P) Ltd.,  
850, Mount Road, Madras, 2. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th April 1985

Ref. No. 77/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Ramavaram Village, Saidapet Taluk, situated at Chingleput Dist. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Alandur Doc. No. 2468/84 on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building: Ramavaram Village, Saidapet Taluk, Chingleput Dist.  
Alandur/Doc. No. 2468/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-4-85  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th April 1985

Ref. No. 79/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing S.No. 28/1 Property as specified in situated at schedule to doc. No. 2649/84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Alandur /Doc. No. 2649 on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. R. V. Indra,  
31, Motilal St., T. Nagar, Madras 17  
(Transferor)
- (2) Sri T. Venkataraman,  
Plot No. C. 55, Hindi Colony,  
Madras-61.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as specified in Schedule to Doc. No. 2649.  
Alandur/Doc. No. 2649

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras 600 006

Date : 8-4-85  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th April 1985

Ref. No. 80/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, Plot No. 7, Mangayarkarasi situated at Nagar, Madras. 61. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alandur/Doc. No. 2615/84 on August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri V. Sambasivam,  
2, Mangayarkarasi Nagar, Madras. (Transferor)  
(2) Smt. Rukmani,  
174, Big St., Madras. 5. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: Plot No. 7, Door No. 2, Mangayarkarasi Nagar, Madras-61.

Alandur/Doc. No. 2615/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-4-85  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th April 1985

Ref. No. 82/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4, Balamuthukrishna St., North, T. Nagar, situated at Madras, 17, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 1047/84, on August 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sri S. Ramamurthi,  
4, Balamuthukrishna St.,  
North T. Nagar, Madras. 17. (Transferor)
- (2) Sri K. C. Prabakaran,  
3, Perumal Mudali Road,  
Royapettah, Madras-14. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 4, Balamuthukrishna St., North T. Nagar, Madras. 17.

T. Nagar, Madras. 17. Doc. No. 1047/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-4-85  
Seal :

## FORM 11NS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th April 1985

Ref. No. 85/Aug.85/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. 15, Damodara Reddy Road,  
situated at T. Nagar, Madras. 17  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
T. Nagar/Doc. No. 1034/84  
on August, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

(1) Sri T. K. Ramamurthy,  
2069, 13th Main Road,  
A. A. NAGAR WEST  
Madras 40.

(Transferor)

(2) Sri N. K. Pandani, 10,  
Rosary Church Road,  
Mylpore, Madras. 4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XAX of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : No. 15, Damodara Reddy St., T. Nagar  
Madras. 17.  
T. Nagar/D. No. 1033/84

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-4-85  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th April 1985

Ref. No. 86/Aug.84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Part of Plot No. 14 in Giriappa Road, T. Nagar, situated at T. Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 1024/84 on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sri R. K. Manulal, R. M. Lakshmandoss,  
Ajoy Kapoor, Vijay Kapoor,  
No. 40, Nagappa Iyer St.,  
Thiruvotteeswaranpet,  
Madras-5.

{Transferor}

- (2) Smt. N. Mehrunnissa,  
No. 7, Demonte Road, Santhome,  
Madras. 4.

{Transferee}

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Plot No. 14 in Giriappa Road, T. Nagar, Madras of an extent of 2 grounds and 2279 sq. ft. in T. S. No. 4836/3, Block No. 111 of T. Nagar.

T. Nagar/Doc. No. 1024/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-4-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th April 1985

Ref. No. 88/Aug.84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. 39, Pinjala Subramanian Road,  
situated at T. Nagar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
T. Nagar/Doc. No. 991/84  
on August 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

- (1) A. C. Srinivasan, s/o. A. C. Gopalasamy Iyenagar,  
A. C. Rangarajan, s/o A. C. Srinivasan,  
39, Pinjala Subramaniyam Road, T. Nagar,  
Madras 17.

(Transferor)

- (2) Shri A. Radhakrishnan, s/o G. Arumugam,  
17, Raja St., T. Nagar, Madras. 17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : 39, Pinjala Subramanian Road, T. Nagar  
Madras 17. Doc. No. 991/84.  
T. Nagar/Doc. No. 991/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-4-85  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sri M. G. Krishnan,  
and Sri N. Ramachandran,  
No. 32, East Andar St., Trichy. 2.

(Transferor)

- (2) Sri N. Krishnamurthy, s/o Narayanasamy,  
53, Habibullah Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th April 1985

Ref. No. 89/Aug.84/R II.—Whereas, 1,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 3, Hindi Prachar Sabha situated at Road, T. Nagar, Madras 17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagar Doc. No. 956/84 on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
81—56 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : Door No. 3, Hindi Prachar Sabha St., T. Nagar, Madras. 17.

T. Nagar./Doc No. 956/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-4-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th April 1985

Ref. No. 92/Aug.84/R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
R. S. No. 3584/29, Total extent 1733 sq.  
situated at Mylapore, Madras. 4.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Mylapore Doc. No. 1085/84  
on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sri J. Madhuran, Sri J. Ramdas,  
Smt. J. Amirtham,  
No. 27, Narasinhapuram East St.,  
Mylapore, Madras. 4. (Transferor)
- (2) Mrs. Humania Beevi also known as  
Humaira Mohamed Ali,  
No. 7, Sundareswara Swamy St., Mylapore, Madras  
4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at R. S. No. 3584/29, Mylapore,  
Madras. 4.  
Mylapore/Doc. No. 1085/84

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 8-4-85  
Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shri P. M. Parathasarathy, No. 7,  
Crescent Avenue, Madras 128.

(Transferor)

(2) Smt. Bimala Sankaranarayanan,  
52, Crescent Road, Madras 28.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 8th April 1985

Ref. No. 97/Aug.84 R.II.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. 7, Crescent Avenue, Kesava Perumalpuram,  
situated at Madras 28  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Mylapore Doc. No. 1172/84  
on August 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 7, Crescent Avenue  
Kesavaperumalpuram, Madras-28.  
Mylapore/Doc. No. 1172/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 8-4-85  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 4th April 1985

Ref. No. 98/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. New Door Nos. 24 and 25, First St., situated at Abhiramapuram, Madras-18 (2/12th undivided share and interested (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 1157/84, on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri E. Balaraman,  
No. 43, Fifth Trust Cross St.,  
Mandavelipakkam,  
Madras-28,

(Transferor)

(2) Miss Chitra Rathnahree Sekhar,  
2. Master Roopesh Pravcen Sekhar,  
both minors, represented herein by their mother  
and guardian  
Mrs. Rajeswari Sekhar,  
residing at No. 1, Oliver Road,  
Mylapore, Madras-4

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 2/12th Undivided share and interests in the vacant land situated at the backside of New Door Nos. 24 and 25, First St., Abhiramapuram, Madras-18 (3 G. 1290 Sq. ft.).

Mylapore/Doc. No. 1157/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date: 4-4-1985  
Seal :

## FORM ITN3

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 9th April 1985

Ref. No. 100/Aug. 84.—Whereas, I,  
MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R. S. No. 4244/2 and 4244/1 situated at Vide schedule to Doc. No. 1122/84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 1122/84, on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) The State Bank of India Madras  
Circle Supervising Staff Cooperative Building  
Society No. XNC-509, Madras-1,  
represented by its Secretary  
N. Muthukrishnan.

(Transferor)

(2) Shri T. S. Balakrishna Sastrigal,  
12, Venkataraman St.,  
Srinivasa Avenue,  
Raja Annamalapuram,  
Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : Property as specified in schedule to Doc. No. 1122/84.  
Mylapore/Doc. No. 1122/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date 9-4-85  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600 006, the 4th April 1985

Ref. No. 101/Aug.84/R.II.—Whereas, I MRS. M.  
SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 10,00,000/- and bearing No. 2, Dwaraka Colony, (Brindavan Street), situated at Mylapore, Madras-4

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore /Doc. No. 1116/84 on August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. R. Gajalakshmi, 2. Smt. Kannamma, 3. Sri R. Govardhan, 4. Sri R. Ramakrishnan, 5. Smt. Beejakshari, No. 2, Dwaraka Colony, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

- (2) Smt. V. Indira Pathy, 24, Dwaraka Colony, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 12, Dwarka Colony (Brindavan St.) Mylapore, Madras-4. Mylapore /Doc. No. 1116/84.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 4-4-1985  
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th April 1985

Ref. No. 111 /Aug.84 /R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Door No. 51/B, Ward No. 20, Asstt. No. 578 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagai/Doc. No. 667/84 on Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Dr. A. Manian, s/o M. Aija Gowder, Hotel Nataraj, Ootacamund. (Transferor)
- (2) Smt. Padmavathi Rangarajan, W/o T. Nagarajan, Venkatesa Nilayam Siddappa Lane, Ootacamund. (Transferee)

- (2) Shri Naginbhai Shival & Ors. Karta of HUF Pushpamala Aptt., Drive-in-Road, Navrangpura, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 667/84, Uthagai/Doc. No. 667/84.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 9-4-1895  
Seal :

## FORM 11NS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961),

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
MADRAS-600 006

Madras, the 9th April 1985

Ref. No. 99/Aug.84/R.II. —Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 44, III Main Road, R. A. Puram, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 1139/84 on August 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt R. Kalpagam,  
New No. 44) No. 17, Main Road,  
Raja Annamalaiapuram, Madras 28. (Transferor)
- (2) Sri T. Lakshmanan and L. Visalakshi,  
No. 8, Gritam Nagar North St., Alwar St.  
Madras-18, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 44, III Main Road, R. A. Puram, Madras.

Mylapore Doc. No. 1139/84

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date: 9-4-85  
Seal:

## FORM ITNS

(1) Ganesan, s/o Munusamy Udayar,  
Ravichandran, s/o Ganesan, Anadimangalam,  
Villupuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th April 1985

Ref. No. 117/Aug.84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Gaspa Villupuram, Bheemanaicken Garden situated at Balakrishnanaicken St., Villupuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Villupuram Doc. No. 1518/84 on Aug. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
82—56 GI/85

(2) Sri Mohammed Yusuf, S/o Mohd. Sherif,  
Mangalampettai, Thirukkottur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: Gaspa Villupuram, Bheemanaicken Garden, Villupuram. Villupuram/Doc. No. 1518/84.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 9-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th April 1985

Ref. No. 123/Aug.84/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. West Venkatasami Road, Northern Row, situated at R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore /Doc. No. 3452/84 on Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Praful Sypal, s/o Hariram,  
49, East Periasamy Road, R. S. Puram,  
Coimbatore-2.  
(Transferor)
- (2) M/s. Lords Builders and Lord Developers,  
East Ponnurangam, Road, R. S. Puram, Coimbatore-2 by its Partner Kishore J. Chawla.  
(Transferee)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land : West Venkatasami Road, Northern Row, R. S. Puram, Coimbatore, New T.S. No. 203; 204, Coimbatore/Doc. No. 3452/84.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 9-4-1895  
Seal :



## FORM ITNB

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961),

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th April 1985

Ref. No. 126/Aug.84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing situated at Kurichi village, Coimbatore taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 3337/84 on Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri T. P. Kurban Beevi, w/o Yahya 19/60, Haji Mohd., Rowther St., Kottai, Coimbatore. (Transferor)
- (2) S. Sri/Smt. K. P. Ganesan, K.P.R. Sakthivel. J. K.P.R. Nageswaran, K.P.R. Sarparajan, K.P.R. Danushkodi, Singaravel, K.P.D. Rajendran, K.P.D. Sureshkumar, K.P.R. Krishnamurthy, K.P.D. Premkumar, 15, 16, 17, Nethaji Road, Virudunagar, Kamaraj Vattam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building : Kurichi Village, Coimbatore, Coimbatore. Coimbatore/Doc. No. 3337/84.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 9-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 9th April 1985

Ref. No. 140/Aug. 84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 406, 14 Kalkattu, Door No. 25 situated at Vide schedule to doc. No. 127/84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirkali/Doc. No. 127/84 on Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. E. K. Saraswathi Ammal,  
w/o Kunjithapadabathar,  
Thervadakku Veedhi, Sirkali. (Transferor)
- (2) Smt. Mohd. Sabeer,  
W/o Sri Abdul Hameed, Eranalanur, Thirukkuru-  
gavur, Sirkali. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 127/84 Sirkali/.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 9-4-1985  
Seal ::

FORM ITNS

(1) Sri K. M. Natarajan, s/o K. Muthusamy gounder,  
Karuppagoundampalayam, Veerapandi village,  
Palladam Taluk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600 006, the 9th April 1985

Ref. No. 149/Aug.84/R.II.—Whereas, I MRS. M.

SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Thennampalayam Village, Nallur, situated at Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur/Doc. No. 1338/84 on Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Sri R. P. Ramasamy, 2. Sri P. Govindasamy 3. Pandusamy 4. Kumarasamy, sons of Sri Ponnusamygounder, Sherif Colony, Thiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : Nellore, Thennampalayam village, Tiruppur.  
Tiruppur/Doc. No. 1338/84.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 9-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 11th April 1985

Ref. No. 116/Aug.84/R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Thiruvayethur Village situated at Villupuram Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Villupuram/Doc. No. 1672/84 on Aug 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Manicka Gounder, s/o Natesa Gounder, Kannagi St., Kizperumbakkam, Villupuram.  
(Transferor)

(2) Sri Mohd Yahoob, Ravuthar, s/o Syed Ali Ravuthar, Poondamalli St., No. 33, Poonthottam, Villupuram.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : Thiruvayethur village, Villupuram.  
Villupuram/Doc. No. 1672/84.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 11-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th April, 1985

Ref. No 118/8/84.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. D. No. 32, Ward No. 4, situated at Thiruvayathur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of registering officer at Villupuram S.A.D.t. (Doc. No. 1626/84) on August 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Hamith Hassan (A) Hazzab Sahib  
No. 1, Mandhakarai, Villupuram, S.A.D.t.  
2. Sri Abdul Zamal Sahib S/o Sri Gulam Moham-med, No. 44, Aringar Anna West St,  
Villupuram, S.A.D.t.,

(Transferor)

- (2) Sri Mohd. Aniffa, s/o Sri Pitchai Athaa Rowther,  
No. 5 Jaffna Mudali St., Villupuram, S.A. Dt.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building at D. No. 32, Ward No. 4, Thiruvayathur Village, Villupuram, S.A.D.t., S.R.O. Villupuram, D. No. 1626/84.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 9-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th April 1985

Ref. No. 141/8/84.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 79/7.0.11, 79/12.0.04, 79/16.1.72 situated at Keerapalayam Village, Buvanagiri, Chidambaram T. K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chidambaram, D. No. 2284/84 on August 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Suseeta w/o Sri Govindarajulu Naidu,  
2. Sri G. Govindarajulu Naidu, s/o Sri Gopal Naidu, Naidu, St., Keerapalayam, Chidambaram, T.K.,  
(Transferor)
- (2) 1. Smt. T. Vasugi, w/o. Sri Thirugana Sambhanda Muthy, Kathazhai, Chidambaram, T. K.,  
2. Sri K. Paeri Vallal, s/o Sri Krishnamurthy, Periakuthakarai, Sirkazhi. T.K.,  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building at Keerapalayam Village, at S. No. 79/7, 0.11, 79/11.0.10, 79/12.0.04 & 79/16.1.76. Buvanagiri, Chidambaram, T.K. S.R.O., Chidambaram, D. No. 2284/84.

MRS. M. SAMUEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Madras

Date : 9-4-1895

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE II, MADRAS

Madras, the 9th April 1985

Ref No 146/8/84—Whereas, I  
MRS M SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing  
TS No 1424, D No 50 & 51 situated at Kumbeswara  
North Street, Kumbakonam  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
Kumbakonam (Doc No 1913/84 on 10-8-1984)  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instruments  
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—  
83—56 GI/85

(1) 1 N. Sambhoornathammal  
w/o Sri Kumarasamy Chettiar,  
2 E. L. Sundarum,  
s/o Thangaraja Chettiar  
3 P. L. S. Kumarasamy Chettiar,  
s/o P. F. Soma undaram  
Chettiar New Street  
Kumbakonam

(Transferor)

(2) 1 N. Subramanyam,  
s/o Nataraja Pillai,  
Executor,  
2 M/s. Subbaram Loay Service,  
132, Kumbeswara North Street  
Kumbakonam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land & Building TS No 1424 D No 50 & 51, Kumbes-  
wara North Street Kumbakonam  
Kumbakonam/Doc No 1913/84

MRS M SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras 600 006

Date 9-4-1985  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 9th April 1985

Ref. No. 147/8/84.—Whereas, I  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
T.S. No. 263, D. No. 65, situated at 5th Ward, Nageswaran  
Swami Koil St., Melacauery  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Melacauery, Kumbakonam, (D. No. 1868 & 1869/84) on  
Aug. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parts has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

- (1) 1. Sri K. Venkatramani,  
s/o Sri Krishnamurthy,  
2. Smt. V. Nagammal,  
w/o Sri K. Venkat Ramani,  
No. 25, Banathurai North St.,  
Kumbakonam.

(Transferor)

- (2) Sri M. Ahamed Maraikayar,  
s/o Sri Maideen Pitchai Maraikayar,  
No. 29, Sarvamanya Mela St.,  
Melacauery.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XAX of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building at T.S. No. 263, Door No. 65, 5th Ward,  
Nageswaranamy Koil St., Melacauery, Kumbakonam. S.R.O.:  
Kumbakonam, D. No. 1868 & 1869/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 9-4-1985  
Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 10th April 1985

Ref. No. 155/Aug 84/R. II.—Whereas, I  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
4th Ward, New Block No. 70, situated at Tanjore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Tanjore/Doc. No. 1404/84 on Aug. 84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Sri M. R. Raveendran,  
s/o Dr. Ramanmenon,  
Rukmanipalayam Road,  
Mannarkudi.

(Transferor)

(2) 1. Sri A. K. C. Rajagopalan,  
2. C. Karunanidhi, sons of  
Sri Chandrakasavanniar,  
3A, Uppukaratheru, Mannarkudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice, on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : 4th Ward, New Block, No. 70, Build-  
ing survey No. 26, Block A, side No. 7A and 8, Tanjore.  
Tanjore/Doc. No. 1404/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th April 1985

Ref. No. 164/Aug. 84/R. II.—Whereas, I  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 13, Autobindo St., Pondicherry, situated at Pondicherry  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
Pondicherry./Doc. No. 1965/84 on Aug. 1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
thereof by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferor for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) 1. Sri V. Manickasamy,  
70, Muthumaniamman Koil St.,  
Pondicherry 605 001.  
2. Kamala, 27, Motham Road, Tindivanam,  
South Arcot District, Tamil Nadu. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Sunanda Anand Umachigi,  
2. Dr. Anand Visudev Umachigi,  
2537, Haldibba St., Ward No. 3, Gadag-582 101.  
3. Dr. (Miss) Asha Umachigi and  
4. Miss Aditi Umachigi,  
Nos. 3 and 4, at 13, Autobindo St.,  
Pondicherry-605 001 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publications of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : 13, Autobindo St. Pondicherry.  
Pondicherry/Doc. No. 1965 of 1984.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 11-4-1985  
Seal :

FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th April 1985

Ref. No. 172/Aug. 84/R. II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ekkarai, Negamam Village situated at Negamam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sathyamangalam/Doc. No. 1529/84 on Aug 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. N. Chandran, w/o K. A. P. Nagamanickam Chettiar, N. Anamalu, Lakshmi, N. Vijayakumar, N. Umadevi, sons of the above, Balasamichettiar Thottam, Ekkarai, Negamam Village. (Transferor)
- (2) Sri S. P. Marappan, s/o Sri Ponniappa Gounder, Sri R. Palanisamy, s/o Sri Ramasamigounder Varadampalayam, Ekkarai, Negamam village. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land, Ekkarai, Negamam Village.  
Sathyamangalam/Doc. No. 1529/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 11-4-1985

Seal :

## FORM LT.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Subbu Lakshmi alias Navamani,  
w/o Sri S. R. Santhanam, Old Post Office St.,  
Kottuveerampalayam, Sathyamangalam. (Transferor)
- (2) Sri S. S. Mohanakrishnan,  
s/o S. L. Subramaniam,  
Athani, Bhavani Taluk. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th April 1985

Ref. No. 173/Aug. 84/R. II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agricultural land at Varadampalayam, situated at Varadampalayam (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sathyamangalam/Doc. No. 1550/84 on Aug. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land : at Varadampalayam and Building.  
Sathyamangalam/Doc. No. 1550/84.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-4 1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 11th April 1985

Ref. No. 176/Aug 84/R.I.—Whereas, I  
MRS. M. SAMUEL,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearingLand and building and situated at Kilkalathur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
Thiruthuraiipoondi/Doc. No. 1372/84 in Aug 84for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri R. Narayana Iyer,  
s/o Ramasamy Iyer,  
Agaramanaikkal,  
Thiruthuraiipoondi

(Transferor)

(1) Sri R. Srinivasanaidu,  
s/o Rajamannar Naidu,  
Nagappattinam,  
Thiruthuraiipoondi,  
Kilkalathur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building; Kilkalathur,  
Thiruthuraiipoondi/Doc No. 1372/84MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—Date : 11-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th April 1985

Ref. No. 177/Aug. 84/R. II.—Whereas, I  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Land at Donjalur Village, situated at Kodumudi, Erode  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
Kodumudi/Doc. No. 715/84 on Aug 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Sri Karuppanagounder, s/o  
Ponnusamigounder, Vadakkupuduppalayam,  
Vengambur village.  
(Transferor)

(2) Sri N. Marappagounder,  
s/o Sri Nachimuthugounder,  
Puravipalayam,  
Kolathupalayam Village.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land : Donjalur Village, Erode Taluk, Kodumudi/Doc.  
No. 715/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 11-4-1985  
Seal :

## FORM 1.T.N.S.—

(1) Sri M. Ganesan, P. T. Sukumar,  
42, Cutchery St., Erode.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi, w/o Hansraj,  
Rajendra Kumar Barat,  
53, N. M. S. Compound, Erode.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th April 1985

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 179/Aug. 84/R. II.—Whereas, I  
MRS. M. SAMUEL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Ward 'D' Block 25, situated at Melakkeeranoor St., Erode  
Town  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Erode/Doc. No. 3058/84 on Aug. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building : Ward D. Block 25, Melakkeeranoor  
St., Erode Town.  
Erode/Doc. No. 3058/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

84—56 GI/85

Date : 11-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th April 1985

Ref. No. 180/Aug. 84/R. II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Revenue Ward I, Municipal Ward 16, situated at Brup Road, D. No. 268/T.S. 666/2/Erode Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode/Doc. No. 3006, 3007/3008 and 3009/84 on Aug. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri R. Sridaran, 1, Kamakodi Nagar, Tambaram Sahatorium, Madras-47.
2. Sri C. R. Jayaraman, D. No. 18, Meenakshi St., Perambur, Madras.
3. Sri R. Kumaran, D. No. 213, Ponnagar, Trichy-Town.
4. Sri R. Kannan 112, Covai Pudur, Coimbatore. (all are sons of Late Sri K. Ramakurthy).

(Transferor)

- (2) 1. Sri E. P. Thiagarajan, Chinnamuthy St., Edayankattu Valasu, Erode.
2. Sri K. Murugesan, Chinnamuthy St., Edayankattu Valasu, Erode.
3. Sri S. M. Rajendran, Sri M. Jagadeesan, 104, Kachery St., Erode Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Revenue Ward I, Ward 16, Brup Road, D. No. 268/T.S. No. 666/2, Erode Town.  
Erode/Doc. No. 3006, 3007, 3008, 3009/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras-600 006

Date : 11-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th April 1985

Ref. No. 187/Aug. 84/R. II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 3, T. S. No. 13/8/1325, Municipal Ward 24, 23rd Ward, Balasubrayulu Naidu St., Gandhiji Road, Tarampatti Village, Erode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode/Doc. No. 3059/84 on Aug. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri S. R. Chokkalingam, s/o Rangasamy Chettiar, D. No. 9 Lower 3rd St., Tiruppur, Palladam.

(Transferor)

(2) Sri S. S. Murugesan, s/o P. Suppanagounder, Chindampalayam, Rajapalayam, Tiruchengodu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Ward No. 24, Balasubrayulu Naidu St., Gandhiji Road, D. No. 3, T.S. No. 13/8/1325, Tharampatti Village, Erode.

Erode/Doc. No. 3059/84.

MRS. M. SAMUEL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Madras

Date : 11-4-85

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Neelam Developers.

(Transferor)

(2) Mrs. Y. H. Daruwalla &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11804/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 502, 5th fl. 'A' Wing Bldg., No. 2, Shanti Park Garodia Nagar, Chatkopar (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 502, 5th fl. 'A' Wing Bldg. No. 2, Shanti Park Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay.  
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11804 83-84 dated 1-8-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11778/84-85 —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 2nd fl. B-Wing Bldg. No. 2, 'Damodar Park' LBS Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. F. Sattar.

(Transferor)

(2) Smt. N. O. Avlani &amp; Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd fl. B-Wing Bldg. No. 2, 'Damodar Park' LBS Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11778/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay

Dated : 12-4-1985.  
Seal :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Parul Enterprise.

(Transferor)

(2) Shri R. K. P. Keswan &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/1177/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 16th fl. A' Wing Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, 6th fl. A-Wing Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/1177/83-84 dated 1-8-1984.

A PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated 12-4-1985.  
Seal.

FORM ITNS

(1) Shri G. A. Chothani.

(Transferor)

(2) Smt. R. M. Botadra &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

(b) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37EE/13060/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 2, Rushabhdev CHSL, Vallab Gaug Lane Extn.,  
Ghatkopar (E), Bombay-77,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
and the agreement is registered under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority  
Bombay on 1-8-1984,  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and  
I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2 Rushabhdev CHSL, Vallab Baug Lane Extn.  
Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13060/83-84  
dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. I. Khot.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13055/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.Flat No. 204, 2nd fl. Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Rd.  
Kurla, Bombay-70,(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferredand the agreement is registered under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority  
Bombay on 1-8-1984,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd fl. Bldg No. 6, Kapadia Nagar, CST Rd.  
Kurla, Bombay-70The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13055/83-84  
dated 1-8-1984.A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—Dated : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri S. A. Mornuddin Khot

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13054/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.Flat No. 301, 3rd fl. Bld. No. 6, Kapadia Nagar, CST Rd.  
Kurla (W), Bombay-70,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferredand the agreement is registered under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

85—36GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd fl. Bldg. No. 6, Kapadia Nagar GST Rd.  
Kurla, (W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR.II/37EE/3064/83-84  
dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay.

Dated 12-4-1985.

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hussain Khan Daryakhan Dalvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37EE/13053/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 101, 1st fl. Bldg No. 6, Kapadia Nagar, CST Road,  
Kurla West, Bombay-70,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
and the agreement is registered under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st fl. Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Rd.  
Kurla (West), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13053/83-84  
dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, on the follow-  
ing persons, namely :—

Dated : 12-4-1985.

Seal :



**FORM ITNS**

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) D. D. Dalvi &amp; Ors.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY**

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/13052/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, Flat No. 201, 2nd fl Bldg. No. 6 Kapadia Nagar, CST Rd. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 201, 2nd fl. Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/13052/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Dated : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. T. I. Dhanjidas

(Transferor)

(2) Mr. N. R. Joshi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/13012/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearingFlat No. 42, Plot No. 65, New Vasant Apartment CHSL,  
Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77(and more fully described in schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the  
Competent Authority

at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Flat No. 42, Plot No. 65, New Vasant Apartments, CHSL,  
Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/13012/83-  
84 dated 1-8-1984.A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Dated : 12-4-1985  
Seal ::

## FORM ITNS—

(1) M/s. Parul Enterprise

(Transferor)

(2) S. Unissa &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/12022/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 1, B Wing, Bldg. No. 3, Damodar Park, LBS. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, B-Wing Bldg. No. 3, Damodar Park, LBS. Marg Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/12022/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Dated : 12-4-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor

(2) R. M. Amin.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Dated: 12 April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11932/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Bldg. No. 16 Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, Bldg. No. 16, Kapadia Nagar, CST Road Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11932/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) T. A. R. Ali Mukkadan.

(2) Mrs. B. A. Kadir.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay on 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/12082/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd floor Bldg No. 5, Kapadia Nagar, CST Rd., Kurla (West), Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 301, 3rd floor Bldg No. 5, Kapadia Nagar, CST Rd., Kurla (West), Bombay-70

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/12082/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-4-1985  
Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11931/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, 4th floor Bldg. No. 24, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Deepak Builders Pvt Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Bilquis Abdul Samad Dalvi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor Bldg. No. 24, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11931/83-84 dated 1-8-1984

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri A. C. Parekh &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Shri Manilal S. Shah &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/12078/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Flat No. 11, Nand Smruti CHSL, Vallabh Baug Lane Ghat-  
kopar, Bombay-77.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred  
and the agreement is registered under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparnt consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 11, Nand Smruti CHSL, Vallabh Baug Lane Ghat-  
kopar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/12078/83-  
84 dated 1-8-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
86—56GI/85

Date : 12-4 1985  
Seal

## FORM IINS ———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/12081/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 106, 1st floor Bldg. 12, Kapadia Nagar, CST Rd., Kurla, Bombay-70. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mohd. Salmi. (Transferor)  
(2) Shahid Hussain Karam Hussain & Ors. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor Bldg. 12, Kapadia Nagar, CST Rd., Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/12081/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 12-4-1985  
Seal :



FORM ITNS—

(1) Mr. R. C. Agarwal

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Interlink Builders.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13103/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 301, H. No. 1, Village, Kole Kalyan, Kalima, Bombay-55, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S. No. 301, H. No. 1, Village, Kole Kalyan, Kalima, Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13103 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. R. C. Agarwal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s .Golden Construction Co.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13104/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S No. 300 H. No. 17, Village Kole Kalyan, Malina, Bombay-55, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

S No. 300 H. No. 17, Village Kole Kalyan, Malina, Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13104/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.———

(1) Mrs. Meeraben G. Kuwada & Ors.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. N. Tolia & Ors.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11583/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 15, 2nd floor, Mahavir Jyot C-13, Vallabh Baug Lane Extn. Ghatkopar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957):

## THE SCHEDULE

Flat No. 15, 2nd floor, Mahavir Jyot C-13, Vallabh Baug Lane Extn. Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11583/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri R. K. Varma,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. M. Sirkar,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11590/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10, Shankar Kunj Asalpe Himalaya Society, Ghatkopar, Bombay-84, (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 10, Shankar Kunj Asalpe Himalaya Society, Ghatkopar, Bombay-84.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11590-A/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Ramchandra S. Zore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Suresh Sakhamam Zore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. AR.III/37EE/12096/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding Rs.  
100,000/- and bearing No.A-59, Ciba Indl. Workers Society, 4th floor Near Amrut  
Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferredand the agreement is registered under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A-59, Ciba Indl. Workers Society, 4th floor Near Amrut  
Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/12096/83-  
84 dated 1-8-1984.A. PRASAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/12073/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 26-A, Bldg. No. 10, 1st floor Happy Life Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Plot No. 100, P.T.S. No. 13, Tilak Rd. Ghatkopar (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mangharam G. Tanwani.

(Transferor)

(2) M/s. Dvya Maheshkumar Goda &amp; Ors

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 26-A, Bldg. No. 10, 1st floor Hanny Life Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Plot No. 100, P.T.S. No. 13, Tilak Rd. Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II/37EE/12073/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 12-4-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. D. K. Builders &amp; Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Digivision Electronics (P) Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objection, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/12044/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Unit No. S-2, Ground floor Plot No. 13, CST No. 18, Survey  
No. 99, Hariail Village, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
and the agreement is registered under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority,  
at Bombay on 1-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. S-2, Ground floor Plot No. 13, CST No. 18, Survey  
No. 99, Hariail Village, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/12044/83-  
84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—  
87—56GI/85

Date : 12-4-1985  
Seal

## FORM ITN—

(1) Shri Narendra J. Doshi.

(Transferor)

(2) Shri N. G. Mehta &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11935/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 19, Ground Floor Kailash Niwas No. 1, R. B. Mehta Marg, Ghatkopar (E), Bombay-77, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 19, Ground Floor Kailash Niwas No. 1, R. B. Mehta Marg, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11935/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Mr. Dilipkumar Kalyanji Karta.

(Transferor)

(2) Mr. Bharat H. Shah &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR. III/37EE/11907/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 63, Savani Apartment 11th fl. Mahatma Gandhi Road, Rajawadi Naka, Ghatkopar (E), Bombay-77. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 63, 11th fl. Savani Apartment, M. C. Road, Rajawadi Naka, Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37EE/11907 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM IINS

(1) Shri Chittaranjan Sharma,

(Transferor)

(2) Smt. Jolly S. Das &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR. III/37EE/11894/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land in Village Tirandaz and known as Durga Nivas, CTS No. 32 (P) Bhawani Tower, Flat No. 1, 5th fl. Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at Village Tirandaz Known as Durga Nivas Premises CTS No. 32, Bhawani Tower Bldg. Flat No. 1, 5th fl. Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37EE/11894 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chitranjan Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ramani V. Pillai.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/7EE/11906/84-85.—Whereas I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 2, 2nd fl. Prashant Apartment Extn. Village Tiran-  
daz, S. No. 43 (P) CTS No. 74 (P) and 75 (S) I. I. T.  
Main Gate, Bombay(and more fully described in the schedule annexed hereon),  
has been transferredand the agreement is registered under Sec. 269AB of the  
Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Author-  
ity, Bombay on 1-8-1984,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd fl. Prashant Apartment Extn. Village  
Tirandaz, Survey No. 43, (P) CTS No. 74 (P) Opp. I.T.T.  
Main Gate, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37EE/  
11906 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date : 12-4-1985

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Mr. R. M. Kantak.

(Transferor)

(2) Mrs. Mangala Moorthy.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR. III/37EE/11837/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B/3, Mohan Sandan C.H.S. Ltd. M. G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-77, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. B/3, Mohan Sandan C.H.S. M. G. Road, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37EE/11837 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri P N Chandan.

(Transferor)

(2) M/s Vicky Textile.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objectoins, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11821/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 136, 'B' Bldg. First fl. Ghatkopar Indl. Estate, L. B. S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1952)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 136 'B' Bldg. first fl. Ghatkopar Indl. Estate Off. L. B. S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.  
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37EE/11821 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. J. H. Enterprise.

(Transferor)

(2) Shri H. P. Ranpuria.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 15th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11773/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing S. No. 92 Off 7th Rd. Rajawadi, Vidya Vihar, Bombay-77. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 14., 3rd fl. Madhav Kutir, Plot No. 3, S. No. 92, Off 7th Rd. Rajawadi, Vidya Vihar, Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37EE/11773 83-84 dated 1-8-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 15-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri V. K. Shah.

(Transferor)

(2) Shri P. O. Aulani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.II/37.EE/11687/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 16, Jay Shilpam C.H.S. Ltd., 3rd fl, 22, Sangam Estate, Gamaderi Rd. Ghatkopar, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

88—56GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd fl. Joy Shilpam C.H.S. Ltd., Sangam Estate, Gamaderi Rd. Ghatkopar, Bombay,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37.EE/11687 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal

## FORM TINS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985.

Ref. No. AR.III/37.EE/11646/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302, 3rd fl. A-Wing Hitesh Apartment Near Homeguards Pavillion Aslanphe Village, Ghatkopar (W), Bombay-84, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Hamida Banoo Haji Harron Allana.  
(Transferor)
- (2) Mr. Hussain Mahmood Parkar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The term and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd fl. A-Wing Hitesh Apartment, Homeguards Pavillion Aslanphe Village, Ghatkopar (W), Bombay.  
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial, No. AR. III/37.EE/11646 83-84 dated 1-8-1984

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Rizvanullah J. Choudhary,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anthony Joseph Pajjattu

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the date of receipt of this notice by the respective person  
whichever period expires later.(b) by any other person notified in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official GazetteRef. No. AR-III/37EE/116451A.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Survey No. 295, Hissa No. 4(P), City Survey Nos. 4950 B  
and 4950 B/1 Kolkalyan Kalina, Santaacruz, Bombay-98.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the  
Competent Authority, Bombay on 1-8-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with object of —EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transferor to pay tax under that said Act,
- 
- in respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

## THE SCHEDULE

Survey No. 295, Hissa No. 4(P), City Survey Nos. 4950 B  
and B/1 Kolkalyan Kalina, Santaacruz, Bombay-98.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under Ref. No. AR-III/37EE/116451A  
on 1-8-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
- 
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
BombayDate : 12.4.1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri K. S. Tripathi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. C. Dave &amp; Ors.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37.EH/11623/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 20, Jai Savitri Bldg. Jai Savitri C.H.S.L. Vallab-  
baug Lane, Ghatkopar (Exst), Bombay-77.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the  
Competent Authority, Bombay on 1-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 20, Jai Savitri Bldg. Jai Savitri C.H.S.Lt, Vallab-  
baug Lane, Ghatkopar (E), Bombay-77.  
The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37.FE/  
11623 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. L. Seghal.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Devi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/13080/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 4, Gurmukh Sadan, Chembur Colony, Bombay, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—If terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Block No. 4, Gurmukh Sadan, Near Nityanad Baug, Chembur Colony, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37.EE/13080/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

- (1) Sh. Lakhmichand H. Makhija. (Transferor)  
 (2) Mrs. Gopi K. Karna. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
 TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-III,  
 BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37,EE/13117/84-85.—Whereas, I,  
 A. PRASAD,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-  
 and bearing No.  
 Flat No. 30-A/8, 3rd Fl. Navjivan C.H.S. Ltd. Mahul Rd.  
 Chembur, Bombay-74,  
 has been transferred and the agreement is registered under  
 Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the  
 Competent Authority, Bombay on 1-8-1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer is agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later.  
 (b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the publi-  
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 30 A, 3rd fl. Navjivan C.H.S. Ltd. Mahul Rd.  
 Chembur Bombay-74.  
 The agreement has been registered with the Competent  
 Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37,EE/  
 13117 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III  
 Bombay

Date 12-4-1985  
 Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Maya H. Chawla.

(Transferor)

(2) Mr. Alexander Patrick M. Lewis &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANG-II,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37.EE/13014/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-  
and bearing  
Flat No. 3, Bldg. No. 8-A, Mahatma Gandhi Nagar, Chem-  
bur, Bombay,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the  
Competent Authority, Bombay on 1-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Flat No. 3, Bldg. No. 8-A, Mahatma Gandhi Nagar, Chem-  
bur, Bombay.The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR III/37.EE/13014 83-  
84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III.  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.-----

- (1) Shri Ramnarayan P. Maheshwari & Ors.  
(Transferor)
- (2) Shri Rajinder Kumar Madav & Ors.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11603/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 32, Bldg. No. 3 Boorla C. H. S. Ltd. Dr. Chaithram Gidwani Rd. Chembur, Bombay-71, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 32, Bldg. No. 3, Borla C. H. S. Ltd. Dr. Chetharam Gidwani Rd. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11603-83 84 dated 1-8-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

(1) Shri Rajaram R. Shinde

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anand S. Agre

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR III/37.EE/11619/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 159, Bldg No. 8, 4th fl. West Municipal Water Pipe Line, North Bldg No. 9, Chembur, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

89—56GJ/85

## THE SCHEDULE

Flat No. 159, 4th fl. Bldg No. 8, Sahkar Nagar Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11619 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Arun M. Boads (Transferor)  
 (2) Smt. Veena Kapur & Ors. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
 ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
 BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11818—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, 1st fl. Mercantile Bldg. Dr. Gidwani Road, Chembur, Bombay-74, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st fl. Mercantile Bldg. Dr. Gidwani Road, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/37EE./11818 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II,  
 Bombay

Date : 12-4-1985  
 Seal :



FORM ITNS—

(1) M/s Gundecha Builders

(Transferor)

(2) M/s Pai Tech

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref No AR-III/37EE/13130/84 85 —Whereas, I  
A PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs 100,000/-  
and bearing No  
Service Indl Gala No 42, Gr Fl Kiran Indl Estate M G  
Rd Goregaon (W), Bombay 62  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Sec 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the  
Competent Authority Bombay on 1-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

Service Indl Gala No 42, Gr Fl Kuan Indl Estate, M  
G Rd Goregaon (W), Bombay-62  
The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under Serial No AR-III/37EE/13130 on  
1-8-1984

A PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Bombay

Date 12-4 1985  
Seal

FORM NO. ITNS—

(1) Smt. Jagat Rani Kapoor,

(Transferor)

(2) Smt. Kamala Surana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/20496/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Act) and property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 9, 2nd fl. L-4, Bldg. Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd fl. L-4, Bldg. Bangur Nagar, Goregaon (W) Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/20496 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt Laxmidevi P. Bhartia.

(Transferor)

(2) Shri Krishnakumar J. Nemani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EF/13133/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No.

Flat No. 301, Ashish Bldg. Bangui Nagar, Goregaon (W), Bombay-90,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 301, Ashish Bldg. Bangui Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/131/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-4-1985  
Sd/-

## FORM ITNS

(1) Shri Arun P. Desai.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresh G. Pawar &amp; Ors.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

\* Ref. No. AR.III/37-EE/11799/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 72, Bldg. No. 8, Piramal Nagar, Goregaon (W), Bombay-62, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 72, Bldg. No. 8, Piramal Nagar, Goregaon (W), Bombay-62

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37-FE/11799-A, on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-4-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Bhavandas D. Joshi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa M. Talwar &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY  
Bombay, the 12th April 1985Ref. No. AR.III/37-EE/13138/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat No. 67, Bldg. No. 7, 5th fl. New Piramal Nagar, C.H.S. Ltd., S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 67, Bldg. No. 7, 5th fl. New Piramal Nagar C.H.S. Ltd., S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13138 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-4-1985

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Lavangika Dilip Shah.

(Transferor)

(2) Arti H. Vissanji &amp; Ors,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
Bombay, the 12th April 1985  
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :--(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37-EE/11642/84-85.--Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat at Village Chincholi and Dindoshi Survey Nos. 34 & 51,  
Taluka Borivli, Goregaon Mulund Link Rd. Goregaon  
Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the  
Competent Authority, Bombay on 1-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :--

EXPLANATION --The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been so  
which ought to be disclosed by transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat at Village Chincholi and Dindoshi S. No. 34 & 51  
Taluka Borivli Goregaon Mulund Link Rd. Goregaon East,  
Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37-EE/11642 on  
1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :--

Date : 12-4-1985  
Sent :

## FORM ITNS

(1) Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Mukesh D. Sahelia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/13035.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Shop No. 1B, Gr. Fl. Pooja Bldg. Mahul Rd. Chembur  
Bombay,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the  
Competent Authority, Bombay on 1-8-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion or the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely —

90—56GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 1B ou Gr. Fl. Pooja Bldg. Mahul Rd. Chembur,  
Bombay.The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/13035 on  
1-8-1984.A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Bombay

Date : 12-4-1985

Seal :

FORM ITNS ———

(1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. D. Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANG-II,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/13131.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Service Indl. Gala No. 48, Gr. Fl. Kiran Indl. Estate, M. G. Rd. Goregaon (W), Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Service Indl. Gala No. 48, Ground Fl. Kiran Indl. Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/13131 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :



FORM ITNS-----

(1) Shri Naraandas S. Sabnani &amp; Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. D. Arora.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 12th April 1985

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. AR-II/37EE/11738.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14, Bldg. No. 14, Navjivan Society, Chembur, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 14, bldg. No. 14, Navjivan Society, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37-EE/11738 on 1-8-1984

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-4-1985  
Seal :

FORM IINS

(1) Shri P. P. Eshavan,

(Transferor)

(2) Garcha Jogindarsingh &amp; Ois.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11705/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 2, Ground Fl. Gyaneshwar CH.S.L. Peru Baug, Arey Road, Goregaon (E), Bombay-63 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 2, Gyaneshwar Bldg. Arey Road, Peru Baug, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11705/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Bombay

Dated : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. S. Subramanian.

(Transferor)

(2) Mr. Subramanian Krishnan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11844/84.—Whereas 1,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the Said Act), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
Rs. 1,00,000-and bearing No.  
Flat No. 1, Ground Fl. C-Wing, Jeevan Bahar, C.H.S. Ltd.  
Plot No. 122/130, 3rd Rd. Chembur, Bombay-71  
situated at Bombay  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered u/s  
269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent  
Authority at  
Bombay on 1-8-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property a-  
foresaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to be-  
tween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property,  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Fl. Bldg C., Jeevan Bahar C.H.S.  
Ltd. Plot No. 122/130, 3rd Rd. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11844  
on 1-8-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Bombay

Date: 12-4-85,  
Seal :

FORM ITNS— —

(1) Nahar Associates.

(Transferor)

(2) Maya Deviraj Ram Thakur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/12017.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 604, 6th fl. Pooja Mahul Rd. Chembur Bombay-74 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th fl. Pooja Mahul Rd. Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/12017 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Bombay

Dated : 12-4-1985.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Bright Corporation,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Balaji Enterprises,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/12090.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Gala No. 6, Kailash Indl. Estate, Ganesh Nagar, Ramkrishan Chembur Marg, Chembur Colony, Bombay-74

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 6, Kailash Indl. Estate, Ganesh Nagar, Ramkrishan Chembur Marg, Chembur Colony, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/12090 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Bombay

Dated : 12-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. R. Thadani.

(Transferor)

(2) Win Fit Manufacturing Co.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11706/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 212, New Satguru Nanak Indl. Estate, 498, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 212, New Satguru Nanak Indl. Estate, 498, Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11706/83-84 dated 1-8-1984.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-4-1985  
Seal :

FORM IINS

(1) M/s Trilok Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri K. D. Luthara.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37EE/12039/84.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Shop No. 21, Gr. Fl. Gyaneshwar Bldg. Aarey Rd. Goregaon (E), Bombay-63 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 21, Ground fl. Gyaneshwari Bldg. Aarey Rd. Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/12039 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
94—56GI/85

Dated : 12-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Mahesh Industries.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Nurbhari Apie.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/11964/84-85.—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 22, 2nd Fl. Amapali Indl. Estate Premises C.H.S. Ltd., Ram Mandir Rd. Goregaon (W), Bombay-104 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 22, 2nd fl. Amapali Indl. Estate Premises C.H.S. Ltd. Ram Mandir Rd. Goregaon (W), Bombay-104.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/11964 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Date: 12-4-1985

Seal:



FORM ITNS

(1) Ramesh V. Mchta &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Arta H. Vissanji &amp; Others.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11613/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat at Village Chincholi and Dindoshi S. Nos. 34, 51, Taluka Borivli, Goregaon Mulund Link Rd, Goregaon (East), Bombay-63 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat at Village Chincholi and Dindoshi S. Nos. 34 & 51 in Taluka Borivli, Goregaon Mulund Link Road, Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11613/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. D. Kuber.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Sadanand.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11614/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, second fl. Plot No. 91, 92 and 93 Second 4, Chedda Nagar, Bombay-89 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd fl. Plot No. 91, 92 and 93, Section IV, Chedda Nagar, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11614/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Raja Builders

(Transferor)

(2) M/s. Shree Ram Steel Fabricators.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR III/37-EE/11736/84-85 — Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Unit No. 82, Gr. Fl. Raja Indl Estate, Purushotam Kheraj Rd. Extn. Nahur, Mulund (W), Bombay-80 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 82, Gr. Fl. Raja Indl. Estate, Purushotam Kheraj Rd. Extn. Nahur, Mulund (W); Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide Ref. No. AR III/37-EE/11736 83-84 dated 1-8-1984

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Dated : 10-4-1985  
Sal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Suresh Chandra Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anulkumar Devkaran Thakkar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/11648/84 85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 22, 6th fl. Ambe Maiya Apartment, Dr. R. P. Road, Mulund (W), Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 22, 6th fl. Ambe Maiya Apartment, Dr. R.P. Road, Mulund(W), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/11648 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Dated : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Premchand Hirji Beed.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmibai Premji Gada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-III/37EE/11780/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11, Plot No. 58/B, Shri Mulund Ambekrupa C.H.S. Ltd. Zaver Road, Mulund (West), Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 11, Plot No. 58/B, Shri Mulund Ambekrupa C.H.S. Ltd. Mulund West, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11780/83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s Tibra Builders (Bombay) Pvt. Ltd.  
(Transferor)  
(2) M/s Nehal Industries.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11793/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Shanti Indl. Estate, S. N. Road, Malund (West), Bombay-  
80. (Unit No. 49, Gr. Fl. B-Wing)  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 49, Gr. Fl. B-Wing, Shanti Indl. Estate, S. No.  
Road, Mulund (West), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11793/83-  
84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to following  
persons, namely :—

Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Raja Builders.

(Transferor)

(2) Shri K. S. Dwarkanathan

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-III/37EE/12074-A/84-85.—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 47, First Fl Raja Indl. Estate, Purshotam Kheraj Road (Extn) Nahur, Mulund (West), Bombay 80. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
92—56GI/85

## THE SCHEDULE

Unit No. 47, first fl Raja Indl. Estate, Purshotam Kheraj Road (Extn) Nahur, Mulund (West), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37FE/12074-A of 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 10-4-1985.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Ella Construction Company.

(Transferor),

(2) Mr. Oswald L'Souza.,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/12074/84-85.—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, Falguni Ladiwala Colony, Model Town Bal Rateshawal, Mulund (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons **whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 12, Falguni Ladiwala Colony, Model Town Bal Rateshawal, Mulund (West), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/12074/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Date : 12-4-1985.  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri P. N. Kothari.

(Transferor)

(2) Zenith Enterprises.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/12013/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Unit No. 16, Gr. Fl. P. N. Kothari Estate, Survey No. 200  
(P) CTS No. 288, Agra Road, Bhandup, Bombay-78.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984.for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- 
- of the transfer to pay tax under the said Act,
- 
- in respect of any income arising from the transfer;
- 
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
- 
- moneys or other assets which have not been or
- 
- which ought to be disclosed by the transferee for
- 
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
- 
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
- 
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
- 
- 45 days from the date of publication of this notice
- 
- in the Official Gazette or a period of 30 days
- 
- from the service of notice on the respective persons,
- 
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
- 
- able property, within 45 days from the date of the
- 
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 16, Gr. Fl. P. N. Kothari Estate, Survey No. 200  
(P) CTS No. 288, Agra Road, Bhandup, Bombay-78.The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/12013/83-  
84 dated 1-8-1984.A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
BombayDate : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) P. N. Kothari,

(Transferor)

(2) Zenith Enterprise,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref No. AR-III/37EE/12012/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Unit No. 4, P. N. Kothari Estate, S. No. 200(p) CTS No  
288, Agra Road, Bhandup, Bombay-78 situated at Bombay  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the pro-  
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration there-  
for, by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect to any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Unit No. 4, P. N. Kothari Estate, S. No 200(p) CTS No.  
288 Agra Road, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/12012/83-  
84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 12-4-1985.  
Seal :

FORM NO. ITNS

(1) Mr. Vijay Kumar Poddar.

(Transferor)

(2) Mr. Pallan Vasu Prafulla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ret. No. AR-III/37EE/12042/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Gala No. 115, first fl. Guru Nanak Udyog Bhavan, Plot No.  
1, S. No. 85, L.B.S. Marg, Bhandup, Bombay-78.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by the more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Gala No. 115, first fl. Plot No. 1, S. No. 85, Guru Nanak  
Udyog Bhavan, L.B.S. Marg, Bhandup, Bombay-78

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/12042/83-  
84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bomb

Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Khandelwal Engg. Co. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Inda Tube Molls &amp; Metal Ind. P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/13081/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 710A Block Ushanagar, Bhandup, Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 710-A Block, Ushanagar, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/13081/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Ajay Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Yogesh S. Sinkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AR-III/37EE/13097/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Flat No. 7, second fl. Rushabh Darshan Plot S. No. 74, CTS No. 654, O: 90 ft. wide D. P. Road, Mulund (E), Bombay-81, (and more fully described in Form No. 37EE is submitted has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 7, second fl. Rushabh Darshan Plot S. No. 74, CTS No. 564, Off 90 ft. Wide D. P. Road, Mulund (East), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/13097/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) M/s Velhari Trading Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Hausa Taxmichand Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/13025/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing

4, Ramagopal Indl. Estate No. 1, Premises C.H.S. Ltd. Gr. Fl.  
Dr. R. P. Road, Mulund, Bombay-80.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

4, Ramgopal Indl. Estate No. 1, Premises C.H.S. Ltd.,  
Ground Fl. Dr. R. P. Road, Mulund, Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/13023/82-  
84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following  
persons namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Milind Associates

(Transferor)

(2) Shri Jolly Joseph Mathews

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.Ref. No. AR-III/37EE/13123/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 6, 2nd fl. Plot No. 6116, Kole Kalyan, (Kalina  
Village) Santacruz (E), Bombay-29,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the  
Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the transferor(s) and the transferee(s) has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd fl. Plot No. 6116, Kole-Kalyan, Kalina  
Village, Santacruz (E), Bombay-29.The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/13123/  
83-84 dated 1-9-1984.A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

93—56GI/85

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Milind Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Charles Dias

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/13122/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, on 2nd fl. Plot No. 6116, Kole Kalyan (Kalina Village) Santacruz (E), Bombay-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd fl. Bldg. on Plot No. 6116, Kole Kalyan (Kalina Village) Santacruz (E), Bombay-29.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/13122/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 12-4-1985

Seal :



FORM ITNS

(1) Kalias Kiran No. 2,  
C. H. S. Ltd.

(Transferor)

(2) Damji Raji Patel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11838/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bldg. on Plot No. 20, T. P. S. III, CTS No. 5958 'N' Ward, Tilak Road, Ghatkopar (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Bldg. on Plot No. 20, T. P. S. III, CTS No. 5958, 'N' Ward, Tilak Road, Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11838/83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Manish Corporation

(Transferor)

(2) Shri P. Soman

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11693/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269D of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. F-9, 3rd fl. Hazari Baug, Hariali Village, Jun. of Station Rd. and LBS Marg, Vikhroli (E), Bombay-83 and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. F-9, 3rd fl. Hazari Baug, Hariali Village Jun. of station Road and LBS Marg, Vikhroli (E), Bombay-83.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, vide serial No. AR-III/37EE/11693/83-84 dated 1-8-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s Parmeshwaridevi Garodia Trust (Transferor)  
 (2) M/s Brite Photo Service (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11641/83—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 16, Garodia shopping Centre, Plot No. 149-C, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 16, Garodia Shopping Centre, Plot No. 149-C, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III-37EE/11641/ on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s SMP Enterprises.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. International Ribbon Mfg. Co.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11846/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 306, 3rd fl Hill View Indl. Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 306, 3rd fl Hill View Indl. Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11846/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Jitendra Narayan Bhanushali

(Transferor)

(2) Shri Shantraj Yellappa Shetty

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. AR-III/37FE/11749/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 8, Panch Rasta Co-operative Housing Soc Mahatma Gandhi Road, Mulund (West), Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec 369AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 8, Panch Rasta Co-operative Housing Society, Mulund (West), Bombay 400 080.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11749/84-85 dated 1st Aug., 1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Raju Krishna Iyyer

(Transferor)

(2) Shri Vijay Ashanand Thakker

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11626/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5, Geetanjalee Building/Shiv Ram Co-operative Housing Society Limited Devidayal Road, Mulund (West) situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5, Geetanjalee Building Shiv Ram Co-op. Housing Society Limited Devi Dayal Road, Mulund (West), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11626/84-85 dated August, 1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhagavandas Chhotalal Shah (Transferor)  
(2) Smt. Hemlata Deora (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. AR-III/37EE/11934/84-85.—Whereas (1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. B-6, Devidayal Apartments Co-op Housing Society Limited Devidayal Road Mulund (West), Bombay-80 situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-6, Devidayal Apartment Co-op Housing Society Ltd., Devidayal Road, Mulund (West), Bombay-400 080. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11934/84-85 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Space Age Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Napik Mangharam Jagesia

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11816/84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 402, Space Age Apartment, Ghatkopar Wadala Road, Deonar, Bombay-88 situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 402, Space Age Apartment, 4th fl. Ghatkopar Wadala Road, Deonar, Bombay-88.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11816/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985

Seal :



## FORM ITNS

(1) Mahtaney Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Davinder Singh II,  
Sara.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11611/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 1, Ground Fl., Shivnum Bldg., D-Mahtaney Park, S. No. 24, Hissa No. 1 and CTS No. 130, R. C. Marg, Chembur, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground Fl., Shivnum, D-Mahtaney Park, S. No. 24, Hissa No. 1 and CTS No. 130, R. C. Marg (Mahul Rd.) Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11611/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date: 10-4-1985  
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Shyamsunder Kasat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Nemani Builders

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/13116/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pahadi Goregaon Taluka Plot No. 162, Dist. Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Pahadi Goregaon Taluka, Plot No. 162, Dist. Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/13116/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Dated : 10-4-1985  
Seal : -

FORM ITNS

(1) Anita Construction & Estates (P) Ltd.  
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mr. Baptist Rodrigues.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11927/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Flat No. 201, Val E-Ram-II, Opp. Ushma Nagar, Off Linking  
Road Malad (West), Bombay,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 201, Val-E-Ram-II, Opp Ushma Nagar, Off Link-  
ing Road Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/1127  
83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

Date : 10-4-1985.  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S. \_\_\_\_\_

(1) Bilcon Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. G. M. Barvalia &amp; Ors.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 15th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11884/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
Shop No. 14, S. S. III, Chembur, CTS No. 1311, Sion Trom-  
bay Road, Chembur, Bombay-71.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 14, S. S. III, Chembur, CTS No. 1311 Sion Trom-  
bay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide Serial No. AR-III/37EE/11884  
83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269C of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 15-4-1985.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Pragati Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Gagamam Merani.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11866/84-85.—Whereas, J. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gurukripa, Behind Linking Road Near Evershin Nagar, Mith Chowki Off Marve Road Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Guru Kripa Behind Linking Road Near Evershin Nagar, Mith Chowki, Off Marve Road Malad (W), Bombay-64.  
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/11866 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Commercial Development Corpn.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. K. Bhoot.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11655/84-85.—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Deepak Apartment, plot No. 14, Govind Nagar, Pavanbaug Road, Chincholi, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any property or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Deepak Apartment, Plot No. 14, Govind Nagar, Pavanbaug Road, Chincholi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/11655 on 1-8-1984

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985.  
Seal :

## FORM JTNS- \_\_\_\_\_

(1) Mrs. Gunwanti B. Lakhwani.

(Transferor)

(2) Mrs. Celin Thomas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. AR-III/37PF/12010/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Flat No. 205, 2nd floor B-Block Virgo Bldg. Divya Park  
Malvani Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
movable or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor B-Block, Virgo Bldg. Divya, Mala-  
vani Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay under No. AR-III/12010/83-84 on 1-8-  
1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

95—56GI/85

Date : 10-4-1985.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. ARIV/37EE/11808/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. E-2, 'Sankalar Bldg. New Liberty C.H.S. Ltd Bhandarwada, Gaothan Road, Balad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramanand R. Shervi. (Transferor)  
(2) Shri Yashwant Baburao Desai. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. E-2, 'Sankalar Bldg. New Liberty C.H.S. Ltd., Bhandarwada, Gaothan Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/11808 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-4-1985.  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri M. S. Jauda.

(Transferor)

(2) Mrs. P. H. Maredia.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-III/37EE/11799/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. V/202, Bldg. No. II Unit 'V' of Sundernagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. V/202, Bldg. No. II Unit "V" Sundernagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11799/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 10-4-1985.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Cenar Builders &amp; Constructors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nilam S. Gholkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37EE/11843/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. A-302, 3rd floor Plot No. 470, H. No. 4 CTS No.  
359 Bhandarwala, Malad (W), Bombay-64.  
(and more fully described in the Form No. 37FE is submitt-  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property at  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. A-302, 3rd floor Bldg. on plot S. No. 470 H. No.  
4, CTS No. 359 at Bhandarwada, Malad (W), Bombay-64.  
The agreement has been registered by the Competent Au-  
thority, Bombay under No. AR-III/11843/83-84 on 1-8-1984.

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

FORM 11NS

(1) Mr. Navnit Kumar Kantilal Shah. .  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shavindra B. Narula & Ors.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11718/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1/5, 1st floor Bldg. Haridwar-I, Plot No. 18, 19, 20-A, Village Valnai, Off Marine Road, Malad (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984,

for a consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the present consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXIV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1/5, 1st floor Bldg. known as Haridwar-I, Plot No. 18, 19, 20-A, Village Valnai, Off Marine Road, Malad (West) Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/3/EE/11728/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Phoolwanti J. Gupta,

(Transferor)

(2) Shri Ashok G. Rasal,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. A-RIII/37EE/11864/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 4, Pushpa Park Scheme, Plot No. 9-A, CTS No. 29, Daftary Cross Road Malad (E), Bombay-97. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Office No. 4, Pushpa Park Scheme, plot No. 9-A, CTS No. 28-29, Daftary Cross Road, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11864 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-4-1985.  
Seal :

## FORM IT.N.S.—

(1) M/s Queens Park.

(Transferor)

(2) Mr. Jagannath Poojari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11967/84-85.—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 12, Gr. Fl. Nalanda Bldg. No. 1, Plot No. 32 & 33, Village Valnai, Off. Marine Road, Malad (W), Bombay-64. (and also fully disclosed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984.

It is to be noted that the consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (77 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Shop No. 12, Gr. floor "Nalanda Bldg. No. 1 Plot No. 32 & 33, Valnai Village, Marine Road Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11967 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref No AR-III/37EE/11767 84-85.—Whereas, I, A PRASAD, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Shop No 28, 'Neelkamal' Govind Nagar Road Off. S. V. Road, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, the aforesaid, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- |                                |              |
|--------------------------------|--------------|
| (1) Mr. Rajendra B. Gandhi.    | (Transferor) |
| (2) Mrs Sapna Sarad Khandwala. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 28, 'Neelkamal' Govind Nagar, Road, Off. S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11767/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Saraswati T. Shah &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Shri P. H. Java &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-III/37EE/11781/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat No. 106, 1st floor The Swing Opp. Nutan Vidya Mandir School, Marve Road, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor The Swing, Opp. Nutan Vidya Mandir School Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11781/83-84 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

96—56GI/85

Date : 10-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Velbai Rayshi.

(Transferor)

(2) Smt. Khimaiben Keshavj Rita.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/13155/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Ashok Samrat Bldg. No. B, Shop No. 3, Daftary Road Malad (E), Bombay-97,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ashok Samrat Bldg. No. B, Daftary Road, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/13155/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-4-1985.  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Mr. M. D. Mahajan &amp; Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Digvijay Builders.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 15th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No AR-III/37EE/12084/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kanjur Marg, Co. op. Hsg. Sect. Plot No. 62 CTS No. 988, Kanjur Marg (E), Bombay-78, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## THE SCHEDULE

Kanjur Marg Co-op. Hsg. Sect. Plot No. 62, CTS No. 988, Kanjur Marg (E), Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/12084/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 15-4-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ramniklal P. Joshi

(Transferor)

(2) Shri A. B. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/13147/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 199, flat No. 3, Priti Apt. 1st fl. Daftari Rd. Khandwala Cross Lane, Malad(E), Bombay-97 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 199, flat No. 2, Priti Apartments, 1st fl. Daftari Rd. Khandwala Cross Lane, Malad(E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13147 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 10-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Bridgith D'Souza

(Transferor)

(2) Mr. Chadrakant Keshavalal Kesaria &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11701/84-85.—Whereas, I.  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. G-4/4, 1st fl. Sunder Nagar, Malad(W), Bombay-64 and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have been the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G-4/4, 1st fl. Sunder Nagar, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11701 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Girdharilal B. Gupta &amp; Ors.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/12048/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Terrace Flat No. 602, 6th fl. 'B' Wing "Atlanta" Plot No. 38, Off Valanj Village, Marve Rd. Malad(W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Terrace Flat No. 602, 6th fl. 'B' Wing "Atlanta" Plot No. 38, Off Valanj Village, Marve Road, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/12048 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Devendra Nagindas Shah

(Transferor)

(2) Shri J. S. Jain &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11877/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 8, 2nd fl. Shree Ram Kunj Bldg. 45/46, Haji Bapu Rd. Malad(E), Bombay-64,

(and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd fl. Shree Ram Kunj Bldg. 45/46, Haji Bapu Road, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11877/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) R. H. K. Builders

(Transferor)

(2) Mr. Chandru T. Paryani &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/13027/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. A/Wing Gr. Fl. Plot No. 11-12, Dominic Colony Road No. 2, Orlem, Malad (W), Bombay-64 situated a Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement to registered under Sec. 269AB of the Income tax, 1946, in the office of Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A/Wing Ground Fl. Plot No. 11-12, Dominic colony Road No. 2, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/13027/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 10-4-1985  
Seal:

FORM ITNS-----

(1) R.H.K. Builders

(Transferor)

(2) Arjan Tekchand Paryani

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/13028/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A/Wing No. 102, first fl. Plot No. 11-12 Domnic colony Rd. No. 2, Orlem Malad(W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. A/Wing No. 102, first fl. Plot No. 11-12, Domnic colony Rd. No. 2, Orlem Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/13028/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

97—56GI/85

Dated : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Trishul Industries

(Transferor)

(2) M/s Haishi Medical Stores.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11683/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. 19, SU upper fl. Jagruti C.H.S.L. Samath Rd. Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette of a period of 30 days from the service of notices on the persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 19 SU, upper fl. Jagruti C.H.S. Ltd. Sainath Road, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11683 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated :10-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) M/s Deep Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Roland Jude Pinto

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11774/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat in Church View Apartment, Orlem Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat in Church View Apartment, Orlem, Marve Rd. Malad Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11774 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 10-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Lakshman C. Radadia

(Transferor)

(2) Mukesh R. Haria.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37.EE/13074/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Shop in "Pushpanjali Apartment, Ground Fl. Malad (E), Bombay-97 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Shop No. Pushpanjali 9partments Ground Fl., Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/13070 83-84 dated 1-8-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated :10-4-1985  
Seal .

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

## FORM ITNS—

(1) M/s Winner &amp; Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Khakhar Construction.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/13140/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 429, H. No. 1 (p), CTS No. 1069 (p), Malad (South), Village Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Survey No. 429 Hissa No. 1(p) CTS No. 1069 (p) Malad (South) Village Chincholi, Bunder Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/13140 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 10-4-1985

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Deshmukh Builder Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Kishore S. Kanghatgi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY**

Bombay, the 10th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37.EE/11890/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 205, 2nd fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Road, Malad(E), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 205, Second Fl., Ajit Park-B, Somwar Bazar Rd. Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11890 83-84 dt. 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Dated : 10-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Deshmugh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri S. A. Narayan Sharma

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11886/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 405, Fourth fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Road, Malad(W), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto) 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Bombay on 1-8-1984

has been transferred and the agreement is registered u/s for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 405 fourth fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Road, Malad(West), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11886 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Deshmugh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri V. M. Sapte.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11885/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 407, 4th fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Rd Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 407, fourth fl., Ajit Park-B, Somwar Bazar Road, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11885 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITN—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd

(Transferor)

(2) Shri Ravindra M. Kane.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37 EE/11889/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 406 fourth fl. Ajit Park-A Somwar Bazar Road, Malad (W), Bombay-74 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

98—56GII/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 406, fourth fl. Ajit Park-A, Somwar Bazar Rd. Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37 EE/11889 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Dated :10-4-1985

Sent :

## FORM ITNS

(1) M/s Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Anilkumar Jain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR III/37.EH/13065/84-85:—Whereas, J.  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Flat No. 21, 1st fl. Hemal Apartment on plot Bearing C.S.  
No. 19, 41, Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani, Malad (W),  
Bombay(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the  
Competent Authority at Bombay on 1-8-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
the service of notice on the respective persons,  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 21, 1st fl. Hemal Apartment plot Bearing CS No.  
19 41, Nos. 85/5, 96/1 Village Malwani, Malad (W), Bom-  
bayThe agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No AR-III/37EE/13065  
83-84 dated 1-8-1984.A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, BombayDated : 10-4-1985  
Seal :



FORM I.T.N.S.—

(1) M/s R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Pahlaj N. Raheja.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/11880/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No Shop No. Ground Fl. 'A' Wing, Atlanta, Marve Road, Malad (W), Plot No. 38, Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 3, Ground Fl. 'A' Wing Atlanta, Marve Road Malad (W), Plot No. 38, Bombay-64

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/11880 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/11938/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 29, 2nd fl. Hemal Apartment Village Malwani, Malad (W), Bombay and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |                             |              |
|-----------------------------|--------------|
| (1) M/s. Hemal Enterprises. | (Transferor) |
| (2) Mr. Patel Bhimji Gokal. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 29, 2nd fl. Hemal Apartment Plot CS No. 19, 14, Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EE/11938 of 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri ABA A'maram Mungekar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. AR-III/37-EE/11887/84-85 --Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-  
and bearing  
No. Flat No. 4, Gr. Fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Rd.  
Malad (W), Bombay-64  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground Fl. Ajit Park B, Somwar Bazar Road,  
Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR III/37-EE/11887  
83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM IT.N.S.—

(1) M/s. Glendale Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Peter Rodrigues.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/11954/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 6 second fl. Plot No. 15, CTS No. 88, Village  
Valnai, Oriem, Malad (W), Bombay-64,  
and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
S.c. 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, second fl. CTS No. 88, Plot No. 15, Village  
Valnai Oriem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/11954  
83-84 dated 1-8-1984

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
afore-said property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. Shree Shakti Const. Co. (Transferor)  
 (2) Mrs. Indira Vaidal Almeida & Ors. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 15th April 1985

Ref. No. AR-III/37-FE/11587/83-84. Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. S-75, 7th Fl. S. No. 12, CTS No. 69B/3, Valani Shakti Nagar Scheme, Adarsh Dughdalya, Off. Marve Rd. Malad Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. S-75; 7th fl. S. No. 12, CTS No. 69B/3, Valani, Plot No. 11-12, of Shakti Nagar Scheme, Adarsh Dughdalya, Off. Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/11587 83-84 dated 1-8-1984

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-4-1985  
Seal

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref No. AR-III/37 IE 13007/84-85—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 5, Second fl. Plot No. 15, Village Valnai, Orlim, Malad (W) Bombay 64 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s Glendal Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Estefani Nazareth

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 5, second fl. Plot No. 15, CTS No. 88, Village Valnai, Orlim Malad (W), Bombay 64

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/13007 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/11969/84-85—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

No. Shop No. 2, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 1, Plot Nos. 48, 49 &amp; 50, Valnai Village, Madad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

99—56GI/85

- (1) M/s. Manali Corporation, (Transferor)  
(2) Mrs. Jagdish Kaur Bakshi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 2, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 1, Plot Nos. 48, 49, and 50, Valnai Village, Madad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/11969/84-85 dated, 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Manali Corpn.

(Transferor)

(2) Mr. Asit Kumar Paul.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/11970/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 12, Gr. Fl. Manali Bldg No. 2, Plot Nos. 48, 49 and 50, Valnai Village Malad (W), Bombay-64 situated at land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 12, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 2, Plot Nos. 48, 49 and 50, Valnai Village Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR-III/37-EE/11970 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Date : 10-4-1985  
Seal :



## FORM ITNS

(1) M/s. Manali Corporation.

(Transferor)

(2) M/s. Nivodita Satpute.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-III/37-EE/11750/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-42, 4th fl. Manali Bldg. No. 4, Plot Nos. 48, 49 & 50 Valmiki Village Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. B-42 4th fl. Manali Bldg. No. Plot Nos. 48, 49, and 50 Valmiki Village Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/11750-83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985

Seal :

**FORM IIS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY**

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37 EE/11742/84-85.—Whereas I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. 12, Wing B, Ground Fl. Dhruaj Bldg. CTS No 347, Podar Park, Malad(W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s. Rahul Trading Corporation

(Transferor)

(2) M/s. Offset Com. Centre.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Shop No. 12, Wing B, Ground Fl. Dhruaj Bldg. CTS No 347, Podar Park, Malad(W), Bombay-64

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11742/83-84 dated 1-8-1984

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Date : 10-4-1985

Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) M/s. ... Construction,

(Transferor)

(2) Mr. Michael Gopal Rane,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11620/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Anut Bldg. Saibaba Park, Flat No. 8, 3rd fl. Mith Chowki, Malad(W); Bombay-64, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D, of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd fl. Anut Bldg. Saibaba Park, Mith Chowki, Malad(W), Bombay 64

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11620/84-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Hemal Enterprises.

(Transferor)

(2) M. C. Verghese.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/12094/84-85.— Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, aving a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 18 First Fl. Hemal Apartment plot C. S. No. 19, 41, Nos. 85/5, 96/1 at Village Malwani, Malad(W), Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 18, first fl. Hemal Apartment plot CS No. 19, 41 Nos. 85/5, 96/1 Village Malwani, Malad(W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/12094/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Hemal Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Suresh A. Mistry.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11937/84-85 —Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the said property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 25-A, 2nd fl. Hemal Apartment Plot CS No. 19/41 Village Malwani, Malad(W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 25A 2nd fl. Hemal Apartment plot bearing C. S. No. 19/41 Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani, Malad(W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11937/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Shanguila Const. Co.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Ramabhankar Dave.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37 EE/12038, 84-85 —Whereas I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
1,00,000/- and bearingFlat No. 7, 1st fl. Plot No. 4, Shalimar Bldg. Janakalyan  
Nagar, Malad, Bombay-68(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property is  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st fl. Plot No. 4, Bldg. Shalimar, Janakalyan  
Nagar, Malad, Bombay-68.The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/12038/  
83-84 dated 1-8-1984A. PRASAD  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Premkumar N Vadhyar &amp; O/s.

(Transferee)

(3) Mr. Buttoy.

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1983

Ref. No. AR.III/37.EF/12049/84 85—Whereas I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearingFlat No. 401, 4th fl. 'C' Wing "Atlanta" Marve Rd.  
Malad(W), Bombay-64(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
Sec. 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of  
the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

100—56GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th fl. 'C' Wing "Atlanta" Marve Rd.  
Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37 EF/12049/  
83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 10-4-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Ardeshir S. Engineer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Mrs. Pushpa R. Tainwala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR. III/37.EE/12008/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding Rs.  
100,000/- and bearing No.Flat No. 1, Bldg. No. 1, L-Unit Anbanga Samata C.H.S. Ltd.  
Sunder Nagar, Malad (W), Bombay-64.(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office  
of the Competent Authority,  
Bombay on 1-8-84for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—Objections, if any, to the acquisition of the said property,  
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Flat No. 1, Bldg. 1, L-Unit Samat C.H.S. Ltd.  
Sunder Nagar, Malad (W), Bombay-64.The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37.EE/12008 83-  
84 dated 1-8-1984.A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—Date : 10-4-1985  
Seal :



FORM ITNS—

(1) M/s. Manali Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Tulsi Devi Poddar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11749/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 53/B, 5th fl. Manali Bldg. No. 1, Plot No. 48, 49, and 50 Valnai Village Malad (W), Bombay-65, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 53/B, 5th fl. Manali Bldg. No. 1, Plot Nos. 48, 49 and 50 Valnai Village, Malad (W), Bombay-65.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11749/83-84 dated 1-8-1984.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. K. I. Wamadevan.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Astha Kamlesh Shah.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11692/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 103, 1st fl. Nilanjana Bldg. land bearing No. 36, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 1-8-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

103, 1st fl. Nilanjana Bldg. land bearing No. 36, 1st fl. Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37.EE/11692/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Mohansingh S. Jaura.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ilias H. Maredia.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official gazette.

Ref. No. AR.III/37.EE/11591/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. V of Sundernagar, Flat No. 201, Bldg. No. 2, S. V. Rd. Malad (W), Bombay, has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. V. of Sundernagar, Flat No. 201, Bldg. No. 2, S. V. Rd. Malad West, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11591/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Anthony Joseph Pattathu.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Glen and

(Transferee)

Rita Fernandes,

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/11868/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, Bldg. No. 2, Green Park C.H.S. Ltd. Linking Road, Orlem, Malad, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, Bldg. No. 2, Green Park C.H.S. Ltd. Linking Road, Orlem, Malad, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No AR.III/11868/84 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Bharat Engineering Const. Co.

(Transferor)

(2) Shankarlal H. Devda,

(Transferee)

## -NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11702.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3A, Ground fl. D-Bldg. Vardman Nagar, Narsingh Lane, Malad (W), Bombay-68 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 3-A, Ground Fl. D-Bldg., Vardman Nagar, Narsingh Lane, Malad (W), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37-EE/11702 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNE—

(1) Mrs. Pushpa Gopal,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amratlal P. Shah,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/17743/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 202, 2nd fl. Shreeram Apartment, Near Milap Talkies, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64,

has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

Flat No. 202, fl. Shreeram Apartment, Near Milap Talkies, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/17743 83-84 dated 1-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri C. M. Luniya.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. S. Sonpal.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/13049/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, 1st fl, Gagan Vihar C. H. S. Ltd, 6th Rd. Mamlatdarwadi, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

101—56GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st fl, Gagan Vihar C. H. S. Ltd 6th Rd. Mamlatdwadi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/13049 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Gouri Mukherji.

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh N. Dharmdasani &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37 EE/13128/84-85 —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B/24, 2nd fl. Bldg. Nalanda-I, Plot No. 32, 33 Village Valnai Off Marve Rd. Malad (W), Bombay 64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B/24, 2nd fl. Nalanda-I, Bldg. Plot Nos. 32 & 33, Village Valnai Off Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/13128-83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 10-4-1985  
Seal :



FORM ITNS -

(1) Mr. V. C. Bhatia.

(Transferor)

(2) Smt. Meena C. Matlani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37.EE/11940/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. P/13, 3rd fl. Deepasadan C.H.S. Ltd. Plot No. 19/20, S. V. Rd. Malad (W), Sundernagar, Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. P/13, 3rd fl. Deepasadan C.H.S. Ltd. Plot No. 19/20, S. V. Rd. Malad (W), Sundernagar, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11940 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S. \_\_\_\_\_

(1) Usha K. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lawrence V. Pinheiro.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay, the 10th April 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, if any, before the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37.EE/11755/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, Gr. Fl Silver Coin De Monte Lane, Village Valnai, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, Gr. Fl. Silver Coin, De Monte Lane, Village Valnai, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11755 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. Swapan Kumar Chkrabarty.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Jayshree Hareesh Kumar Bhavsar &amp; Ors.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37.EE/11832/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, first fl. Haridwar-I, Plot Nos. 18-19-20A Off Vallage Valnai, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 4, first fl. Haridwar-I, Plot No. 18-19-20 A off Vallage Valnai, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/11832 83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Dr. R. V. Kundani.

Transferor(s)

(2) M/s. P. C. Drugs &  
Lab. Pvt. Ltd.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

Ref. No. ARIV/37.EE/13121/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 501, A-Wing Veena Nagar, Malad (W), Bombay-  
64.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under Sec.  
269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the  
Competent Authority,  
Bombay on 1-8-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 501, A-Wing Veena Nagar, Malad (W), Bombay-  
64.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR.III/13121 on 1-8-1984.A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Mahavir Trading Co.

(Transferor)

(2) Shri Bhoiraji Maganlal &amp; Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37-EF/11980/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, Shyam Nirmal Nareshing Lane, Opp. N. L. High School, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 3, Shyam Nirmal Nareshing Lane, Opp. N. L. High School, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/11980 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Gopaladas S. Ranga.

(Transferor)

(2) Mr. H. C. Batia &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR III/37-11786/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. on plot No. 301 & 305, Daftary Rd. Malad (E), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any Income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat on Plot No. 301 & 305, Daftary Road, Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/11786 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Mary Pathrose

(Transferor)

(2) Miss Winnie Sequeira.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR. III/37EE/11779/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 208, 2nd floor Galazy Apts. Mith Chowki Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 208, 2nd floor Galazy Apts Mith Chowki Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/11779/84 on 1-8-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

102—56GI/85

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shree Ram Const. Pvt. Ltd. (Transferor)  
 (2) Miss Sushila Kumar Yadav. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
 BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13068/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
 and bearing  
 Shop No. 20, Gr. Floor "Shriram Towers Tank Lane, Near  
 Orlem Church, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred and the agreement is registered under  
 Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of  
 the Competent Authority  
 at Bombay on 1-8-1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
 persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons  
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the publi-  
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 20, Gr. Floor "Shriram Towers Tank Lane, Near  
 Orlem Church, Off Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent  
 Authority, Bombay under No. AR.III/13068 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 10-4-1985  
 Seal :



FORM ITNS

(1) Shree Ram Const Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Miss Geeta Kumari Yadav.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13067/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 5, Ground floor Shriram Towers Tank Lane, Near Orlem Church, Off Marve Rd., Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor Shriram Towers Tank Lane, Near Orlem Church, Off Marve Rd., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/13067 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. N. A. Athani.

(Transferor)

(2) Shri Lakhi Prasad Dhanuka.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13051/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing Room No. 6, 1st floor Bldg. No. F-3, Sunder Milan CHS. Ltd. Sunder Nagar, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

## THE SCHEDULE

Room No. 6, 1st floor Bldg. No. F-3, Sunder Milan CHS. Ltd. Sunder Nagar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/13051 on 1-8-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/11905/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 6, first floor Malad Shopping Centre Pvt. Ltd. S. V. Road, Malad (W) Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Sharp Pharmaceuticals (Transferor)  
(2) Shri Mohan N. Mahale & Ors. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 6, first floor Malad Shopping Centre Pvt. Ltd. S. V. Road, Malad (W) Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR. III 11905 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

78—46GI/85

Date : 10-4-1985  
Seal

## FORM ITNS

(1) Mrs. Neera P. Bali.

(Transferee)

(2) Smt. Saroj T. Gurnani.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR-III/37EE/11814.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 5, Ground floor Manali No. 1, Near Evershin Nagar, Plot No. 48, 49, 50 Off Marve Rd. Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 5, Ground floor Manali No. 1, Near Evershin Nagar, Plot No. 48, 49, 50 Off Marve Rd. Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37EE/11814 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Surendra K. C. Chaudhary.

(Transferor)

(2) Raju Ram Mohan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR. III/37FE/11741/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 31, 2nd floor Jawahar Sadan, plot No. 89, 21st Rd. Chembur, Bombay-71. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 31, 2nd floor Jawahar Sadan, plot No. 89, 21st Rd. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37.EE/11741/83-84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Modern Builders.

(Transferor)

(2) Smt S. Rajalaxmi Iyer.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay, the 12th April 1985

(s) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37EE/11717/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding Rs.  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 6, Plot No. 48, Kanjur CHS Ltd Bombay-78  
(and more fully described in the Schedule annexed (hereto,  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office  
of the Competent Authority  
at Bombay on 1-8-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, Kanjur CHS Ltd. Plot No. 48, Bombay-78.

( The agreement has been registered with the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11717/83-  
84 dated 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 12-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay the 15th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11992/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shyam Nagar, Shop No. 13, Gr. Floor Kanjur, Survey No. 275(P), CTS No. 657B Near Bhandup Station (E), Bombay, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Star Builders. (Transferor)  
(2) Mr. Dinesh Maganlal Vazir. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 60 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 13, Gr. Floor, Shyam Nagar, Kanjur Survey No. 275(P), CTS No. 567B Near Bhandup Station (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/11992/84 on 1-8-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 15-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Star Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mamta Shashikant Mehta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay the 15th April 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/11997/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Shop No. 17, Gr. Floor Shyam Nagar, Kanjur Survey No. 275(P) CTS No. 567-B, Near Bhandup Station (E), Bombay-78, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 17, Gr. Floor Shyam Nagar, Kanjur Survey No. 275(P) CST No. 657-B Near Bhandup Station (E), Bombay-78.

( The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/11997/84 on 1-8-84.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 15-4-1985

Seal



FORM NO. LT.N.S.-----

(1) M/s. Star Builders.

(Transferor)

(2) Smt. B. D., Mehta

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY**

Bombay the 15th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**Ref. No. AR.III/37EE/11987/84-85.**—Whereas, I, **A. PRASAD**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 16, Gr Floor Kanjur, Survey No 275(P), CTS No 657-B, Near Bhandup Station (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for a consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifty per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

**EXPLANATION** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

104—56GJ185

**THE SCHEDULE**

Shop No. 16, Gr Floor Kanjur Survey No 275(P), CTS No 657-B, Near Bhandup Station (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No AR.III/11987/84 on 1-8-84

**A. PRASAD**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 15-4-1985  
Seal

## FORM ITNS

(1) M/s. Star Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manjula R. Sheth.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV  
BOMBAY

Bombay the 15th April 1985

Ref. No. ARIII/37EE/11998/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Shop No. 16, Gr Floor Kanjur Survey No 275(P), CTS No. 657-B, Near Bhandup Station (E), Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 16, Gr Floor Kanjur Survey No 275(P), CTS No. 657-B, Near Bhandup Station, (E), Bombay.

( The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. ARIII/11998/84 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Bombay.Date : 15-4-1985  
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) M/s. Star Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Shaileshkumar V. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 15th April 1985

Ref. No. AR. III/37EE/11988/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shyam Nagar, Shop No. 14, Ground Floor, Kanjur Survey No. 275(P) C.T.S. No. 657-B, Near Bhandup Station (E), Bombay-78, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 14, Ground Floor, Shyam Nagar, Kanjur S. No. 275 (P), C.T.S. No. 657-B, Near Bhandup Railway Station (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/11988/84 on 1-8-1984.

A PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay

Date : 15-4-1985  
Seal :

## FORM OF INS—

(1) M/s. Star Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Dwarkesh D. Sheth.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 15th April 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette and a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said unmov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official GazetteRef. No. AR.III/37EE/11996/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASADbeing the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value  
exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.  
Shop No. 12, Ground Floor Shyam Nagar, Kanjur Survey  
No. 275 (P), C.T.S. No. 657-B, Near Bhandup Station (E),  
Bombay(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of  
the Competent Authority  
Bombay on 1-4-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 12, Ground Floor Shyam Nagar, Kanjur Survey  
No. 275(P), C.T.S. No. 657-B Near Bhandup Station (E)  
Bombay.The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay under No. AR.III/11996/84 on 1-8-1984A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—Date : 15-4-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Star Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Rasiklal M. Vazir.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 15th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/11993/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 48, Ground Floor Shyam Nagar, Kanjur Survey No. 275(P) CTS No. 657-B, Near Bhandup Station (E), Bombay-78, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
105—56GH/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 48, Ground Floor Shyam Nagar, Kanjur Survey No. 275(P) CTS No. 657-B, Near Bhandup Station (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/11993/84 on 1-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
Bombay

Date : 15-4-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

- (1) M/s. Alankar Construction Co. (Transferor)  
 (2) Shri V. V. Parmar. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-III,  
 BOMBAY

Bombay, the 15th April 1985

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37HF/11709/84-85.---Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1 on 1st floor, Plot No. 21, Survey No. 105 to 110, 146 and 147, CTS No. 65, 'Ganga Sagar', Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay 62. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat No. 1 on 1st floor, Plot No. 21, Survey No. 105 to 110, 146 and 147, CTS No. 65, 'Ganga Sagar', Jawahar Nagar, Goregaon (W), Bombay 62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/11709/83-84 dated 16-8-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-IV  
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1985  
 'etd'

## FORM ITNS- \_\_\_\_\_

(1) Abdul Hameed Shaikh Mehrbakhsh.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Feroze J. Mantri &amp; Nuruddin J. Mantri.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 15th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/57EE/2519/84-85 —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.T.S. No. 239, 239/1 to 35, New Mill Road, Kurla, Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269A of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter VIIA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C.T.S. No. 239, 239/1 to 35, New Mill Road, Kurla, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. 2653/84 dated 16-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 15-4-1985  
Seal :

FORM IT.N.S.—

(1) Kuldip Kaur Desai.

(Transferor)

(2) Ashok Paoor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 15th April 1985

Ref. No. AR.III/37G/2540/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Land at Village Erangal, Tal. Borivali, Bombay.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office  
of the Competent Authority,  
Bombay on 22-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Erangal, Tal. Borivali, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent  
Authority, Bombay vide serial No. S-358-82/83-84 dated  
22-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range-III  
Bombay

Date : 15-4-1985

Seal :



## FORM ITNS

(1) Gajanand Laxman Keni &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Kapil Kiran Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 15th April 1985

Ref. No. AR.III/37G/2529/84-85.—Whereas, I,  
A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing S. No. 67, H. No. 9 C.T.S. No. 815-D Village Mulund East, Taluka Kural, Vavanpada Village, Bombay-84.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 14-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. 114/84 dated 14-9-1984.

A PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay

Date : 15-4-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37G/2516/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Village Mulund (I), Flat No. 4B, CTS No. 163(P), 171(P), 172(P) and 174(P) Taluka Kurla, B.S.D. Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M. S. Shreeji Enterprises. (Transferor)  
(2) R.B.I. Employees 'Shubhangi' CHS, Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Village Mulund (I), Flat No. 4B, CTS No. 163(P), 171(P), 172(P) and 174(P) Taluka Kurla, B.S.D. Bombay.

The agreement has been registered with the Registering Authority, Bombay vide serial No. S-23371/83-84 dated 31-8-1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay

Date : 10-4-1985  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Nandibai K. Veenalokar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. M. S. A. S. S.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR III/37G/2514/84-85 --Whereas, I,

A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100 000 - and bearing

Plot No. 48-A 317 70 sq. mtrs CTS 129, 129/6 &amp; 7 Goregaon Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 9-8-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 48-A, 317-70 sq. mtrs CTS 129, 129/6 & 7 Goregaon Bombay.

The agreement has been registered with the Registering Authority, Bombay, vide serial No. 664/84 dated 9-8-1984.

Competent  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Acquisition

Date : 10-4-1985

Sd/-

FORM NO. ITNS—

- (1) 1. Shri A. B. L. Agnihotri  
2. Shri Ramji Agnihotri.

(Transferor)

- (2) Shri Dalip Kapur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
57, RAM TIRTH MARG  
LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1985

Ref. No. G.I.R. No. D-57/Acq.—Whereas, I,  
A. PRASAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. Bungalow known as Eariscourt situated at Sukhatal,  
Mallital, Nainital  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer [Registrar]Sub-  
Registrar  
at Nainital on August, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Residential Bungalow known as Eariscourt erected in the  
compound having a total area of 2.58 acres (10280 sq. mtrs.)  
of land situated in Sukhatal, Mallital, Nainital (as mentioned  
in 37G Form No. 320) registered by the Registering Authority,  
Nainital on August, 1984.

A. PRASAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

Date : 27-3-1985  
Seal :